राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

वर्ष 9 अंक 325

मूल्य ₹8 .00 नई दिल्ली, सोमवार, 4 मई, 2026

www.jagran.com

पृष्ठ 14

विस चुनाव प्रक्रिया खत्म होते ही होगा 'नवीन' टीम का एलान

>> 4

जागरण विशेष

यशस्वी प्रधान

सरपंच बहू ने बदली गांव की तस्वीर.. यहां विकास है नजीर

यमुनानगर: हरियाणा के यमुनागर में पश्चिमी यमुना नहर के किनारे बसा गांव कांजनू। कहने को तो यह गांव है, लेकिन आप यहां आएंगे तो शहर जैसा अनुभव करेंगे। ● पेज-6

मुद्दा

बदलेगा तेल का गणित!

प्रमुख तेल उत्पादक देश यूएई ने तेल उत्पादक देशों के संगठन ओपेक और ओपेक प्लस से निकलने की घोषणा की है। ओपेक में यह टूट उस कार्टेल के लिए बड़ा झटका है जो उत्पादन को नियंत्रित करके वैश्विक बाजार में अपने हितों के हिसाब से कीमतें तय करने के लिए काम कर रहा था। ओपेक में टूट से तेल की आपूर्ति और कीमतों पर असर और भारत के लिए इसके निहितार्थ की पड़ताल आज के मुद्दा में। ● पेज-7

संपादकीय

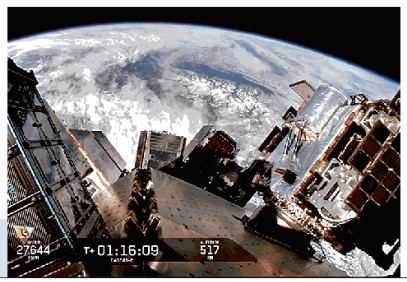

दूरगामी नुकसान करा बैठे दक्षिणी राज्य: अब जो परिसीमन होगा उसमें जनसंख्या ही मुख्य कसौटी बनेगी। इससे उत्तरी राज्यों की लोकसभा सीटें उससे भी अधिक बढ़ेंगी जो फार्मूला अभी केंद्र सरकार सुझा रही थी। **ए. सूर्यप्रकाश** का विश्लेषण।

नागरिकों की समस्या बढ़ाते जटिल नियम: ओडिशा की घटना बताती है कि वित्तीय समावेशन का अगला चरण केवल बैंक खाता नहीं, बैंकिंग न्याय होना चाहिए। **डा. ब्रजेश कुमार तिवारी** का दृष्टिकोण। ● पेज-8

विमर्श

बौद्धिक संपदा तंत्र के उपयोग से पूंजी निर्माण: वैश्विक स्तर पर एक प्रतिस्पर्धी नवाचार अर्थव्यवस्था बनने के लिए भारत को संबंधित तंत्र विकसित करना होगा। **डा. शिवेश प्रताप** का विश्लेषण।

जल भू-राजनीति का टकराव: नदी प्रणालियों पर बढ़ता दबाव एक बड़े बदलाव की ओर संकेत करता है। **रवि दास बिश्नोई** का आलेख। ● पेज-9

आईपीएल 19 धूम धड़ाका

आज का मैच

मुंबई इंडियंस वनाम

vs लखनऊ सुपर जायंट्स

शाम 7:30 बजे स्थान: मुंबई

प्रसारण: स्टार स्पोर्ट्स/जियो हाटस्टार

दैनिक जागरण सप्तरंग

साहित्य और संगीत का

हमें क्यों नहीं मिलते अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार

'अज' की यात्रा: ब्रह्मा से बकरे तक!

● पेज-13

हर मौसम में धरती के कोने-कोने पर भारत रख सकेगा 'दृष्टि'

- दुनिया का पहला 'आप्टोसार' उपग्रह मिशन दृष्टि कैलिफोर्निया से हुआ लांच
- अंधेरे, बादलों और खराब मौसम में भी मिलेंगी साफ तस्वीरें
- चीन-पाकिस्तान सहित हर देश की छोटी-बड़ी गतिविधि की होगी निगरानी
- अंतरिक्ष में ही एआइ से डाटा प्रोसेसिंग होगी, रक्षा, कृषि और आपदा प्रबंधन में उपयोगी

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली

भारतीय अंतरिक्ष क्षेत्र में रविवार को एक अहम उपलब्धि जुड़ गई, जब बेंगलुरु स्थित स्टार्टअप गैलेक्सआई ने अपना 'मिशन दृष्टि' उपग्रह सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में स्थापित कर दिया। इसे अमेरिकी कंपनी स्पेसएक्स के फाल्कन-9 राकेट से कैलिफोर्निया से लांच किया गया। यह उपग्रह दुनिया का पहला 'आप्टोसार' प्लेटफार्म है, जिसमें इलेक्ट्रो-आप्टिकल (ईओ) और सिंथेटिक एपर्चर रडार (एसएआर) तकनीकों को एक साथ जोड़ा गया है। आसान शब्दों में कहें तो अब पृथ्वी की तस्वीरें दिन-रात, बादलों या खराब मौसम की परवाह किए बिना साफ मिल सकेंगी-जो अब तक बड़ी चुनौती रही है। इसकी एक और खासियत है- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस। 'दृष्टि' उपग्रह में एनवीडिया के जेटसन ओरिन प्लेटफार्म आधारित एआइ सिस्टम लगा है, जो अंतरिक्ष में ही डाटा का प्राथमिक विश्लेषण कर लेता है। इससे जरूरी जानकारी तेजी से जमीन तक पहुंचती है और समय की बचत होती है।

190 किग्रा वजन, छोटे फ्रिज के आकार का उपग्रह रखेगा दुश्मन पर पैनी नजर

1.5 मीटर तक की जमीन पर बारीक तस्वीरें लेने में सक्षम है उपग्रह

गैलेक्सआई का मिशन दृष्टि हमारी अंतरिक्ष यात्रा में एक बड़ी उपलब्धि है। विश्व के पहले आप्टोसार उपग्रह और भारत में निर्मित सबसे बड़े निजी उपग्रह का सफल प्रक्षेपण नवाचार और राष्ट्र निर्माण के प्रति हमारे युवाओं के जुनून का प्रमाण है। - **पीएम नरेन्द्र मोदी**

अंतरिक्ष में पहुंचने के बाद रविवार को मिशन दृष्टि उपग्रह के पार्श्व में दृष्टिगोचर होती पृथ्वी। सौ. एक्स@गैलेक्सआई >>

प्रेट्र के अनुसार, करीब एक छोटे फ्रिज के आकार का यह उपग्रह 1.5 मीटर तक की बारीकी से तस्वीरें ले सकता है, जबकि पारंपरिक उपग्रहों की क्षमता आमतौर पर पांच मीटर तक सीमित रहती है। साथ ही, यह हर सात से 10 दिन में किसी भी स्थान की दोबारा निगरानी कर सकता है। इसमें 3.5 मीटर लंबा एंटीना भी लगा है, जिसे खोला और बंद किया जा सकता है।

कंपनी के संस्थापक और सीईओ सुयश सिंह के मुताबिक, उपग्रह के कक्षा में पहुंचने के बाद अब उसका कमीशनिंग चरण शुरू होगा। इसके डाटा को लेकर वैश्विक स्तर पर रुचि दिखाई दे रही है। भारत सरकार के तमाम विभागों, रक्षा और कृषि मंत्रालय के साथ चर्चा की गई है, जबकि डिफेंस स्पेस एजेंसी, वायुसेना, थल और नौसेना शुरू से हमारे कार्यक्रम पर गौर कर रही हैं। 'दृष्टि' का व्यापक इस्तेमाल रक्षा निगरानी, कृषि, आपदा प्रबंधन, समुद्री गतिविधियों और शहरी योजना जैसे क्षेत्रों में किया जा सकेगा। यह मिशन भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम को भी मजबूती देगा। इसरो के पास पहले से 29 सक्रिय अर्थ आब्जर्वेशन उपग्रह हैं और निजी क्षेत्र की यह पहल देश की क्षमता को और बढ़ाएगी। गैलेक्सआई का लक्ष्य 2030 तक ऐसे 10 उपग्रहों का नेटवर्क तैयार करना है, जिससे भारत को एक मजबूत और आत्मनिर्भर पृथ्वी अवलोकन प्रणाली मिल सके। कंपनी ने इस तकनीक का परीक्षण पहले ड्रोन, सेसना विमान और इसरो के पीएसएलवी-पीओईएम मिशन के जरिये किया था। सुयश सिंह ने बताया कि यदि ये उपग्रह पहले लांच हो जाता तो आपरेशन सिंदूर के दौरान हमें अमेरिकी उपग्रहों पर निर्भर न रहना पड़ता। अमेरिका ने अंतरिक्ष क्षेत्र की दिग्गज कंपनी वेंटोर (पूर्व में मैक्सर) को भारत-पाक युद्ध से संबंधित तस्वीरें साझा करने से रोक दिया था।

(पेज-3 भी देखें)

ऐसे काम करती है आप्टोसार तकनीक

'आप्टोसार' प्लेटफार्म वाले दुनिया के पहले उपग्रह मिशन दृष्टि में इलेक्ट्रो-आप्टिकल (ईओ) और सिंथेटिक एपर्चर रडार (एसएआर) तकनीकों को एक साथ जोड़ा गया है। इलेक्ट्रो-आप्टिकल सेंसर सूर्य के प्रकाश और साफ मौसम में हाई-रिजोल्यूशन तस्वीरें लेते हैं, जबकि एसएआर तकनीक रडार तरंगों का उपयोग कर रात में, बादल या खराब मौसम में भी स्पष्ट इमेजिंग कर सकती है। आप्टिकल इमेजिंग स्पष्टता और रंग प्रदान करती है, जबकि सिंथेटिक एपर्चर रडार बादलों की स्थिति या प्रकाश की परवाह किए बिना जमीन की तस्वीरें ले सकता है। इन दोनों का संयोजन डाटा की विश्वसनीयता को बढ़ाता है।

बंगाल-असम समेत पांच राज्यों में नई सरकार पर फैसला आज

इन चुनाव परिणामों का भारतीय राजनीति पर पड़ सकता है दूरगामी असर

नीलू रंजन ● जागरण

नई दिल्ली : पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजे सोमवार को आ जाएंगे। इनमें पुडुचेरी को छोड़ दें तो बंगाल, तमिलनाडु, केरलम और असम के नतीजों के असर भारतीय राजनीति पर दूरगामी हो सकते हैं। बंगाल का परिणाम न सिर्फ तृणमूल कांग्रेस, बल्कि आइएनडीआइए के लिए भी अहम साबित होगा। केरल में माकपा के नेतृत्व वाले एलडीएफ की हार की स्थिति में कई दशकों बाद किसी भी राज्य में वामपंथ की सरकार नहीं होगी। तमिलनाडु में अभिनेता विजय की पार्टी टीवीके का प्रदर्शन लगभग पांच दशक से चली आ रही अन्नाद्रमुक और द्रमुक की राजनीति को उलट-पुलट सकता है। असम में भाजपा की लगातार तीसरी जीत पूर्वोत्तर में पार्टी के प्रभुत्व को और मजबूत करेगी। ज्यादातर एक्जिट पोल में बंगाल और असम में भाजपा को आगे दिखाया गया है। केरल में यूडीएफ और तमिलनाडु में द्रमुक की जीत का अनुमान लगाया गया है। सोमवार के चुनाव परिणाम से यह स्पष्ट हो जाएगा कि ये अनुमान चुनावी नतीजों में कितने बदल पाते हैं?

चुनाव परिणामों में देशभर के लोगों की सबसे अधिक नजर बंगाल पर होगी। यदि ममता बनर्जी अपनी जमीन बचाने में सफल रहीं तो क्षेत्रीय दलों के सामने भाजपा के कमजोर प्रदर्शन के विमर्श को बल मिलेगा। वहीं ममता बनर्जी की हार की स्थिति में केंद्र की सत्ता में रहने के लिए भाजपा की हिंदी राज्यों पर निर्भरता में कमी आएगी। साथ ही क्षेत्रीय दलों के अपने-अपने राज्यों में अजेय होने का विमर्श खत्म हो जाएगा। 2024 में ओडिशा में नवीन पटनायक और 2025 में दिल्ली में अरविंद केजरीवाल से सत्ता छीनने के बाद भाजपा एक बार फिर यह साबित करने में सफल होगी कि क्षेत्रीय दलों को उन्हीं के घर में घुसकर चुनौती दी जा सकती है।

केरलम एक बार फिर भाजपा के लिए अबूझ पहेली साबित हो सकता है। अभी तक केरलम विधानसभा में भाजपा का पहली बार खाता 2016 में खुला था। लेकिन, 2021 में भाजपा का एक भी विधायक नहीं जीत पाया। 2024 में पहली बार लोकसभा की एक सीट जीतने के बाद इस बार फिर विधानसभा में भाजपा को सीटें मिलने की उम्मीद की जा रही है। वहीं यूडीएफ की जीत की स्थिति में दक्षिण भारत में कांग्रेस अपनी स्थिति मजबूत करने में सफल होगी। तेलंगाना और कर्नाटक के बाद केरल में उसका तीसरा मुख्यमंत्री होगा।

इसके अलावा सिर्फ हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की सरकार है। लगातार 10 साल की पी. विजयन सरकार के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर को देखते हुए यूडीएफ की जीत का अनुमान लगाया जा रहा है।

तमिलनाडु में देखने को मिल सकते हैं नए राजनीतिक समीकरण पेज>>4

- विजय की पार्टी टीवीके बिगाड़ सकती है तमिलनाडु का दशकों पुराना राजनीतिक संतुलन
- केरलम में एलडीएफ की हार की स्थिति में एक भी राज्य में नहीं होगी वामपंथ की सरकार
- असम में भाजपा की लगातार तीसरी जीत पूर्वोत्तर में पार्टी के प्रभुत्व को और मजबूत करेगी

इन पर रहेगी खास नजर

ममता बनर्जी। (बंगाल)

- बंगाल की चुनावी बाजी ममता बनर्जी के पास या जीतेगी भाजपा, इस पर रहेगी देशभर की नजर

हिमंत बिस्वा सरमा। (असम)

एम. स्टालिन। (तमिलनाडु)

एन. रंगासामी। (पुडुचेरी)

पी. विजयन। (केरलम)

मतगणना से पूर्व कोलकाता में रविवार को नेताजी इनडोर स्टेडियम स्थित स्ट्रांगरूम के बाहर तैनात सुरक्षाकर्मी। एएनआइ

दिल्ली में एसी ब्लास्ट से घर में लगी आग, डेढ़ साल के बच्चे समेत नौ लोगों की मौत

- विवेक विहार में रविवार तड़के हुआ हादसा, बालकनी बंद करने को लगी ग्रिल व इलेक्ट्रिक लाक के चलते फंसे लोग
- दमकल विभाग की टीम ने 15 की बचाई जान, छत को जाने वाली ढाई फीट की सीढ़ियों पर मिले तीन शव

विवेक विहार स्थित मकान में आग लगने के बाद उठती लपटें और धुआं। वीडियो ग्रैब >>

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

विवेक विहार में चार मंजिला इमारत की दूसरी मंजिल पर बालकनी में लगे एसी में हुए ब्लास्ट से रविवार तड़के साढ़े तीन बजे भीषण आग लग गई। फ्लैट में सो रहे लोग शोर-शराबा सुनकर जान बचाने के लिए भागे, लेकिन घरों में सुरक्षा के लिए लगा इलेक्ट्रानिक लाक और ग्रिल बाधा बन गए। जिन लोगों ने घरों के लाक खोल भी लिए वह भी छत के गेट पर ताला लगा होने और महज ढाई फीट की सीढ़ियों में आग व धुएं के बीच फंसकर रह गए। सूचना पर पहुंची दमकल विभाग की टीम ने ग्रिल को काटकर 15 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। इस बीच कुछ लोगों ने बिल्डिंग से कूदकर जान बचाई। लेकिन डेढ़ साल के बच्चे सहित नौ लोगों की आग की चपेट में आने से मौत हो गई। दमकल विभाग के अनुसार सूचना मिलने के पंद्रह मिनट में टीम मौके पर पहुंच गई थी, लेकिन बचाव कार्य व आग बुझाने में करीब चार घंटे लगे।

प्लाट बी-13 पर आठ सौ गज में बनी चार मंजिला इमारत में आगे और पीछे चार-चार फ्लैट हैं। एक फ्लोर पर दो फ्लैट। दूसरी मंजिल पर पिछले हिस्से में रहने वाले गत्ता फैक्ट्री संचालक नवीन जैन के फ्लैट में लगा एसी तेज आवाज के साथ फट गया। इससे उनके फ्लैट में आग लग गई। हादसे के समय वह पत्नी शिखा जैन, बेटियों प्रियल और रक्षिता, शिखा की मां और दो घरेलू सहायिकाओं के साथ सो रहे थे। फ्लैट में आग देखकर नवीन ने सभी को जगाया और बाहर निकलने की कोशिश की, लेकिन इस बीच सीढ़ियों तक आग फैल चुकी थी। बचने के लिए शोर मचाते हुए सभी बालकनी की ओर भागे, लेकिन वहां ग्रिल लगी थी। इस बीच अन्य फ्लैटों में रह रहे लोग भी बाहर निकल आए और जान बचाने को भागने लगे, लेकिन छत का रास्ता भी बंद था, जबकि नीचे की तरफ भीषण आग के साथ ही धुआं भर चुका था। इसी बीच दमकलकर्मियों की टीम मौके पर पहुंच गई और ग्रिल को काटा। इस बीच पड़ोसियों ने नीचे गद्दे डाल दिए, जिन पर कूदकर प्रियल, रक्षिता, घरेलू सहायिकाएं और नवीन जैन ने अपनी जान बचाई। शिखा जैन अपनी मां को बचाने के प्रयास में फ्लैट के अंदर ही फंस गईं। उनकी मां तो बाहर आ गईं, लेकिन शिखा की झुलसने से मौत हो गई।

किराना कारोबारी जैन का परिवार फ्लैट में ही फंसकर रह गया पेज>>2

लिपुलेख के जरिये कैलास यात्रा पर भारत बोला-1954 से यही मार्ग

नई दिल्ली: लिपुलेख दर्रे के रास्ते आगामी कैलास मानसरोवर यात्रा कराने की योजना पर नेपाल ने आपत्ति व्यक्त की है। नेपाल का दावा है कि यह इलाका उसका है। जवाब में भारत का कहना है कि ऐसे दावे न तो उचित हैं और न ही ऐतिहासिक तथ्यों एवं प्रमाणों पर आधारित हैं। यह भी बताया है कि लिपुलेख दर्रा 1954 से कैलास मानसरोवर यात्रा का मार्ग रहा है। भारत सीमा संबंधी लंबित मुद्दों सहित सभी मुद्दों पर नेपाल के साथ रचनात्मक बातचीत के लिए तैयार है। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इस तीर्थयात्रा मार्ग को अंतिम रूप देने से पहले (चीन और भारत ने) उससे कोई परामर्श नहीं किया गया। (पेज-3)

ईरान की अमेरिका को दो टूक-30 दिनों में खत्म हो युद्ध

- ईरान के भेजे 14 बिंदुओं के शांति प्रस्ताव पर तेहरान को मिले अमेरिका के जवाब का आकलन जारी
- ईरान का जोर युद्धविराम के बजाय युद्ध खत्म करने, प्रतिबंध हटाने, संपत्तियां लौटाने और सेना हटाने पर
- ट्रंप बोले- प्रस्ताव का अध्ययन जारी, हालांकि मंजूर करना मुश्किल, सैन्य विकल्प भी बरकरार
- इजरायल ने दक्षिणी लेबनान के 11 कस्बों व गांवों से लोगों को दूर जाने को कहा

लेबनान के जवतर अल-शरकिया गांव में रविवार को इजरायली हवाई हमले के बाद उठता धुएं का गुबार। एएफपी

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में तनाव घटाने और बेहद अहम रणनीतिक समुद्री मार्ग होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने के प्रयासों के तहत अमेरिका और ईरान ने एक दूसरे के शांति प्रस्तावों पर जवाब भेज दिए हैं। ईरान ने रविवार देर रात बताया कि अमेरिका को भेजे 14 सूत्रीय प्रस्ताव के जवाब में अमेरिका से प्रतिक्रिया मिली है, जिसकी समीक्षा की जा रही है। ज्यादा जानकारी न देते हुए ईरान के विदेश मंत्रालय ने केवल इतना कहा कि इस स्तर पर हम परमाणु मुद्दे पर बातचीत नहीं कर रहे हैं। प्रस्तावों का आदान प्रदान पाकिस्तान के जरिये हो रहा है।

एएनआइ के अनुसार, ईरान ने अमेरिका के नौ सूत्रीय प्रस्ताव के जवाब में 14 बिंदुओं वाला जवाब भेजा था। इसमें लेबनान सहित सभी मोर्चों पर 30 दिनों के अंदर युद्ध समाप्त करने की बात शर्त रखी है। हालांकि, अमेरिका दो महीने के युद्धविराम की वकालत कर रहा है। तेहरान का जोर केवल युद्धविराम बढ़ाने के बजाय स्थायी शांति पर है। प्रस्ताव में सैन्य हमले दोबारा न होने की गारंटी, क्षेत्र से अमेरिकी सेना की वापसी, फ्रीज संपत्तियों की रिहाई और आर्थिक प्रतिबंध हटाने के साथ-साथ होर्मुज में आवाजाही के लिए नया तंत्र बनाने जैसी कई शर्तें भी शामिल हैं। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि इसे स्वीकार करना मुश्किल लगता है क्योंकि ईरान ने अब तक पूरी कीमत नहीं चुकाई है। वहीं इजरायली सेना ने दक्षिणी लेबनान के 11 कस्बों और गांवों के निवासियों को एक किलोमीटर दूर हटने की चेतावनी दी है।

ईरान बोला, अमेरिका को करना है फैसला-कूटनीति या टकराव पेज>>11

मील का पत्थर

केंद्र सरकार ने जारी किए बाल मधुमेह स्क्रीनिंग व उपचार के दिशा-निर्देश, सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर बच्चों के लिए मधुमेह का उपचार पूरी तरह होगा निश्शुल्क

डायबिटीज पीड़ित बच्चों के इलाज में अब आर्थिक तंगी नहीं बनेगी बाधा

नई दिल्ली, प्रेट्र : बचपन जब बीमारी की जकड़ में आता है तो दर्द सिर्फ बच्चे को नहीं, पूरे परिवार को होता है। भारत में टाइप-1 डायबिटीज से जूझ रहे बच्चों और उनके अभिभावकों की इसी पीड़ा को समझते हुए केंद्र सरकार ने एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने 'बाल मधुमेह' की स्क्रीनिंग, निदान और उपचार के लिए एक व्यापक राष्ट्रीय ढांचा जारी किया है। यह पहल न केवल चिकित्सा जगत में एक मील का पत्थर है, बल्कि उन हजारों परिवारों के लिए उम्मीद की एक नई किरण है जो महंगे इलाज के बोझ तले दबे थे। इस नई नीति की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि अब सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर बच्चों के लिए मधुमेह का उपचार पूरी तरह से निश्शुल्क होगा।

मुफ्त इलाज और 'फोर टी' का सुरक्षा कवच : इस पहल के तहत स्क्रीनिंग और डायग्नोसिस से लेकर जीवनभर चलने वाली इंसुलिन थेरेपी, ग्लूकोमीटर और टेस्ट स्ट्रिप्स तक सब कुछ मुफ्त प्रदान किया जाएगा। सरकार का लक्ष्य स्पष्ट है - आर्थिक तंगी किसी भी बच्चे के इलाज में बाधा नहीं बननी चाहिए। जागरूकता बढ़ाने के लिए मंत्रालय ने 'फोर टी' का मंत्र दिया है, जिससे माता-पिता और शिक्षक लक्षणों को पहचान सकें। टायलेट - सामान्य से अधिक बार पेशाब आना। थर्स्टी - बार-बार प्यास लगना। टायर्ड - हर समय थकान महसूस करना। थिनर - अचानक वजन का कम होना। इन संकेतों के आधार पर संदिग्ध मामलों की तत्काल रक्त जांच की जाएगी और जिला अस्पतालों में उनका पुख्ता इलाज शुरू होगा। (पेज-3 भी देखें)

18 वर्ष तक के बच्चों की स्क्रीनिंग सामुदायिक, स्कूल-आधारित प्लेटफार्मों के माध्यम से होगी

प्रतीकात्मक

स्कूल से अस्पताल तक : देखभाल का अटूट चक्र

इस ढांचे के तहत, जन्म से लेकर 18 वर्ष तक के सभी बच्चों की स्क्रीनिंग सामुदायिक और स्कूल-आधारित प्लेटफार्मों के माध्यम से की जाएगी। सरकार ने एक ऐसी व्यवस्था तैयार की है जिसमें गांव के स्वास्थ्य केंद्र से लेकर मेडिकल कालेज तक, मरीज की देखभाल का एक 'इंटीग्रेटेड कंटिन्यूम' होगा। यानी, एक बार बीमारी पकड़े जाने के बाद बच्चे का साथ तब तक नहीं छोड़ा जाएगा जब तक वह पूरी तरह व्यवस्थित प्रबंधन के दायरे में न आ जाए। केवल क्लीनिकल उपचार ही नहीं, यह दस्तावेज परिवारों के सशक्तिकरण पर भी जोर देता है। अभिभावकों को इंसुलिन देने के सही तरीके, ग्लूकोज की निगरानी और आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। भारत अब उन चुनिंदा देशों की सूची में शामिल हो गया है जिन्होंने सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली में बाल मधुमेह को इतनी गहराई से एकीकृत किया है। यह पहल न केवल बच्चों की जीवन प्रत्याशा बढ़ाएगी, बल्कि उन्हें एक सामान्य और खुशहाल जीवन जीने का हक भी देगी।

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
सोमवार, 4 मई, 2026

आज का मौसम

सामान्यतया बादल छाए रहेंगे। गर्जन वाले बादल बनने, बिजली चमकने और 50 से 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने के साथ साथ वर्षा होने के भी आसार हैं।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली		
4 मई	33.0	24.0
5 मई	32.0	23.0
नोएडा		
4 मई	35.0	22.0
5 मई	35.0	22.0
गुरुग्राम		
4 मई	39.0	25.0
5 मई	38.0	25.0

डिग्री सेल्सियस में

न्यूज गैलरी

फर्जी एप से 45 लाख की ठगी, बैंक अधिकारी समेत तीन दबोचे

नई दिल्ली : निवेश योजनाओं में मोटे मुनाफे का लालच देकर ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ कर क्राइम ब्रांच ने बैंक अधिकारी समेत तीन जालसाजों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों ने नकली शेयर मार्केट एप के जरिए एक सेवानिवृत्त सरकारी अधिकारी से 45.33 लाख रुपये ठग लिए। आरोपितों की पहचान उधम सिंह नगर, उत्तराखंड के कपिल बैन, मनोज शर्मा और कमल पांडे के रूप में हुई है। इनमें कमल पांडे एक बैंक में असिस्टेंट मैनेजर के पद पर तैनात है और गिरोह को अंदरूनी सहयोग दे रहा था। (जासं)

सीवरेज लाइन में उतरे सुपरवाइजर व सफाईकर्मी की मौत

फरीदाबाद : ग्रेटर फरीदाबाद सेक्टर-85 में पुरी प्राणायाम सोसाइटी के सामने सीवरेज लाइन की सफाई के दौरान दम घुटने से बीपीटीपी बिल्डर के सुपरवाइजर और एक सफाईकर्मी की मौत हो गई। मरने वालों में सुनील और राजेंद्र शामिल हैं। पुलिस ने स्वजन की शिकायत पर बीपीटीपी बिल्डर के एस्टेट मैनेजर के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। (जासं)

आप पूर्वांचल प्रकोष्ठ का सीएम आवास के पास हल्ला बोल

नई दिल्ली : जाफरपुर गांव में बिहार के एक युवक की हत्या करने की घटना को लेकर रविवार को आम आदमी पार्टी के पूर्वांचल प्रकोष्ठ ने सीएम के आवास के पास विरोध प्रदर्शन किया। आप कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी की। साथ ही परिवार को एक करोड़ मुआवजा, परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने की मांग की। (राब्यू)

धधकती आग और धुएं के बीच देवदूत बने दमकलकर्मी व पड़ोसी

बढ़ाया मदद के लिए हाथ ▸ पड़ोसी गुरदीप सिंह गिल और जगदीश सिंह गिल ने बचाई जमीन पर गद्दे बिछाकर नवीन जैन की दो बेटियों की जान

नेमिष हेमंत • जागरण

आग लगने के बाद विवेक विहार बी ब्लाक स्थित इमारत से निकलते मृतकों के शव। जागरण

नई दिल्ली : धधकती आग और धुएं के गुबार के बीच जब लोग चीखते हुए शोलों में घिरे थे, तब पड़ोसियों ने अग्निशमन कर्मियों के साथ मोर्चा संभाला। इन देवदूतों ने अपनी जान पर खेलकर आग में फंसे लोगों को बचाया। पड़ोसियों ने गद्दे बिछाकर कूदने के लिए सुरक्षित स्थान बनाया। अग्निशमन कर्मियों द्वारा लाए गए कटर लोहे की मोटी जालियां काटने में हार गए तो पड़ोसी ने ग्राइंडर और कटिंग ब्लेड उपलब्ध कराया। बिजली नहीं थी तो उसे चलाने के लिए जेनसेट से बिजली दी। इस बीच बाल्टियों से और पाइपों से खुद से आग बुझाने की कोशिश की। इस तरह, कई लोगों की जान बच सकी।

दिल्ली रविवार तड़के गहरी नींद के आगोश में थी, तब विवेक विहार के बी ब्लाक में 13 नंबर इमारत आग का गोला बनी थी। पड़ोसी सबसे पहले मदद को पहुंचे। बी-13 से सटी इमारत में रहने वाले गुरदीप सिंह गिल और जगदीश सिंह गिल देवदूत बनकर सामने आए। जगदीश वह मंजर याद करते हुए बताते हैं कि उनके फ्लैट के सामने वाले फ्लैट में तेज आग के गोले निकल रहे थे। उसमें नवीन जैन रहते हैं, वह आग से बचते हुए नीचे आ गए थे।

जगदीश बताते हैं कि वह लोग भी बचाव के लिए उस बिल्डिंग परिसर में पहुंच गए। नवीन ने बताया कि उनकी दो बेटियां फंसी हैं। बेटियां, दूसरे फ्लोर की बालकनी में खड़ी बचाने के लिए चीख रही थीं। उनकी मां ने आग में दम तोड़ दिया था। उन दोनों को पहले खुद से नीचे आने को कहा गया, लेकिन अंदर आग इतनी भीषण थी कि वह सीढ़ियों से नहीं आ सकती थीं। गुरदीप फौरन अपने घर से गद्दे ले आए और जमीन पर बिछा दिया। नवीन की दोनों बेटियां गद्दे पर कूदीं और उनकी जान बच गईं। उन्हें मामूली चोटें आई हैं। इसी तरह, जब लोहे के मोटे सरियों के जाल से बंद इमारत के सेटबैक एरिया को खोलने के लिए जब इनको काटा जा रहा था तो अग्निशमन कर्मियों की कटर मशीनें जवाब दे गईं। ऐसे में जगदीश गिल ने पास की इमारत में ही काम कर रहे ठेकेदार से ग्राइंडर और कटर ब्लेड मंगवाया। आग लगने से इमारत की बिजली गुल हो गई थी तो ग्राइंडर चलाने के लिए पड़ोसी ने सर्विस लेन में रखे अपने जेनसेट से बिजली दी। सरिया से बने जाल को काटने में एक ग्राइंडर ब्लेड टूट गया तो दूसरा लगाया गया। जाल में बड़ा रास्ता बनाने में करीब 20 मिनट लगे, उसके बाद अग्निशमन कर्मियों ने वहां से चार से पांच लोगों को बचाया।

वगल की इमारत तक पहुंच गई थी आग : आग न सिर्फ बी-13 के फ्लैटों में रहने वाले लोगों को निगल रही थी, बल्कि विकराल होकर आसपास की इमारतों में पहुंचने लगी थी। बाईं ओर की इमारत के फ्लैट के पड़ोसी ने अपनी बालकनी दिखाते हुए बताया कि वहां रखा सारा सामान जल गया है।

ज्वलनशील सामानों से सजावट से आग हुई भयावह : जिन फ्लैटों में आग लगी, उनमें सजावट में लकड़ी, प्लास्टिक समेत अन्य सामग्री का इस्तेमाल किया गया था। बचाव में जुटे एक कर्मी ने बताया कि डाइंग हाल से लेकर बेडरूम तक में ज्वलनशील पदार्थों से निर्माण हुए थे, जिसके चलते आग व भयावह हुई।

निशांख जैन, पत्नी आंचल जैन व डेढ साल के बेटे के साथ। सौ-स्वजन

नितिन जैन पत्नी शैली जैन के साथ। सौः स्वजन

शिखा जैन : स्वजन

सम्यक। सौ- स्वजन

ये वनी चुनौतियां : इमारत के सेटबैक एरिया को, जिसे आपदा की स्थिति में बचाव अभियान के लिए खुला छोड़ा जाना चाहिए था, उसे मोटे सरियों के जाल से छत तक कवर कर दिया गया था। इसमें खिड़की या आपात स्थिति के लिए खुला स्थान नहीं छोड़ा गया था।

कारोबारी का परिवार फ्लैट में ही फंसकर रह गया

प्रथम पृष्ठ से आगे

तीसरी मंजिल पर रहने वाले किराना कारोबारी अरविंद जैन का परिवार फ्लैट में ही फंसकर रह गया। प्राथमिक जांच में पता चला है कि ये परिवार इलेक्ट्रानिक लाक नहीं खुलने की वजह से फंस गया था। बचाव टीम के सदस्य लाक तोड़कर अंदर पहुंचे, लेकिन तब तक अरविंद जैन, उनकी पत्नी अनीता, बेटा निशांक (सीए) बहू आंचल (बैंक मैनेजर) और निशांक के डेढ़ साल के बेटे अकाय की मौत हो चुकी थी। चौथी मंजिल पर रहने वाले कागज कारोबारी नितिन जैन ने पत्नी शैली जैन और बेटे सम्यक के साथ छत की ओर भागकर जान बचाने की कोशिश की, लेकिन छत का दरवाजा बंद था। तीनों के शव सीढ़ियों पर जले हुए मिले। आशंका जताई जा रही है कि महज ढाई फीट की सीढ़ियों में बुरी तरह धुआं भरने से तीनों बेहोश हो गए, जिसके बाद आग की चपेट में आने से मौत हो गई।

विवेक विहार फेस 1 में चार मंजिला इमारत के पीछे की ओर आग लगने से जले एसी और गीजर। चंद्र प्रकाश मिश्र

राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री सहित कई ने जताया शोक : हादसे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, दिल्ली के एलजी तरनजीत सिंह संधू व मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शोक जताया है। इसके साथ ही

> हाइड्रोलिक प्लेटफार्म और सीढ़ियों की मदद से इमारत के अगले हिस्से में लगी ग्रिल को काटकर 15 लोगों को सुरक्षित निकाला गया। हादसे में लगभग 27 प्रतिशत झुलसे नवीन जैन को सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया है, जबकि तीन अन्य महिलाओं को मामूली चोटें आई हैं, जिन्हें जीटीबी अस्पताल से उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।
> – आरपी मीणा, डीसीपी, जिला शाहदरा

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से हादसे में जान गंवाने वालों के स्वजन को दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी, जबकि घायलों को 50-50 हजार रुपये की सहायता दी जाएगी।

केंद्रीय मंत्री वोले-हादसे की हर पहलू से होगी जांच : केंद्रीय राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि हादसा बेहद दर्दनाक और हृदय विदारक है। इसकी हर पहलू से जांच के आदेश दिए गए हैं।

लाक न होता छत का दरवाजा तो बच सकती थीं तीन जिंदगियां

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : आग से बचने के लिए लोग जिस दिशा में भागते हैं, वही रास्ता अगर बंद हो तो वह उम्मीद नहीं, मौत का दरवाजा बन जाता है। विवेक विहार अग्निकांड में चौथी मंजिल पर रहने वाले नितिन जैन के परिवार के साथ ठीक यही हुआ। जान बचाने की कोशिश में वे छत की ओर भागे, लेकिन एक बंद दरवाजे ने उनकी सांसें हमेशा के लिए छीन लीं। पुलिस के अनुसार छत की चाबी उनके ही पास थी, लेकिन हड़बड़ाहट में चाबी मिली नहीं। धुआं और आग नितिन जैन, पत्नी शैली व बेटे सम्यक की जिंदगी लील गया।

कागज कारोबारी नितिन जैन, पत्नी और बेटा आग लगते ही जान बचाने के लिए छत की ओर भागे। धुएं और लपटों से घिरने पर उन्हें यही एक रास्ता नजर आया, लेकिन छत का दरवाजा बंद था।

स्पिलिट एसी में हादसे दिखते हैं अधिक मगर असल कारण वायरिंग, इंस्टालेशन व रखरखाव में कमी

अनूप कुमार सिंह • जागरण

▸ एसी का प्रकार नहीं, पूरे इलेक्ट्रिकल सिस्टम की खामी पैदा करती है खतरा
▸ गर्मी में लगातार इस्तेमाल से बढ़ता है जोखिम

नई दिल्ली : राष्ट्रीय राजधानी समेत देश के कई हिस्सों में एसी से जुड़ी आग और 'ब्लास्ट जैसे' हादसों के मामलों में लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि इन घटनाओं के पीछे एसी का प्रकार नहीं, बल्कि खराब वायरिंग, गलत इंस्टालेशन और समय पर रखरखाव न होना मुख्य कारण है। एसी से जुड़े हादसे तकनीकी फेल्योर का परिणाम होते हैं। इस तरह की घटनाओं को सही इलेक्ट्रिकल डिजाइन, नियमित सर्विस और सुरक्षित उपयोग से ही रोका जा सकता है।

एसी इंस्टालेशन एक्सपर्ट कृष्णन कुमार का कहना है कि स्पिलिट या विंडो एसी में से किसी एक को सीधे जिम्मेदार ठहराना सही नहीं है। हालांकि व्यावहारिक तौर पर स्पिलिट एसी से जुड़े हादसे अधिक देखने को मिलते हैं, क्योंकि इसमें इनडोर और आउटडोर यूनिट के बीच अलग-अलग केबलिंग और कनेक्शन होते हैं। इंस्टालेशन में जरा सी कमी या ढीले कनेक्शन स्पार्किंग और शार्ट सर्किट का कारण बन सकते हैं। विंडो एसी एक सिंगल यूनिट होता है, इसलिए उसमें इंस्टालेशन से जुड़ी गड़बड़ियां अपेक्षाकृत कम होती हैं, लेकिन ओवरलोडेड साकेट, खराब प्लग और पुरानी वायरिंग वहां भी जोखिम पैदा कर सकती है।

कृष्णन कुमार के अनुसार असली समस्या खराब वायरिंग, गलत इंस्टालेशन और समय पर सर्विस न होना है। कई घरों में तेज गर्मी के दौरान एसी 18 से 20 घंटे लगातार चलाए जा रहे हैं, जिससे सिस्टम पर दबाव कई गुना बढ़ जाता है। स्पिलिट एसी का आउटर यूनिट अक्सर खुले में लगी होती है, जहां मौसम, पक्षियों या बंदरों की गतिविधियों से कनेक्शन प्रभावित हो जाते हैं। एक छोटा सा ढीला कनेक्शन भी पूरे सिस्टम को खतरे में डाल सकता है। वहीं जितना कम तापमान होगा एसी पर उतना ही ज्यादा लोड पड़ेगा। इसलिए 24 से 26 डिग्री पर एसी चलाने का सबसे सुरक्षित व संतुलित विकल्प है।

क्या होता है एसी 'ब्लास्ट'

एसी आमतौर पर बम की तरह नहीं फटता, बल्कि तकनीकी खराबियों के कारण 'ब्लास्ट जैसा असर' होता है।

विवेक विहार फेस 1 में आग लगने वाले चार मंजिला इमारत के पीछे पार्क की ओर एसी यूनिट और जनरेटर का दीवार से निकला गया साइलेंसर। चंद्र प्रकाश मिश्र

यह होती हैं स्थितियां

- कंप्रेसर फेल होने पर तेज धमाके जैसी आवाज
- शार्ट सर्किट से आग लगना
- गैस लीकेज के बाद आग पकड़ना
- मशीन के अंदर अत्यधिक गर्मी और प्रेशर बनना

गर्मियों में बढ़ जाता है खतरा

- एसी का लंबे समय तक चलना
- बाहरी तापमान बहुत अधिक होना
- बिजली की खपत बढ़ जाना
- वेंटिलेशन व एयर फ्लो का कम होना

शार्ट सर्किट के प्रमुख कारण

- लगातार चलने से ओवरहीटिंग
- खराब या पुरानी वायरिंग
- रेफ्रिजरेंट गैस का रिसाव
- गलत या अधूरा इंस्टालेशन
- समय पर सर्विस न होना
- गंदे फिल्टर और काइल से एयर फ्लो ब्लाक होना

क्या सावधानी बरतें

- हर एसी के लिए अलग इलेक्ट्रिकल लाइन और सही क्षमता का एमसीबी लगवाएं
- समय-समय पर सर्विसिंग और इलेक्ट्रिकल आडिट कराएं
- एसी के आसपास पर्याप्त वेंटिलेशन बनाए रखें

सैन्य अधिकारी की दिवंगत पत्नी के दिल ने दी किशोर को नई जिंदगी

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

▸ पंचकूला के कमांड अस्पताल में 41 वर्षीय सैन्य अधिकारी की पत्नी दो मई को घोषित किया गया था ब्रेन डेड

गहरे शोक और असहनीय क्षति के बीच स्वजन द्वारा लिया गया भावनात्मक निर्णय 14 वर्षीय किशोर के लिए जीवन की नई उम्मीद लेकर आया। जीवन की आस लगभग छोड़ चुके उस किशोर के शरीर में अब भारतीय सेना के एक अधिकारी की दिवंगत पत्नी और दो बेटियों की प्यारी मां का दिल, युवा जोश और नई उमंग के साथ धड़क रहा है।

पंचकूला के कमांड अस्पताल चंडीमंदिर में भर्ती 41 वर्षीय सैन्य अधिकारी की पत्नी दो मई को ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया था। इसके बाद गहरे शोक में डूबे सैन्य अधिकारी और उनकी दो बेटियों ने अंगदान का यह निर्णय लिया। महिला का हृदय नई दिल्ली के इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल में भर्ती 14 वर्षीय किशोर को प्रत्यारोपित किया गया। किशोर पिछले एक वर्ष से अंतिम चरण की हार्ट फेल से जूझ रहा था। उसे दो महीने पहले राष्ट्रीय अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण संगठन में पंजीकृत किया गया था।

हृदय प्रत्यारोपण के लिए पंचकूला के कमांड अस्पताल ब्रेन डेड घोषित सैन्य अधिकारी की पत्नी का दिल लेकर इंद्रप्रस्थ अपोलो पहुंची चिकित्सकों की टीम : सौजन्य अस्पताल

ग्रीन कारिडोर बनाकर हवाई अड्डे से अस्पताल लाया गया हृदय : अपोलो अस्पताल के अनुसार उपयुक्त दाता मिलने के बाद अपोलो की टीम चार्टर विमान से चंडीगढ़ पहुंची और हृदय को निर्धारित समय में दिल्ली लाया गया। दिल्ली यातायात पुलिस ने ग्रीन कारिडोर बनाकर हवाई अड्डे से अस्पताल तक 20 मिनट में हृदय को पहुंचाया।

राजधानी में बनेंगे मेट्रो के सात नए कारिडोर

राज्य ब्यूरो, जागरण • नई दिल्ली

▸ बाहरी दिल्ली, दक्षिणी दिल्ली और पूर्वी दिल्ली में बेहतर होगी मेट्रो कनेक्टिविटी
▸ डीएमआरसी के 32 वें स्थापना दिवस पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने की घोषणा

दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) के 32 वें स्थापना दिवस पर दिल्ली सरकार ने राजधानी में मेट्रो के विस्तार की घोषणा की है। इसके अंतर्गत पांच (बी) चरण में सात नए मेट्रो कारिडोर बनाए जाएंगे। कुल लंबाई 97.158 किमी होगी व 65 नए मेट्रो स्टेशन बनेंगे। इसके निर्माण पर 48,204.56 करोड़ खर्च होंगे। इससे बाहरी दिल्ली, दक्षिणी दिल्ली व पूर्वी दिल्ली में मेट्रो कनेक्टिविटी बेहतर होगी।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि चार प्राथमिकता वाले कारिडोर को वर्ष 2029 तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। शेष तीन कारिडोरों को बाद में चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा। इसके लिए उन्होंने डीएमआरसी के अधिकारियों को अलग-अलग विस्तृत परियोजना रिपोर्ट बनाने को कहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 1995 में डीएमआरसी की स्थापना से शुरू हुई मेट्रो की यात्रा आज 416 किमी लंबे नेटवर्क तक पहुंच चुकी है। वर्तमान में 303 स्टेशनों और 343 ट्रेनों के साथ प्रतिदिन 4500 से अधिक फेरे संचालित होते हैं और प्रतिदिन 65 लाख से अधिक यात्री यात्रा करते हैं। इस अवसर पर केंद्रीय शहरी एवं आवासन राज्य मंत्री तोखन साहू, डीएमआरसी के अधिकारी मेट्रो परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

डीएमआरसी के 32 वें स्थापना दिवस पर भारत मंडपम में कार्यक्रम में सीएम रेखा गुप्ता को स्मृति चिन्ह देते हुए डीएमआरसी के एमडी डा. विकास कुमार। साथ में हैं केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू व अन्य। सौ. दिल्ली सरकार

पांच (वी) चरण में प्रस्तावित सात नए कारिडोर :

1. **ढांसा वस स्टैंड - नांगलोई**
   लंबाईः 11.86 किमी, स्टेशनः नौ
2. **केंद्रीय सचिवालय - किशनगढ़**
   लंबाईः 15.97 किमी, स्टेशनः 10
3. **समयपुर वादली - नरेला खेल परिसर**
   दूरीः 12.89 किमी, स्टेशनः आठ
4. **कीर्ति नगर - पाल**
   लंबाईः 9.96 किमी, स्टेशनः छह
5. **जोरवाग - साकेत/जी-व्लाक**
   लंबाईः 16.99 किमी, स्टेशनः 12
6. **शास्त्री पार्क-मयूर विहार फेज तीन**
   लंबाईः 13.2 किमी, स्टेशनः आठ
7. **केशवपुरम - रोहिणी सेक्टर 34**
   लंबाईः 16.29 किमी, स्टेशनः 12

कर्ज में डूबे व्यक्ति ने पत्नी व चार बच्चों को जहर देने के बाद गला दबाकर मार डाला

जागरण संवाददाता, गुरुग्राम

▸ गुरुग्राम के वजीरपुर गांव का मामला, पैसों को लेकर आए दिन पति-पत्नी में होता था झगड़ा

गुरुग्राम के वजीरपुर गांव में शनिवार रात एक व्यक्ति ने पत्नी और चार बच्चों को जहर देने के बाद गला दबाकर उनको मार दिया।

आरोपित ने गला व हाथ की नस काटकर खुद भी आत्महत्या की कोशिश की। आरोपित को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि उस पर कर्ज था। पैसों को लेकर घर में आए दिन पति-पत्नी में विवाद होता था, जिसके चलते ही आरोपित ने यह कदम उठाया।

जानकारी के मुताबिक मूलरूप से मुरादाबाद के बिलारी गांव का मो. नाजिम वजीरपुर गांव में कई वर्षों से पत्नी नजमा और चार बच्चों के साथ रहता था। वह गढ़ी हरसरु गांव में नाई की दुकान चलाता था। नजमा और नाजिम की 12 साल पहले शादी हुई थी। नजमा शादी से पहले हिंदू थी और उसकी नाजिम के साथ दूसरी शादी हुई थी। पति-पत्नी में कुछ समय से विवाद चल रहा था। शनिवार रात काम से वापस आने के बाद आरोपित ने पत्नी व बच्चों को जहरीला पदार्थ दे दिया। पुलिस को आशंका है कि उसने खाने में यह जहरीला पदार्थ मिलाया। हत्या के बाद आरोपित ने खुद भी आत्महत्या करने के लिए अपने हाथ की नस और गले को चाकू से काट लिया। मौके से खून से सना एक चाकू बरामद किया गया है।

इस तरह सामने आया मामला : वारदात की जानकारी शनिवार रात करीब 10 बजे उस वक्त सामने हुई, जब नाजिम का भाई जीशान घर खाना खाने आया। जीशान ने पुलिस को बताया कि वह भी गांव के पास में ही रहता है और प्रतिदिन रात में खाना खाने आता था। जब वह घर पहुंचा तो सभी के मुंह से झाग निकाल रहा था। नाजिम भी तड़प रहा था। उसने अपने जानने वालों को बुलाया और सभी को अस्पताल ले गया, यहां डाक्टरों ने पांच को मृत घोषित कर दिया।

राजधानी में अब चालान टालना पड़ेगा भारी, तय समय में करना होगा भुगतान

राज्य ब्यूरो, जागरण • नई दिल्ली

▸ चालान की पूरी प्रक्रिया डिजिटल निगरानी में रहेगी, नियम तोड़ने वाले के पास तुरंत पहुंचेगा नोटिस

दिल्ली की विभिन्न अदालतों में लंबित 4 करोड़ से अधिक ट्रैफिक चालान के बीच दिल्ली सरकार ट्रैफिक चालान निपटाने के लिए अब नई, तय समय में पूरी होने वाली और व्यवस्थित प्रक्रिया शुरू कर रही है। नई व्यवस्था के तहत ट्रैफिक चालान से बचना अब संभव नहीं होगा और तय समय में उसका निपटारा करना हर नागरिक के लिए जरूरी होगा। नए नियमों के अनुसार चालान को चुनौती देने के लिए सीधे कोर्ट का दरवाजा नहीं खटखटाया जा सकेगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि इस नई प्रणाली से न केवल ट्रैफिक नियमों का पालन सुनिश्चित होगा, बल्कि सड़क दुर्घटनाओं में भी कमी आएगी।

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस का चालान। फाइल

अब लोग ट्रैफिक चालान को सीधे अदालत में चुनौती नहीं दे सकेंगे। यदि आप चालान से असहमत हैं और उसे कोर्ट में चुनौती देना चाहते हैं, तो आपको कुल जुर्माने की 50 प्रतिशत राशि जमा करनी अनिवार्य होगी। चालान मिलने के बाद 45 दिनों के अंदर भुगतान करना होगा या फिर पोर्टल पर दस्तावेजी साक्ष्यों के साथ संबंधित शिकायत निवारण अधिकारी के सामने उसे चुनौती दी जा सकेगी। यदि अधिकारी द्वारा चुनौती खारिज कर दी जाती है तो व्यक्ति के पास दो विकल्प होंगे, या तो वह 30 दिनों के भीतर चालान भर दे या फिर चालान की राशि का 50 प्रतिशत जमा कर न्यायालय में मामला ले जाए। समय सीमा पार होने के बाद अगर चालान का भुगतान नहीं किया जाता है तो संबंधित व्यक्ति के ड्राइविंग लाइसेंस व वाहन पंजीकरण से जुड़े सभी कार्य रोक दिए जाएंगे। अदालत पहुंचने से पहले परिवहन पोर्टल या दिल्ली यातायात की वेबसाइट पर आनलाइन चालान भुगतान किया जा सकता है।

मनी लांड्रिंग केस में कोर्ट ने खारिज की जवाद अहमद सिद्दीकी की जमानत अर्जी

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : साकेत कोर्ट ने शनिवार को मनी लांड्रिंग मामले में आरोपित अल फलाह ट्रस्ट व यूनिवर्सिटी के प्रमुख जवाद अहमद सिद्दीकी की जमानत याचिका को खारिज कर दिया है।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश शीतल चौधरी प्रधान ने बचाव पक्ष और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की दलीलें सुनने के बाद निर्णय सुनाया। जवाद अहमद सिद्दीकी अभी भी हिरासत में है। ईडी का प्रतिनिधित्व कर रहे विशेष वकील जोहेब हुसैन ने जवाद अहमद सिद्दीकी की रिहाई का विरोध किया। इसके लिए आरोपों की गंभीरता व अन्य गतिविधियों से संभावित संबंधों का हवाला दिया। ईडी ने बताया कि दिल्ली लाल किला धमाका मामले में नामजद कुछ लोग फरीदाबाद स्थित अल फलाह यूनिवर्सिटी में काम कर रहे थे।

न्यायिक अधिकारी आत्महत्या मामले में पिता की शिकायत पर एफआइआर दर्ज

जागरण संवाददाता, दक्षिणी दिल्ली

▸ पिता ने पुलिस को दिए बयान में कहा, अमन लंबे समय से वैवाहिक समस्या को लेकर परेशान चल रहे थे, उनका अपनी पत्नी से झगड़ा चल रहा था

ग्रीन पार्क इलाके में न्यायिक अधिकारी अमन कुमार शर्मा की आत्महत्या के मामले में पिता प्रेम शर्मा की शिकायत पर सफदरजंग एन्क्लेव थाने में पुलिस ने रविवार को एफआइआर दर्ज की है। पुलिस के मुताबिक मामले में बीएनएस की धारा 108 (आत्महत्या के लिए उकसाने) व 61(2) (आपराधिक षड्यंत्र) के तहत मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। हालांकि पुलिस ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि एफआइआर किसके खिलाफ दर्ज की गई है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि शनिवार को 30 वर्षीय अमन कुमार शर्मा ने अपने घर के बाथरूम में दुपट्टे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली थी। उनके पिता ने पुलिस को दिए अपने बयान बताया कि अमन लंबे समय से वैवाहिक समस्या को लेकर परेशान चल रहे थे। उनका पत्नी से झगड़ा चल रहा था और शनिवार दोपहर को भी दोनों के बीच झगड़ा हुआ था। इसके बाद अमन कुमार शर्मा ने आत्महत्या की। वहीं, सूत्रों की माने तो दिल्ली पुलिस ने मामले की जांच के लिए मुख्य न्यायाधीश (सीजेआइ) को एक पत्र लिखा है। इस पत्र में कार्रवाई के लिए अनुमति मांगी गई है। जिसके बाद अब यह तय हो गया है कि जल्द ही पुलिस कार्रवाई कर सकती है। बताया जा रहा है कि अमन की पत्नी भी न्यायिक अधिकारी हैं। ऐसे में सीजेआइ से अनुमति मांगने की बात सामने आ रही है।

50 हजार रुपये के भ्रष्टाचार के मामले में 36 साल बाद मिला न्याय

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : कहते हैं, न्याय में देरी न्याय न मिलने के बराबर है। उद्योग मंत्रालय में औद्योगिक विकास विभाग में डेस्क आफिसर के पद पर तैनात रहे रविंदर कुमार चोपड़ा पर ये लाइन सटीक बैठती हैं। चोपड़ा पर लगा वर्ष 1989 में एक कंपनी को लाइसेंस दिलाने के नाम पर 50 हजार रुपये की रिश्वत लेने का दाग धुलने में 36 साल से अधिक का वक्त लग गया। आखिरकार, ट्रायल कोर्ट के निर्णय के खिलाफ दायर याचिका को स्वीकार करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने उन्हें बरी कर दिया। ट्रायल कोर्ट का निर्णय पलटते हुए न्यायमूर्ति चंद्रशेखरन सुधा की पीठ ने माना कि रिकार्ड पर मौजूद सामग्री के आधार पर अपीलकर्ता को उस पर लगाए गए अपराधों के लिए संदेह से परे दोषी नहीं ठहराया जा सकता और वह संदेह का लाभ पाने का हकदार है।

10 अरब डालर की विशाल परियोजना है ग्रेट निकोबार आइलैंड डेवलपमेंट प्रोजेक्ट। इस परियोजना के जरिये भारत के इस दक्षिणी द्वीप को एक वाणिज्यिक और सैन्य हब में बदलने का लक्ष्य है।

सरकार ने 'आधार' के डिजाइन में बदलाव के दावे किए खारिज

इलेक्ट्रानिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने कहा- ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं

इंटरनेट मीडिया में इससे संबंधित प्रसारित हो रहे पोस्ट को बताया भ्रामक

नई दिल्ली, आइएएनएस : सरकार ने आधार कार्ड को जल्द ही केवल एक फोटो और क्यूआर कोड के सरल प्रारूप में बदले जाने के दावे को फर्जी बताते हुए इसे पूरी तरह से खारिज कर दिया है। सरकार ने स्पष्ट किया कि इस संबंध में कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। इलेक्ट्रानिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि आधार के प्रारूप में बदलाव संबंधी समाचार रिपोर्टें और इंटरनेट मीडिया पोस्ट गलत हैं और जनता के बीच अनावश्यक भ्रम पैदा कर रही हैं।

इलेक्ट्रानिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने रविवार को कहा, 'समय-समय पर समाचार रिपोर्टें और इंटरनेट मीडिया पोस्ट यह बता रही हैं कि इस वर्ष के अंत तक आधार का स्वरूप केवल एक फोटो और क्यूआर कोड में बदल सकता है। यह सही नहीं है। ऐसे किसी बदलाव की योजना नहीं है। ऐसी समाचार रिपोर्टें और इंटरनेट मीडिया पोस्ट लोगों के मन में अनावश्यक भ्रम पैदा कर रही हैं।'

नहीं बदलेगा आधार का स्वरूप। प्रतीकात्मक

मंत्रालय ने लोगों को सलाह दी कि वे केवल भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआइडीएआइ) के आधिकारिक बयानों पर भरोसा करें और मीडिया संगठनों से आग्रह किया कि वे असत्यापित जानकारी को बढ़ावा नहीं दें। यह स्पष्टीकरण उस समय आया है जब आधार के बड़े पैमाने पर पुनः डिजाइन होने के दावे आनलाइन प्रसारित हो रहे हैं। लगभग 134 करोड़ लोग आधार धारक हैं।

सुप्रीम कोर्ट आज आधार संबंधी याचिका पर करेगा सुनवाई

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट सोमवार को भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण को निर्देश देने की मांग वाली उस याचिका पर सुनवाई करेगा, जिसमें नए आधार कार्ड केवल छह वर्ष तक की उम्र के नागरिकों को ही जारी किए जाने की बात कही गई है। किशोरों और वयस्कों के लिए इसे जारी करने के सख्त दिशा-निर्देश बनाने की मांग की है ताकि घुसपैठियों को भारतीय नागरिकों के रूप में छिपने से रोका जा सके।

सर्वोच्च न्यायालय की सूची के अनुसार 4 मई को यह याचिका प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जायमाल्य बागची की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आएगी। वकील अश्विनी उपाध्याय द्वारा दायर जनहित याचिका में अधिकारियों को यह निर्देश देने की भी मांग की गई है कि वे

सामान्य सेवा केंद्रों पर डिस्प्ले बोर्ड लगाएं। इसमें यह स्पष्ट हो कि 12 अंकों की विशिष्ट पहचान संख्या केवल "पहचान का प्रमाण" है और नागरिकता, पते या जन्म तिथि का प्रमाण नहीं है। यह याचिका तब दायर की गई, जब याचिकाकर्ता को पता चला कि घुसपैठिये कमजोर सत्यापन प्रक्रिया से आधार प्राप्त कर रहे हैं।

जून तक चंडीगढ़ व दो अन्य यूटी में भी डिजिटल खाद्य सब्सिडी पायलट योजना

नई दिल्ली, प्रेट्र : सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) आधारित खाद्य सब्सिडी प्रोग्राम को गुजरात और पुडुचेरी में पायलट आधार पर लागू करने के बाद अब सरकार ने जून तक इसका विस्तार चंडीगढ़, दादरा और नगर हवेली, दमन और दीव तक करने की योजना बनाई है। इस प्रणाली में लाभार्थियों को डिजिटल टोकन के रूप में सीधे उनके वालेट में सब्सिडी मिलती है, जिसका उपयोग राशन की दुकानों से अनाज खरीदने के लिए किया जाता है। यह भ्रष्टाचार को कम करने और पारदर्शी वितरण के लिए एक प्रमुख कदम है। इसमें आधार-आधारित बायोमीट्रिक सिस्टम और डिजिटल करेंसी वालेट का उपयोग होता है, जिससे तुरंत अनाज वितरण संभव है।

सूत्रों के अनुसार- यदि यह प्रभावी ढंग से लागू हो तो यह पहल चार-पांच प्रतिशत की सब्सिडी बचत कर सकती है। वितरण भी अधिक पारदर्शी, लक्षित और कुशल होगा। यह कदम वितरण प्रणाली की खामियों को दूर करने के लिए उठाया गया है। लाभार्थियों के पास स्मार्टफोन होने पर डिजिटल वालेट की सुविधा होगी, जबकि अन्य विकल्प भी उपलब्ध रहेंगे। इस योजना से उचित मूल्य दुकान के डीलरों को भी लाभ होगा, क्योंकि हर लेनदेन पर भुगतान स्वतः उनके वालेट में जाएगा।

अब नौनिहालों को मिलेगा मानसिक स्वास्थ्य, डिजिटल सुरक्षा का कवच

- स्वास्थ्य मंत्रालय ने आरबीएसके 2.0' के दिशानिर्देश जारी किए
- पहले यह कार्यक्रम मुख्य रूप से 'फोर डी' - जन्मजात दोष, बीमारियां, कमियां, विकास में देरी- पर था केंद्रित
- अब बच्चों में बढ़ते गैर-संचारी रोगों, मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं, व्यवहार संबंधी विकारों को भी शामिल किया

नई दिल्ली, प्रेट्र : केंद्र सरकार ने बच्चों के सुनहरे भविष्य की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम उठाते हुए राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) का कायाकल्प कर दिया है। बच्चों का भविष्य अब और भी सुरक्षित और सेहतमंद होने जा रहा है।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा वितरण में नवाचारों पर आयोजित राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन के दौरान 'राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) 2.0' के नए दिशानिर्देश जारी किए हैं। यह अब न केवल बच्चों की शारीरिक व्याधियों, बल्कि उनके मानसिक स्वास्थ्य और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों पर भी केंद्रित होगी। यह पहल जन्म से लेकर 18 वर्ष तक के बच्चों के लिए एक संपूर्ण सुरक्षा चक्र प्रदान करने का संकल्प है।

जीवनशैली बीमारियों पर विशेष जोर : अब तक यह कार्यक्रम 'फोर-डी' (जन्मजात दोष, बीमारियां, कमियां और विकास में देरी) पर आधारित था। लेकिन बदलते समय की चुनौतियों को देखते हुए, अब इसमें मानसिक स्वास्थ्य, व्यवहार संबंधी विकार और मधुमेह व उच्च रक्तचाप जैसे गैर-संचारी रोगों की स्क्रीनिंग को भी शामिल किया गया है।

इसका उद्देश्य मोबाइल हेल्थ टीमों के माध्यम से आंगनबाड़ियों और स्कूलों में ही बच्चों की शुरुआती पहचान कर उन्हें समय पर इलाज मुहैया कराना है।

डिजिटल हेल्थ कार्ड, सुदृढ़ रेफरल प्रणाली

आरबीएसके 2.0 की सबसे बड़ी ताकत इसका डिजिटलीकरण है। प्रत्येक बच्चे के लिए डिजिटल हेल्थ कार्ड और रियल-टाइम डाटा सिस्टम लागू किया जा रहा है, जिससे उनकी सेहत का लेखा-जोखा एक क्लिक पर उपलब्ध होगा। साथ ही, रेफरल सिस्टम को इतना मजबूत बनाया गया है कि स्क्रीनिंग से लेकर अस्पताल में इलाज तक, बच्चे की निगरानी की जाएगी ताकि बीच में कोई भी उपचार न छूटे। शिक्षा और महिला एवं बाल विकास विभागों के साथ मिलकर यह कार्यक्रम अब हर बच्चे तक मुस्कान पहुंचाने के लिए तैयार है।

'बिजली संकट की खबरें निराधार, ग्रिड सुरक्षित और पर्याप्त है कोयला'

- इंटरनेट मीडिया पर बहु-प्रसारित हो रहे दावों को सरकार ने पूरी तरह भ्रामक और गलत करार दिया
- दो मई को बिजली की अधिकतम मांग 229 गीगावाट थी, जिसे बिना किसी कटौती के पूरा किया गया

नई दिल्ली, आइएएनएस : देश में बिजली संकट और ग्रिड फेल होने की आशंकाओं को लेकर इंटरनेट मीडिया पर बहु-प्रसारित हो रहे दावों को सरकार ने पूरी तरह भ्रामक और गलत करार दिया है। प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआइबी) की फैक्ट चेक यूनिट ने स्पष्ट किया कि इन खबरों का उद्देश्य जनता के बीच अनावश्यक घबराहट पैदा करना है। सरकार के अनुसार, भारत की विद्युत प्रणाली न केवल स्थिर है, बल्कि वह मांग को पूरा करने में पूरी तरह सक्षम भी है।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, दो मई 2026 को देश में बिजली की अधिकतम मांग 229 गीगावाट दर्ज की गई, जिसे बिना किसी कटौती के पूरा किया गया। सरकार ने जोर देकर कहा है कि पूरे देश में बिजली आपूर्ति सुचारू रूप से जारी है और कहीं भी कोई व्यवधान नहीं है। ग्रिड की फ्रीक्वेंसी को नियंत्रित करने के लिए उन्नत सुरक्षा तंत्र सक्रिय हैं, जो किसी भी तकनीकी खराबी या ब्लैकआउट की स्थिति को रोकने में सक्षम हैं।

कोयले की कमी के दावों को खारिज करते हुए बताया गया कि वर्तमान में थर्मल पावर प्लांटों के पास 5.37 करोड़ टन कोयले का स्टाक उपलब्ध है। यह स्टाक बिजली उत्पादन की परिचालन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। गर्मी के मौसम में बिजली की बढ़ती मांग को देखते हुए सरकार ने पहले ही ईंधन का अग्रिम भंडारण और क्षमता नियोजन जैसे एहतियाती कदम उठाए हैं।

प्रतीकात्मक

सरकार ने हजयात्रियों पर नहीं पड़ने दिया अधिक किराये का बोझ : रिजीजू

- हवाई किराये में 10 हजार रुपये की वृद्धि को लेकर अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री ने दी सफाई
- कांग्रेस ने किया विरोध, किराया बढ़ाने संबंधी सर्कुलर को वापस लेने की मांग

नई दिल्ली, प्रेट्र : हज यात्रा के लिए हवाई किराये में हाल ही में हुई वृद्धि को लेकर अल्पसंख्यक मामलों के केंद्रीय मंत्री किरेन रिजीजू ने रविवार को सफाई दी। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद केंद्र सरकार ने हजयात्रियों पर अधिक किराये का बोझ नहीं पड़ने दिया। वहीं कांग्रेस ने हज कमेटी आफ इंडिया के उस सर्कुलर को वापस लेने की मांग की, जिसमें प्रति हजयात्री हवाई किराये में 10 हजार रुपये की वृद्धि की गई है।

रिजीजू ने कहा कि तथ्यों को समझे बिना मंत्रालय को दोषी नहीं ठहराया जाना चाहिए। ईरान और अमेरिका-इजरायल गठबंधन के बीच संघर्ष के कारण विमानन कंपनियों की परिचालन लागत में भारी वृद्धि हुई है। इस कारण एयरलाइंस कंपनियां किराये में अधिक वृद्धि की मांग कर रही थीं, लेकिन सरकार ने एयरलाइंस कंपनियों से बात कर अधिक किराया नहीं बढ़ने दिया। गौरतलब है कि हज कमेटी आफ इंडिया ने हज के लिए हवाई किराये में प्रति हजयात्री 10 हजार रुपये की वृद्धि की है।

किरेन रिजीजू। फाइल

रिजीजू ने कहा, कुछ लोगों ने पत्र लिखकर पूछा कि हज का किराया 100 डालर (लगभग 10 हजार रुपये) क्यों बढ़ा दिया गया है? ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच युद्ध के बाद, एयरलाइंस ने हज यात्रियों के हवाई किराये में 400 डालर की बढ़ोतरी का प्रस्ताव रखा है। हम नहीं चाहते कि आर्थिक तंगी के कारण गरीब तीर्थयात्री हज पर न जा पाएं। इसलिए मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने एयरलाइन कंपनियों के साथ बातचीत की और किराया 400 डालर से घटाकर 100 डालर कर दिया। हज कमेटी आफ इंडिया के माध्यम से हज पर जाने वालों के लिए केवल 100 डालर की बढ़ोतरी हुई है और निजी आपरेटरों के लिए 150 डालर की बढ़ोतरी हुई है।

कांग्रेस महासचिव सैयद नसीर हुसैन ने हजयात्रा के किराये में वृद्धि का विरोध करते हुए एक्स पर पोस्ट कर कहा कि हज करने की लागत इतनी बढ़ गई है कि यह हजयात्रा आम भारतीय परिवारों की पहुंच से बाहर हो गई है। 28 अप्रैल को अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय ने सर्कुलर जारी कर प्रत्येक हजयात्री को 15 मई तक हवाई किराये के अंतर के रूप में 10 हजार रुपये जमा करने को कहा है। लेकिन कांग्रेस नेता का आरोप है कि यह कुप्रबंधन का प्रत्यक्ष परिणाम है।

लिपुलेख से कैलास यात्रा पर नेपाल को आपत्ति, भारत बोला- 1954 से यही मार्ग

- नेपाल का दावा- यह इलाका उसका तीर्थयात्रा मार्ग को अंतिम रूप देने से पहले उससे नहीं किया गया परामर्श
- भारत का जवाब, ऐसे दावे न उचित हैं और न ही ऐतिहासिक तथ्यों व प्रमाणों पर आधारित

नई दिल्ली, प्रेट्र : लिपुलेख दर्रे के रास्ते आगामी कैलास मानसरोवर यात्रा कराने की योजना पर नेपाल ने आपत्ति व्यक्त की है। नेपाल का दावा है कि यह इलाका उसका है। जबाव में भारत का कहना है कि ऐसे दावे न तो उचित हैं और न ही ऐतिहासिक तथ्यों एवं प्रमाणों पर आधारित हैं। यह भी बताया है कि लिपुलेख दर्रा 1954 से कैलास मानसरोवर यात्रा का मार्ग रहा है। भारत सीमा संबंधी लंबित मुद्दों सहित सभी मुद्दों पर नेपाल के साथ रचनात्मक बातचीत के लिए तैयार है।

नेपाल के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इस तीर्थयात्रा मार्ग को अंतिम रूप देने से पहले (चीन और भारत ने) उससे कोई परामर्श नहीं किया गया। कैलास मानसरोवर यात्रा पर नेपाल की यह आपत्ति भारत की उस घोषणा के कुछ ही दिनों बाद आई है, जिसमें भारत ने कहा था कि यह यात्रा जून और अगस्त के बीच आयोजित की जाएगी।

नेपाल के विदेश मंत्रालय ने इंटरनेट मीडिया पर जारी बयान में कहा, नेपाल सरकार का रुख स्पष्ट है और वह अपने इस रुख पर पूरी तरह से कायम है कि महाकाली नदी के पूर्व में स्थित लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी 1816 की सुगौली संधि के आधार पर उसके अविभाज्य क्षेत्र हैं।

बयान के अनुसार, नेपाल सरकार ने भारत और चीन दोनों के सामने नेपाली क्षेत्र (लिपुलेख) के रास्ते आयोजित होने वाली कैलास-मानसरोवर यात्रा के संबंध में अपना स्पष्ट रुख दोहराया है। इससे पहले भी नेपाल सरकार ने भारत सरकार से अनुरोध किया था कि वह इस क्षेत्र में सड़क निर्माण, विस्तार, सीमा व्यापार और तीर्थयात्रा जैसी गतिविधियां न करे। नेपाल सरकार ने इस बारे में चीन को भी सूचित कर दिया है।

गौरतलब है कि नेपाल का दावा है कि लिपुलेख और कालापानी उसके क्षेत्र हैं, जबकि भारत का कहना है कि ये क्षेत्र उसके अधिकार क्षेत्र में आते हैं।

द्विपक्षीय संबंध मजबूत करने के लिए जमैका पहुंचे विदेश मंत्री जयशंकर

किंग्स्टन, प्रेट्र : विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने द्वीप देश जमैका में अपने पहले आधिकारिक दौरे पर भारत और जमैका के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने का प्रयास किया।

जयशंकर ने शनिवार शाम को किंग्स्टन में पहुंचकर जमैका, सूरीनाम और त्रिनिदाद और टोबैगो के नौ दिवसीय दौरे की शुरुआत की, जिसका उद्देश्य कैरेबियन देशों के साथ भारत के रणनीतिक और सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत करना है। जयशंकर जमैका में प्रमुख व्यापार नेताओं और भारतीय समुदाय के सदस्यों के साथ द्विपक्षीय संवाद और बातचीत करेंगे।

जयशंकर ने इंटरनेट मीडिया पर पोस्ट में कहा, जमैका की अपनी पहली यात्रा पर किंग्स्टन पहुंचकर खुशी हुई। विदेश मंत्री @कामिना.जे.स्मिथ के स्वागत से प्रभावित हूं।

जमैका की विदेश और विदेशी व्यापार मंत्री कैमिना जे.स्मिथ ने किंग्स्टन में कहा, दो दिनों में जमैका के नेतृत्व, व्यापार समुदाय और भारतीय प्रवासी के सदस्यों के साथ बातचीत करने की उम्मीद है।

किंग्स्टन में रविवार को जमैका की समकक्ष कैमिना जे स्मिथ के साथ चर्चा करते विदेश मंत्री एस जयशंकर। एएनआइ

स्मिथ ने जयशंकर के आगमन से पहले इंटरनेट मीडिया पर पोस्ट किया, विदेश मंत्री एस. जयशंकर की यह कैरेबियन देश में पहली यात्रा है। हमारे देशों के बीच सहयोग को मजबूत करने का कार्य जारी है। नौ दिवसीय दौरे (2 मई से 10 मई) के दौरान जयशंकर तीन देशों के नेतृत्व से मिलेंगे और अपने समकक्षों के साथ द्विपक्षीय संबंधों के साथ-साथ क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करेंगे। जयशंकर तीन देशों के नेतृत्व से मिलेंगे और द्विपक्षीय संबंधों के साथ-साथ आपसी रुचि के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

म्यांमार से एडमिरल त्रिपाठी ने द्विपक्षीय समुद्री सहयोग पर की चर्चा

नई दिल्ली, प्रेट्र: भारतीय नौसेना के प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी पड़ोसी देश म्यांमार की यात्रा के दौरान वहां की नौसेना के युद्धपोत पर सवार हुए और वहां के वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों के साथ द्विपक्षीय समुद्री सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा की। उन्होंने म्यांमार की नौसैन्य प्रशिक्षण कमान का दौरा किया, जहां उन्होंने औपचारिक रूप से कुछ सैन्य उपकरण जैसे कंटेनरीकृत छोटे हथियारों का सिमुलेटर और रिजिड इन्फ्लेटेबल बोट सौंपे।

एडमिरल त्रिपाठी ने म्यांमार की चार दिवसीय यात्रा शनिवार को शुरू की। इस यात्रा का उद्देश्य भारत और म्यांमार की नौसेनाओं के बीच अभियानगत सहयोग को बढ़ाना है। म्यांमार भारत के प्रमुख रणनीतिक पड़ोसियों में से एक है, जो उग्रवाद प्रभावित नगालैंड और मणिपुर सहित कई पूर्वोत्तर राज्यों के साथ 1,640 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करता है।

भारतीय नौसेना ने इंटरनेट मीडिया पर बताया कि दो मई को एडमिरल त्रिपाठी का स्वागत म्यांमार नौसेना के फ्रिगेट यूएमएस कयान सिट थार (एफ12) पर किया गया।

भारत के लिए गेम चेंजर साबित होगा आप्टोसर उपग्रह मिशन दृष्टि

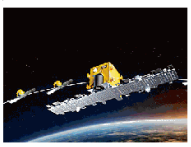

- खराब मौसम और रात के अंधेरे में भी दुश्मन की गतिविधियों पर पैनी नजर
- दुश्मन की छोटी से छोटी हरकत की मिलेगी रियल टाइम सटीक जानकारी

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली

भारत की सुरक्षा के लिहाज से बेंगलुरु आधारित भारतीय स्टार्टअप गैलेक्सआई का आप्टोसर उपग्रह मिशन दृष्टि एक 'गेम चेंजर' माना जा रहा है। पाकिस्तान और चीन जैसे पड़ोसी देशों के साथ तनाव के बीच, यह उपग्रह सेना को रात के अंधेरे और खराब मौसम में भी सीमा पार की सटीक जानकारी देगा। यह दुनिया का पहला अपनी तरह का उपग्रह है और अभी ये ताकत सिर्फ भारत के पास है। इस उपग्रह से जमीन पर डेढ़ मीटर के दायरे में दुश्मन की छोटी से छोटी हरकत की सटीक जानकारी रियल टाइम में मिल सकेगी।

बता दें कि पिछले साल पहलगाम हमले की प्रतिक्रिया स्वरूप शुरू किए गए आपरेशन सिंदूर में भारत ने पाकिस्तान में स्थित तमाम आतंकी अड्डों को तहस नहस कर डाला था। हालांकि, इस दौरान पाकिस्तान में नुकसान की सटीक तस्वीरें सामने नहीं आ सकी थीं और जो देर से मिलीं भी,

प्रतीकात्मक

वे अमेरिकी अंतरिक्ष कंपनी वेंटोर, जिसे पहले मैक्सर कहा जाता था, के जरिये ही मिल सकी थीं। हालांकि, अमेरिका ने भारत-पाक सैन्य संघर्ष से जुड़ी तस्वीरें साझा करने से कंपनी को रोक दिया था। लेकिन भारतीय स्टार्टअप गैलेक्सआई के ऐतिहासिक आप्टोसार उपग्रह के होते अब ऐसा नहीं हो सकेगा क्योंकि भारत को ऐसी ताकत मिल चुकी है, जिसके चलते सेना बादलों और अंधेरे को चीरते हुए हालात की साफ तस्वीर पा सकेगी।

एएनआइ के अनुसार, गैलेक्सआई की स्थापना 2021 में आइआइटी मद्रास के छात्रों ने की थी। इसके संस्थापक और सीईओ सुयश सिंह ने बताया कि अंतरिक्ष कार्यक्रम से जुड़ा ये देश का पहला स्टार्टअप है, जिसने अपनी स्थापना के पांच साल के भीतर दुनिया का पहला अनोखा उपग्रह लांच करने में सफलता हासिल की।

उनका कहना है कि भारत जैसे उष्णकटिबंधीय देशों में अक्सर घने बादल छाए रहते हैं, जिससे सामान्य कैमरे काम नहीं कर पाते। मिशन दृष्टि उपग्रह का रडार सिस्टम बादलों और अंधेरे के बावजूद जमीन की साफ तस्वीरें ले सकता है। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान और चीन जैसे देशों की सीमा की निगरानी और सटीक बम क्षति आकलन के लिए अब विदेशी वाणिज्यिक उपग्रहों पर निर्भर रहने की जरूरत नहीं रहेगी।

रिपोर्ट

चीन के लिए रणनीतिक चुनौती बन सकता है ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट

मलक्का स्ट्रेट के मुहाने पर है स्थित, इसी रास्ते से गुजरता है चीन का ऊर्जा आयात, इसे वाणिज्यिक व सैन्य हब में बदलने से बदल सकता है हिंद-प्रशांत क्षेत्र का संतुलन

- पूर्वी हिंद महासागर में भारत का समुद्री दबदबा बढ़ने की पूरी संभावना

नई दिल्ली, आइएएनएस : भारत के महत्वाकांक्षी ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट को हिंद-प्रशांत क्षेत्र में गेम-चेंजर के तौर पर देखा जा रहा है, जिसके दूरगामी भू-राजनीतिक असर होंगे, खासकर चीन के लिए। इस प्रोजेक्ट का मकसद भारत के सबसे दक्षिणी द्वीप को एक रणनीतिक वाणिज्यिक एवं सैन्य हब में बदलना है। भू-राजनीति में कभी-कभी ऐसा होता है जब कोई एक बुनियादी ढांचा परियोजना पूरे क्षेत्र का समीकरण बदल देती है। 'द संडे गार्डियन' की एक रिपोर्ट के मुताबिक, यह प्रोजेक्ट ऐसी ही एक परियोजना है जिसमें हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शक्ति संतुलन को पूरी तरह बदलने की क्षमता है। यहां यह उल्लेखनीय है कि कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी इस परियोजना पर सवाल उठा रहे हैं। पिछले दिनों उन्होंने इस द्वीप की यात्रा की थी और इस प्रोजेक्ट से पर्यावरण व जैव-पारिस्थितिकी को होने वाले नुकसान के प्रति चिंता व्यक्त की थी।

ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट का प्रस्तावित माडल। सौ. एक्स (भारतीय जहाजरानी मंत्रालय) >>

ग्रेट निकोबार आइलैंड डेवलपमेंट प्रोजेक्ट भारत के इस दक्षिणी द्वीप को एक वाणिज्यिक और सैन्य हब में बदलने के लिए 10 अरब डालर की विशाल परियोजना है। दुनिया के सबसे व्यस्त समुद्री रास्तों में से एक मलक्का जलडमरूमध्य के रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मुहाने पर स्थित यह द्वीप भारत को वैश्विक व्यापार के प्रवाह की निगरानी करने एवं संभावित रूप से उसे प्रभावित करने में महत्वपूर्ण बढ़त प्रदान करता है। चीन के ऊर्जा आयात और समुद्री व्यापार का एक बड़ा हिस्सा इसी संकरे रास्ते से होकर गुजरता है। इससे चीन के लिए यह रणनीतिक रूप से एक बड़ी कमजोरी बन जाता है, जिसे अक्सर 'मलक्का दुविधा' कहा जाता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि ग्रेट निकोबार के विकास से पूर्वी हिंद महासागर में भारत का समुद्री दबदबा बढ़ सकता है, उसकी मिलिट्री लाजिस्टिक्स क्षमताएं मजबूत हो सकती हैं और कार्गो ट्रांसशिपमेंट के लिए सिंगापुर व कोलंबो जैसे विदेशी बंदरगाहों पर उसकी निर्भरता घट सकती है। यह प्रोजेक्ट हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपनी मौजूदगी बढ़ाने और चीन के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला करने के भारत के प्रयासों के अनुरूप है। रणनीतिक दृष्टिकोण से इतर इस प्रोजेक्ट के तहत द्वीप को एक प्रमुख लाजिस्टिक्स और व्यापार हब में बदलकर आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

इस प्रोजेक्ट ने कई प्रमुख नियामक बाधाओं को पार कर लिया है, जिसमें नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल से मंजूरी भी शामिल है। ट्रिब्यूनल ने इसकी रणनीतिक अहमियत को स्वीकार करते हुए इसके कार्यान्वयन के लिए सख्त पर्यावरणीय शर्तें भी लगाई हैं। गौरतलब है कि मलक्का जलडमरूमध्य के प्रवेश द्वार पर स्थित 700 किलोमीटर के क्षेत्र में फैले अंडमान और निकोबार द्वीप समूह प्राकृतिक विमानवाहक पोत की तरह हैं, जो भारत को भूगोल से उपहार के रूप में मिला है।

कह कर रहेंगे माधव जोशी

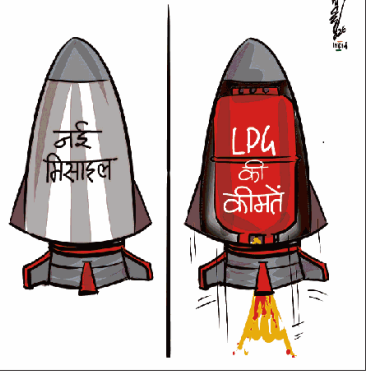

बंगाल में रिकार्ड तोड़ मतदान के बाद नतीजों पर टिकी निगाहें

आज विधानसभा की 294 सीटों में से 293 के नतीजे होंगे घोषित, सुरक्षा के अभूतपूर्व प्रबंध

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, सुवेंदु व अधीर रंजन समेत 2,917 प्रत्याशियों की सियासी किस्मत का होगा निर्णय

विशाल श्रेष्ठ • जागरण

कोलकाता में भवानीपुर विस क्षेत्र के मतगणना स्थल पर तैनात केंद्रीय अर्धसैनिक बल। एएनआइ

कोलकाता : बांग्ला एइबार कार? (बंगाल इस बार किसका?) पिछले कई महीनों से सबकी जुबां पर तैर रहे इस यक्ष प्रश्न का सोमवार को उत्तर मिल जाएगा। राज्य की 294 में से 293 विधानसभा सीटों के परिणाम घोषित होने के साथ ही 2,917 प्रत्याशियों की सियासी किस्मत का निर्णय हो जाएगा। फलता सीट पर 21 मई को पुनर्मतदान होगा और उसकी मतगणना 24 मई को होगी। सबकी निगाहें कोलकाता की भवानीपुर सीट पर टिकी हैं, जहां मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी में कांटे की टक्कर बताई जा रही है। 2021 के विस चुनाव में दोनों नंदीग्राम में आमने-सामने थे, जहां सुवेंदु ने जीत दर्ज की थी। सुवेंदु भवानीपुर के साथ इस बार भी नंदीग्राम से प्रत्याशी हैं।

राज्य के 77 मतगणना केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा में सुबह आठ बजे से वोटों की गिनती शुरू होगी। दोपहर तक साफ हो जाएगा कि तृणमूल कांग्रेस लगातार चौथी बार सत्ता पर काबिज होने वाली है या जनसंघ के संस्थापक डा. श्यामाप्रसाद मुखर्जी की धरती पर भाजपा पहली बार सरकार बनाएगी, अथवा नतीजे इससे बिल्कुल इतर होने जा रहे हैं। देखने वाली बात होगी कि बंगाल में हाशिए पर पड़ी कांग्रेस व वाममोर्चा कैसा प्रदर्शन करते हैं।

बंगाल में एसआइआर की लंबी प्रक्रिया, अंतिम मतदाता सूची से 90 लाख से अधिक लोगों के नाम कटने, दशकों बाद हिंसा-मुक्त मतदान व रिकार्ड तोड़ वोटिंग के बाद सोमवार को जाहिर हो जाएगा कि हमेशा मुखर रहने वाले बंगाल ने इस बार 'नीरवता' से क्या निर्णय लिया है।

बंगाल में गत 23 अप्रैल व 29 अप्रैल को दो चरणों में हुए मतदान का कुल प्रतिशत 92.47 प्रतिशत रहा, जो स्वतंत्रता के बाद सर्वाधिक है।

गौर करने की बात है कि राज्य में कुल मतदाताओं की संख्या पिछले विस चुनाव के मुकाबले करीब 51 लाख घटी, फिर भी मतदान करने वालों की संख्या में 30 लाख से अधिक की बढ़ोतरी देखी गई। इस बार विभिन्न राज्यों से लाखों प्रवासी श्रमिक भी वोट डालने पहुंचे थे। सियासी विश्लेषक महिलाओं के वोट को निर्णायक बता रहे हैं।

2021 के विस चुनाव के नतीजे

पार्टी	सीटें	वोट प्रतिशत
तृणमूल कांग्रेस	215	48.02
भाजपा	77	37.97
आइएसएफ	01	1.36
जीजेएम (टी)	01	0.27
कांग्रेस	00	2.93
वाममोर्चा	00	5.67

नेपाल, भूटान, बांग्लादेश सीमा बंद

राज्य से जुड़ी सभी अंतरराष्ट्रीय सीमाओं को अस्थायी रूप से सील कर दिया गया है। भूटान और बांग्लादेश के साथ-साथ दार्जिलिंग जिले में नेपाल सीमा को भी बंद कर दिया गया है। चुनाव आयोग के निर्देश पर तीन मई रविवार सुबह छह बजे से पांच मई मंगलवार सुबह छह बजे तक यानी 48 घंटे के लिए अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर कुछ विशेष परिस्थितियों को छोड़कर आवाजाही बंद कर दी गई है।

मतगणना केंद्र अभेद्य दुर्ग में तब्दील

चुनाव आयोग ने मतगणना केंद्रों में सुरक्षा के अभूतपूर्व इंतजाम किए हैं। केंद्रीय बल की 700 कंपनियां तैनात रहेंगी। बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी भी मुस्तैद रहेंगे। अंदर केंद्रीय बल व बाहर पुलिस का दो स्तरीय सुरक्षा घेरा होगा। 77 पुलिस पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए हैं। मतगणना केंद्रों के आसपास धारा 163 लागू रहेगी। कोलकाता के सात मतगणना केंद्रों पर 1,500 सुरक्षाकर्मी तैनात रहेंगे। मतगणना कर्मियों के लिए क्यूआर कोड वाला परिचय पत्र जारी किया गया है। मतगणना केंद्र के अंदर किसी को भी मोबाइल के साथ प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। आयोग ने 432 मतगणना पर्यवेक्षक नियुक्त किए हैं। उत्तर 24 परगना जिले में सबसे अधिक 49 मतगणना पर्यवेक्षक होंगे। कोलकाता की 11 सीटों के लिए 12 पर्यवेक्षक होंगे। आयोग ने कहा है कि दिशानिर्देशों का उल्लंघन करने पर मतगणना कर्मी नौकरी से बर्खास्त किए जा सकते हैं। आयोग ने उन क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया है, जहां एक से अधिक मतगणना कक्ष हैं। वहां 165 अतिरिक्त मतगणना पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए हैं। बेहतर व्यवस्था के लिए आयोग ने गत बार (108) की तुलना में मतगणना केंद्रों की संख्या घटाई है। मतगणना केंद्रों पर जेनरेटर की विशेष तौर पर व्यवस्था की गई है।

मतगणना से पहले भाजपा नेता के घर पर फायरिंग

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता: उत्तर 24 परगना जिले का नोआपाड़ा क्षेत्र एक बार फिर माहौल तनावपूर्ण हो गया। शनिवार देर रात गारुलिया इलाके में भाजपा नेता कुंदन सिंह के घर को निशाना बनाकर हमलावरों ने फायरिंग की। जानकारी के अनुसार, बाइक पर सवार दो युवक कुंदन सिंह के घर के सामने पहुंचे और पीछे बैठे युवक ने दो राउंड गोलियां चलाईं। घटना के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। पूरी वारदात पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसके आधार पर पुलिस ने दो आरोपितों आकाश चौधरी और अमनदीप चौधरी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उनके पास से हथियार भी बरामद किया है। कुंदन सिंह का दावा है कि गिरफ्तार आरोपितों के संबंध तृणमूल से है।

कोलकाता के कालीघाट थाने में 24 घंटे में फिर थानेदार की बदली

कालीघाट पुलिस स्टेशन। फाइल

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता: कालीघाट थाने में ओसी (थानेदार) को बदलने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। महज 24 घंटे के भीतर थानेदार पद पर नई नियुक्ति कर दी गई। पिछले 36 दिनों में चौथी बार कालीघाट थाने का थानेदार बदला गया है।

बता दें कि वर्दी में अत्याधुनिक स्वचालित हथियार के साथ अपनी तस्वीर इंटरनेट मीडिया पर साझा करने के बाद गौतम दास को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया था। गौतम ने फेसबुक और वाट्सएप स्टेटस पर एक तस्वीर साझा की थी, जिसमें वह कार्यालय में अत्याधुनिक बंदूक लिए बैठे थे। उनकी जगह शनिवार को चमेली मुखर्जी को जिम्मेदारी सौंपी गई, लेकिन अगले ही दिन रविवार को उन्हें भी हटा दिया गया। अब इसकी कमान बलाई बाग को सौंपी गई है, जो इससे पहले पोलेरहाट थाने में अतिरिक्त थानेदार के पद पर तैनात थे। चुनाव की घोषणा के बाद निर्वाचन आयोग ने पुलिस प्रशासन में बड़े पैमाने पर फेरबदल किया था।

बंगाल में भाजपा उम्मीदवारों ने मंदिरों में की पूजा-अर्चना, जीत का मांगा आशीर्वाद

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता

- भाजपा नेतृत्व के निर्देश पर मतगणना से एक दिन पहले मंदिरों में पहुंचे उम्मीदवार

कोलकाता में मंदिर में जल अभिषेक करतीं भाजपा नेता पूर्णिमा चक्रवर्ती। एएनआइ >>

चुनाव के नतीजों से एक दिन पहले भाजपा नेतृत्व ने महिला कार्यकर्ताओं को स्ट्रांग रूम की निगरानी में उतारा तो पार्टी प्रत्याशियों को अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों के मंदिरों में पूजा-अर्चना के लिए भेज दिया। यह पहली बार है कि जब भाजपा नेतृत्व ने सभी उम्मीदवारों को मतगणना से एक दिन पहले अपने विधानसभा क्षेत्र के किसी मंदिर में पूजा करने का निर्देश दिया। इसके बाद उम्मीदवारों ने मंदिरों में पूजा-अर्चना कर जीत का आशीर्वाद मांगा।

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने अपने गृह जिले पूर्व मेदिनीपुर में काली और शिव मंदिरों में पूजा-अर्चना की। सुवेंदु अपनी परंपरागत सीट नंदीग्राम के अलावा इस बार कोलकाता के भवानीपुर में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ भी मैदान में हैं। सिलीगुड़ी के विधायक व उम्मीदवार शंकर घोष ने रथखोला कालीबाड़ी मंदिर में पूजा की। घोष ने एक्स पर लिखा कि उन्होंने भाजपा की जीत और राज्य में सत्ता परिवर्तन के लिए प्रार्थना की। खड़गपुर सदर के उम्मीदवार व पूर्व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप घोष ने कोलकाता के न्यूटाउन स्थित काली मंदिर में पूजा-अर्चना की। उसी इलाके में उनका निवास भी है।

कोलकाता पोर्ट से तृणमूल के मंत्री फिरहाद हकीम के खिलाफ चुनाव लड़ रहे भाजपा के राकेश सिंह ने अपने क्षेत्र के शिव मंदिर में पूजा की, जबकि चौरंगी सीट से उम्मीदवार संतोष पाठक ने बुड़ाबाजार के मंदिर में दर्शन किए। बहरमपुर के उम्मीदवार सुब्रत मैत्रा ने मुर्शिदाबाद जिले में अपने क्षेत्र के कई मंदिरों में पूजा-अर्चना की।

आसनसोल दक्षिण से विधायक व भाजपा उम्मीदवार अग्निमित्रा पाल ने बर्नपुर के बारी मैदान स्थित काली मंदिर में पूजा-अर्चना की। मंदिर में पूजा के बाद उन्होंने चुनावी मुकाबले को धर्मयुद्ध बताते हुए राज्य में बड़े बदलाव का दावा किया।

मोथाबाड़ी प्रकरण में एनआइए के सामने पेश नहीं हुए तृणमूल नेता

जासं, मालदा: बंगाल विधानसभा चुनाव की मतगणना से एक दिन पहले मालदा जिले के मोथाबाड़ी प्रकरण में एनआइए ने तृणमूल कांग्रेस के नेताओं और एक चुनाव एजेंट को तलब किया था, लेकिन कोई भी कलियाचक थाने में हाजिर नहीं हुआ।

पिछले महीने एसआइआर कार्य में लगे न्यायिक अधिकारियों को मोथाबाड़ी में घंटों बंधक बना लिया गया था। कलकत्ता हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश द्वारा नियुक्त सात न्यायिक अधिकारी देर रात तक ब्लाक कार्यालय में फंसे रहे। इस दौरान उनके साथ दुर्व्यवहार के आरोप भी लगे। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर घटना की जांच कर रही एनआइए ने सुजापुर सीट से तृणमूल उम्मीदवार सबीना यासमीन के चुनाव एजेंट अब्दुल रहमान समेत कई स्थानीय नेताओं को रविवार को ही कलियाचक थाने में हाजिर होने को कहा था। तलब किए गए लोगों में कालियाचक-1 ब्लाक के तृणमूल अध्यक्ष मोहम्मद सरिउल भी शामिल हैं।

बंगाल में 'मोदिश्री' से 'जय बांग्ला' तक चुनावी रंग में रंगी मिठाइयां

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता

- पार्टियों के रंग और प्रतीकों से प्रेरित खास मिठाइयां तैयार कर रहे हैं मिष्टान विक्रेता

बीरभूम में मिठाई की एक दुकान में विशेष रसगुल्ला तैयार करते कारीगर मिठाई। प्रेट्र >>

मिठाइयों के लिए प्रसिद्ध बंगाल में सियासी माहौल में मिठास घुलने लगी है। करीब एक महीने तक चली तीखी राजनीतिक जंग के बाद अब चुनाव परिणाम के दिन को खास बनाने के लिए मिठाइयों को भी राजनीतिक कलेवर दिया जा रहा है। पार्टियों के रंग और प्रतीकों के आधार पर मिठाइयां तैयार की जा रही हैं। केसरिया रंग की 'मोदिश्री', हरे रंग की 'जय बांग्ला' और वामपंथी दल की गुलाब के स्वाद वाली लाल रंग की 'लाल सलाम' जैसी मिठाइयां बाजार में आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं।

कोलकाता के मशहूर मिठाई विक्रेता केसी दास और नबीन चंद्र दास की दुकानों पर इन दिनों जबरदस्त हलचल है। यहां कारीगर राजनीतिक दलों के हिसाब से अलग-अलग रंग के रसगुल्ले और राजभोग तैयार कर रहे हैं।

मिठाई व्यवसाय से जुड़े धिमान दास ने बताया कि केसर की खुशबू वाले केसरिया संदेश को 'मोदिश्री' नाम दिया गया है, जो पीएम मोदी के कोलकाता दौरे के दौरान इस मिठाई को चखने से प्रेरित है। वहीं, तृणमूल कांग्रेस के हरे रंग से जुड़ी 'जय बांग्ला' मिठाई को गंधराज नींबू की खुशबू व स्वाद के साथ तैयार किया गया है, जो पार्टी के नारे को दर्शाती है।

केसी दास और नबीन चंद्र दास ने बताया कि रसगुल्ला और राजभोग की बड़ी मात्रा तैयार की जा रही है, जबकि कई अन्य दुकानदार पार्टी के रंग और प्रतीकों वाले खास संदेश भी बना रहे हैं। दक्षिण कोलकाता के कई दुकानदारों ने बताया कि राजनीतिक कार्यकर्ताओं और समर्थकों से आर्डर आने लगे हैं। हालांकि, अंतिम आर्डर नतीजों के रुझान साफ होने के बाद ही तय होंगे।

कई दुकानदारों ने सफेद रसगुल्ले तैयार रखे हैं, ताकि जीतने वाली पार्टी के रंग में रंग दिया जाएगा।

तमिलनाडु में देखने को मिल सकते हैं नए सियासी समीकरण

प्रथम पृष्ठ से आगे

तमिलनाडु में नए राजनीतिक समीकरण देखने को मिल सकते हैं। जयललिता के निधन के बाद अन्नाद्रमुक के हाशिये पर जाने का सिलसिला जारी रह सकता है। अन्नाद्रमुक के सहारे राजग को मजबूत करने की रणनीति पर भाजपा को फिर से विचार करना पड़ेगा। वैसे एकमात्र एक्सिस माय इंडिया के एक्जिट पोल में टीवीके के अकेले सत्ता में आने का दावा किया गया है। बहुमत से कम सीटें रहने की स्थिति में कांग्रेस द्रमुक का साथ छोड़कर टीवीके का दामन थाम सकती है। जरूरत पड़ने पर द्रमुक को सत्ता से दूर रखने के लिए अन्नाद्रमुक भी टीवीके से हाथ मिला सकता है। अन्नाद्रमुक और द्रमुक के गठबंधन में शामिल पार्टियां भी नतीजों के अनुरूप अपना नया ठिकाना ढूंढने को मजबूर हो सकती हैं।

एक्जिट पोल के मुताबिक असम के नतीजे आए तो भाजपा की पूर्वोत्तर में पैठ बनाने की कोशिशों को बल मिलेगा। साथ ही भाजपा में मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की स्थिति और मजबूत होगी। बांग्लादेशी मुस्लिम घुसपैठियों के इर्द-गिर्द बुनी गई भाजपा की चुनावी रणनीति भाषा, क्षेत्र और नस्ल में बंटे हिंदुओं के हिंदुत्व के बड़े फलक के नीचे एकजुट होने के रूप में देखा जाएगा।

मतगणना कर्मियों के लिए क्यूआर कोड आधारित फोटो पहचान पत्र

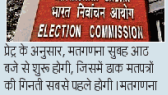

प्रेट्र के अनुसार, मतगणना सुबह आठ बजे से शुरू होगी, जिसमें डाक मतपत्रों की गिनती सबसे पहले होगी। मतगणना केंद्रों पर तीन स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था होगी। पहली बार, चुनाव आयोग ने मतगणना केंद्रों में अनधिकृत प्रवेश रोकने की खातिर मतगणना कर्मियों के लिए क्यूआर कोड आधारित फोटो पहचान पत्र प्रणाली शुरू की है।

केरलम में भाजपा प्रत्याशी ने कहा- मैं जीतूंगा, एक करोड़ की शर्त को तैयार

कोट्टयम, प्रेट्र : भाजपा नेता और केरलम विधानसभा चुनाव में उम्मीदवार पीसी. जार्ज को पूंजार सीट से अपनी शानदार जीत का इतना यकीन है कि वह इसके लिए एक करोड़ रुपये की शर्त लगाने को भी तैयार हैं। उन्होंने टीवी चैनल से रविवार को कहा, मैं बड़े अंतर से जीतूंगा। अगर किसी को संदेह है, तो वे एक करोड़ रुपये की शर्त लगा सकते हैं। जार्ज ने पाला निर्वाचन क्षेत्र में अपने बेटे शोन जार्ज की जीत का भरोसा जताते हुए कहा कि अगली विधानसभा में दोनों एक साथ विधानसभा में प्रवेश करेंगे। भाजपा केरल में बढ़त हासिल करेगी और किसी भी पार्टी या गठबंधन को चुनाव में पूर्ण बहुमत नहीं मिलेगा।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व वाला संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) सबसे ज्यादा सीटें जीतेगा जबकि माकपा के नेतृत्व वाले वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) का प्रदर्शन कुछ खास खराब नहीं रहेगा। उन्होंने अनुमान जताया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) राज्य में लगभग 11 सीट जीतेगा।

सुवेंदु ने कुछ अफसरों पर ड्यूटी लीक करने का लगाया आरोप

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता

- भाजपा नेता ने चुनाव आयोग से मामले में संज्ञान लेकर कार्रवाई की मांग की
- कहा- मतगणना प्रक्रिया की निष्पक्षता पर गंभीर असर पड़ सकता है

सुवेंदु अधिकारी। फाइल

मतगणना से एक दिन पहले भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने आरोप लगाया कि कुछ अधिकारी अपनी ड्यूटी, स्थान और जिम्मेदारियों से जुड़ी संवेदनशील जानकारी विभागीय संगठनों और संघों के साथ साझा कर रहे हैं। इससे मतगणना की निष्पक्षता पर असर पड़ सकता है और पूरी प्रक्रिया की पारदर्शिता खतरे में आ सकती है। उन्होंने चुनाव आयोग से मामले का संज्ञान लेकर कार्रवाई की मांग की।

सुवेंदु अधिकारी ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा- मेरे संज्ञान में यह बात आई है कि मतगणना के दिन ड्यूटी के लिए तैनात कई अधिकारी कथित तौर पर अपनी ड्यूटी का विवरण, स्थान और पदनाम अपने-अपने विभागीय संगठनों और संघों को बता रहे हैं। जानकारी मिली है कि कुछ स्प्रेडशीट और सूचियां प्रसारित की जा रही हैं, जिनमें अधिकारी अपनी चुनाव ड्यूटी की जानकारी स्वेच्छा से या किसी दबाव में भर रहे हैं। इसमें मतगणना प्रक्रिया के दौरान उनकी विशिष्ट भूमिकाओं का विवरण भी शामिल है। सुवेंदु ने पोस्ट के साथ कुछ व्हाट्सएप मैसेज के स्क्रीनशाट भी साझा किए। भाजपा नेता ने अपील की कि अधिकारियों को किसी भी संगठन या संघ के साथ अपनी मतगणना ड्यूटी साझा करने से रोकने के लिए सख्त निर्देश जारी किए जाएं और इस तरह की जानकारी जुटाने वाले संगठनों की जांच कराई जाए।

स्ट्रांग रूम तक कार पहुंचने पर टीएमसी कार्यकर्ताओं ने किया हंगामा

- तृणमूल का आरोप, परिसर में घुसी कारों में लगे थे भाजपा के झंडे
- चुनाव आयोग का दावा-जांच में कुछ भी आपत्तिजनक नहीं मिला

रविवार को भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र में मतगणना के पहले मार्च पास्ट करते केंद्रीय अर्धसैनिक बल के जवान। एएनआइ

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भवानीपुर विस क्षेत्र के मतगणना केंद्र पर मतों की गिनती से एक दिन पहले रविवार को जमकर हंगामा हुआ। तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा के झंडे वाली दो कारों को उस परिसर में प्रवेश की अनुमति दी गई, जहां ईवीएम रखी गई हैं।

मतगणना केंद्र से 100 मीटर दूर डेरा डाले तृणमूल कार्यकर्ताओं ने रविवार सुबह आरोप लगाया कि भाजपा के झंडे लगी दो कारें परिसर में घुसीं और स्ट्रांग रूम के पास तक गईं। तृणमूल के एक कार्यकर्ता ने कहा कि मौके पर तैनात सीएपीएफ के जवान वैध पहचान पत्र के बिना किसी वाहन या व्यक्ति को मतगणना केंद्र परिसर में प्रवेश नहीं करने दे रहे हैं। ऐसे में कार को प्रवेश कैसे मिल गया? विरोध करने पर केंद्रीय बल ने हमें 100 मीटर पीछे हटने को कहा। तृणमूल कांग्रेस ने दावा किया कि पुलिसकर्मियों ने वाहन को घटनास्थल से हटाने का आश्वासन दिया था, लेकिन एक कार कुछ समय तक वहीं खड़ी रही। आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि कार हरीश मुखर्जी रोड से गुजर रही थी और जांच किए जाने के बाद उसमें कुछ भी आपत्तिजनक नहीं मिलने पर उसे जाने दिया गया।

उत्तर 24 परगना जिले के बिधाननगर में एक मतगणना केंद्र के बाहर तृणमूल कांग्रेस और भाजपा समर्थकों के बीच झड़प हुई। भाजपा ने आरोप लगाया कि टीएमसी कार्यकर्ताओं ने मतगणना केंद्र के बाहर अपने कैंप में पार्टी के झंडे लगा दिए थे, जिससे विवाद शुरू हुआ। तृणमूल ने दावा किया कि केंद्रीय बल ने उन पर लाठीचार्ज किया।

टीएमसी ने वीवीपैट स्लिप सड़क पर मिलने का वीडियो जारी किया: तृणमूल ने उत्तर 24 परगना के मध्यग्राम इलाके में सड़क पर बिखरी मिली वीवीपैट स्लिप की तस्वीर और वीडियो जारी किया है। हालांकि वीडियो की सत्यता की पुष्टि नहीं की गई है। वहीं, आयोग ने जांच के बाद कहा कि वीडियो में दिखाई गई वीवीपैट स्लिप माक पोल से संबंधित हैं। तृणमूल के अनुसार, नोआपाड़ा विस क्षेत्र के कई वीवीपैट स्लिप रविवार को मध्यग्राम के नीलगंज सुभाषनगर इलाके में एक पेट्रोल पंप के पास सड़क पर पड़े मिले। बता दें, वीवीपैट मशीन ईवीएम से जुड़ी होती है। जब कोई वोट देता है, तो संबंधित उम्मीदवार का नाम, क्रमांक और चुनाव चिह्न कुछ सेकंड के लिए स्लिप पर दिखाई देता है और फिर वह स्लिप मशीन के ड्राप बाक्स में गिर जाती है। प्रत्येक विस क्षेत्र के कुछ बूथों पर ईवीएम व वीवीपैट की पर्चियों का मिलान होता है।

विस चुनाव प्रक्रिया खत्म होते ही होगा 'नवीन' टीम का एलान

रूपरेखा तैयार

नए भाजपा अध्यक्ष की टीम में दिखेगा युवा जोश के साथ अनुभव का भी समन्वय, अनुराग ठाकुर, अन्नामलाई की एंट्री संभव, बने रह सकते हैं सुनील बंसल, विनोद तावड़े व तरुण चुग

नीलू रंजन • जागरण

नितिन नवीन। फाइल

नई दिल्ली : पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया पूरे होते ही नितिन नवीन की नई टीम का एलान हो जाएगा। मोटे तौर पर टीम की रूपरेखा तैयार हो गई है, विधानसभा चुनाव परिणामों के अनुरूप इनमें थोड़ा-बहुत फेरबदल किया जा सकता है। भाजपा के एक नेता के अनुसार नितिन नवीन की नई टीम में दो-तीन अनुभवी चेहरों के साथ युवा जोश का समन्वय देखने को मिल सकता है। 20 जनवरी को राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद संभालने के बाद से नितिन नवीन पुरानी टीम के साथ ही काम कर रहे हैं।

भाजपा के एक बड़े नेता के अनुसार, नितिन नवीन की टीम का एलान 15 मई के पहले कभी भी हो सकता है। भाजपा के सबसे युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष बने नितिन नवीन टीम में युवा चेहरों की भरमार हो सकती है। इनमें अनुराग ठाकुर का नाम सबसे ऊपर है।

भारतीय जनता युवा मोर्चा में अहम पदों पर रहे ठाकुर के पास सरकार में काम करने का भी लंबा अनुभव है। वहीं तमिलनाडु में अन्नाद्रमुक के उम्मीद से ज्यादा खराब प्रदर्शन की आशंका को देखते हुए भाजपा फिर से एकला चलो की नीति पर आगे बढ़ सकती है। ऐसे में अन्नामलाई को संगठन में अहम पद मिल सकता है।

अन्नाद्रमुक के साथ खराब संबंधों के कारण गठबंधन का रास्ता साफ करने के लिए उन्हें प्रदेश अध्यक्ष पद से हटा दिया गया था।

इसी तरह से बंगाल में पार्टी के बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद के बीच चुनावी तैयारियों के दौरान राज्य में सांगठनिक ढांचे को और मजबूत करने की जरूरत महसूस की गई। ऐसे में बंगाल से भी किसी युवा चेहरे को केंद्रीय संगठन में जगह मिल सकती है। चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद उनके नाम तय किए जाएंगे।

विभिन्न राज्यों की चुनाव तैयारियों में अहम भूमिका निभाने वाले त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री विपल्व देव को भी नितिन नवीन की टीम में जगह मिल सकती है। अगले वर्ष त्रिपुरा विधानसभा चुनाव को देखते हुए इसे अहम माना जा रहा है।

टीम में युवा जोश के साथ अनुभव के समन्वय की बात

नितिन नवीन की टीम में युवा जोश के साथ अनुभव के समन्वय की बात कही जा रही है। ऐसे में माना जा रहा है कि मौजूदा महासचिवों में से दो या तीन को बरकरार रखा जा सकता है। इनमें सुनील बंसल का नाम सबसे ऊपर है। बंगाल में भाजपा की जीत की स्थिति में एक बार फिर पार्टी में उनकी उपयोगिता साबित हो जाएगी। वह बंगाल के प्रभारी महासचिव हैं। 2024 में ओडिशा के प्रभारी महासचिव के रूप में पहली बार भाजपा की सरकार बनी थी। उसके पहले उत्तर प्रदेश में वह अपनी संगठनात्मक क्षमता का प्रदर्शन कर चुके हैं। सुनील बंसल राजस्थान से आते हैं। इसी तरह प्रभारी के रूप में बिहार में पांचवी बार राजग की सरकार बनवाने में अहम भूमिका निभाने वाले महाराष्ट्र के बड़े नेता विनोद तावड़े भी महासचिव के रूप में बने रह सकते हैं। वहीं अगले वर्ष पंजाब में विधानसभा चुनाव को देखते हुए तरुण चुग के भी महासचिव के पद बने रहने की बात कही जा रही है।

2 लाख से अधिक कर्मियों को तैनात किया गया था नीट यूजी के सुचारु संचालन के लिए। 674 सिटी कोर्डिनेट बनाए गए। इसके अलावा 6,000 से अधिक पर्यवेक्षकों को स्वतंत्र निगरानी सुनिश्चित करने के लिए तैनात किया गया है।

लड्डू के लिए बिना अनिवार्य परीक्षण 70 लाख किलो घी खरीदा

- तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम के फैसले से वसा युक्त मिलावटी घी के उपयोग की छूट : आयोग
- टीटीडी के अधिकारियों ने सुरक्षा परीक्षणों की अनदेखी की और प्रयोगशाला रिपोर्टों को दबाया

अमरावती, प्रेट्र : आंध्र प्रदेश सरकार के गठित एकल सदस्यीय आयोग ने स्पष्ट किया है कि मंदिर प्रशासन तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने प्रसिद्ध तिरुपति मंदिर के लड्डू प्रसादम् बनाने के लिए 70 लाख किलोग्राम से अधिक घी बिना अनिवार्य गुणवत्ता जांच के ही खरीदा है। आयोग ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि यह "संवैधानिक विफलता" आपूर्तिकर्ताओं को मिलावटी घी प्रदान करने की अनुमति देती है, क्योंकि मंदिर प्रशासन टीटीडी के अधिकारियों ने सुरक्षा परीक्षणों की अनदेखी की और प्रयोगशाला रिपोर्टों को दबाया, जो वसायुक्त वनस्पति की पुष्टि करती थीं।

मुख्यमंत्री एन.चंद्रबाबू नायडू ने तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम में मिलावटी घी की आपूर्ति की जांच के लिए सेवानिवृत्त आइएएस अधिकारी दिनेश कुमार की अध्यक्षता में एकल सदस्यीय आयोग का गठन किया गया था। कुमार ने रिपोर्ट में कहा,"टीटीडी

तिरुपति मंदिर। फाइल

अधिकारियों ने प्रारंभ में अनिवार्य एफएसएसएआइ परीक्षण (एक जुलाई, 2022 से प्रभावी) को शामिल करने की योजना बनाई थी, बाद में इस निर्णय को पलट दिया और आपूर्तिकर्ताओं को छूट दी।" खरीद समिति के सदस्यों ने पूर्ण समिति या संयोजक की स्वीकृति के बिना निविदा मानदंडों को कमजोर किया, उलटे नीलामी के बाद मूल्य में कमी की अनुमति दी और बिना जांच के असामान्य रूप से कम बोली स्वीकार की।

अगस्त, 2019 में पेश किए पात्रता मानदंडों को बिना उचित मूल्यांकन के कमजोर किया गया, जिससे अनुपालन नहीं करने वाली कंपनियों जैसे-भोले बाबा आर्गेनिक डेयरी मिल्क प्रा. लि. को आपूर्ति की अनुमति मिली, जबकि उनके पास सत्यापित उत्पादन क्षमता नहीं थी। 3 अगस्त, 2022 को केंद्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान (सीएफटीआरआइ) द्वारा किए गए प्रयोगशाला परीक्षण ने मिलावटी वनस्पति तेलों की पुष्टि की, जो (सिटोस्ट्रेरोल) की मौजूदगी से पता चली। इन निष्कर्षों को दबाया गया और कंपनियों को निविदा शर्तों के तहत काली सूची में नहीं डाला गया। अनिवार्य एफएसएसएआइ (सिटोस्ट्रेरोल) परीक्षण मानदंडों की प्रारंभिक योजना बनाई गई थी लेकिन बाद में इसे रद कर दिया। इससे 70 लाख किलो से अधिक घी बिना परीक्षण के खरीदा गया। आपूर्तिकर्ताओं ने घी के लिए प्रति किलोग्राम 207 रुपये तक की भारी मूल्य कटौती का सहारा लिया और अनुबंध अयोग्य कंपनियों को दिए, जिसमें एल1 (सबसे कम बोली) मूल्य निर्धारण पर अत्यधिक निर्भरता थी। परीक्षणों को दरकिनार करने के लिए सिंथेटिक एडिटिव्स जैसे-बीटा-कैरोटीन, एसीटिक एसिड एस्टर और कृत्रिम फ्लेवरिंग एजेंटों का उपयोग कर सबसे बड़े आपूर्तिकर्ताओं में से एक एग्री फूड्स प्रा. लि. ने पुष्टि की कि मिलावट के बावजूद ताजा आर्डर लेना जारी रखा। आयोग ने टीटीडी बोर्ड, खरीद समिति के सदस्यों, वरिष्ठ अधिकारियों और डेयरी विशेषज्ञों को शासन विफलताओं, प्रक्रियागत चूक और अनुपालन नहीं करने वाले विक्रेताओं से निरंतर खरीद के लिए जिम्मेदार ठहराया।

एलपीजी की जमाखोरी पर अंकुश के लिए छापेमारी तेज, देशभर में 1900 जगह छापे

नई दिल्ली, एएनआइ : सरकार ने रविवार को कहा कि पश्चिम एशिया संकट के बीच एलपीजी की जमाखोरी और कालाबाजारी को रोकने के लिए देशभर में छापेमारी तेज की गई है। शनिवार को 1,900 से अधिक स्थानों पर छापे मारे गए। इस दौरान 349 एलपीजी वितरण केंद्रों पर जुर्माना लगाया गया जबकि 74 एलपीजी वितरण केंद्रों को निलंबित किया गया। साथ ही कहा कि 47.4 लाख घरेलू एलपीजी सिलिंडर वितरित किए गए।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अनुसार, शनिवार को लगभग 47 लाख घरेलू एलपीजी सिलिंडर की बुकिंग हुई, जबकि इसके मुकाबले ज्यादा सिलिंडर वितरित किए गए। यह दर्शाता है कि मांग के अनुसार ही आपूर्ति भी बनी हुई है।

349 एलपीजी वितरण केंद्रों पर जुर्माना लगाया गया जबकि 74 केंद्रों को

47.4 लाख घरेलू एलपीजी सिलिंडर वितरित, सरकार ने कहा-घबराकर न खरीदें

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय। फाइल

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की ओर से कहा गया कि घरेलू एलपीजी, पीएनजी और वाहनों के लिए सीएनजी की 100% आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। हालांकि वर्तमान वैश्विक हालातों के चलते एलपीजी आपूर्ति में बाधा आई है मगर खाना पकाने के लिए घरेलू एलपीजी की आपूर्ति को प्राथमिकता दी गई है।

मंत्रालय पेट्रोलियम उत्पादों की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठा रहा है। साथ ही उसने लोगों से अपील की है कि वह पैनिक में आकर ईंधन की खरीद न करें। पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल व डीजल पर्याप्त स्टाक हैं।

इस बीच सरकार ने कहा है कि भारतीय कार्गो ला रहा मार्शल आइलैंड के झंडे वाला एलपीजी टैंकर 'सर्व शक्ति' होर्मुज स्ट्रेट को पार कर चुका है और भारत की ओर बढ़ रहा है। इसके 13 मई को विशाखापतनम पहुंचने की उम्मीद है। इस टैंकर पर 46,313 मीट्रिक टन एलपीजी लदी है।

बिहार में कैबिनेट विस्तार की लिस्ट पर दिल्ली की मुहर, शाह से मिले सम्राट

बंगाल समेत पांच राज्यों के चुनावी नतीजों के बाद होगा बिहार की नई सरकार का विस्तार

अरविंद शर्मा • जागरण

नई दिल्ली : बिहार में मंत्रिमंडल विस्तार की प्रक्रिया अब अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने नई दिल्ली में शीर्ष केंद्रीय नेतृत्व से मुलाकात कर प्रस्तावित सूची पर सहमति प्राप्त कर ली है। सिर्फ औपचारिक घोषणा बाकी है। बंगाल समेत पांच राज्यों के चुनावी नतीजे आने के एक-दो दिन बाद विस्तारित मंत्रिमंडल के शपथ ग्रहण की तिथि तय हो सकती है। मंत्रिमंडल में अधिकतर पुराने चेहरे ही रहेंगे, कुछ नए नाम भी जोड़े जा सकते हैं। मंत्रियों की संख्या का फार्मूला पहले जैसा ही रहेगा, लेकिन विभागों में सीमित फेरबदल होगा। इस विस्तार के साथ ही बिहार की राजनीति का नया चरण शुरू हो जाएगा।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने रविवार को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत राजग के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात कर सूची पर सहमति हासिल कर ली। बिहार में भाजपा की पहली सरकार का नेतृत्व संभालने के बाद सम्राट की यह सबसे बड़ी प्रशासनिक पहल है। उन्होंने 15 अप्रैल को राज्य के पहले भाजपा मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। इसके बाद से ही मंत्रिमंडल विस्तार लंबित है। सरकार में अभी दो उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी और बिजेंद्र यादव हैं। अन्य मंत्रियों की नियुक्ति विस्तार के साथ ही होगी।

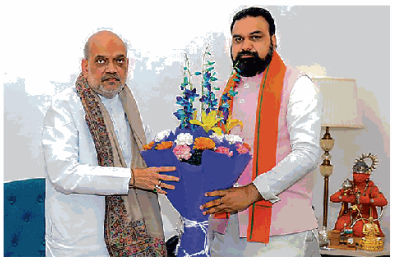

नई दिल्ली में रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पुष्पगुच्छ भेंट करते बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी। आइएएनएस

मुख्यमंत्री के रूप में सम्राट का यह दूसरा दिल्ली दौरा है, जिसका बड़ा राजनीतिक महत्व है। उन्होंने न केवल गृह मंत्री अमित शाह, बल्कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय मंत्री ललन सिंह, जीतनराम मांझी और नित्यानंद राय से भी मुलाकात की। इस क्रम में उन्होंने बिहार के विकास, प्रशासनिक प्राथमिकताओं और भविष्य की रणनीति पर भी विचार किया। इससे पहले सम्राट चौधरी ने शनिवार को पटना में पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से भी लंबी बातचीत की थी, जिसमें दोनों बड़े दलों के बीच सीटों व विभागों के बंटवारे को लेकर शुरुआती सहमति बन चुकी है। बिहार में नियमतः मुख्यमंत्री समेत अधिकतम 36 मंत्री हो सकते हैं। पुराने फार्मूले के तहत भाजपा-जदयू को 15-15 मंत्री पद मिलने हैं। सहयोगी दलों लोजपा को दो तथा हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा एवं राष्ट्रीय लोकमोर्चा को एक-एक मंत्री पद मिलना है। शुरुआत में सभी पद भरे नहीं जाएंगे। सूत्रों का कहना है कि भाजपा से 13 और जदयू से 12 मंत्री शपथ ले सकते हैं। कुछ स्थान रणनीतिक कारणों से खाली रखे जा सकते हैं। इस विस्तार की एक खास बात संतुलन और संदेश दोनों होंगे। अनुभवी नेताओं को बनाए रखना स्थिरता का संकेत देगा। वहीं नए और युवा चेहरों को शामिल करना भविष्य की राजनीति की तैयारी माना जाएगा। महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर भी जोर दिख सकता है।

मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे के 'मिसिंग लिंक' पर सेल्फी लेने वालों पर होगी कार्रवाई

मुंबई, प्रेट्र : महाराष्ट्र राजमार्ग पुलिस ने मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे के नवनिर्मित 'मिसिंग लिंक' मार्ग पर सेल्फी और तस्वीरें लेने के लिए रुकने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। 'मिसिंग लिंक' की कुल लंबाई 13.3 किलोमीटर है। यह एक्सप्रेसवे के भोर घाट खंड के एक हिस्से को पार करती है। मुंबई और पुणे के बीच यात्रा की अवधि को 25-30 मिनट घटाती है। इसका उद्घाटन एक मई को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा किया गया था। इंजीनियरिंग का चमत्कार करार दी गई इस परियोजना में दो सुरंगें हैं। एक केबल पुल है, जहां से विभिन्न घाटों की प्राकृतिक सुंदरता दिखती है। इस वजह से कुछ वाहन चालक तस्वीरें और सेल्फी लेने के लिए अपने वाहन रोक देते हैं। राजमार्ग पुलिस ने सेल्फी लेने और तस्वीरें खींचने के लिए रास्ते में रुकने पर प्रतिबंध लगा दिया है। चेतावनी दी है कि उल्लंघन करने वालों पर जुर्माना लगाया जा सकता है और यहां तक कि आपराधिक मामले भी दर्ज किए जा सकते हैं।

22 लाख से ज्यादा छात्रों ने 5400 से ज्यादा केंद्रों पर दी नीट-यूजी

रविवार को प्रयागराज के एक केंद्र में नीट-यूजी के पहले सुरक्षा जांच से गुजरते परीक्षार्थी। एएनआइ

- देश की सबसे बड़ी प्रवेश परीक्षा में 22.79 लाख छात्रों ने कराया था रजिस्ट्रेशन

नई दिल्ली, एएनआइ : मेडिकल कोर्सों में दाखिले के लिए आयोजित की जाने वाले प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी रविवार को 22 लाख से ज्यादा अभ्यर्थियों ने दी। देश-विदेश के 5,400 से अधिक केंद्रों पर इसका आयोजन किया गया था। इस परीक्षा के लिए 22.79 लाख से अधिक अभ्यर्थियों ने रजिस्ट्रेशन कराया था। नीट-यूजी दुनिया की सबसे बड़ी प्रवेश परीक्षाओं में से एक बन गई है।

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) के अनुसार, नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (नीट-यूजी) का आयोजन भारत के 551 शहरों और विदेशों के 14 शहरों में 5,432 केंद्रों पर किया गया। सामान्य वर्ग के लिए दोपहर दो से पांच बजे तक पेन एंड पेपर मोड में यह परीक्षा आयोजित की गई। दिव्यांग छात्रों को एक घंटे का अतिरिक्त समय दिया गया। इस बीच, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने नीट-यूजी की तैयारी का आकलन करने के लिए एनटीए मुख्यालय का दौरा किया। इस दौरान प्रधान ने परीक्षा की लाजिस्टिक्स, केंद्रों के साथ समन्वय और देशभर में परीक्षा को सुचारू रूप से आयोजित करने के लिए बनाए गए मानीटिरिंग सिस्टम की निगरानी की।

मान से पहले कल राष्ट्रपति से मिलेंगे राघव चड्ढा

राज्य ब्यूरो, जागरण • चंडीगढ़

आम आदमी पार्टी (आप) के छह राज्यसभा सदस्यों के साथ भाजपा में शामिल होने वाले राघव चड्ढा मंगलवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मिलेंगे। चड्ढा ने राष्ट्रपति से मुलाकात के लिए समय मांगा था और राष्ट्रपति ने उन्हें मंगलवार को सुबह 10:40 बजे का समय दिया है।

चड्ढा के साथ दो अन्य राज्यसभा सदस्य भी राष्ट्रपति से मिलेंगे। खास बात यह है कि इसी दिन दोपहर 12 बजे पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान भी राष्ट्रपति से मिलने वाले हैं। पता चला है कि राघव चड्ढा राष्ट्रपति से मुलाकात के दौरान उन्हें पंजाब सरकार की ओर से भाजपा में शामिल हुए राज्यसभा सदस्यों पर की जा रही कार्रवाई से अवगत करवाएंगे।

उधर, मान की राष्ट्रपति से मुलाकात को भी अहम माना जा रहा है। मान एक मई को विधानसभा के बुलाए गए विशेष सत्र में पहले ही कह चुके हैं कि वह राष्ट्रपति से मिलकर दल-बदल कानून में संशोधन की मांग करेंगे। इसके साथ ही वह विधानसभा में पास हुए विश्वास प्रस्ताव से भी उन्हें अवगत करवाएंगे। मान ने कहा था कि पंजाब देश का पहला राज्य बन जाएगा, जो दलबदल कानून में बदलाव की मांग करेगा।

राघव चड्ढा। फाइल

राज्यपाल से मिला भाजपा का शिष्टमंडल, सरकार पर पुलिस के दुरुपयोग का लगाया आरोप : उधर, भाजपा का एक शिष्टमंडल रविवार को प्रदेशाध्यक्ष सुनील जाखड़ के नेतृत्व में राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया से मिला। शिष्टमंडल ने राज्यपाल को पत्र सौंप आरोप लगाया कि राज्य सरकार पुलिस व सरकारी तंत्र का राजनीति द्वेष के लिए दुरुपयोग कर रही है। पत्र में आप छोड़ भाजपा में शामिल हुए राज्यसभा सदस्य संदीप पाठक के खिलाफ दो गैर जमानती धाराओं के तहत केस दर्ज करने, राजिंदर गुप्ता की फैक्ट्री पर पंजाब पाल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की ओर से की गई छापेमारी को राजनीतिक द्वेष बताया। इसके अलावा भाजपा ने आरोप लगाया कि सरकार राजनेताओं की सुरक्षा से भी खिलवाड़ कर रही है और बिना किसी जांच के विरोधियों की सुरक्षा को हटाया जा रहा है।

पंजाब में एफआइआर पर संदीप पाठक बोले-मुझे कोई सूचना नहीं

राज्य ब्यूरो, जागरण • नई दिल्ली: आम आदमी पार्टी (आप) छोड़कर भाजपा में शामिल होने वाले राज्यसभा सदस्यों को लेकर राजनीति गरमाई हुई है। इसी बीच भाजपा में शामिल हुए राज्यसभा सदस्य संदीप संदीप पाठक के खिलाफ पंजाब में दो केस दर्ज किए गए हैं। भाजपा ने इन एफआइआर की टाइमिंग पर सवाल उठाए हैं। वहीं, अब संदीप पाठक ने इस मुद्दे पर रविवार को दिल्ली स्थित अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत में कहा कि शनिवार से एक खबर चल रही है कि उनके खिलाफ पंजाब में दो एफआइआर की गई हैं। उन्हें अब तक इनके बारे में कोई औपचारिक या अनौपचारिक सूचना नहीं मिली है। जितने भी लोग उन्हें जानते हैं और जिन्होंने उनके साथ काम किया है, उन्हें भली-भांति पता है कि वह नीति और धर्म से चलने वाले व्यक्ति हैं। आप में रहते हुए उन्होंने हमेशा नीति और धर्म के आधार पर काम किया। आज भाजपा में हैं और आगे भी उसी सिद्धांत पर काम करेंगे।

'पैडमैन' मुरुगनाथम नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित

कोयंबटूर, एएनआइ : 'पैडमैन' के नाम से मशहूर सामाजिक उद्यमी अरुणाचलम मुरुगनाथम ने रविवार को दावा किया कि उनका नाम 2026 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया है। उन्होंने बताया-मुझे पहले तो विश्वास ही नहीं हुआ। नोबेल पुरस्कार के लिए आप अपना नाम नहीं दे सकते, न ही आपके दोस्त या परिवार के सदस्य। यह तीसरे पक्ष के माध्यम से होना चाहिए। पुडुचेरी के अरविंद नेत्र अस्पताल के डीन और वहां काम कर रही अमेरिकी टीम ने मेरा नाम प्रस्तावित किया। नोबेल पुरस्कार की वेबसाइट के अनुसार, इस साल शांति पुरस्कार के लिए 287 उम्मीदवारों को नामांकित किया गया है, जिनमें से 208 व्यक्ति और 79 संगठन हैं। मुरुगनाथम तमिलनाडु के एक सामाजिक कार्यकर्ता हैं, जिन्होंने ग्रामीण इलाकों के लिए कम लागत वाले सैनिटरी पैड की शुरुआत की। अक्षय कुमार अभिनीत फिल्म 'पैडमैन' के पीछे भी उन्हीं की प्रेरणा थी।

अरुणाचलम मुरुगनाथम।

अमृतसर में आइएसआइ की ओर से भेजी मशीन गन समेत तीन गिरफ्तार

नवीन राजपूत • जागरण

- पंजाब में करना चाहते थे बड़ी वारदात, दो मैगजीन, 50 कारतूस बरामद
- दुबई बैठा हैंडलर है आइएसआइ के संपर्क में, छह आरोपितों पर केस दर्ज

अमृतसर : अमृतसर में थाना घरिंडा की पुलिस ने रविवार सुबह एक मशीन गन, दो मैगजीन और 50 कारतूस सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया। पता चला है कि उक्त हथियार दो तीन दिन पहले ही पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आइएसआइ की तरफ से पाकिस्तानी तस्करों ने ड्रोन से सीमावर्ती गांव मोदे में गिराए थे।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक थाना घरिंडा की पुलिस ने मोदे गांव के अर्जन सिंह, परगट सिंह, साजन सिंह को गिरफ्तार किया है। उक्त आरोपितों की निशानदेही पर ये हथियार बरामद हुए।

आरोपितों की पूछताछ और कब्जे में लिए गए मोबाइल से पता चला है कि दुबई बैठा मोदे गांव का मनराज सिंह पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी के साथ मिलकर भारत में हथियारों की सप्लाई करवा रहा है। इसके बाद पुलिस ने मोदे गांव के ही मनराज सिंह, दुबई में रह रहे सरताज सिंह उसके पिता अंग्रेज सिंह को भी एफआइआर में नामजद कर लिया है। पुलिस अंग्रेज सिंह की गिरफ्तारी के लिए छापामारी कर रही है।

जांच में पता चला है कि दोनों भाई सरताज सिंह और मनराज सिंह पिछले कई साल से दुबई में हैं। वहां उनके संबंध पाकिस्तानी तस्करों के साथ बने थे। उन्हीं के जरिये आइएसआइ के इशारे पर भारत में हथियारों की सप्लाई शुरू की गई।

12 किलो हेरोइन सहित तीन तस्कर गिरफ्तार

पुलिस टीम ने हेरोइन सप्लाई करने वाले गिरोह के तीन सदस्यों को रविवार दोपहर गिरफ्तार किया। आरोपितों से 12 किलो हेरोइन बरामद करके स्टेट स्पेशल आपरेशन सेल के थाने में एनडीपीएस एक्ट के आरोप में केस दर्ज कर लिया है। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि तस्करों के पाकिस्तानी तस्करों के साथ संबंध हैं। एसआइ हरप्रीत सिंह बताया कि आरोपितों की पहचान तरनतारन के सकत्तरा गांव के गुरजंट सिंह, बुग्गा गांव के अरविंदर सिंह और जश्नप्रीत सिंह के रूप में हुई है।

चालक को दिल का दौरा पड़ने से पलटी बस, 28 यात्री घायल

जागरण संवाददाता, नूरपुर : हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के नूरपुर में चालक को हार्ट अटैक आने के दौरान बस पलट गई। कांगड़ा जिले में हुए हादसे में 28 यात्री घायल हुए हैं। इनमें गंभीर रूप से घायलों को टांडा मेडिकल कालेज एवं अस्पताल रेफर किया गया है।

निजी बस देवी दर्शन (एचपी 72-डी-3791) चंबा से ऊना जा रही थी कि सुबह 11 बजे नूरपुर में न्याजपुर के निकट मोड़ पर पलट गई।

बस के यात्रियों के अनुसार बस चालक अचानक छाती पकड़ने लगा और एक मिनट में ही बेहोश होकर खिड़की से बाहर सड़क पर जा गिरा और बस पलट गई। जिस जगह हादसा हुआ वहां खाई भी है। अगर बस खाई की ओर पलटती तो अनहोनी हो सकती थी।

बस चालक मनजीत सिंह, निवासी ऊना सहित तीन गंभीर घायलों को डाक्टर राजेंद्र प्रसाद मेडिकल कालेज एवं अस्पताल टांडा रेफर किया गया है। नागरिक अस्पताल नूरपुर के एसएमओ डा. सतीश पाल ने बताया कि चालक को दिल का दौरा पड़ा था और प्राथमिक उपचार के बाद टांडा अस्पताल रेफर कर दिया है।

चिंता की बात

चार माह में देश में हो चुकी 58 बाघों की मौत, मप्र में सर्वाधिक, जंगल छोटा पड़ने, शिकार-पानी न मिलने पर बाहर आ रहे बाघ

बाघों की बढ़ती आबादी प्रोजेक्ट टाइगर का कर रही 'शिकार'

हिमांशु अग्निहोत्री • जागरण

बरेली : जनवरी से अप्रैल तक देश में 58 बाघों की मौत हो गई, जिनमें 26 ने 'टाइगर रेंज' (सुरक्षित क्षेत्र) से बाहर दम तोड़ा। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण का यह आंकड़ा प्रोजेक्ट टाइगर पर काली छाया की तरह है। बढ़ती मौतों पर विशेषज्ञ आशंका जता रहे कि बाघों के लिए जंगल छोटे पड़ रहे। टेरेटरी की लड़ाई या शिकार-पानी की कमी होने पर उन्हें जंगल से बाहर आना पड़ता है। वहां मानव से संघर्ष की स्थिति बन जाती है।

देश में बाघ संरक्षण के लिए एक अप्रैल, 1973 को प्रोजेक्ट टाइगर की शुरुआत की गई थी। इसके अंतर्गत देश में 58 टाइगर रिजर्व के 84,500 वर्ग किलोमीटर में फैले वन क्षेत्र में बाघों को संरक्षित किया गया है। इन जंगलों में बाघों की फूड चेन, पानी आदि की पर्याप्त व्यवस्था करने का प्रविधान है। पीलीभीत टाइगर रिजर्व के फील्ड डायरेक्टर पीपी सिंह ने बताया कि प्रोजेक्ट टाइगर के मानकों के अनुरूप वयस्क बाघ को औसतन 25 वर्ग किलोमीटर का एरिया चाहिए होता है। वहां शिकार, पानी और मेटिंग के लिए बाघिन की उपलब्धता होनी चाहिए। बाघ अपनी टेरेटरी में रहता है। कई बार बाघों की संख्या बढ़ने पर जंगल छोटा पड़ जाता है। ऐसे में टेरेटरी को लेकर संघर्ष की स्थिति में कमजोर बाघ जंगल से बाहर जाने को मजबूर हो जाता है। जंगल में पानी, शिकार आदि की पर्याप्त उपलब्धता नहीं होने पर भी बाघ गांवों तक पहुंच जाते हैं। गन्ने के खेतों में छिपकर जंगली सुअर, नीलगाय, निराश्रित पशुओं आदि का शिकार करते हैं। इस स्थिति में मानव-बाघ संघर्ष का खतरा बढ़ जाता है।

गांवों में बनाए बाघ मित्र : पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, भारत में बाघों की आबादी प्रतिवर्ष छह प्रतिशत की दर से बढ़ रही है। उत्तर प्रदेश के वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डा. अरुण कुमार ने बताया कि मानव-बाघ संघर्ष रोकथाम के लिए जंगल से सटे गांवों में बाघ मित्र बनाए गए हैं। वे ग्रामीणों को जागरूक करते हैं कि रात में खेतों पर न जाएं, गन्ने के खेत में काम करने समूह में जाएं, बाघ दिखे तो आवाज देकर लोगों को सतर्क करें। उन्हें बाघों के पगमार्ग की पहचान होती है, उसकी गतिविधियों का अनुमान रहता है।

बीते पांच वर्षों में बाघों की मृत्यु

2022	121
2023	182
2024	128
2025	72
2026	58 अब तक

देश में बाघों की संख्या

2006	1411
2010	1706
2014	2226
2018	2967
2022	3682

2026 में बाघों की मृत्यु का आंकड़ा

मध्य प्रदेश	25	उत्तर प्रदेश	02
महाराष्ट्र	12	उत्तराखंड	01
कर्नाटक	05	राजस्थान	01
तमिलनाडु	04	अरुणाचल प्रदेश	01
असम	04	ओडिशा	01
छत्तीसगढ़	02	कुल	58

पंथक सहमति के बिना बना बेअदबी कानून स्वीकार नहीं : जत्थेदार

जागरण संवाददाता, अमृतसर

- जत्थेदार ने पंजाब विधानसभा के स्पीकर को आठ मई को श्री अकाल तख्त पर किया तलब

पंजाब सरकार की ओर से श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की बेअदबी के लिए बनाए गए कानून को श्री अकाल तख्त के कार्यकारी जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह सिंह गड़गज ने स्वीकारने से मना कर दिया है। रविवार को जत्थेदार गड़गज की अध्यक्षता में सिख बुद्धिजीवियों, विद्वानों व एसजीपीसी सदस्यों की हुई बैठक के बाद उन्होंने कहा कि सरकार का यह कानून पंथक सहमति से बिना बनाया गया है, जिसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। स्पष्ट किया कि पंथ की सहमति के बिना गुरु साहिब से जुड़े मामलों में कोई भी मनमाना कानून लागू नहीं होने दिया जाएगा। जत्थेदार ने विधानसभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधवां को आठ मई को सुबह 11 बजे श्री अकाल तख्त साहिब के समक्ष पेश होकर अपना पक्ष रखने को कहा है। उधर, कुलतार सिंह संधवां ने कहा है कि वे हमेशा एक साधारण सिख के नाते श्री अकाल तख्त के समक्ष नतमस्तक होते रहे हैं और अब भी श्री अकाल तख्त के जत्थेदार की ओर से जो भी आदेश दिया जाएगा, उसका पालन किया जाएगा।

बैठक के बाद जत्थेदार ने दो टूक कहा कि श्री गुरु ग्रंथ साहिब की मर्यादा, सुरक्षा और सेवा से जुड़े मामलों में पंथ की राय सर्वोपरि है। पंजाब सरकार ने कथित 'जागत ज्योति श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार संशोधन एक्ट 2026 बनाते समय न तो अकाल तख्त साहिब और न ही एसजीपीसी को विश्वास में लिया।

150 छात्राओं को 10 दिनों का अवकाश दे दिया गया है पौड़ी जिले के राजकीय नर्सिंग कालेज डोभ-श्रीकोट में। पिछले एक माह से पेयजल आपूर्ति ठप होने और रसोई गैस किल्लत के कारण कालेज प्रशासन ने एहतियातन यह कदम उठाया है।

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
सोमवार, 4 मई, 2026

न्यूज गैलरी

मणिपुर में बम विस्फोट में मारे गए बच्चों का अंतिम संस्कार

बिष्णुपुर: मणिपुर में बम विस्फोट में मारे गए दो बच्चों के शवों का अंतिम संस्कार कर दिया गया। सात अप्रैल को बिष्णुपुर जिले में हुए विस्फोट में पांच वर्षीय बच्चे और उसकी छह महीने की बहन की मौत हो गई थी। शव तीन सप्ताह से अधिक समय से इंफाल के क्षेत्रीय चिकित्सा विज्ञान संस्थान के मुर्दाघर में थे, क्योंकि अपराधियों को जल्द से जल्द सजा देने की मांग करते हुए परिवार के सदस्यों ने शव स्वीकार करने से इन्कार कर दिया था। इस घटना के बाद से मणिपुर में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। (एएनआइ)

कांग्रेस नेता पर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का केस

पणजी : गोवा प्रदेश कांग्रेस के नेता गिरीश चोडणकर पर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का मामला दर्ज किया गया है। गिरीश ने रविवार को कहा कि इस मामले में पुलिस ने उनसे तीन घंटे तक पूछताछ की है। गिरीश ने कहा कि जिस इंटरनेट मीडिया पोस्ट के आधार पर मामला दर्ज किया गया, वह हिंदुओं के खिलाफ नहीं, भाजपा के खिलाफ था। उन पर मांडवी नदी में आफशोर कैसीनो के कारण होने वाले प्रदूषण पर तंज कसने के लिए देवी दुर्गा की 'आरती' को गलत तरीके से उल्लेख करने का आरोप है। राज्य पुलिस मुख्यालय के बाहर हिंदू एकता समिति के बैनर तले सैकड़ों लोगों द्वारा विरोध प्रदर्शन के बाद गिरीश के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। उन्होंने कहा, मैं खुद हिंदू होते हुए हिंदुओं की भावनाओं को कैसे ठेस पहुंचा सकता हूं? मुझसे तीन घंटे से अधिक समय तक तरह-तरह के सवाल पूछे गए। उनके पास 150 सवालों की सूची थी जो उन्होंने मुझसे पूछी। मैंने उन्हें संबंधित वीडियो दिखाया और बताया कि यह भाजपा के खिलाफ है, किसी धर्म के खिलाफ नहीं। (प्रेट्र)

पानी के अंदर सबसे ऊंचे मानव पिरामिड का गिनीज रिकार्ड

श्री विजयपुरम: अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में समुद्र की गहराई में दुनिया का सबसे बड़े राष्ट्रीय ध्वज की छटा बिखेरने के अगले ही दिन रविवार को अंडमान के ही स्वराज द्वीप में समुद्र में सबसे ऊंचे मानव पिरामिड (ह्यूमन स्टैक) का गिनीज विश्व रिकार्ड बनाया। स्वराज द्वीप को पहले हैवलाक द्वीप के नाम से जाना जाता था। अधिकारियों ने बताया कि लेफ्टिनेंट गवर्नर डीके जोशी सहित 14 लोगों ने पानी के अंदर 22.3 मीटर लंबे मानव पिरामिड बनाने में भाग लिया और वे तीन मिनट तक पानी के नीचे रहे। एक दिन पहले ही अंडमान में ही प्रशिक्षित गोताखोरों ने समुद्र की गहराई में दुनिया का सबसे बड़ा राष्ट्रीय ध्वज (तिरंगा) फहराया। (प्रेट्र)

मप्र पर्यटन विभाग ने जिम्मेदारी से मुंह मोड़ा, स्पष्ट एसओपी तक नहीं थी

पर्यटन विभाग का दावा, क्रूज में लाइफ जैकेट पहनना अनिवार्य नहीं, खतरा होने पर ही पहनने को कहा जाता

जबलपुर क्रूज हादसा

क्रूज चलाने से पूर्व मौसम का अलर्ट जानने तक की नहीं थी व्यवस्था

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया • भोपाल

जबलपुर के पास बरगी डैम में गुरुवार को हुए क्रूज हादसे के लिए हर कोई मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग को जिम्मेदार मान रहा है वहीं क्रूज संचालन करने वाला पर्यटन विभाग अपनी जिम्मेदार से मुंह मोड़ता नजर आ रहा है। कई स्तरों पर लापरवाही से यह भी उजागर हुआ है कि मध्य प्रदेश में जल पर्यटन के लिए क्रूज भले चलाए जा रहे हैं, लेकिन इसकी स्पष्ट मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) आज तक नहीं बनाई गई। क्रूज चलाने से पहले मौसम का अलर्ट जानने तक की व्यवस्था नहीं थी। इसके बावजूद अधिकारी दावा कर रहे हैं कि उस समय कोई लापरवाही नहीं हुई। मौसम में अचानक बदलाव से हादसा हुआ। विभाग के तमाम दावों के बावजूद इसका जवाब किसी के पास नहीं कि यदि सब कुछ दुरुस्त था तो पर्यटकों की मौत के लिए कौन जिम्मेदार है?

इस बीच, रविवार को बरगी बांध से पर्यटक आर. कामराज और उनके भतीजे मयूरन का शव बरामद किया गया। मृतकों की संख्या कुल 13 हो गई। हादसे के समय क्रूज में 41 पर्यटक सवार थे। मध्य प्रदेश पर्यटन के जल क्रीड़ा के सलाहकार राजेंद्र निगम ने दावा किया कि क्रूज में पर्यटकों के लिए लाइफ जैकेट पहनना अनिवार्य नहीं होता है। स्पीड बोट,पैडल बोट के लिए इसकी अनिवार्यता है। हम अंतरराष्ट्रीय मानक और पर्यटन मंत्रालय के दिशा-निर्देशों का पालन करते हैं। स्थानीय एसओपी नहीं है। जब मौसम खराब होता है तो क्रूज पायलट संदेश देता है कि सभी सुरक्षा की दृष्टि से लाइफ जैकेट पहन लें। ठीक वैसे ही जैसे विमान में आक्सीजन कम होने या टर्बुलेंस की स्थिति बनने पर सुरक्षा सलाह दी जाती है।

केवल लाइफ जैकेट ही नहीं, मौसम के अलर्ट को लेकर भी यही स्थिति है। क्रूज के लिए मौसम की चेतावनी अहम होती है, इसी अनुरूप सुरक्षा साधनों का उपयोग होता है। मौसम विभाग के विज्ञानी अरुण शर्मा का कहना है कि हम किसी के लिए अलग से अलर्ट जारी नहीं करते। सभी संबंधितों की रिपोर्ट दी जाती है। इसके आधार पर स्थानीय स्तर पर व्यवस्थाएं की जाती हैं। उधर, पर्यटन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि पहले सामान्य बाद में 'यलो' अलर्ट बताया गया। इसमें संचालन प्रतिबंधित नहीं होता है मगर सावधानी रखनी पड़ती है। यहीं चूक हुई, मौसम तेजी से बदल गया।

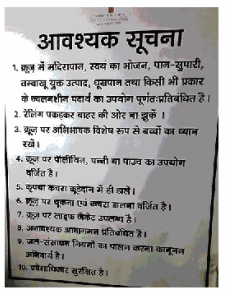

जबलपुर। बरगी बांध में क्रूज संचालन स्थल पर लगे बोर्ड का सातवां बिंदु बता रहा है कि क्रूज पर लाइफ जैकेट उपलब्ध है। हालांकि अनिवार्यता को लेकर कुछ नहीं लिखा। नईदुनिया

लापरवाही तो हुई, नई एसओपी जारी करेंगे

उधर, पर्यटन मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने इतना तो माना कि लापरवाही हुई है। प्रारंभिक तौर पर जिम्मेदारों पर कार्रवाई भी की गई है। सभी जगह क्रूज बंद करवा दिए गए हैं। एक सप्ताह में जांच रिपोर्ट आएगी, उसके आधार पर एसओपी भी जारी करेंगे। मौसम अचानक परिवर्तित हुआ। डेक पर ऊपर जो पर्यटक थे, वे वीडियो में लाइफ जैकेट के बिना नजर आ रहे हैं। जब तेज हवा चलने लगी तो नीचे आए और सबको लाइफ जैकेट दी गई। उन्होंने जैकेट पहने भी मगर वे निकल ही नहीं पाए।

अंधड़ से टिहरी झील में फ्लोटिंग हट्स का प्लेटफार्म टूटा, 30 पर्यटक सुरक्षित निकाले

जागरण संवाददाता, नई टिहरी

- जबलपुर के बरगी बांध जैसा हादसा होते-होते बचा
- घटना की जांच को पांच सदस्यीय समिति गठित, हट्स का संचालन रोका

जबलपुर में बरगी डैम पर क्रूज हादसे के तीन दिन बाद ही उत्तराखंड की टिहरी झील में भी ऐसा ही हादसा होते-होते बचा है। टिहरी झील में संचालित फ्लोटिंग हट (तैरता आवास) तेज आंधी और तूफान के बीच शनिवार देर शाम अचानक डगमगा गई। इससे उसमें सवार 30 पर्यटकों में अफरातफरी मच गई, जिन्हें समय पर रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। हादसे का कारण हट्स के लिए प्लेटफार्म के रूप में बनी जेटी का जोड़ (नट) टूटना माना जा रहा है। कठोर प्लास्टिक के बाक्स से बनी इस जेटी का लंबे समय से मेंटेनेंस नहीं हुआ। ऐहतियातन फ्लोटिंग हट के संचालन पर अब रोक है। जांच के लिए पांच सदस्यीय कमेटी बनाई गई है।

पर्यटकों को आकर्षित करने व पर्यटन विकास को बढ़ावा देने के लिए नई टिहरी से 40 किमी दूर डोबरा-चांठी क्षेत्र में झील में स्ट्रक्चर तैयार किया गया है। जेटी का इस्तेमाल करके उसके ऊपर झोपड़ीनुमा 20 छोटे कमरे (फ्लोटिंग हट्स) तैयार किए गए हैं, जिन्हें पानी में भारी-भरकम एंकर डालकर स्थिर किया गया है। शनिवार शाम 7:45 बजे आंधी-तूफान के कारण तेज हवाओं के साथ उठती लहरों ने फ्लोटिंग हट को प्रभावित कर दिया। 300 फीट लंबी और 15 फीट चौड़ी जेटी नट टूटने से बीचोंबीच दो हिस्सों से बंट गई। इससे उसके ऊपर बनीं हट्स डगमगाने लगी तो इसमें सवार दिल्ली सहित अन्य राज्यों के 30 पर्यटकों में चीख-पुकार मच गई।

हादसे के पीछे मौसम विभाग की ओर से जारी आरेंज अलर्ट की अनदेखी भी सामने आ रही है। वहीं राफ्टिंग कराने वाली कंपनियों के साथ बोट संचालकों को एसओपी का अनिवार्य रूप से पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं।

फ्लोटिंग हट्स से पर्यटकों को रेस्क्यू करती एसडीआरएफ की टीम। एसडीआरएफ

पुणे में बच्ची से दुष्कर्म-हत्या मामले की जांच के लिए एसआइटी गठित

- पीड़िता के पिता ने कहा, आरोपित को फांसी होने तक कोई भी नेता उनसे मिलने न आए

पुणे, प्रेट्र : महाराष्ट्र के पुणे जिले में चार साल की बच्ची के साथ हुए दुष्कर्म और हत्या की जांच के लिए एक विशेष जांच टीम (एसआइटी) का गठन किया गया है। इस जघन्य अपराध को लेकर लोगों में आक्रोश है। दो महिलाओं सहित छह पुलिस अधिकारियों की एक एसआइटी गठित की गई है।

बता दें, पुणे जिले की भोर तहसील के एक गांव में चार साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म और हत्या के आरोप में 65 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। आरोपित का पुराना आपराधिक रिकार्ड है।

पुलिस के अनुसार, आरोपित ने शुक्रवार को लड़की को खाने का लालच दिया और उसे एक पशु बाड़े में ले गया। वहां उसने बच्ची का यौन उत्पीड़न किया और बाद में पत्थर से सिर कुचलकर उसकी हत्या कर दी।

अदालत ने आरोपित को सात मई तक के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया है। अपने घर पर नेताओं के जमावड़े को देखते हुए बच्ची के पिता ने अपील की है कि जब तक आरोपित को फांसी नहीं दे दी जाती, तब तक कोई भी नेता उनसे मिलने न आए।

पिता ने एक वीडियो संदेश में कहा कि जब मैं अपनी बेटी की अस्थियां विसर्जित करने पहुंचा तो मुझे परिवार के सदस्यों के फोन आए कि कई नेता हमारे घर शोक संवेदना व्यक्त करने आ रहे हैं। मैं सभी नेताओं से अपील करता हूं कि जब तक मेरी बेटी को न्याय नहीं मिल जाता, जब तक उस आरोपित को फांसी नहीं हो जाती, कृपया मेरे घर न आएं।

इससे पहले दिन में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आश्वासन दिया कि सरकार इस मामले के आरोपित के लिए मौत की सजा की मांग करेगी।

नशा तस्करों और आतंकियों में सांठगांठ देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए चुनौती

राज्य ब्यूरो, जागरण • श्रीनगर

- श्रीनगर में उपराज्यपाल की हुंकार, नशे को जड़ से समाप्त करने करने के लिए पूरा प्रदेश एकजुट
- उपराज्यपाल ने दो किलोमीटर लंबी पदयात्रा का नेतृत्व भी किया

जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि नशा तस्करों और आतंकियों के बीच सांठगांठ देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए चुनौती है। उन्होंने नशा तस्करी को साइलेंट टेररिज्म करार देते हुए इसे जम्मू-कश्मीर के युवाओं, परिवारों और भविष्य को नष्ट करने की साजिश बताया।

नार्को-आतंकवाद नेटवर्क को चेतावनी देते हुए उपराज्यपाल ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में नशा सिंडिकेटों और राष्ट्रविरोधी तत्वों का समय समाप्त हो चुका है।

रविवार को उपराज्यपाल श्रीनगर के टीआरसी फुटबाल ग्राउंड में उपराज्यपाल नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान के तहत पदयात्रा से पूर्व हजारों लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने दो किलोमीटर लंबी पदयात्रा का नेतृत्व भी किया।

मनोज सिन्हा। फाइल

उपराज्यपाल ने कहा कि आइए, हम सब मिलकर ऐसे जम्मू-कश्मीर की कल्पना करें, जहां कोई बच्चा नशे की भेंट न चढ़े। यही वह सपना है, जिसे पूरा करना है और यही वह विरासत है जो हमें आने वाली पीढ़ियों को सौंपनी है। नशे को जड़ से उखाड़ फेंकने का संकल्प प्रशासन की घोषणा नहीं, बल्कि उन लोगों का सामूहिक संकल्प है, जिन्होंने दशकों तक पीड़ा झेलने के बाद एक स्वर में कहा है, अब बहुत हो चुका।

21 दिन में 481 एफआइआर दर्ज : उपराज्यपाल ने कहा कि नई एसओपी के तहत सख्त कार्रवाई कर रहे हैं। 11 अप्रैल से दो मई के बीच, जम्मू और कश्मीर में मात्र 21 दिन में 481 एफआइआर दर्ज की गईं।

इस अवधि में 518 नशा तस्करों और पेडलरों को जेल भेजा। अपराध से अर्जित 24 मकानों को ध्वस्त किया और करोड़ों रुपये की संपत्ति जब्त की गई। 100 दिन के अभियान को अभी 78 दिन बाकी हैं।

आइआइटी की छात्रा ने प्रोफेसर पर लगाए मारपीट व यौन उत्पीड़न के आरोप

जासं, रूपनगर : आइआइटी रोपड़ में एक शोध छात्रा के अपने मार्गदर्शक प्रोफेसर पर गंभीर आरोप लगाए हैं। छात्रा ने आरोप लगाया कि जब उसने प्रोफेसर की कथित अनुचित मांगों को मानने से इन्कार किया तो उसने उसके साथ मारपीट की और शारीरिक उत्पीड़न किया। उसने यह भी दावा किया कि उस पर एक शोध यात्रा के लिए साथ जाने का दबाव बनाया गया और मना करने पर उसे शोध कार्यक्रम से बाहर करने की धमकी दी गई। पीड़िता ने संस्थान की कार्यशैली को लेकर भी सवाल उठाए हैं। उसका कहना है कि उसे आश्वासन दिया गया था कि तुरंत कार्रवाई की जाएगी और मार्गदर्शक बदला जाएगा, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। इस पूरे मामले पर आइआइटी के निदेशक राजीव आहूजा ने बताया कि शिकायत 29 अप्रैल को मिली थी और अगले ही दिन कार्रवाई शुरू कर दी गई।

पानी की टंकी पर 16 घंटे से फंसे दो बच्चों को वायुसेना ने बचाया

जागरण संवाददाता, सिद्धार्थनगर

60 फीट ऊंची पानी की टंकी पर फंसे दो किशोरों को 16 घंटे बाद रविवार सुबह 5:29 बजे वायुसेना ने बचा लिया। वायुसेना के जवानों ने एमआइ-17 हेलीकाप्टर की मदद से मात्र नौ मिनट में दोनों को लिफ्ट कर वहां से निकाल लिया। रात भर चले प्रयासों के बावजूद एनडीआरएफ टीम सफल नहीं हुई, तो सेना की मदद ली गई।

कांशीराम कालोनी स्थित इस जर्जर पानी की टंकी का कोई उपयोग नहीं था। करीब दो दशक पहले इसे निष्प्रयोज्य घोषित किया जा चुका था। शनिवार दोपहर लगभग डेढ़ बजे पवन, कल्लू, सिद्धार्थ, सनी और गोलू नाम के किशोर रील बनाने के चक्कर में टंकी पर चढ़े थे। वीडियो बनाने के बाद नीचे उतरने की जल्दी में सिद्धार्थ, सनी और गोलू एक साथ सीढ़ी पर आ गए। इससे सीढ़ी टूटी और तीनों नीचे गिर पड़े। मेडिकल कालेज अस्पताल में चिकित्सकों ने सिद्धार्थ को मृत घोषित कर दिया। सनी और गोलू की हालत गंभीर है। सीढ़ी टूटने से तीन दोस्तों की हालत देख पवन और कल्लू डर की वजह से टंकी से उतरने की हिम्मत नहीं कर सके। दोनों को टंकी से उतारने को गोरखपुर से एनडीआरएफ टीम शाम सात बजे पहुंची, लेकिन टंकी तक पहुंचने का रास्ता न था। आनन-फानन में रास्ता बनाया जाने लगा। रात भर में मार्ग प्रशस्त हुआ, लेकिन दलदली जमीन के कारण एनडीआरएफ की लिफ्ट काम नहीं कर सकी। इस पर जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने रविवार भोर में मुख्यमंत्री कार्यालय और राहत आयुक्त से वार्ता की। इसके बाद गोरखपुर से हेलीकाप्टर लेकर वायुसेना के जवान 5:20 बजे पहुंचे। दोनों किशोरों को सुरक्षित निकाल कर हेलीकाप्टर उन्हें लेकर गोरखपुर चला गया। बाद में जिला प्रशासन की गाड़ी से दोनों को वापस लाया गया।

रेस्क्यू के लिए पहुंचा भारतीय वायुसेना के हेलीकाप्टर। जागरण

- सिद्धार्थनगर में रील बनाने चढ़े थे पांच दोस्त, तीन एक साथ उतरने लगे तो टूटी सीढ़ी, एक की गई जान
- शनिवार रात भर चले प्रयासों के बाद विफल हुई एनडीआरएफ टीम, तो वायुसेना से मांगी गई थी मदद

असुरक्षित बताकर ढहाने का प्रशासन ने दिया था आदेश

यह हादसा गंभीर लापरवाही का दुष्परिणाम है। जिस पानी की टंकी को दो दशक पहले निष्प्रयोज्य घोषित किया जा चुका था, वह बिना किसी सुरक्षा व्यवस्था के खड़ी रही। टंकी के जर्जर होने के बावजूद संबंधित विभागों ने इसे ध्वस्त कराने या सुरक्षित करने की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया। हादसे के बाद अब जिम्मेदारी तय करने की बात कही जा रही है, लेकिन सवाल यही है कि यदि समय रहते कार्यवाही होती, तो एक बच्चे की जान न जाती और दो अन्य गंभीर घायल न होते। हादसे के बाद प्रशासन ने रविवार को टंकी की सीढ़ी पूरी तरह से तोड़वा दी ताकि कोई उस पर न चढ़ सके।

यूपीएससी कोचिंग संचालिका शुभ्रा रंजन को भोपाल में बंधक बनाकर दो करोड़ की उगाही

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल

- पीड़िता का ही पूर्व छात्र और फ्रेंचाइजी संचालक है मुख्य आरोपित प्रियंक शर्मा
- भोपाल बुलाकर वारदात को अंजाम दिया, छह आरोपित गिरफ्तार, दो फरार

दिल्ली के करोल बाग में कोचिंग संचालिका और यूपीएससी परीक्षाओं की तैयारी कराने वाली जानी-मानी मेंटर शुभ्रा रंजन और उनकी टीम को भोपाल के एमपी नगर में बंधक बनाकर दो करोड़ रुपये ऐंठ लिए गए। वारदात को अंजाम देने वाला उनका पूर्व छात्र और उनकी कोचिंग का फ्रेंचाइजी संचालक प्रियंक शर्मा है। मुख्य साजिशकर्ता समेत छह आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया है, दो आरोपित फरार हैं।

शुभ्रा रंजन 'शुभ्रा रंजन आइएएस स्टडी' का संचालन करती हैं। वह राजनीति विज्ञान और अंतरराष्ट्रीय संबंध विषय की विशेषज्ञ मानी जाती हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपित प्रियंक शर्मा ने उनके दिल्ली स्थित कोचिंग सेंटर में तैयारी की, लेकिन यूपीएससी में चयन नहीं हो सका। बाद में प्रियंक ने भोपाल के एमपी नगर जोन-2 में शुभ्रा के कोचिंग की फ्रेंचाइजी शुरू की। हाल ही में प्रियंक ने शुभ्रा रंजन को सेमिनार में मुख्य वक्ता के तौर पर भोपाल आमंत्रित किया। गुरुवार को वह अपने पति विराज देशमुख और टीम के साथ भोपाल पहुंचीं, तो उन्हें ताज होटल में ठहराया गया। प्रियंक वहां से उन्हें किराये के एक घर में ले गया। करीब छह हथियारबंद लोग वहां पहुंचे। उन लोगों ने प्रियंक और साथी से मारपीट का नाटक कर 10 करोड़ रुपये मांगे। इन्कार करने पर उन लोगों ने शुभ्रा की कनपटी पर पिस्तौल लगाकर उनके पति को कंपनी के खाते से करीब दो करोड़ रुपये अलग-अलग बैंक खातों में डालने पर विवश किया।

शुभ्रा रंजन।

प्रियंक शर्मा।

अस्पताल में छिपने की कोशिश

क्राइम ब्रांच की टीम गुरुवार देर रात जब आरोपित प्रियंक के घर पहुंची, तो पता चला कि वह एम्स भोपाल में भर्ती है। पुलिस टीम अस्पताल पहुंची, जहां आरोपित ने सीने में दर्द का हवाला दिया। पुलिस ने उसकी चालाकी भांप ली और उसे तुरंत हिरासत में ले लिया। शुक्रवार को कोर्ट ने उसे पुलिस रिमांड पर भेज दिया है।

सरपंच बहू ने बदली गांव की तस्वीर... फलक पर बेटियां, यहां विकास है नजीर

5100 रुपये प्रत्येक बेटी के जन्म पर दिया जाता है शगुन, लड़कों की तुलना में लड़कियां ज्यादा, 25 लड़कियों की हाकी टीम बढ़ा रही मान

जागरण विशेष
यशस्वी प्रधान

संजीव कांबोज • जागरण

यमुनानगर: हरियाणा के यमुनागर में पश्चिमी यमुना नहर के किनारे बसा गांव कांजनू। कहने को तो यह गांव है, लेकिन आप यहां आएंगे तो शहर के पाश एरिया सा अनुभव करेंगे। यहां की सरपंच बहू के प्रयास ही हैं कि यहां बेटियों को पलकों पर बैठाया जाता है। जिले की 490 ग्राम पंचायतों में यह गांव विकास, विश्वास और भाईचारे की नजीर है। स्नातक सरपंच रिंपी के प्रयासों का सुफल स्पष्ट दिखाई देता है। न केवल जन्म से पहले, बल्कि बाद में भी बेटियों का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। गांव के हर घर की सुरक्षा के लिए 35 हाईटेक कैमरे लगे हैं। सुबह-शाम ग्रामीणों की सैर के लिए करीब दो एकड़ में बलिदानी ऊधम सिंह पार्क बना है। आठ एकड़ में खेल का मैदान निर्माणाधीन है।

सुरक्षा के लिए लगे सीसीटीवी कैमरे व चकाचक सड़क • जागरण

बेटियों को खेल के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए हाकी की टीम का गठन किया है। टीम में 25 लड़कियां हैं और ये खेल नर्सरी में नियमित अभ्यास करती हैं। इनके लिए एक महिला कोच है। पिछले महीने सांसद नवीन जिंदल की ओर से जेएमआइटी में आयोजित प्रतियोगिता में टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 70 हजार रुपये का नकद पुरस्कार जीता था। इतना ही नहीं, युवाओं को नशे से दूर रखने व खेलों से जोड़ने के लिए पंचायती भूमि करीब आठ एकड़ में पार्क बनाया जा रहा है।

लिंगानुपात में लड़कियां आगे: बेटियों के प्रति सरपंच बहू का समर्पण धरातल पर स्पष्ट दिखता है। यही वजह है कि लिंगानुपात में लड़कियां आगे हैं। 1000 लड़कों पर यहां 1400 लड़कियों हैं। विशेष बात यह भी है कि सरपंच प्रत्येक बेटी के जन्म पर 5100 रुपये का शगुन देती हैं। सरकार की ओर से उनको मिलने वाला मानदेय बेटियों के नाम रहता है। लड़कियों को पढ़ाई के लिए लोगों को प्रोत्साहित करती हैं। उन्होंने नवंबर 2022 में पदभार संभालते ही इसकी शुरुआत कर दी थी। उनका कहना है कि यह आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि बेटियों को सम्मान है। सरपंच की इस पहल को प्रशासनिक स्तर पर सराहा जा चुका है। बीते वर्ष डीसी पार्थ गुप्ता ने उनको सम्मानित किया था। वह लड़कियों की पढ़ाई का भी ख्याल रखती हैं।

शहर जैसी सुविधाएं: गांव की आबादी करीब 2000 है। सफाई व्यवस्था का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। लगभग प्रत्येक गली की नालियां स्लैब से कवर हैं। गांव के चारों तरफ सीवरेज लाइन है। गांव की सफाई के लिए दो कर्मचारी नियुक्त हैं। ग्रामीणों की सुविधा व सामूहिक आयोजनों के लिए गांव में सात चौपालें हैं। सरपंच कहती हैं कि उनका लक्ष्य गांव का चौतरफा विकास कराना है। सुरक्षा के लिहाज से न केवल गांव के प्रवेश द्वार, बल्कि अंदर भी सीसीटीवी कैमरे लगवाए गए हैं। सरपंच का प्रयास है कि गांव को अलग श्रेणी में खड़ा किया जाए। इसके लिए ग्रामीणों का सहयोग भी खूब मिल रहा है।

ग्रामीणों की जुबां पर विकास की सराहना: गांव के नंबरदार जय प्रकाश, रजनीश कुमार, अखिल कुमार व अशोक कुमार ने बताया कि गांव में खूब विकास कार्य हो रहे हैं। सरपंच की हल से अब लड़कियों को कोख में नहीं मारा जाता है। ज्यादातर जरूरी सुविधाएं गांव में उपलब्ध हैं। युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए विशेष स्तर पर प्रयास किया जा रहे हैं। करीब आठ एकड़ में खेल स्टेडियम बनने के सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे।

थाने जाने के बजाय गांव में ही निपटाए जाते झगड़े

सरपंच रिंपी ने बताया कि गांव में कई धर्म जाति के लोग रहते हैं। यदि कभी कोई मनमुटाव या झगड़ा हो भी जाता है तो मिल बैठकर निपटा लिया जाता है। उनका प्रयास रहता है कि गांव का झगड़ा थाने तक न जाए। गांव में ही आपसी सहमति से निपटा लिया जाए। गांव में कोई भी विकास कार्य करवाने से पहले प्रबुद्धजन से विचार-विमर्श भी किया जाता है। सभी के साथ रायमशविरा के बाद ही परियोजना पर निर्णय लिया जाता है। उन्होंने बताया कि गांव में राजकीय माध्यमिक विद्यालय है और साक्षरता दर करीब 92% है।

सरपंच रिंपी • जागरण

अतिरिक्त सामग्री पढ़ने के लिए स्कैन करें।

साढ़े चार लाख के विवाद में सहेली के बेटे को नहर में फेंका

जागरण संवाददाता, सहारनपुर

- महिला व मृतक किशोर की मां के बीच 20 साल से थी गहरी दोस्ती
- 14 घंटे बाद पुलिस ने पूर्वी यमुना नहर से शव किया बरामद

साढ़े चार लाख रुपये के लिए 14 वर्षीय किशोर की नहर में फेंककर हत्या कर दी गई। पुलिस ने 14 घंटे के सर्च अभियान के बाद पूर्वी यमुना नहर से शव को बरामद कर लिया। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पकड़ी गई आरोपित महिला ने किशोर की हत्या करना स्वीकार कर लिया। उसने बताया कि कुछ दिन पहले किशोर की मां ने रकम के लेनदेन को लेकर बेइज्जती की थी, जिसका बदला लेने के लिए उसने वारदात की। पता चला है कि आरोपित महिला और किशोर की मां की 20 साल से गहरी दोस्ती थी। दस साल पहले इसका पता चलने पर दोनों के पति घर छोड़कर चले गए थे।

एसपी सिटी व्योम बिंदल ने बताया कि शुक्रवार को 14 वर्षीय अंशुमन घर के बाहर खेल रहा था। इसी दौरान पड़ोसी पूजा उसे बहाने से स्कूटी पर बैठाकर पूर्वी यमुना नहर ले गई। जब किशोर शाम तक घर नहीं लौटा तो स्वजन ने तलाश की, लेकिन उसका सुराग नहीं मिल सका। शाम को किशोर की मां ज्योति ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे खंगाले तो पूजा की फुटेज मिली। शनिवार को पूछताछ में उसने बताया कि अंबाला रोड स्थित पुल से किशोर को धक्का दिया है। इसके बाद रविवार को पुलिस ने पूर्वी यमुना नहर से शव बरामद कर लिया।

प्रेसवार्ता में गिरफ्तार आरोपित महिला और पुलिस अधिकारी। जागरण

हां 83% नहीं 17% — क्या यूएई के ओपेक से बाहर आने से भविष्य में तेल का गणित बदल जाएगा?

हां 75% नहीं 25% — क्या ओपेक में टूट से वैश्विक बाजार में तेल कीमतों में गिरावट आएगी?

मुद्दा से संबंधित अपनी राय, सुझाव और प्रतिक्रिया mudda@jagran.com पर भेज सकते हैं।

प्रमुख तेल उत्पादक देश यूएई ने तेल उत्पादक देशों के संगठन ओपेक और ओपेक प्लस से निकलने की घोषणा की है। ओपेके में यह टूट उस कार्टेल के लिए बड़ा झटका है जो उत्पादन को नियंत्रित करके वैश्विक बाजार में अपने हितों के हिसाब से कीमतें तय करने के लिए काम कर रहा था। भारत समेत तेल जरूरतों के लिए आयात पर निर्भर देशों को इससे फायदा हो सकता है क्योंकि अब यूएई अपनी उत्पादन क्षमता का पूरा इस्तेमाल करते हुए तेल निर्यात की मात्रा बढ़ा सकता है। वैश्विक बाजार में ज्यादा आपूर्ति का मतलब है तेल की कीमतों में कमी। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण ऊंची तेल कीमतों के बीच यह घटनाक्रम भविष्य में तेल का गणित बदल सकता है। ऐसे समय में जब दुनिया भर में तमाम देश जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने के लिए स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं। जीवाश्म ईंधन के उत्पादक देशों में यह सोच भी बन रहा है कि हो सकता है भविष्य में तेल की वह कीमत न रह जाए जो आज है। ऐसे में वे अगले एक दो दशक में अपने संसाधनों को तेजी से दोहन करने की रणनीति पर आगे बढ़ सकते हैं। ओपेक में टूट से तेल की आपूर्ति और कीमतों पर असर और भारत के लिए इसके निहितार्थ की पड़ताल आज अहम मुद्दा है...

बदलेगा तेल का गणित!

अब और गहरे होंगे भारत-यूएई के बीच ऊर्जा संबंध

पवन चौरसिया
रिसर्च फेलो, इंडिया फाउंडेशन

अब भारत यूएई के साथ ऊर्जा आपूर्ति के लिए दीर्घकालिक समझौते कर सकता है। भौगोलिक दूरी कम होने की वजह से परिवहन लागत भी कम होगी। आने वाले समय में भारत-यूएई के बीच ऊर्जा संबंध और गहरे हो सकते हैं।

विश्व के सबसे अस्थिर क्षेत्र पश्चिम एशिया में एक बार फिर नया भूचाल आ गया है, जिसके व्यापक क्षेत्रीय एवं वैश्विक परिणाम देखने को मिल सकते हैं। दरअसल, अप्रैल के अंत में अमेरिका-ईरान के बीच चल रहे युद्ध और संघर्षविराम के वातावरण में खाड़ी के प्रमुख देश संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने कच्चे तेल के निर्यातक देशों के समूह ओपेक एवं ओपेक प्लस से एक मई 2026 से स्वयं को अलग करने की घोषणा कर दी है। गौरतलब है कि अमीरात, जो इस समूह के सबसे बड़े उत्पादकों में से एक है, का इस गुट से बाहर निकलना न केवल वैश्विक तेल आपूर्ति पर ओपेक के नियंत्रण को कमजोर करता है, बल्कि अमीरात और उसके पड़ोसी सऊदी अरब के बीच चल रहे तनाव को भी गहरा करता है। सऊदी अरब प्रभावी रूप से ओपेक और खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) का नेतृत्व करता है। हालांकि, यूएई के इस निर्णय के प्रभावों को लेकर विश्लेषकों के अलग-अलग मत हैं। इसमें कोई दो राय नहीं है कि दुनिया को अभी भी तेल के हर उपलब्ध बैरल की आवश्यकता है। अमीरात अकेले ही विश्व का आठवां सबसे बड़ा तेल उत्पादक देश है और वैश्विक तेल उत्पादन में इसकी लगभग चार प्रतिशत हिस्सेदारी है। लेकिन इस निर्णय के पीछे के कारण, स्वयं इस कदम से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हैं। इसमें आर्थिक एवं भू-राजनीतिक दोनों कारण शामिल हैं, और ईरान युद्ध ने इन दोनों को जोड़ने में मदद की है। दरअसल, यूएई वर्षों से अपनी तेल उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए भारी निवेश कर रहा है। वह लगभग 150 अरब अमेरिकी डालर खर्च कर अपनी दैनिक उत्पादन क्षमता को 50 लाख बैरल के करीब ले जाने की दिशा में काम कर रहा है। लेकिन ओपेक के कोटा नियमों के कारण वह इस क्षमता का पूरी तरह उपयोग नहीं कर पा रहा है। उसका वास्तविक उत्पादन वर्तमान में लगभग 35 लाख बैरल प्रतिदिन ही बना हुआ है। यह उत्पादन ओपेक की कोटा प्रणाली द्वारा सीमित है, जिसका उद्देश्य आपूर्ति को नियंत्रित कर कीमतों को स्थिर रखना है। यूएई में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि यदि तेल बेचने की अनुमति ही नहीं है, तो उत्पादन क्षमता बढ़ाने में इतना निवेश क्यों किया गया?

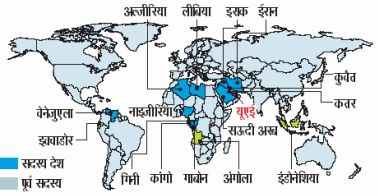

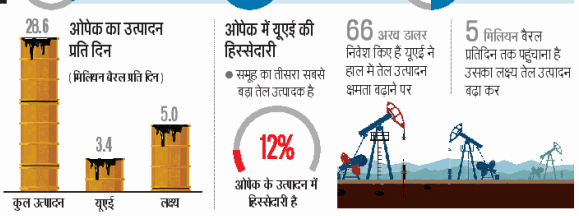

यूएई का यह निर्णय भविष्य की आर्थिक संभावनाओं से भी प्रभावित है। एक ओर जहां चीन और भारत जैसे देश परिवहन के विद्युतीकरण में तेजी ला रहे हैं, वहीं दूसरी ओर तेल की मांग के धीरे-धीरे कम होने की आशंका है। यूएई के दृष्टिकोण से बड़ा जोखिम कीमतों में गिरावट नहीं, बल्कि जमीन में दबा हुआ तेल भंडार है, जिसे शायद भविष्य में कभी बेचा ही न जा सके। यूएई का ओपेक से निकलना सिर्फ आर्थिक कारणों से नहीं है, बल्कि यह बदलती राजनीतिक और सुरक्षा गणनाओं को भी दर्शाता है। ईरान युद्ध के दौरान यूएई पर हुए हमलों के बाद अबू धाबी में यह धारणा बढ़ी है कि जीसीसी जैसे क्षेत्रीय संगठनों ने उसे सीमित समर्थन ही दिया है। इस अनुभव के कारण उसने अपनी विदेश नीति को अन्य अरब देशों की तुलना में अधिक स्वतंत्र बनाना शुरू कर दिया है। इसी दिशा में उसने 2020 के अब्राहम समझौते के आधार पर अमेरिका और इजरायल के साथ अपने संबंधों को मजबूत किया है। अमीरात के अलग होने से ओपेक के भविष्य पर भी सवाल उठ रहे हैं। एक समय यह समूह वैश्विक तेल उत्पादन के आधे से अधिक हिस्से को नियंत्रित करता था, जो आज घटकर लगभग 35 प्रतिशत रह गया है। कुछ विश्लेषक इसे अमेरिका की जीत बता रहे हैं, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति तेल की ऊंची कीमतों के लिए ओपेक की बार-बार आलोचना करते रहे हैं।

भारत के संदर्भ में इसके दो स्पष्ट फायदे हो सकते हैं। यूएई द्वारा उत्पादन बढ़ाए जाने से वैश्विक बाजार में कीमतें कम हो सकती हैं और भारत अब यूएई के साथ सीधे दीर्घकालिक आपूर्ति समझौते कर सकता है। चूंकि यूएई भौगोलिक रूप से भारत के करीब है, इसलिए शिपिंग लागत कम होगी और आयात बिल में बचत होगी। यह कदम अधिक बहुध्रुवीय प्रणाली की ओर बढ़ने में भी मदद कर सकता है, जहां देश तेल व्यापार के लिए केवल डालर पर निर्भर रहने के बजाय रुपये जैसी मुद्राओं का उपयोग कर सकते हैं। हालांकि होर्मुज जलडमरूमध्य में सुरक्षा चुनौतियां रहने तक ऊर्जा सुरक्षा एक जटिल विषय रहेगी। फिर भी, यह निर्णय भारत के लिए एक प्रमुख रणनीतिक भागीदार के साथ गहरे ऊर्जा संबंध स्थापित करने का बड़ा रास्ता खोलता है।

यूएई ने क्यों छोड़ा ओपेक

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने एक मई 2026 को ओपेक और ओपेक प्लस की अपनी 59 साल पुरानी सदस्यता आधिकारिक रूप से समाप्त कर दी। यह वैश्विक ऊर्जा बाजार के लिए एक ऐतिहासिक मोड़ है, क्योंकि यूएई पहला बड़ा उत्पादक देश है जिसने इस कार्टेल को छोड़ा है। यूएई वैश्विक आपूर्ति का लगभग चार प्रतिशत योगदान देता है। यह निर्णय दीर्घकालिक आर्थिक रणनीति व तात्कालिक भू-राजनीतिक तनाव का मिलाजुला नतीजा है:

भू-राजनीतिक तनाव

सऊदी अरब के साथ तनाव हाल ही में चरम पर पहुंच गया है। यूएई के अधिकारियों ने ईरान के साथ चल रहे संघर्ष के दौरान खाड़ी सहयोगियों से अपेक्षित समर्थन न मिलने पर नाराजगी जताई, जिसमें उसके ऊर्जा ढांचे पर हमले भी शामिल हैं।

उत्पादन की स्वतंत्रता

यूएई ने 2027 तक अपनी उत्पादन क्षमता 50 लाख बैरल प्रति दिन तक बढ़ाने के लिए 150 अरब डालर से अधिक का निवेश किया है। ओपेक का कोटा इस निवेश का पूरा लाभ उठाने में बाधा बन रहा था। अब यूएई इस बाधा को दूर कर चुका है।

अर्थव्यवस्था का विविधीकरण

यूएई पोस्ट-आयल अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है, जिसमें एआइ और नवीकरणीय ऊर्जा पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। ओपेक से बाहर आकर वह इन क्षेत्रों में निवेश के लिए अधिकतम तेल राजस्व प्राप्त करना चाहता है।

भारत के लिए रणनीतिक प्रभाव

दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता होने के नाते भारत यूएई के इस फैसले का सबसे बड़ा लाभार्थी बन सकता है।

आर्थिक राहत

कम आयात बिल: गैर-ओपेक यूएई से बढ़ी आपूर्ति वैश्विक कीमतों पर गिरावट का दबाव डाल सकती है, खासकर जब क्षेत्रीय तनाव कम होंगे।

महंगाई नियंत्रण: ईंधन परिवहन और विनिर्माण की लागत का बड़ा हिस्सा है, इसलिए तेल की कीमतों में कमी सीधे घरेलू महंगाई को नियंत्रित करने में मदद करती है।

राजकोषीय स्थिरता: कम तेल कीमतें भारत के चालू खाता घाटे को सुधारती हैं और सरकार को सब्सिडी प्रबंधन में सहायता देती हैं।

रुपये में तेल व्यापार और डी-डालराइजेशन

यूएई के इस कदम से स्थानीय मुद्रा में व्यापार को बढ़ावा मिल सकता है। भारत और यूएई पहले ही रुपये और दिरहम में तेल भुगतान पर चर्चा कर चुके हैं। ओपेक से बाहर होने के कारण- जो पारंपरिक रूप से अमेरिकी डालर को प्राथमिकता देता है, यूएई अब स्थानीय मुद्रा-आधारित साझेदारियों को और गहरा कर सकता है, जिससे भारत की डालर पर निर्भरता कम होगी।

रिसर्च: महेन्द्र सिंह

ओपेक से बाहर हुआ यूएई

ओपेक से अलग होने का यूएई का फैसला तेल उत्पादन को अधिकतम स्तर पर ले जाने की रणनीति का हिस्सा है।

14 सितंबर, 1960 ओपेक की स्थापना

38% वैश्विक तेल आपूर्ति में हिस्सेदारी

80% वैश्विक तेल भंडार में हिस्सेदारी

50% वैश्विक तेल निर्यात में हिस्सेदारी

ओपेक का उत्पादन प्रति दिन (मिलियन बैरल प्रति दिन)

ओपेक में यूएई की हिस्सेदारी

- समूह का तीसरा सबसे बड़ा तेल उत्पादक है

ओपेक के उत्पादन में हिस्सेदारी है

66 अरब डालर निवेश किए हैं यूएई ने हाल में तेल उत्पादन क्षमता बढ़ाने पर

5 मिलियन बैरल प्रतिदिन तक पहुंचाना है उसका लक्ष्य तेल उत्पादन बढ़ा कर

आपकी आवाज

दुनिया में किसी भी वस्तु की कीमतें मांग और आधार पर तय होती हैं। अगर किसी वस्तु या उत्पाद की मांग अधिक होती है तो उसकी कीमतें बढ़ जाती हैं और अगर मांग गिरती है तो कीमतें बढ़ जाती हैं। इसी तरह वस्तु की उपलब्धता कम होने या ज्यादा होने से भी कीमतें घटती बढ़ती हैं। ओपेक के देशों ने तेल की कीमतों को अपने हितों के हिसाब से तय करने के लिए उत्पादन को हथियार बनाया। ये देश ऐसा इसलिए कर सके क्योंकि वैश्विक तेल निर्यात में बड़ी हिस्सेदारी इन्हीं देशों की है। एक तरह से ये देश कार्टेल बना कर काम कर रहे थे। अब यह कार्टेल टूट गया है।
-शिवम वर्मा

तेल निर्यातक देशों के संगठन ओपेक का गठन अपने संसाधनों, उत्पादन और आय पर अधिक नियंत्रण हासिल करने के लिए किया गया था। ओपेक के सदस्य देशो मे यूएइ भी अपने तेल भंडार और उत्पादन क्षमता के कारण एक विशेष स्थान रखता है। लेकिन वर्तमान मे होर्मूज जलडमरूमध्य मे तनातनी और आर्थिक वजहों से उसने अपने आप को इस संगठन से अलग कर लिया। ऐसे मे इसमें कोई दो राय नहीं कि यूएई अगर अधिक लचीला और भरोसेमंद आपूर्तिकर्ता बनता हैं तो एशियाई देशो की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी।
-मुन्ना स्वर्णकार

अभी ओपेक से भले ही सिर्फ यूएई टूटा है लेकिन उसने अपनी उत्पादन क्षमता के साथ परिवहन मार्ग का का अच्छा विकल्प भी निकाल लिया है। अब वह समस्याग्रस्त जलडमरूमध्य रूट पार किए बिना ही हबशान-फुजैराह तेल पाइप लाइन के जरिये तेल फुजैराह बंदरगाह तक पहुंचाकर समुद्री मार्ग के जरिए कहीं भी तेल भेज सकता है। ओपेक में टूट का असर अन्य तेल उत्पादक देशों पर पड़ने की संभावना है।
-गौरीशंकर अंतज

ओपेक समूह में टूट से तेल के खरीदार देशों को होगा फायदा

आरएस शर्मा
पूर्व सीएमडी, ओएनजीसी

यूएई के ओपेक से बाहर आने से तेल की कीमतें गिरेंगी और भारत सहित तेल के बड़े आयातक देशों को फायदा होगा। ओपेक लंबे समय से एक कार्टेल बना कर अंतरराष्ट्रीय बाजार में अपने हितों के अनुरूप कीमतें तय करता रहा है। अब ऐसा करने की उसकी क्षमता कम हो जाएगी।

यूएई का तेल उत्पादक देशों के संगठन ओपेक और ओपेक प्लस से बाहर आना भारत सहित वैश्विक तेल खरीदारों के लिए अच्छी खबर है। इससे तेल कीमतों को एक निश्चित स्तर पर बनाए रखने के लिए ओपेक देशों का जो कार्टेल काम कर रहा था, वह टूट गया है। इससे आने वाले समय में तेल कीमतों में कमी आएगी। भविष्य में कुछ दूसरे तेल उत्पादक देश भी यूएई के नक्शे कदम पर चलते हुए ओपेक से बाहर आ सकते हैं।

इसके पीछे एक सोच यह है कि पूरी दुनिया जीवाश्म ईंधन के विकल्प पर काम कर रही है। चीन जैसे देशों ने अपने ऊर्जा मिक्स में सौर ऊर्जा की हिस्सेदारी काफी बढ़ा ली है। खास कर ऐसे देश जो अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए काफी हद तक आयात पर निर्भर हैं, ऊर्जा के वैकल्पिक स्त्रोतों पर काम कर रहे हैं। ऐसे में इस बात की काफी संभावना है कि अगले एक दशक के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की मांग और कीमतों में काफी कमी आ जाए। ऐसे में उन देशों को नुकसान उठाना पड़ेगा जिनके पास अब भी तेल के बड़े भंडार है। ऐसे में यूएई ने यह रणनीति बनाई कि अगले एक दशक में उत्पादन को अधिकतम स्तर पर ले जाकर तेल भंडार को मोनेटाइज किया जाए। इस तरह से वह राजस्व बढ़ा कर अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत कर सकता और इस रकम का इस्तेमाल अपनी अर्थव्यवस्था के विविधीकरण के लिए कर सकता है। यूएई सहित कई खाड़ी देश अपनी अर्थव्यवस्था को तेल आधारित अर्थव्यवस्था के दायरे से निकालने की रणनीति पर काम कर रहे हैं क्योंकि उनको पता है कि तेल की मांग लंबे समय इसी स्तर पर नहीं बनी रहने वाली है। 2008 में अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें निचले स्तर पर पहुंच गईं थी। इसके बाद से ओपेक देश लगातार तेल की कीमतों को एक तय स्तर से नीचे न आने देने की रणनीति पर काम कर रहे थे। एक तरह से ये देश एक कार्टेज के तौर पर काम करते हैं, जहां सिर्फ अपने हितों की चिंता की जाती है। एक वैश्विक व्यवस्था के लिए ओपेक देशों के काम का तौर तरीका सही नहीं कहा जा सकता है। हालांकि, यह मकैनिज्म अब उतना प्रभावी नहीं रह जाएगा। भारत को खास तौर पर इससे काफी फायदा हो सकता है क्योंकि यूक्रेन यूद्ध शुरू होने से पहले भारत के तेल आयात में खाड़ी देशों की बड़ी हिस्सेदारी थी। खाड़ी देशों से तेल आयात करने में समय और लागत भी कम आती है। ऐसे में अगर यूएई तेल उत्पादन बढ़ाता है तो यह भारत की ऊर्जा सुरक्षा और तेल बिल के लिहाज से फायदेमंद होगा। भारत और यूएई रणनीतिक साझेदार भी हैं। ऐसे में बेहतर द्विपक्षीय संबंधों का फायदा भी भारत को मिलेगा। हालांकि, भारत को स्थानीय स्तर पर भी तेल की खोज और उत्पादन बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए क्योंकि भारत की अर्थव्यवस्था जिस रफ्तार से बढ़ रही है, उसके हिसाब से यहां ऊर्जा की मांग बढ़ती रहेगी।

वर्तमान में तेल की खोज के लिए सरकार की नीतियां इंडस्ट्री के लिहाज से उतनी आकर्षक नहीं है, इसीलिए निजी क्षेत्र की कंपनियां इस क्षेत्र में ज्यादा दिलचस्पी नहीं दिखा रही हैं। अगर केंद्र सरकार नीतियों को आकर्षक बनाए और इस क्षेत्र में काम करने वाली कंपनियों को ज्यादा प्रोत्साहन दे तो भारत घरेलू स्तर पर तेल का उत्पादन बढ़ा कर कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता को कम कर सकता है।

राष्ट्रीय फलक

चेन्नई हवाई अड्डे पर विमान के आपात द्वार से यात्री कूदा

- **सीआइएसएफ की मदद से एयर अरबिया के यात्री को पुलिस ने हिरासत में लिया**
- **यात्री की इस हरकत से रनवे संचालन में थोड़ी देर के लिए बाधा उत्पन्न हुई**

चेन्नई, एएनआइ : शारजाह से चेन्नई पहुंचा एयर अरबिया का विमान जब टैक्सीवे पर चल रहा था, तभी एक यात्री ने आपातकालीन निकास द्वार खोलकर छलांग लगा दी। सीआइएसएफ (केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल) की मदद से स्थानीय पुलिस ने यात्री को हिरासत में ले लिया है। उसकी इस हरकत से रनवे संचालन में थोड़ी देर के लिए बाधा उत्पन्न हुई।

सूत्रों के अनुसार, एयर अरबिया की शारजाह से आने वाली फ्लाइट तड़के 3.23 बजे चेन्नई पहुंची। 3.24 बजे टैक्सीवे पर एक यात्री आपातकालीन दरवाजा खोलकर विमान से बाहर कूद गया। इस घटना के कारण मुख्य रनवे को अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा। हालांकि, लगभग एक घंटे बाद हवाई अड्डे का परिचालन सामान्य हो गया।

अधिकारियों के अनुसार, यह घटना विमान के मुख्य रनवे से बाहर निकलने और टैक्सीवे पर धीरे-धीरे चलने के तुरंत बाद घटी, जब विमान पूरी तरह से रुक गया। इस घटना से अन्य यात्रियों में दहशत फैल गई और सुरक्षा बल तुरंत हरकत में आ गए।

चेन्नई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि जब वह कूदा, तब विमान धीरे-धीरे चल रहा था। किसी की जान नहीं गई और न ही विमान को कोई नुकसान हुआ।

प्रतीकात्मक

प्रारंभिक जानकारी से पता चलता है कि यात्री यात्रा के दौरान अस्वस्थ रहा होगा। एक अधिकारी ने बताया कि उसे उल्टी जैसा महसूस हो रहा था और माना जा रहा है कि उसने विमान में दो बार उल्टी की।

शिमला के सरकारी नर्सिंग संस्थान के हास्टल में 30 की क्षमता, ठहराईं थी 80 प्रशिक्षु

- **यहां 17 प्रशिक्षु नर्सों के टीबी से ग्रसित होने का मामला सामने आया**
- **खनेरी अस्पताल के सरकारी नर्सिंग संस्थान की व्यवस्था पर उठे सवाल**

संवाद सहयोगी, जागरण • रामपुर बुशहर : शिमला जिले के रामपुर के खनेरी स्थित महात्मा गांधी चिकित्सा सेवा परिसर में स्थित सरकारी नर्सिंग संस्थान अव्यवस्थाओं को लेकर सुर्खियों में है। संस्थान में क्षमता से कहीं अधिक प्रशिक्षु नर्सों को रखने का मामला सवाल खड़े कर रहा है। यहां हास्टल में केवल 30 प्रशिक्षु नर्सों के रहने की व्यवस्था है, वहीं वर्तमान में 80 को ठहराया है। एक दिन पहले यहां 17 प्रशिक्षु नर्सों के टीबी से ग्रसित होने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि लंबे समय से चली आ रही अव्यवस्था पर न तो अस्पताल प्रशासन ने ठोस कदम उठाए और न ही डायरेक्टर आफ मेडिकल एजुकेशन स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई की गई। इस संबंध में कई बार पत्राचार भी किया जा चुका है।

अब मामला सामने आने के बाद विभागीय कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। करीब दो सप्ताह पहले प्रशिक्षु नर्सों के स्वजन ने एसडीएम रामपुर को शिकायत दी थी, जिसके बाद मौके का निरीक्षण किया गया।

जांच में स्वजन द्वारा लगाए कई आरोप सही पाए गए। इसके बाद अन्य अभिभावकों ने भी संस्थान की व्यवस्थाओं पर चिंता जताई। मामले के तूल पकड़ने के बाद अस्पताल प्रशासन ने यह स्पष्ट किया कि नर्सिंग संस्थान उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं आता और इसकी देखरेख डायरेक्टर आफ मेडिकल एजुकेशन द्वारा की जाती है। ऐसे में यह सवाल और गहरा गया है कि बीते वर्षों में विभागीय अधिकारियों ने कितनी बार संस्थान का निरीक्षण किया।

प्रधानाचार्य ने कहा, वास्तविक समस्या क्षमता से अधिक एडमिशन : संस्थान की प्रधानाचार्य मधु गौतम का कहना है कि उन्हें इन अव्यवस्थाओं के लिए जिम्मेदार ठहराया जा रहा है, जबकि वास्तविक समस्या क्षमता से अधिक एडमिशन की है। संस्थान में 30 प्रशिक्षुओं के हिसाब से ही कमरे और शौचालय की व्यवस्था है, लेकिन वर्तमान में 80 छात्राएं रह रही हैं।

एडमिशन प्रक्रिया डायरेक्टर आफ मेडिकल एजुकेशन के स्तर पर होती है और उन्होंने कई बार विभाग को लिखित रूप में समस्याओं से अवगत करवाया है। हास्टल में दोनों मंजिलों पर चार-चार शौचालय हैं, लेकिन उनकी अनुपलब्धता को लेकर भी जांच की आवश्यकता है।

प्रशिक्षुओं को टीबी के आंकड़ों पर भ्रम

खनेरी स्थित नर्सिंग संस्थान में टीबी के मामलों पर स्वास्थ्य विभाग के भीतर ही भ्रम की स्थिति सामने आई है। एक ओर जहां अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक अधिकारी डा. रोशन लाल कौंडल ने शनिवार को 17 प्रशिक्षु नर्स के टीबी पाजिटिव होने की बात कही, वहीं रविवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. यशपाल रांटा की ओर से जारी बयान में केवल दो छात्राओं में टीबी संक्रमण की बात कही गई है। शेष छात्राओं को एहतियातन दवाएं देने का दावा किया गया है।

जयपुर में लश्कर आतंकी ने बनवाया था फर्जी वोटर कार्ड

- **पाकिस्तानी आतंकी उमर हारिस नाम बदलकर बन गया सज्जाद अहमद**
- **नाम पर आधार और पासपोर्ट बनवाया और विदेश भागने में सफल रहा**

राज्य ब्यूरो, जागरण • जम्मू

सुरक्षा एजेंसियों के चंगुल से बच निकला लश्कर-ए-तैयबा का पाकिस्तानी आतंक उमर हारिस उर्फ खरगोश जयपुर में एक वर्ष तक सक्रिय रहा था और वहां उसने सज्जाद अहमद के नाम पर आधार कार्ड और फर्जी वोटर कार्ड भी बना लिया था। उनके आधार पर ही कथित तौर पर उसने जयपुर के पते पर फर्जी पासपोर्ट बनवाया और सुरक्षा एजेंसियों की कार्रवाई से पहले देश छोड़कर भागने में सफल रहा।

यहां बता दें कि मार्च माह में केंद्रीय एजेंसियों से इनपुट के आधार पर जम्मू-कश्मीर पुलिस ने लश्कर के आतंकी नेटवर्क का पता लगाया था और पंजाब के मलेरकोटला से पाकिस्तानी आतंकी अबु हुरैरा और उस्मान को गिरफ्तार किया गया था। वह भी पांच वर्ष से भारत में छिपकर रह रहे थे और अलग-अलग राज्यों में सक्रिय रहे। उनसे पूछताछ पर पता चला कि इस नेटवर्क का सरगना उमर हारिस और खरगोश विदेश भागने में सफल रहा है। माना जा रहा है कि वह फिलहाल सऊदी अरब में छिपा हो सकता है।

जांच में सामने आया कि खरगोश 2023 से 2024 तक राजस्थान में ही पहचान छिपाकर सक्रिय रहा और भारतीय महिला से विवाह भी रचा लिया। वहीं उसने फर्जी आधार कार्ड भी बनवाया और जयपुर के हवामहल विधानसभा क्षेत्र में अपना वोटर कार्ड भी बनवा लिया था।

सूत्रों ने बताया है कि वह वहां एसी मेकेनिक का कार्य करता था और उसने कई मंदिरों और राजस्थान के पर्यटन स्थलों की रेकी भी की थी। वह पहचान छिपाकर राजस्थान में एक वर्ष से अधिक समय तक सक्रिय रहा। खरगोश कथित तौर के पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा का निवासी बताया जा रहा है और 2012 में भारत में घुसपैठ की थी। जम्मू-कश्मीर पुलिस लश्कर के इस नेटवर्क की जांच कर रही है और देशभर में एक दर्जन से अधिक लोगों को अब तक पकड़ा गया है।

दैनिक जागरण
मन को स्थिर करना मानव जीवन की सबसे बड़ी चुनौती है

आग का सिलसिला

गर्मियां बढ़ते ही घरों, कारखानों और अन्य स्थलों में आग लगने की घटनाओं का सिलसिला तेज होना इसलिए चिंताजनक है, क्योंकि अभी तो तापमान और ज्यादा बढ़ने के आसार हैं। इससे भी अधिक चिंता की बात यह है कि आग लगने की ज्यादातर घटनाएं एसी में ब्लास्ट अथवा शार्ट सर्किट होने की वजह से हो रही हैं। गत दिवस दिल्ली के विवेक विहार में एक चार मंजिला इमारत के फ्लैट में एसी में ब्लास्ट होने से इतनी भयंकर आग लगी कि अन्य फ्लैट भी उसकी चपेट में आ गए और नौ लोगों की जान चली गई। इसके एक दिन पूर्व दिल्ली के ही जौहरीपुर में एसी में ब्लास्ट होने से एक बच्चे की जान चली गई थी। इसके और पहले दिल्ली के ही निकट इंदिरापुरम में एक बहुमंजिला इमारत में शार्ट सर्किट से आग भड़की। इस आग में लोगों की जान तो नहीं गई, लेकिन कई फ्लैट पूरी तरह से खाक हो गए। इस घटना में यह भी सामने आया कि गाजियाबाद का अग्निशमन विभाग ऐसे पर्याप्त उपकरणों से लैस नहीं था कि वह आग पर शीघ्र काबू पा पाता। ये घटनाएं तो केवल दिल्ली और उसके आसपास की हैं। ऐसी घटनाएं अन्य शहरों में भी सामने आ रही हैं और ज्यादातर के पीछे एसी अथवा किसी अन्य बिजली उपकरण में खामी-खराबी को रेखांकित किया जा रहा है। इसका मतलब है कि अपने यहां बिजली उपकरणों के निर्माण में गुणवत्ता संबंधी मानकों की अनदेखी हो रही है। ऐसा लगता है कि एसी के मामले में यह कुछ ज्यादा ही हो रहा है। जो भी हो, उन नियम-कानूनों को सही तरह से अमल में लाने की आवश्यकता है जो यह सुनिश्चित करते हैं कि बिजली उपकरणों का निर्माण निर्धारित गुणवत्ता के हिसाब से हो।

अपने देश में बिजली समेत हर तरह के उपकरणों की गुणवत्ता के मानक तो बने हुए हैं, लेकिन आम तौर पर यह देखने में आता है कि ऐसे उपकरणों का निर्माण करने वाली कंपनियां उनकी अनदेखी ही करती हैं। दोयम दर्जे के उत्पादों का निर्माण उपभोक्ताओं के साथ किया जाने वाला छल ही है। कई बार तो यह छल जानलेवा साबित होता है। गुणवत्ताहीन उत्पादों का निर्माण कोई नई समस्या नहीं है। चूंकि इस समस्या का समाधान नहीं किया जा पा रहा है, इसलिए दोयम दर्जे के उत्पादों का बनना और बिकना जारी है। हालांकि प्रधानमंत्री कई बार कह चुके हैं कि उद्यमियों को अपने उत्पादों की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं करना चाहिए, क्योंकि वे अंतरराष्ट्रीय बाजार में तभी छाप छोड़ सकते हैं, जब उनके उत्पाद विश्वस्तरीय होंगे, लेकिन ऐसा लगता है कि उनकी बातों का भी कोई असर नहीं पड़ रहा है। ऐसे में भारतीय मानक ब्यूरो को और अधिक सजगता एवं सक्रियता का परिचय देना होगा। जब तक ऐसा नहीं होता, तब तक लोगों को बिजली उपकरणों का उपयोग करने में अतिरिक्त सावधानी बरतनी होगी।

आपराधिक अव्यवस्था

हिमाचल प्रदेश में रामपुर के खनेरी स्थित महात्मा गांधी मेमोरियल नर्सिंग कालेज की 17 प्रशिक्षुओं का टीबी की चपेट में आना वास्तव में संस्थान प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की कार्यसंस्कृति के संक्रमण की पुष्टि है। स्वास्थ्य क्षेत्र में चिकित्सकों के पश्चात नर्सों पर ही रोगी निर्भर करता है। सरकारी हो या निजी, हर संस्थान संचालन के कुछ नियम होते हैं, कोई अनुशासन होता है। चार विशेषज्ञों के निरीक्षण दल की रिपोर्ट और एसडीएम का उपायुक्त को लिखा गया पत्र पुष्टि करते हैं कि उक्त संस्थान में व्यवस्था के नाम अव्यवस्था भी नहीं, कुव्यवस्था थी और निगरानी के नाम पर हर जिम्मेदार पदाधिकारी ने आंखें मूंद रखी थी। ऐसे वातावरण में कोई स्वास्थ्य से जुड़ा प्रशिक्षण कैसे ले सकता है? तथ्य यह भी है कि हिमाचल प्रदेश से जुड़ी नर्सें देशभर के अस्पतालों में अपनी सेवा भावना का परिचय देती मिल जाती हैं, लेकिन यहां यह हुआ है कि प्रशिक्षु नर्सें ही ऐसे रोग की चपेट में आ गईं जिसे तृतीय विश्व के देशों का रोग माना जाता है। क्या हिमाचल प्रदेश के स्वास्थ्य सरोकार इतने क्षीण हो गए कि एक संस्थान की प्रधानाचार्या से हार गए? क्या निगरानी तंत्र इतना प्रमादी हो गया कि उपमंडल दंडाधिकारी के आदेश भी नहीं माने गए? क्या खनेरी, शिमला से इतनी दूर है कि इन बच्चियों की व्यथा शिमला तक भी नहीं पहुंच सकी? ये सारे प्रश्न इसलिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि विषय नई पौध के स्वास्थ्य से जुड़ा है, तंत्र के इकबाल से जुड़ा है। अपेक्षा की जानी चाहिए कि इस प्रकरण के दोषियों की पहचान कर उन्हें दंडित किया जाएगा।

> संस्थान में अव्यवस्था से प्रशिक्षु नर्सों का बीमारी की चपेट में आना गंभीर मामला है

दूरगामी नुकसान करा बैठे दक्षिणी राज्य

ए. सूर्यप्रकाश

अब जो परिसीमन होगा उसमें जनसंख्या ही मुख्य कसौटी बनेगी। इससे उत्तरी राज्यों की लोकसभा सीटें उससे भी अधिक बढ़ेंगी जो फार्मूला अभी केंद्र सरकार सुझा रही थी

बीते दिनों कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी दल संसदीय परिसीमन से जुड़े संवैधानिक संशोधन की राह में अवरोध पैदा करने में सफल रहे। इस कवायद में कांग्रेस को दक्षिण भारतीय नेताओं का व्यापक रूप से सहयोग मिला। इस घटनाक्रम की गहन पड़ताल करें तो नेताओं का यह रुख दक्षिणी राज्यों के लिए ही भारी भूल साबित हो सकता है। यह विडंबना ही है कि कांग्रेस, द्रमुक और माकपा जैसे दल इस मुद्दे की गहराई और गंभीरता को समझने में विफल रहे और उन्होंने एक बेहतर अवसर गंवा दिया। प्रस्ताव के सकारात्मक पहलुओं से अधिक मोदी सरकार के प्रति नफरत और नकारात्मकता ही उनके इस निर्णय का मुख्य आधार रही।

इस मुद्दे की गहराई में जाएं तो संविधान का अनुच्छेद 81 कहता है कि लोकसभा में प्रत्येक राज्य को सीटों की आवंटन प्रक्रिया में सीटों की संख्या और राज्य की जनसंख्या का अनुपात सभी राज्यों के लिए हरसंभव रूप से व्यावहारिक एवं एकसमान हो। इसी क्रम में अनुच्छेद 82 के अनुसार प्रत्येक जनगणना के बाद राज्यों को लोकसभा सीटों का आवंटन और प्रत्येक राज्य का प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों में विभाजन 'ऐसी प्राधिकारी संस्था द्वारा और ऐसे तरीके से पुनर्गठित किया जाएगा जैसा कि संसद कानून द्वारा निर्धारित करे।" इस दृष्टि से सरकार और संसद के पास ही यह गुंजाइश है कि वे परिसीमन आयोग की 'व्यावहारिकता' पर विचार करने और केवल जनसंख्या के आंकड़ों पर ही कड़ाई से चलने के बजाय '50 प्रतिशत' से अधिक वाली संकल्पना को आगे बढ़ाने का निर्देश दे सकें। सरकार द्वारा लोकसभा सीटों में 'एकमुश्त 50 प्रतिशत' की वृद्धि संबंधी आश्वासनों की गंभीरता का भी संज्ञान लिया जाना चाहिए था।

वर्ष 1971 में परिसीमन न होने के बाद से ही लोकसभा सीटों की संख्या में बढ़ोतरी की मांग जोर पकड़ती रही। वर्ष 2001 में वाजपेयी सरकार के दौरान भाजपा नेता मदनलाल खुराना ने भी मुखरता से ऐसी मांग सामने रखते हुए लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाकर 800 से अधिक करने की बात कही थी। हालांकि चंद्रबाबू नायडू, रामकृष्ण हेगड़े और करुणानिधि जैसे दक्षिण भारतीय नेताओं ने जनसंख्या के आधार पर परिसीमन को लेकर आपत्ति जताई। उनका मानना था कि दक्षिणी राज्यों ने केंद्र सरकार की परिवार नियोजन नीतियों को कहीं बेहतर तरीके से लागू किया था, ऐसे में जनसंख्या के आधार पर होने वाला परिसीमन उन्हें नुकसान पहुंचाता। इसके चलते ही नायडू ने एक प्रतिनिधिमंडल प्रधानमंत्री वाजपेयी के पास भेजा और परिसीमन को रोकने की मांग की। वाजपेयी ने इस मांग को स्वीकार किया और अनुच्छेद 81 में संशोधन का निर्णय लिया। इससे लोकसभा की मौजूदा सीटों को 2026 की जनगणना तक स्थिर रखा गया।

अवधेश राजपूत

इस संदर्भ में दक्षिणी राज्यों की संवेदनाओं को समझते हुए मोदी सरकार ने अनुच्छेद 81 के प्रविधानों को दरकिनार कर परिसीमन संबंधी संवैधानिक संशोधन में एक प्रस्ताव रखा, जिसके तहत सभी राज्यों की लोकसभा सीटों में 50 प्रतिशत की वृद्धि की जानी थी। यदि इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया जाता तो दक्षिणी राज्यों के लिए लाभ की स्थिति बन सकती थी, लेकिन वहां के अधिकांश राजनीतिक दलों ने इसका अंधविरोध किया। यदि यह प्रस्ताव अमल में आता तो शायद उत्तरी राज्यों को जनसंख्या वृद्धि के बाद भी उसका अपेक्षित अनुपातिक लाभ नहीं मिलता। इसके बावजूद उनकी ओर से शिकायत सामने नहीं आई। चूंकि दक्षिणी राज्य इसका विरोध कर रहे थे, इसलिए शायद उन्हें यह महसूस हो रहा हो कि इसमें उनका कुछ फायदा ही हो।

यदि जनसांख्यिकी परिदृश्य की बात करें तो विशेषज्ञों का मानना है कि जनसंख्या को स्थिर रखने के लिए देश की कुल प्रजनन दर यानी टीएफआर 2.1 होनी चाहिए। इसका अर्थ है कि एक औसत महिला को अपने जीवनकाल में 2.1 बच्चों को जन्म देना चाहिए। यदि टीएफआर 2.1 से नीचे आए तो जनसंख्या घटने लगती है। भारत में 1970 के दौर से ही उत्तर और मध्य भारत के राज्यों की तुलना में दक्षिणी राज्यों की टीएफआर में स्पष्ट रूप से गिरावट दर्ज हुई थी। वर्ष 2001 के आंकड़े देखें तो भारत की टीएफआर काफी अधिक (3.2) थी, जो 2011 में गिरकर 2.4 रह गई। अब इसके घटकर 2 होने का अनुमान है, जो जनसंख्या स्थिरता की कसौटी के पैमाने से भी कम है। यह निश्चित ही एक उल्लेखनीय सुधार है, क्योंकि ढाई दशक पहले जनसांख्यिकी विशेषज्ञ और नीति-निर्माता ऊंची टीएफआर को लेकर अत्यंत चिंतित थे। हालांकि इस उपलब्धि के बाद भी कुछ रुझान असंतुलन की ओर संकेत करते हैं। जैसे पिछले दो दशकों में दक्षिण भारतीय राज्यों की टीएफआर में भारी गिरावट आई है, जबकि उत्तर भारतीय राज्यों (बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश) में यह दर ऊंची बनी हुई है। 2021 में उत्तरी राज्यों के अनुमानित टीएफआर की बात करें तो यह बिहार में 3, मध्य प्रदेश में 2.6, राजस्थान में 2.4 और उत्तर प्रदेश में 2.7 संभव है। दक्षिणी राज्यों मे केरल, तमिलनाडु और आंध्र का टीएफआर 1.5 तक गिर चुका है। कर्नाटक और तेलंगाना में यह 1.6 है। इस तरह देखा जाए तो केरल और तमिलनाडु में 2001 से ही टीएफआर 2.1 से नीचे पहुंच गया, जबकि बड़े उत्तरी राज्यों में यह करीब चार के दायरे में रहा।

जनगणना आरंभ हो गई है, इसलिए परिसीमन अब अनुच्छेद 81 और 82 के प्रविधानों के अनुरूप ही होगा। इसमें जनसंख्या की कसौटी ही मुख्य आधार बनेगी तो उत्तरी राज्यों की सीटों में उससे भी अधिक बढ़ोतरी होगी जो फार्मूला केंद्र सरकार सुझा रही था। स्वाभाविक है कि दक्षिणी राज्यों को इसका राजनीतिक नुकसान उठाना पड़ेगा, जिससे वे चाहते तो बच सकते थे। प्रतीत होता है कि तात्कालिक राजनीतिक लाभ के फेर में वे दूरगामी नुकसान करा बैठे हैं।

(लेखक लोकतांत्रिक विषयों के विशेषज्ञ एवं वरिष्ठ स्तंभकार हैं)
response@jagran.com

नागरिकों की समस्या बढ़ाते जटिल नियम

डा. ब्रजेश कुमार तिवारी

ओडिशा की घटना बताती हैं कि वित्तीय समावेशन का अगला चरण केवल बैंक खाता नहीं, बैंकिंग न्याय होना चाहिए

ओडिशा के क्योंझर जिले की घटना केवल एक विचलित कर देने वाली खबर नहीं, बल्कि यह भारतीय प्रशासनिक और बैंकिंग व्यवस्था का एक कुरूप चेहरा भी है। एक आदिवासी व्यक्ति अपनी मृत बहन के बैंक खाते से लगभग 19,300 रुपये निकालने के लिए इतना विवश हुआ कि वह उसका कंकाल लेकर बैंक पहुंच गया। बैंक की ओर से कहा गया कि मृत्यु प्रमाणपत्र और कानूनी उत्तराधिकारी से जुड़े दस्तावेज आवश्यक थे, जबकि परिजन का आरोप था कि उसे बार-बार लौटाया गया। हालांकि डिजिटल मीडिया पर आलोचना के बाद प्रशासन के हस्तक्षेप से उन्हें उनकी राशि दे दी गई, पर बात यहीं नहीं खत्म होती। यह घटना इसलिए अधिक पीड़ादायक है, क्योंकि भारत ने पिछले एक दशक में वित्तीय समावेशन की बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। प्रधानमंत्री जन-धन योजना के तहत करोड़ों बैंक खाते खोले जा चुके हैं। इनमें बड़ी संख्या महिलाओं, ग्रामीण परिवारों और कमजोर वर्गों की है। इसका अर्थ है कि बैंकिंग अब केवल शहरों, वेतनभोगी वर्ग और शिक्षित लोगों की सुविधा नहीं रही, बल्कि गरीब, मजदूर, किसान, आदिवासी, महिला और असंगठित क्षेत्र के नागरिक के जीवन से सीधे जुड़ गई है, लेकिन यही उपलब्धि अब हमें एक नए प्रश्न के सामने खड़ा करती है कि खाता खोलना तो आसान हो गया, पर खाते का अधिकार पाना क्या सचमुच आसान हुआ?

ओडिशा की घटना बताती है कि वित्तीय समावेशन का अगला चरण केवल बैंक खाता नहीं, बल्कि बैंकिंग न्याय होना चाहिए। हालांकि बैंकिंग नियमों का अपना महत्व है। मृत जमाकर्ता के खाते से पैसा किसी भी व्यक्ति को नहीं दिया जा सकता। धोखाधड़ी रोकना, वास्तविक उत्तराधिकारी की पहचान बैंक को भविष्य के विवादों से बचाना आवश्यक है, लेकिन नियम का उद्देश्य न्याय होना चाहिए, नागरिक को अपमानित करना नहीं। नियम सुरक्षा दें, भय नहीं। प्रक्रिया मार्गदर्शन दे, भ्रम नहीं। आरबीआइ ने भी मृत जमाकर्ताओं के दावों के निपटान को सरल और समयबद्ध बनाने पर जोर दिया है, लेकिन समस्या

चौतरफा आलोचना के बाद टूटी बैंककर्मियों की नींद। फाइल

यह है कि नियमों की संवेदनशील व्याख्या शाखा स्तर तक नहीं पहुंचती। शहरों में बैंक कर्मचारी ग्राहक को फार्म, ईमेल, हेल्पलाइन और कस्टमर केयर से जोड़ देते हैं, लेकिन ग्रामीण भारत में बैंक शाखा ही नागरिक के लिए पूरा सिस्टम है। वहां शाखा प्रबंधक, बैंक मित्र, पंचायत सचिव, पटवारी, तहसीलदार और पुलिस, सभी मिलकर नागरिक के लिए 'राज्य' का चेहरा बन जाते हैं। यदि इस चेहरे पर संवेदना नहीं है, तो नागरिक के लिए लोकतंत्र कागजों का ढेर बन जाता है।

आज भारत डिजिटल भुगतान, यूपीआइ, आधार और जन-धन के माध्यम से वित्तीय समावेशन की दुनिया में उदाहरण बन चुका है, लेकिन सूचकांक और योजनाएं अपने-आप गरीब नागरिक की समस्या हल नहीं करतीं। असली परीक्षा तब होती है जब कोई अशिक्षित, आदिवासी, विधवा, बुजुर्ग या अकेला व्यक्ति बैंक के काउंटर पर खड़ा होता है और पूछता है कि अब मुझे क्या करना है? सिस्टम को बदलने की शुरुआत यहीं से होनी चाहिए। सबसे पहले, मृत खाताधारक के छोटे दावों के लिए एक सरल दावा प्रक्रिया बनाई जानी चाहिए। यदि खाते में राशि एक लाख रुपये से कम हो, तो ग्राम पंचायत, स्थानीय राजस्व अधिकारी, आधार आधारित पहचान, परिवार रजिस्टर, मृत्यु की स्थानीय पुष्टि और दो गवाहों के आधार पर प्राथमिक दावा स्वीकार किया जाना चाहिए। बड़ी राशि के मामलों में ही विस्तृत जांच आवश्यक होनी चाहिए। हर बैंक शाखा में मृत दावा सहायता डेस्क या कम-से-कम एक प्रशिक्षित अधिकारी हो, जो परिजन को चरणबद्ध तरीके से बताए कि कौन-सा फार्म भरना है, मृत्यु प्रमाणपत्र कहां से बनेगा, कानूनी उत्तराधिकारी प्रमाणपत्र की जरूरत कब है, नामिनी न होने की स्थिति में क्या करना है और दावा कितने दिन में निपटेगा? बैंक और स्थानीय प्रशासन के बीच एक फील्ड वेरिफिकेशन प्रोटोकाल भी होना चाहिए। यदि कोई गरीब, अशिक्षित या दूरस्थ क्षेत्र का नागरिक मृत खाताधारक का दावा लेकर आता है और दस्तावेज अधूरे हैं, तो बैंक उसे वापस न भेजे, बल्कि उसकी समस्या का समाधान करे। ग्रामीण भारत में सत्यापन केवल कागज से नहीं, समुदाय से भी होता है। सरपंच, वार्ड सदस्य, आशा कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी सेविका, ग्राम रोजगार सेवक ये सभी स्थानीय वास्तविकता से परिचित होते हैं। सिस्टम यदि इन्हें जिम्मेदारी और जवाबदेही के साथ जोड़े, तो गरीबों को दफ्तर-दफ्तर नहीं भटकना पड़ेगा।

इसके अलावा मृत्यु प्रमाणपत्र की प्रक्रिया को आसान और समयबद्ध बनाया जाना चाहिए। नामिनी को राष्ट्रीय वित्तीय साक्षरता अभियान का हिस्सा भी बनाया जाना चाहिए। अनक्लेम्ड डिपोजिट की समस्या को गंभीरता से लेना होगा। भारतीय बैंकों में हजारों करोड़ रुपये ऐसे खातों में पड़े हैं जिन पर किसी ने दावा नहीं किया है। लोगों का उत्तरदायित्व भी तय होना चाहिए। साथ ही सिंगल विंडो व्यवस्था भी होनी चाहिए, ताकि जब किसी व्यक्ति की मृत्यु हो, तो परिवार को बैंक, बीमा, पेंशन, राशन, आधार, भूमि रिकार्ड और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लिए अलग-अलग दफ्तरों में न जाना पड़े।

(लेखक जेएनयू के अटल स्कूल आफ मैनेजमेंट में प्रोफेसर हैं)
response@jagran.com

ऊर्जा

प्रकृति से संवाद

जन्म से लेकर मृत्यु तक मनुष्य प्रकृति के सान्निध्य में ही पल्लवित और विकसित होता है। प्रकृति से संवाद का अर्थ है-उसमें व्याप्त नीरवता, परम शांति, नियमितता और निरंतरता को सूक्ष्मता से अनुभव करना। यह संवाद तभी संभव है, जब मनुष्य प्रकृति के निकट आए और उसे शांत भाव से निहारे। दुर्भाग्यवश, आज भौतिकवादी जीवनशैली ने मनुष्य को प्रकृति से दूर कर दिया है। प्रकृति की शांति को अनुभव करने के लिए मौन आवश्यक है। पक्षियों का मधुर कलरव, नदियों की कल-कल ध्वनि, पर्वतों की स्थिरता, जंगलों की हरियाली, पुष्पों की रंगीन आभा, आकाश में उमड़ते बादल और रात्रि में चंद्रमा तथा तारों की छटा-ये सभी प्रकृति के ऐसे स्वरूप हैं, जिन्हें शांत मन से अनुभव करना ही प्रकृति के सान्निध्य का वास्तविक अर्थ है। प्रकृति के साथ हमारा संबंध नैसर्गिक है। यह संवाद हमें यह अनुभूति कराता है कि हम कितने लघु हैं और यह ब्रह्मांड कितना विशाल है। प्रकृति के प्रत्येक कण में कृतज्ञता का भाव निहित है। वह हमें विनम्रता का पाठ सिखाती है।

प्रकृति का सान्निध्य मन को शांति और ऊर्जा प्रदान करता है। वर्तमान पर्यावरण संकट केवल तकनीकी समस्या नहीं, बल्कि प्रकृति से हमारे संबंधों की विफलता का परिणाम है। हमने प्रकृति को केवल संसाधन मानकर उसका अंधाधुंध दोहन किया है, जिससे संतुलन बिगड़ गया है। वास्तव में, प्रकृति के साथ हमारा आंतरिक जुड़ाव ही आध्यात्मिक जागृति का मार्ग है। प्रकृति ईश्वर का जीवंत स्वरूप है, जो प्रेम, कर्म और निस्वार्थ सेवा का संदेश देती है। प्रकृति में उपचार की अपार शक्ति निहित है, जो हमें मानसिक और आत्मिक रूप से सुदृढ़ बनाती है। जैसे-जैसे हम प्रकृति के समीप जाते हैं और उससे मौन संवाद स्थापित करते हैं, वैसे-वैसे हम स्वयं को एक दिव्य शक्ति से जुड़ा हुआ अनुभव करते हैं।

आचार्य दीप चंद भारद्वाज

जानलेवा साबित होता जंकफूड

डा. मोनिका शर्मा

> **बच्चों को घर पर बने भोजन और खानपान की पारंपरिक आदतों से जोड़ने के उपाय किए जाएं**

हाल में दिल्ली के बुराड़ी की 10 वर्षीय बच्ची का मोमोज जैसे फास्टफूड के अत्यधिक सेवन से लिवर फेलियर हो गया। शरीर में जहरीले पदार्थों के संक्रमण के कारण मस्तिष्क में आई सूजन से बच्ची के दिमाग ने लगभग काम करना बंद कर दिया। याददाश्त पर पड़े दुष्प्रभाव से छोटी-छोटी बातें भी उसे याद नहीं रहीं। पूरी तरह निष्क्रिय स्थिति में पहुंची बच्ची को आइसीयू में भर्ती करवाना पड़ा। बीते दिनों अमरोहा में 11वीं की छात्रा की फास्टफूड खाने से मौत होना भी बिगड़ती-बदलती भोजनशैली के मामले में माता-पिता को चेताने वाला वाकया था। दिल्ली एम्स में उसका इलाज करने वाले चिकित्सकों के अनुसार लंबे समय तक और बहुत फास्टफूड खाने से उसकी आंतें आपस में चिपक गई थीं। हर दिन बर्गर, मैगी, पिज्जा, चाऊमीन जैसे खाद्य पदार्थों के सेवन से पाचन तंत्र पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था। आंतों में हुए छेद और संक्रमण ने उसकी जान ले ली।

वस्तुतः भोजनशैली व्यक्ति के शारीरिक-मानसिक और मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य को गंभीरता से प्रभावित करती है। बच्चों के जीवन से जुड़े जोखिमों की सूची में खानपान की बदलती आदतें बेहद चिंतनीय हो चली हैं। घर के खाने के बजाय कुछ विशेष तरह के खाद्य पदार्थ के नियमित सेवन से शारीरिक व्याधियां तो डेरा जमाती ही हैं, मानसिक स्वास्थ्य भी प्रभावित होता है। अस्वास्थ्यकर भोजन मूड स्विंग्स, चिंता और अवसाद का खतरा भी बढ़ाता है। मनोवैज्ञानिक मोर्चे पर देखें तो जंकफूड खाने की आदत धीरे-धीरे लत तक बन जाती है। जबकि कई स्वास्थ्य समस्याओं की जड़ बनने वाले जंक फूड में पोषण के नाम पर कुछ नहीं होता। इस उम्र में पोषक तत्वों की कमी बच्चों के सही विकास में भी बाधा बनती है। वसा, नमक और चीनी की अधिकता वाले ऐसे अधिकतर खाद्य पदार्थ मोटापे और कुपोषण का खतरनाक मेल साबित होते हैं। वैज्ञानिक अध्ययनों के मुताबिक जंक फूड का सेवन बच्चों को मोटा और आलसी बनाने के साथ ही कार्यक्षमता भी कम करता है।

यूनिसेफ की ताजा रिपोर्ट के अनुसार दुनियाभर में जंक फूड और प्रोसेस्ड फूड की वजह से 10 में से एक बच्चा मोटापे का शिकार हो गया है। स्वास्थ्य से जुड़ी गंभीर चुनौती बना मोटापा बच्चों में डायबिटीज, हृदय रोग और दूसरी जानलेवा व्याधियों का जोखिम बढ़ा रहा है। वर्ल्ड ओबेसिटी एटलस-2026 की रिपोर्ट भी चेताने वाली है। रिपोर्ट में बच्चों में मोटापे के मामले में भारत चीन के बाद दूसरे स्थान पर है। देश में आज 56 प्रतिशत से ज्यादा गैर-संक्रामक रोग सीधे-सीधे भोजनशैली से ही जुड़े हैं। आवश्यक है कि किसी तरह की बड़ी स्वास्थ्यगत हानि से पहले ही अभिभावक चेत जाएं। बच्चों को घर पर बने भोजन और खानपान की पारंपरिक आदतों से जोड़ने के उपाय किए जाएं।

(लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

मेलबाक्स

विश्व का संकट बढ़ाते अमेरिका-ईरान

'वैश्विक संकट बना अमेरिका-ईरान का टकराव' शीर्षक से प्रकाशित संजय गुप्त का आलेख बताता है कि अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता टकराव आज विश्व के सामने एक बड़े आर्थिक और मानवीय संकट की आशंका को जन्म दे रहा है। यदि समय रहते समाधान नहीं निकला, तो इसके दुष्परिणाम पूरी दुनिया को प्रभावित कर सकते हैं। इतिहास साक्षी है कि युद्धों ने बार-बार मानवता को गहरे संकट में डाला है। इसलिए आवश्यक है कि संभावित खतरे को समझते हुए विश्व समुदाय समय रहते तैयारी करे। दुर्भाग्यवश, वर्तमान स्थिति में अधिकांश देश असहाय दर्शक की भूमिका में नजर आते हैं। इस परिप्रेक्ष्य को समझने के लिए ग्रामीण जीवन का एक उदाहरण प्रासंगिक है। गांवों में कुछ किसान अपनी फसल की रक्षा के लिए खेतों की मेड़ ऊंची कर पानी रोक लेते हैं, जिससे उनकी फसल तो सुरक्षित रहती है, लेकिन नीचे के खेतों को नुकसान उठाना पड़ता है। इसी तरह, जब पानी अधिक हो जाता है, तो वे मेड़ काटकर उसे बहा देते हैं, जिससे नीचे के किसानों की फसल डूब जाती है। आज की वैश्विक स्थिति भी कुछ ऐसी ही है-जहां शक्तिशाली देश अपने हितों की रक्षा में ऐसे कदम उठा रहे हैं, जिनका दुष्परिणाम पूरी दुनिया को भुगतना पड़ सकता है। युद्ध किसी भी समस्या का स्थायी समाधान नहीं होता, फिर भी मानव इतिहास में बार-बार यही रास्ता अपनाया जाता रहा है। अतीत में युद्धों के बाद समझौते हुए हैं और शांति स्थापित हुई है, लेकिन यह शांति अक्सर अस्थायी सिद्ध हुई है। ऐसे में आवश्यकता इस बात की है कि विश्व समुदाय सक्रिय भूमिका निभाए और संवाद तथा कूटनीति के माध्यम से स्थायी समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाए।

डा. हरिप्रसाद राय, आजमगढ़, उत्तर प्रदेश

दुष्कर्म पीड़िता की पीड़ा

हमारे समाज में महिलाओं के साथ खासकर नाबालिग लड़कियों के साथ दुष्कर्म जैसे मामले बढ़ते जा रहे हैं। अधिकतर मामलों में पीड़ित नाबालिग को बहुत देर से पता चलता है कि वह गर्भवती है। एक तो वह शारीरिक तौर पर दर्द सह चुकी होती है, दूसरी तरफ भावनात्मक और मानसिक रूप से टूट चुकी होती है। ऊपर से गर्भ ठहरने की वजह से गर्भपात न करा पाने की पीड़ा उसको तोड़ देती है। देश में कानून के अनुसार गर्भपात की तय अवधि 20-24 सप्ताह है। पर प्रश्न यह है कि अगर किसी दुष्कर्म पीड़िता को इस अवधि के बाद पता चलता है कि वह गर्भवती है तो ऐसी स्थिति में वह क्या करे? कानूनन तौर पर तो इस अवधि के बाद वह गर्भपात नहीं करवा सकती। पीड़िता क्यों बच्चे को पैदा कर खुद को शारीरिक कष्ट पहुंचाए? नाबालिग पीड़िता के लिए तो यह स्वास्थ्य की दृष्टि से और अधिक खतरे वाली बात है। 13-17 साल की उम्र में एक लड़की न केवल शारीरिक बदलावों से गुजर रही होती है, बल्कि उसमें यह सब समझने की समझ भी नहीं होती है। इसके अलावा यह आयु पढ़ाई लिखाई एवं स्कूल जाने की होती है। ऐसे में गर्भ की देखभाल अनुचित है। सरकार को दुष्कर्म मामलों में पीड़िता के गर्भपात के लिए कानून में संशोधन कर उन्हें इस पीड़ा से मुक्त करना चाहिए।

अभिलाषा गुप्ता, मोहाली

ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोत आवश्यक

अमेरिका-ईरान तनाव को केवल सामरिक प्रतिस्पर्धा के रूप में देखना अधूरा दृष्टिकोण है। इसके आर्थिक और सामाजिक प्रभाव अधिक गहरे हैं, खासकर भारत जैसे विकासशील देशों के लिए। समाधान के लिए बहुपक्षीय वार्ता को पुनर्जीवित करना, क्षेत्रीय सहयोग बढ़ाना और भारत जैसे देशों को संतुलित, सक्रिय कूटनीतिक भूमिका निभानी होगी। ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों-सौर, पवन और जैव ईंधन की ओर तेजी से बढ़ना भी आवश्यक है, ताकि बाहरी संकटों का प्रभाव कम किया जा सके। अंततः विवेकपूर्ण और संतुलित कूटनीति ही इस वैश्विक संकट का स्थायी समाधान प्रदान कर सकती है।

awanishg30@gmail.com

इस स्तंभ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।

अपने पत्र इस पते पर भेजें :
दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण,
डी-210-211, सेक्टर-63, नोएडा
ई-मेल : response@jagran.com

संस्थापक- स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त, पूर्व प्रधान संपादक-स्व. नरेन्द्र मोहन. नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन-महेन्द्र मोहन गुप्त. प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली-110001 से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा-201309 से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई/रेल शुल्क ₹-2 अतिरिक्त।

0.7 प्रतिशत ही निवेश किया जाता है आर एंड डी (शोध एवं विकास) पर भारत में कुल जीडीपी का, जबकि अर्थव्यवस्था की समग्र प्रगति को सुनिश्चित करने के लिए इसे कम से कम दो प्रतिशत के स्तर तक ले जाने की आवश्यकता है।

आजकल

बौद्धिक संपदा तंत्र के उपयोग से पूंजी निर्माण

डा. शिवेश प्रताप
संयोजक, विजन विकसित भारत नीति एवं शोध केंद्र

भारत का बौद्धिक संपदा (आइपी) परिदृश्य अभी बड़े पैमाने पर मात्रा-आधारित है, न कि मूल्य-आधारित, जिससे वैश्विक आर्थिक नेतृत्व प्राप्त करने की इसकी क्षमता सीमित हो जाती है। वैश्विक स्तर पर एक प्रतिस्पर्धी नवाचार अर्थव्यवस्था बनने के लिए भारत को आइपी पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करना होगा, जो राष्ट्रीय विकास माडल को नवाचार-आधारित प्रतिस्पर्धा की ओर स्थानांतरित करे। यह परिवर्तन मूल्यांकन-आधारित वित्त को सक्षम बनाएगा, जहां बौद्धिक संपदा का उपयोग आइपी-आधारित ऋण और निवेश के लिए किया जा सकेगा, जिससे पूंजी निर्माण के नए अवसर खुलेंगे

प्रतीकात्मक

निर्णायक नीतियों एवं प्रयासों के कारण पिछले एक दशक में भारत ने अपने बौद्धिक संपदा (आइपी) पारिस्थितिकी तंत्र में उल्लेखनीय परिवर्तन देखा है। नवाचार, व्यवसाय करने में सुगमता और डिजिटल गवर्नेंस पर सरकार के रणनीतिक फोकस ने भारत के आइपी ढांचे को सुदृढ़ करने और नवाचार-आधारित विकास की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए एक मजबूत और दूरदर्शी आधार तैयार किया है। इस परिवर्तन में कई महत्वपूर्ण प्रयासों ने केंद्रीय भूमिका निभाई है। आइपी जागरूकता, संरक्षण और व्यवसायीकरण को मजबूत करने के लिए एक व्यापक दृष्टि प्रदान की।

इसके साथ ही स्टार्टअप इंडिया ने उद्यमिता को गति दी और घरेलू नवाचारकर्ताओं के आधार का विस्तार किया। आइपी प्रशासन का बड़े पैमाने पर डिजिटलीकरण (2016 के बाद) जैसे आनलाइन फाइलिंग प्रणाली, त्वरित परीक्षण तंत्र और प्रक्रियाओं में पारदर्शिता ने प्रक्रियात्मक दक्षता और पहुंच में महत्वपूर्ण सुधार किया है। इन सभी सुधारों ने मिलकर भारत के आइपी तंत्र को एक धीमी, अनुपालन-आधारित व्यवस्था से बदलकर एक अधिक दक्ष, पारदर्शी और नवाचार-उन्मुख तंत्र में परिवर्तित कर दिया है।

हाल के 2024-25 के आंकड़े इन सुधारों के ठोस प्रभाव को दर्शाते हैं। वार्षिक पेटेंट फाइलिंग 80 हजार से अधिक हो चुकी है, जिससे भारत वैश्विक स्तर पर तेजी से बढ़ने वाले आइपी क्षेत्रों में शामिल हो गया है। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण यह है कि रेजिडेंट (घरेलू) फाइलिंग का हिस्सा लगभग 60 प्रतिशत तक बढ़ गया है, जबकि एक दशक पहले यह लगभग 25 प्रतिशत था, जो घरेलू नवाचार की ओर एक स्पष्ट बदलाव दर्शाता है। यह वृद्धि भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम के विस्तार से गहराई से जुड़ी है, विशेष रूप से सूचना प्रौद्योगिकी, फार्मास्यूटिकल्स और फिनटेक जैसे क्षेत्रों में, जो आइपी सृजन के प्रमुख चालक बनकर उभरे हैं।

संस्थागत स्तर पर भी भारत ने परीक्षण क्षमता और दक्षता में उल्लेखनीय सुधार किया है। वार्षिक पेटेंट अनुदान एक लाख से अधिक हो चुके हैं, जो पिछले वर्षों की तुलना में एक बड़ी छलांग है और लंबित मामलों में कमी तथा तेज प्रोसेसिंग को दर्शाता है। ये रुझान दो महत्वपूर्ण संरचनात्मक परिवर्तनों को उजागर करते हैं: पहला, घरेलू भागीदारी में वृद्धि के माध्यम से नवाचार आधार का विस्तार, और दूसरा आइपी प्रणाली के भीतर संस्थागत क्षमता का सुदृढ़ होना।

आइपी पारिस्थितिकी तंत्र : एक प्रभावी बौद्धिक संपदा पारिस्थितिकी तंत्र एक बहुआयामी ढांचा होता है, जो नवाचार और मूल्य सृजन को समर्थन देने के लिए कानूनी, संस्थागत, आर्थिक और सांस्कृतिक घटकों को एकीकृत करता है। इसकी आधारशिला एक मजबूत कानूनी और नियामक प्रणाली होती है, जो पेटेंट, ट्रेडमार्क और कापीराइट को नियंत्रित करते हुए अधिकारों की सुरक्षा और स्पष्टता सुनिश्चित करती है। इसके साथ ही, संस्थागत ढांचा, जैसे आइपी कार्यालय, विशेष न्यायालय और प्रवर्तन एजेंसियां मिलकर पंजीकरण, विवाद निवारण और बौद्धिक संपत्तियों की सुरक्षा को प्रभावी बनाते हैं।

हालांकि, किसी भी आइपी पारिस्थितिकी तंत्र की वास्तविक शक्ति इस बात पर निर्भर करती है कि वह नवाचार को आर्थिक परिणामों में कितना परिवर्तित कर पाता है। इसके लिए व्यवसायीकरण तंत्र, जैसे टेक्नोलाजी ट्रांसफर आफिस और उद्योग के साथ मजबूत संबंध आवश्यक होते हैं।

अमेरिका का उच्च-मूल्य आइपी पारिस्थितिकी तंत्र : अमेरिका विश्व की सबसे परिपक्व बौद्धिक संपदा आधारित अर्थव्यवस्था का प्रतिनिधित्व करता है, जहां आइपी आर्थिक संरचना में गहराई से समाहित है और जीडीपी, नवाचार नेतृत्व तथा वैश्विक कारपोरेट प्रभुत्व में महत्वपूर्ण योगदान देता है। मात्रा-आधारित प्रणालियों के विपरीत, अमेरिकी माडल व्यवसायीकरण, मुद्रीकरण और आइपी को पूंजी तथा बाजारों के साथ एकीकृत करने पर केंद्रित है, जो इसे उच्च-मूल्य आइपी पारिस्थितिकी तंत्र का एक वैश्विक मानक बनाता है।

इसका एक प्रमुख उदाहरण एप्पल इंक है, जिसकी मुख्य बौद्धिक संपदा डिजाइन पेटेंट, स्वामित्व साफ्टवेयर इकोसिस्टम और उन्नत चिप आर्किटेक्चर में निहित है। एप्पल की रणनीति हार्डवेयर और साफ्टवेयर आइपी के घनिष्ठ एकीकरण पर आधारित है, जो एक बंद, उच्च-मूल्य पारिस्थितिकी तंत्र बनाती है और उपभोक्ता निर्भरता तथा ब्रांड निष्ठा को बढ़ाती है। तीन लाख करोड़ से अधिक के बाजार पूंजीकरण के साथ, एप्पल के मूल्य का 80 से अधिक हिस्सा अमूर्त परिसंपत्तियों से आता है। यह दर्शाता है कि एप्पल केवल उत्पाद नहीं बेचता, बल्कि एक स्वामित्व आइपी पारिस्थितिकी तंत्र का मुद्रीकरण करता है, जो निरंतर आर्थिक मूल्य उत्पन्न करता है। अमेरिकी माडल से मुख्य सीख स्पष्ट है कि जब बौद्धिक संपदा को प्रभावी रूप से पूंजी और बाजार प्रणालियों के साथ एकीकृत किया जाता है, तब यह नवाचार में आर्थिक विकास का एक शक्तिशाली इंजन बन जाती है।

अंततः उच्च-मूल्य पारिस्थितिकी तंत्र की एक प्रमुख विशेषता है मजबूत पारिस्थितिकी एकीकरण जहां शैक्षणिक संस्थान, उद्योग, सरकार और वित्तीय संस्थान के बीच सुचारु समन्वय होता है। विश्वविद्यालय अनुसंधान और पेटेंट सृजन को आगे बढ़ाते हैं, उद्योग इन नवाचारों का व्यवसायीकरण करते हैं, सरकार नीतिगत समर्थन प्रदान करती है, और वित्तीय संस्थान पूंजी और विस्तार में सहयोग करते हैं। यह परस्पर जुड़ा हुआ ढांचा सुनिश्चित करता है कि बौद्धिक संपदा विचार से बाजार तक प्रभावी रूप से प्रवाहित हो, जिससे आर्थिक प्रभाव और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता दोनों अधिकतम हो सकें। समग्र रूप से, ये सभी तत्व यह स्पष्ट करते हैं कि एक उच्च-मूल्य आइपी पारिस्थितिकी तंत्र का मूल आधार केवल पेटेंट की संख्या नहीं, बल्कि मूल्य सृजन, मुद्रीकरण और प्रणालीगत एकीकरण है।

भारत से संबंधित मामलों के लिए नीतिगत सुझाव

भारत को एक उच्च-मूल्य, वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बौद्धिक संपदा नेतृत्वकर्ता बनने के लिए केवल क्रमिक सुधार पर्याप्त नहीं होंगे। इसके लिए एक सिस्टम-स्तरीय परिवर्तन आवश्यक है, जो नवाचार, वित्त, उद्योग और शासन को एक व्यवसायीकरण-आधारित आइपी पारिस्थितिकी तंत्र में एकीकृत करे। ध्यान को स्पष्ट रूप से पेटेंट की संख्या से गुणवत्ता की ओर स्थानांतरित करना होगा, जिसमें रणनीतिक क्षेत्रों में उच्च-मूल्य, वैश्विक रूप से प्रासंगिक और स्टैंडर्ड-एसेंशियल पेटेंट्स को प्राथमिकता दी जाए। इस परिवर्तन का एक प्रमुख स्तंभ मजबूत व्यवसायीकरण ढांचे का निर्माण है। भारत को पेशेवर रूप से प्रबंधित टेक्नोलाजी ट्रांसफर आफिस को संस्थागत रूप देना होगा, जिनमें प्रदर्शन-आधारित प्रोत्साहन हों, ताकि अनुसंधान के परिणामों को बाजार-उन्मुख नवाचारों में परिवर्तित किया जा सके। साथ ही, आइपी मूल्यांकन ढांचे को वित्तीय प्रणाली में शामिल करना आवश्यक है, जिससे बौद्धिक संपदा का उपयोग आइपी-आधारित ऋण, प्रतिभूतिकरण और निवेश निर्णयों में किया जा सके।

इसके अलावा आर एंड डी वित्तपोषण का पुनर्गठन भी उतना ही महत्वपूर्ण है। वर्तमान में जीडीपी का लगभग 0.7 प्रतिशत होने वाले निवेश को बढ़ाकर कम से कम दो प्रतिशत तक ले जाना होगा, जिसके लिए सार्वजनिक निवेश, निजी क्षेत्र की भागीदारी, वेंचर कैपिटल और संप्रभु नवाचार फंड्स का मिश्रित ढांचा विकसित करना आवश्यक है। यह निवेश मिशन-उन्मुख कार्यक्रमों के साथ जुड़ा होना चाहिए, विशेष रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, क्वांटम तकनीक, हरित ऊर्जा और बायोटेक्नोलाजी जैसे डीप-टेक क्षेत्रों में, जो भविष्य की आर्थिक और भू-राजनीतिक शक्ति को निर्धारित करेंगे।

एक महत्वपूर्ण और अक्सर अनदेखा आयाम है बौद्धिक संपदा के प्रति राष्ट्रीय स्तर पर जागरूकता और क्षमता निर्माण। आइपी शिक्षा को स्कूल से लेकर उच्च शिक्षा तक मुख्यधारा में शामिल करना आवश्यक है, जिसमें आइपी साक्षरता, नवाचार प्रबंधन और व्यवसायीकरण कौशल को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाए। शोधकर्ताओं, उद्यमियों और छात्रों को न केवल ज्ञान सृजन, बल्कि उसे संरक्षित करने, प्रबंधित करने और रणनीतिक रूप से मुद्रीकृत करने के लिए प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। भारत की आइपी नेतृत्व की दिशा में प्रगति इस बात पर निर्भर करेगी कि वह फाइलिंग-आधारित ढांचे से मूल्य-आधारित, वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी और व्यवसायीकरण-केंद्रित पारिस्थितिकी तंत्र की ओर कितना सफलतापूर्वक संक्रमण करता है। प्रौद्योगिकी, पूंजी, नीति और शिक्षा के एकीकरण के माध्यम से भारत बौद्धिक संपदा को एक मुख्य आर्थिक परिसंपत्ति वर्ग में परिवर्तित कर सकता है और स्वयं को वैश्विक ज्ञान अर्थव्यवस्था में एक एजेंडा-निर्धारक के रूप में स्थापित कर सकता है।

यदि यह रणनीतिक स्पष्टता और कार्यान्वयन अनुशासन के साथ किया जाए, तो भारत केवल एक उभरता हुआ नवाचार केंद्र बनने से आगे बढ़कर उच्च-मूल्य बौद्धिक संपदा और ज्ञान-आधारित विकास में वैश्विक नेता बनने की क्षमता रखता है। इस संदर्भ में, विकसित भारत 2047 का विजन केवल आकांक्षात्मक नहीं है, बल्कि एक सशक्त, नवाचार-प्रेरित और वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी आइपी पारिस्थितिकी तंत्र पर आधारित होकर दिन-ब-दिन साकार होता रहेगा।

(डा. शिवेश प्रताप)

खरी-खरी

चुनाव और महंगाई का नाता

बिनय कुमार पाठक

जानकार लोगों का कहना है कि चुनाव और सरकार के द्वारा किसी वस्तु की कीमत बढ़ाने में कोई विशेष पैटर्न तो है जरूर। इसके पीछे लोग कारण यह बताते हैं कि चुनाव के दौरान सरकार के द्वारा किसी भी वस्तु की कीमत नहीं बढ़ाई जाती। भले ही परिस्थिति कैसी भी हो, भले ही डीलर को नुकसान सहना पड़े या सरकार को। पर चुनाव खत्म होते ही उस वस्तु की कीमत सर्र से बढ़ा दी जाती है। इतना भी सब्र नहीं होता सरकार में कि चुनाव का परिणाम आने दे, फिर कीमत बढ़ाए। और सब्र की आवश्यकता भी नहीं है। आखिर ईवीएम में जनता राजनीतिक दलों का भाग्य तो तय कर ही चुकी होती है। अभी अमेरिका और इजरायल के ईरान पर बमफोड़ प्रतियोगिता और होर्मुज पर तनातनी के कारण पेट्रोलियम पदार्थ के मिलने पर भी संदेह था। ऐसे में कीमत की कौन परवाह करता? जितनी कीमत लेनी हो ले लो, पर रसोई को गुलजार रहने दो। ऐसे में भी सरकार ने गैस की कीमत नहीं बढ़ने दी।

इस ज्ञान की प्राप्ति ज्ञानचंद को अभी-अभी हुई है जब उन्होंने देखा कि व्यावसायिक सिलेंडर की कीमत ने दस शतक के बराबर और छोटू सिलेंडर की कीमत ने भी तीन शतक के बराबर छलांग लगाई है। और फिर सूत्रों का कहना है कि पेट्रोल-डीजल की कीमत में बढ़ोतरी से इन्कार नहीं है। जब सूत्रों की ओर से पेट्रोल-डीजल की कीमत में बढ़ोतरी से इन्कार किया जाता है, तब भी कीमत के बढ़ने की संभावना होती है। उसी प्रकार जैसे मौसम विभाग के किसी दिन मौसम सूखा रहने की भविष्यवाणी के बाद उस दिन झमाझम बारिश होती है। और जब इन्कार नहीं है तो मतलब साफ है कि कीमत लंबी छलांग लगाने वाली है, कम से कम दो अंकों में तो जरूर।

और फिर मामला पेट्रोलियम पदार्थों तक सीमित नहीं है। कुछ अन्य मामलों में भी चुनाव का प्रभाव साफ-साफ दिखता है। उदाहरण के लिए आय कर को लिया जाए। चुनाव हो जाने के बाद साल दर साल आय कर में कोई छूट नहीं मिलती। पर जिस साल चुनाव आता है उस साल थोड़ी ही सही, राहत दे दी जाती है।

X पोस्ट

चीन, पाकिस्तान और राहुल गांधी को ग्रेट निकोबार परियोजना से परेशानी है और वे इसका विरोध कर रहे हैं। जबकि भारतीय सशस्त्र बल, नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल और नरेन्द्र मोदी इसके पक्ष में हैं।

आनंद रंगनाथन@ARanganathan72

निकोबार के वर्षावन छीजने का दुख सबको है। वहां वन कटने से अधिक वनीकरण किया ही जाना चाहिए, लेकिन मलक्का जलमार्ग के उत्तरी छोर और निकोबार की नोक पर सैन्य और व्यापारिक बंदरगाह और हवाई अड्डा बनने से चीन से अधिक तकलीफ भला किसको हो सकती थी? पर नहीं, हमारी कांग्रेस को हुई है। सोचिए भला क्यों?

शिव कांत@shivkant

अखिलेश यादव का पुतला फूंकते समय घायल हो जाने वाली अन्नपूर्णा जी का हाल-चाल लेने अखिलेश जी खुद अस्पताल गए। पीएम मोदी को जमीन में गाड़ देने की धमकी देने वाले अजय राय को पीएम ने स्वस्थ होने की कामना की। स्वस्थ राजनीति यही है, जिसे नेता तो समझते हैं, मगर उनके कार्यकर्ता नहीं समझ पाते।

अतुल कुमार राय@AuthorAtul

‘अधिकार बनाम अपराध’ की आंच पर सियासत

अजय जायसवाल
उप राजनीतिक संपादक, उत्तर प्रदेश

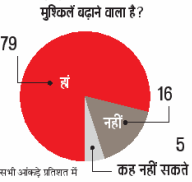

उत्तर प्रदेश डायरी

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के दौरान संसद के विशेष सत्र में लाए गए नारी शक्ति वंदन संशोधन विधेयक के गिरने के बाद शुरू हुई बहस, अब वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव की राह पर बढ़ रहे यूपी में 'अधिकार बनाम अपराध' के नैरेटिव की आंच पर जोरों से तप रही है। विपक्ष को महिला विरोधी करार देने की सत्ताधारी भाजपा की मुहिम सड़क पर प्रदर्शन से होते हुए विधानमंडल के विशेष सत्र में निंदा प्रस्ताव के रास्ते पर चलकर चुनावी रणनीति बन चुकी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तक इस बहाने विरोधी दलों, खासकर सपा के विरुद्ध परिवारवाद के आरोपों की धार तो तेज कर ही रहे हैं, इसके साथ डबल इंजन सरकार के विकास, कल्याणकारी योजनाओं की उपलब्धियों को जोड़कर ऐसे बहुस्तरीय नैरेटिव को मजबूत करने में जुटे हैं, जो उनको तीसरी बार सत्ता की मंजिल तक पहुंचा सके। इसके लिए ही मशाल जुलूस जैसे आयोजनों से भाजपा इस आग को जलाए रखना चाहती है। दूसरी तरफ विपक्ष, सरकार को झूठा करार देने के साथ पिछड़ों-अल्पसंख्यकों के कोटे की मांग के सहारे अपने समीकरणों को साधने में जुटा है। साथ में योगी सरकार की कानून व्यवस्था वाली 'खासियत' को कमजोर करने की कोशिश भी है। सपा गाजीपुर, हाथरस, मेरठ, हरदोई, प्रतापगढ़ आदि की हालिया आपराधिक घटनाओं के सहारे भाजपा के महिला सुरक्षा के दावों को हवा-हवाई करार देना चाहती है।

मोदी ने 28 अप्रैल को वाराणसी में 'जन आक्रोश महिला सम्मेलन' में कहा कि सपा, कांग्रेस जैसी पार्टियों ने देश की महिलाओं को धोखा दिया। परिवारवादी और तुष्टीकरण में डूबे ये दल जानते हैं कि अगर बेटियां ऊपर आ गईं, तो इनका नियंत्रण खत्म हो जाएगा। 29 अप्रैल को गंगा एक्सप्रेसवे के हरदोई से लोकार्पण के अवसर पर उन्होंने विकास कार्यों के उल्लेख के साथ सपा को प्रगति और नारी विरोधी करार दिया। दोनों आयोजनों में महिलाओं का समर्थन जुटाने के साथ कानून व्यवस्था व विकास की राजनीति का संदेश देने की कोशिश की गई।

30 अप्रैल को विधानमंडल के विशेष सत्र में इसी संदेश को आगे बढ़ाया गया। योगी ने सपा, कांग्रेस पर महिला विरोधी मानसिकता के आरोप लगाए। कहा, 'जो काले कर्मों से राजमहल सजाते हैं, वही इतिहास में कलंक बन जाते हैं। इनके बदलते रंग देखकर गिरगिट भी शरमा जाएगा।' सपा शासनकाल में हुई बदायूं, बुलंदशहर, सुलतानपुर, हापुड़ आदि की महिला अपराध की घटनाओं का उल्लेख कर कहा कि वर्ष 2017 से पहले तो प्रदेश में 'देख सपाई, बिटिया घबराई' का नारा आम था। उच्च सदन में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने परिवारवाद पर प्रहार करते हुए कहा कि क्या कांग्रेस-सपा यह चाहती हैं कि केवल गांधी और सैफई खानदान की ही महिलाएं सदन में जाएं। आपने जो पाप किया है, उसके लिए महिलाओं के श्राप से आपको कोई नहीं बचा सकता।

विधानसभा में आयोजित विशेष सत्र में बोलते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। जागरण

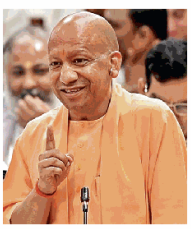

मुख्यमंत्री सहित सभी ने बसपा प्रमुख मायावती पर जानलेवा हमले वाले वर्ष 1995 के गेस्ट हाउस कांड का उल्लेख किया। इसके सहारे तीन निशाने साधने की कोशिश की गई। सपा को महिला विरोधी साबित करना, उनके शासनकाल में अपराध अधिक होने की याद दिलाना और सपा द्वारा की जा ही दलित मतदाताओं में पैठ बनाने की कोशिश को कमजोर करना। दूसरी तरफ विधानमंडल के विशेष सत्र में निंदा प्रस्ताव आने से एक दिन पहले सपा विधानमंडल दल ने अतिनिंदा प्रस्ताव पारित किया। वहीं विधान सभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने कहा कि जब पंचायतों में 33 प्रतिशत आरक्षण लागू किया गया तब भाजपा ने विरोध किया था। भाजपा ने मंडल कमीशन का भी विरोध किया था। विधान परिषद में नेता विरोधी दल लाल बिहारी यादव ने महिला अपराधों के बढ़ोतरी के आंकड़े गिनाए। कहा, मुलायम सिंह यादव ने महिलाओं को आरक्षण का अधिकार दिया था। फूलन देवी को भी संसद में पहुंचाया था। सपा प्रमुख अखिलेश यादव लगातार कह रहे हैं कि महिला आरक्षण पर भाजपा झूठ फैला रही है। महिला आरक्षण का बिल तो वर्ष 2023 में ही सपा के समर्थन से संसद में पास हो चुका है। भाजपा परिसीमन करना चाहती थी। अब वह नारी वंदन को नारा बनाना चाहती है।

सपा प्रमुख योगी सरकार में महिला अपराध बढ़ने का नैरेटिव भी खड़ा कर रहे हैं। गाजीपुर प्रकरण में सपा प्रतिनिधिमंडल पर पथराव के बाद इसे और तेजी से आगे बढ़ाया गया। कांग्रेस भी महिला आरक्षण पर भाजपा को कटघरे में खड़ा कर रही है। बहरहाल, महिला आरक्षण पर शुरू हुआ संग्राम चुनाव तक तो जारी ही रहता दिख रहा है। भाजपा धरना-प्रदर्शन, महिला सम्मेलनों आदि के सहारे इस मुद्दे को जीवंत बनाए रखना चाहती है। विरोधी दल, महिला अपराध के मामलों पर मुखर होकर अपने नैरेटिव को मजबूत करना चाहते हैं। साफ है कि 2027 का चुनाव अन्य समीकरणों के साथ 'महिला मतदाता' के भरोसे का भी होगा। महिला मतदाता 'साइलेंट वोटर' नहीं, बल्कि 'डिसाइसिव फैक्टर' बन चुकी हैं। अब नजर इस बात पर होगी कि कौन सा दल इस 'नारी शक्ति' को वास्तविक समर्थन और भरोसे में बदल पाता है।

जागरण जनमत — कल का परिणाम

क्या आइपीएल का फार्मेट गेंदबाजों की मुश्किलें बढ़ाने वाला है?

सभी आंकड़े प्रतिशत में

आज का सवाल

क्या ग्रेट निकोबार परियोजना के विरोध का राहुल गांधी का रवैया सही है?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है

जनपथ

दिल थामे बैठे रहो सुनो आज परिणाम,
जिनका दिल कमजोर है वे न करें यह काम।
वे न करें यह काम लगेगा उनको झटका,
नहीं सकेंगे देख पाप का फूटा मटका!
बिना टिकट ही आज दिखेंगे हमको ड्रामे,
देखो सब घर बैठ चाय पीते दिल थामे!!

-ओम प्रकाश तिवारी

मंथन

जल भू-राजनीति का टकराव

रवि दास बिश्नोई
वरिष्ठ अध्येता, इंडो पैसिफिक डोमेन

विश्व के विभिन्न हिस्सों में नदी प्रणालियों पर बढ़ता दबाव एक बड़े बदलाव की ओर संकेत करता है, जहां जल अब ऐसा सक्रिय तत्व बन गया है जो देशों के व्यवहार को आकार देता है

जल भू-राजनीति का विकास एक व्यापक विरोधाभास को उजागर करता है। तकनीकी क्षमता बढ़ी है, पर शासन प्रणाली पीछे रह गई है। मांग बढ़ रही है, जबकि प्राकृतिक सीमाएं सीमित हो रही हैं, जिससे पारिस्थितिक आधार कमजोर पड़ रहे हैं। इस परिप्रेक्ष्य में नदियां दर्पण भी हैं और चेतावनी भी। नदी संसाधनों पर दबाव बढ़ेगा।

वैश्विक आंकड़े इस स्थिति की गंभीरता को स्पष्ट करते हैं। लगभग 60 प्रतिशत ताजे जल का प्रवाह 310 अंतरराष्ट्रीय नदी बेसिनों से होकर गुजरता है, जिससे अरबों लोग साझा जल प्रणालियों पर निर्भर हैं। विश्व जल विकास रिपोर्ट 2024 के अनुसार आज भी लगभग 2.2 अरब लोगों को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध नहीं है। यह सिर्फ अस्थायी कमी का संकेत भर नहीं है। यह एक ऐसा संरचनात्मक असंतुलन है जो लगातार गहराता जा रहा है। संघर्ष के संकेत इस तस्वीर को और स्पष्ट करते हैं। पैसिफिक इंस्टीट्यूट के आंकड़ों के अनुसार जल-संबंधी विवाद की घटनाएं 2022 में 235 थीं जो 2024 में 400 से अधिक हो गईं। इनमें बांध निर्माण पर टकराव से लेकर युद्ध के दौरान जल संरचनाओं को निशाना बनाने तक शामिल है।

दक्षिण एशिया इसका एक सजीव उदाहरण प्रस्तुत करता है। सिंधु जल संधि जिसे लंबे समय तक स्थिर जल-साझाकरण व्यवस्था माना गया था, अब नए दबावों से गुजर रही है। पिछले वर्ष के बाद की परिस्थितियों ने नदी प्रवाह प्रबंधन को रणनीतिक दृष्टि से प्रभावित किया है। भारत सदैव नदी संबंधी रिपेरियन अधिकारों और नैतिक दायित्वों का सम्मान करता आया है। परंतु जल संबंधी निर्णय जब सीधे राष्ट्रीय चिंता के विषय बन जाए तो यह जरूरी हो जाता है कि कोई देश अपने जल अधिकारों पर मंथन करें। वहीं दूसरी ओर चीन की गतिविधियां ब्रह्मपुत्र पर एक और जटिलता जोड़ती है।

भारत के भीतर भी नदी विवाद समान चुनौतियों को दर्शाते हैं। महानदी और कृष्णा जैसी नदियों पर राज्यों के बीच विवाद यह दिखाते हैं कि प्रशासनिक सीमाएं प्राकृतिक प्रवाह को नहीं रोक सकतीं हैं। नीति आयोग के अनुसार, देश के लगभग 60 करोड़ लोग उच्च जल तनाव का सामना कर रहे हैं, जबकि 21 बड़े शहरों के भूजल संसाधन समाप्ति के कगार पर हैं। कृषि व्यवस्था की निर्भरता इस संकट को और गहरा करती है। भारत में लगभग 80 प्रतिशत जल उपयोग सिंचाई में होता है, जबकि दक्षता अपेक्षाकृत कम है। पारंपरिक बाढ़ सिंचाई पद्धतियां भारी जल क्षति का कारण बनती हैं। जब नदी प्रवाह अनिश्चित होता है, तो इसका प्रभाव केवल खेतों तक सीमित नहीं रहता, यह ग्रामीण आय, फसल पैटर्न और प्रवासन तक भी पहुंच जाता है। जलवायु परिवर्तन इस पूरे ढांचे पर अतिरिक्त दबाव डालता है।

अवसंरचना में सुधार, जिसे समाधान माना जाता है, अपने साथ जोखिम भी लाती है। भारत में लगभग 6600 से अधिक बड़े बांध हैं, जिनमें कई दशकों पुराने हैं। बदलती जलवायु परिस्थितियों में इनकी सुरक्षा एक गंभीर प्रश्न बन चुकी है। वैश्विक स्तर पर भी बड़े बांध नदी पारिस्थितिकी को प्रभावित करते हैं, तलछट प्रवाह को बाधित करते हैं और नदी की प्राकृतिक संरचना को बदल देते हैं। यहीं एक महत्वपूर्ण बहस उभरती है कि लोकप्रिय विमर्शों में जल युद्धों की बात ऐसे होने लगी कि मानो संघर्ष अपरिहार्य हो। यह दृष्टिकोण आकर्षक तो है, पर पूरी तरह सटीक नहीं है। आज के समकालीन संदर्भों को देखा जाए तो तनाव, कूटनीतिक दबाव और रणनीतिक संकेत तीनों जल समस्या को संघर्ष की ओर धकेल रहे हैं।

भारत समेत विश्व के अनेक देशों में नदियों से जुड़े संसाधनों का निरंतर क्षय हो रहा है। फाइल

वहीं दूसरी मुख्य बहस परस्पर निर्भरता पर केंद्रित है। जहां ऊपर की ओर स्थित देश नियंत्रण रखते हैं और नीचे की ओर स्थित देश निर्भर रहते हैं। यह ऊर्जा भू-राजनीति जैसी ही संरचना बनाता है, लेकिन जल के मामले में विकल्प सीमित होने के कारण जोखिम कहीं अधिक गहरा होता है। इन परिस्थितियों में कुछ मूलभूत प्रश्न सामने आते हैं, क्या पारंपरिक संधियां जलवायु अनिश्चितता के दौर में टिक पाएंगी? ऊपरी और निचले हिस्सों के हितों में संतुलन कैसे बनेगा? डाटा साझा करने के विश्वसनीय तंत्र कैसे विकसित होंगे? अवसंरचना विकास और रणनीतिक दबाव के बीच रेखा कहां खींची जाएगी? इन प्रश्नों के उत्तर अभी स्पष्ट नहीं हैं, पर नीति विमर्श इन्हीं के इर्द-गिर्द घूम रहा है।

समाधान के लिए एक बहु-स्तरीय ढांचा आवश्यक है। सबसे पहले तो हमें नदी बेसिन को प्रशासनिक नहीं, पारिस्थितिक इकाई के रूप में देखना होगा। दूसरा, वास्तविक समय डाटा साझा करने की प्रणाली विकसित करनी होगी, जिससे पारदर्शिता बढ़े और अविश्वास कम हो। तीसरा, जल मांग में संरचनात्मक बदलाव लाना होगा यानी कम जल वाली फसलों को बढ़ावा देना, माइक्रो-इरिगेशन अपनाना और जल मूल्य निर्धारण को सुधारना। इजरायल का ड्रिप इरिगेशन माडल इस दिशा में प्रभावी उदाहरण प्रस्तुत करता है। चौथा, पारिस्थितिक पुनर्स्थापन पर जोर देना होगा, ताकि नदियां अपनी पुनर्जीवन क्षमता बनाए रख सकें।

बीती तिमाही में डीमार्ट का शुद्ध लाभ 19.2 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली: रिटेल चेन डीमार्ट की संचालक कंपनी एवेन्यू सुपरमार्ट्स लिमिटेड को बीते वित्त वर्ष की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च 2026) के दौरान 19.17 प्रतिशत बढ़कर 656.42 करोड़ रुपये रहा है। पिछले वर्ष समान अवधि में कंपनी को 550.79 करोड़ रुपये का लाभ हुआ था। कंपनी ने रेग्युलेटरी फाइलिंग में बताया कि बीती तिमाही में उसका संचालन राजस्व 18.9 प्रतिशत बढ़कर 17,683.86 करोड़ रुपये रहा है, जो जनवरी-मार्च 2025 में 14,871.86 करोड़ रुपये था। (प्रेट्र)

सप्लाई चेन में रुकावट और पैकेजिंग लागत में बढ़ोतरी से भारत में स्थानीय प्रतिस्पर्धा की कमी हो गई है। इससे हमें होमकेयर जैसी श्रेणियों में बिक्री बढ़ाने में मदद मिल सकती है।
- फर्नांडो फर्नांडीज, सीईओ, यूनिलीवर

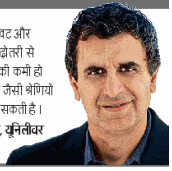

चीन की दर्जनों कंपनियां भारत में जल्द करेंगी निवेश

इलेक्ट्रानिक्स कंपोनेंट्स, कैपिटल गुड्स, सोलर, एडवांस बैट्री, क्रिटिकल मिनरल्स प्रोसेसिंग क्षेत्र में आएगा निवेश

राजीव कुमार • जागरण

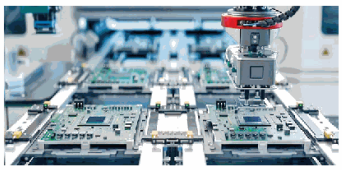

- सरकार ने चीनी कंपनियों के निवेश पर लगे प्रतिबंध को हटाया
- इस फैसले से चीन से व्यापार घाटा कम करने में मिलेगी मदद

100 अरब से ज्यादा रहा वित्त वर्ष 2025-26 में चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा

40 अरब डालर के इलेक्ट्रानिक्स का आयात किया भारत ने चीन से पिछले वर्ष

नई दिल्ली: चीन की दर्जनों कंपनियां नए वित्त वर्ष 2026-27 में भारत में निवेश कर सकती है। इनमें मुख्य रूप से इलेक्ट्रानिक्स कंपोनेंट्स, कैपिटल गुड्स सोलर, एडवांस बैट्री जैसे सेक्टर शामिल है। वर्ष 2020 में सरकार ने एक अधिसूचना के जरिये चीन से होने वाले निवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग ने इस प्रतिबंध को हटाने की अधिसूचना जारी कर चीन से निवेश का रास्ता साफ कर दिया है।

हालांकि, चीन की कंपनियां बिना सरकारी इजाजत के भारतीय स्वामित्व वाली कंपनियों में 10 प्रतिशत तक ही निवेश कर सकेंगी। इससे अधिक के निवेश के लिए उन्हें सरकार से इजाजत लेने की जरूरत होगी। सरकार के इस फैसले से चीन से व्यापार घाटे को कम करने में भी मदद मिलेगी।

गत वित्त वर्ष 2025-26 में चीन से व्यापार घाटा 100 अरब डालर को पार कर गया। भारत मुख्य रूप से चीन से इलेक्ट्रानिक्स कंपोनेंट्स व अन्य इलेक्ट्रानिक्स आइटम के साथ मशीनरी, आर्गेनिक केमिकल्स और प्लास्टिक का आयात करता है। गत वित्त वर्ष 2025-26 में भारत ने 48 अरब डालर के इलेक्ट्रानिक्स आइटम का निर्यात किया, जबकि 116 अरब डालर के इलेक्ट्रानिक्स कंपोनेंट्स व अन्य इलेक्ट्रानिक्स आइटम का आयात किया। अकेले चीन से भारत ने 40 अरब डालर से अधिक के इलेक्ट्रानिक्स आइटम का आयात किया।

जानकारों का कहना है कि सरकार के इस फैसले अब कई इलेक्ट्रानिक कंपोनेंट्स चीन के निवेश की मदद से भारत में बनने लगेंगे और इससे भारतीय कंपनियों को चीन की टेक्नोलाजी का भी पता चल पाएगा और चीन से होने वाले आयात में भी कमी आएगी। भारत मशीनरी के लिए चीन पर काफी निर्भर है। एमएसएमई सेक्टर की अधिकतर मशीनरी चीन से मंगाई जाती है। गत वित्त वर्ष में चीन से 27 अरब डालर की मशीनरी का आयात किया गया। अब चीन की कंपनियां इसे भारत में ही बना सकेंगी।

सोलर सेक्टर से जुड़े पालिसिलिकन निर्माण में भी चीन का निवेश भारत में आएगा। वर्ष 2020 में जब चीन की कंपनियों के निवेश पर रोक लगाई गई थी, तब सिर्फ मोबाइल फोन व कंपोनेंट्स संबंधी निवेश के 200 से अधिक आवेदन लंबित थे। जानकारों का कहना है कि इनमें से दर्जनों ऐसी कंपनियां हैं जो अब भी भारत में निवेश के लिए तैयार बैठी है।

पिछले छह वर्षों में एफडीआइ में चीन की हिस्सेदारी घटी

मार्च 2020 में चीन के निवेश पर रोक से ठीक पहले चीन की कंपनियों ने भारत में चार अरब डालर से अधिक का निवेश किया था। लेकिन रोक के बाद पिछले छह सालों में भारत के विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआइ) में चीन की हिस्सेदारी मात्र 0.32 प्रतिशत रह गई। वर्ष 2020 में चीन की कंपनियों के निवेश पर प्रतिबंध के बाद उन भारतीय कंपनियों के लिए भी समस्या खड़ी हो गई थी जिन्होंने चीन की मशीनरी लगाई थी। उनकी मशीनरी खराब होने पर उनकी मरम्मत के लिए चीन के इंजीनियर को भारत में बुलाना आसान नहीं था। इससे उनका उत्पादन प्रभावित होता था। उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआइआइटी) के अधिकारी के मुताबिक, 2020 के नियम में बदलाव से इस समस्या भी अब समाधान हो गया है।

बिजनेस से जुड़ी खबरों और अपडेट के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com

चालू वित्त वर्ष में मारुति सुजुकी की रही मजबूत शुरुआत

- अप्रैल में कंपनी की घरेलू बाजार में हिस्सेदारी बढ़कर 42 प्रतिशत पर पहुंची
- पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी की बाजार हिस्सेदारी 39 प्रतिशत रही

नई दिल्ली, प्रेट्र: देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 में मजबूत शुरुआत की है। वित्त वर्ष के पहले महीने यानी अप्रैल 2026 में कंपनी की बाजार हिस्सेदारी बढ़कर 42 प्रतिशत पर पहुंच गई है, जो पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में 39 प्रतिशत थी।

उद्योग के अनुमानों के अनुसार, कंपनी ने अप्रैल में घरेलू बाजार में रिकार्ड 1,91,122 वाहनों की बिक्री की है। इससे कंपनी की बाजार हिस्सेदारी में तीन प्रतिशत की वृद्धि हुई है। मारुति सुजुकी इंडिया के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी मार्केटिंग एवं सेल्स, पार्थो बनर्जी ने बताया कि कंपनी की बाजार हिस्सेदारी में वृद्धि मुख्य रूप से उसकी पैसेंजर कारों द्वारा हुई है, लेकिन एसयूवी ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। हमने अप्रैल में रिकार्ड बिक्री के साथ नए वित्त वर्ष की शुरुआत की और बाजार हिस्सेदारी भी बढ़ाई। कंपनी की पिछली सबसे अधिक घरेलू बिक्री दिसंबर 2025 में 1,82,165 इकाई थी। अप्रैल 2026 में कंपनी की यात्री कारों की बिक्री 96,725 इकाई रही है, जो पिछले वर्ष समान महीने में 68,244 इकाई थी। पिछले महीने एसयूवी की बिक्री 55,065 इकाई रही है और इसमें 141.6 प्रतिशत की वृद्धि रही। आल्टो, सेलेरियो, एसप्रेसो और वैगनआर जैसी छोटी कारों की बिक्री 74.4 प्रतिशत बढ़ी।

माइथोस के साइबर खतरों को देखते हुए आइटी पर खर्च बढ़ाएंगे सरकारी बैंक

- सिस्टम और ग्राहक डाटा की सुरक्षा के लिए बढ़ेगा खर्च
- हैकिंग क्षमता के कारण वैश्विक चिंता बना है माइथोस

नई दिल्ली, प्रेट्र: सरकारी बैंक अपने सिस्टम की सुरक्षा, ग्राहक डाटा की रक्षा और मौद्रिक संसाधनों की सुरक्षा के लिए आइटी खर्च बढ़ाने की तैयारी कर रहे हैं। यह कदम एंथ्रोपिक के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) माडल माइथोस और और इसके संभावित वित्तीय डाटा सुरक्षा प्रभावों के बारे में वैश्विक चिंताओं के बीच उठाया जा रहा है।

माइथोस की उन्नत कोडिंग क्षमताएं इसे साइबर सुरक्षा कमजोरियों का पता लगाने और उनका लाभ लेने के तरीकों को विकसित करने की अभूतपूर्व क्षमता प्रदान करती हैं, जिससे यह चिंता बढ़ गई है कि इसका उपयोग बैंकिंग सिस्टम को बाधित करने के लिए किया जा सकता है। इस नई चुनौती के मद्देनजर बैंकों को अपने आइटी में निवेश बढ़ाने की आवश्यकता है ताकि सिस्टम को अधिक मजबूत बनाया जा सके। पंजाब एंड सिंध बैंक के प्रबंध निदेशक और सीईओ स्वरूप कुमार साहा का कहना है कि चालू वित्त वर्ष में नई तकनीक की ओर से उत्पन्न चुनौतियों का सामना करने के लिए बैंक अपने आइटी खर्च को बढ़ाने जा रहा है। यूको बैंक के प्रबंध निदेशक और सीईओ अश्विनी कुमार ने भी कहा है कि बैंक का आइटी खर्च पिछले वित्त वर्ष की तुलना में अधिक होगा और इसका एक बड़ा हिस्सा साइबर सुरक्षा पर जाएगा।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी बैंकों को उनके आइटी सिस्टम को सुरक्षित करने के लिए सभी आवश्यक उपाय करने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि अगले कुछ हफ्तों में बैंकों के बीच खतरों को समझने के लिए बातचीत होगी।

अमेरिकी कंपनी एंथ्रोपिक ने अपने एआइ माडल का पायलट सात अप्रैल को लांच किया था। संभावित हैकिंग क्षमता के कारण यह वैश्विक चिंता का विषय बन गया है। एंथ्रोपिक ने दावा किया है कि माइथोस ने पहले ही हजारों उच्च-गंभीर कमजोरियों का पता लगाया है।

चार कंपनियों की पूंजी 2.20 लाख करोड़ बढ़ी

नई दिल्ली, प्रेट्र: अवकाश से प्रभावित बीते सप्ताह के दौरान बीएसई में सूचीबद्ध शीर्ष-10 में से चार कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में 2.20 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई है। सप्ताह के दौरान बीएसई के मानक सूचकांक सेंसेक्स में 249.29 अंक की वृद्धि रही है।

बीते सप्ताह रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण सबसे अधिक 1,39,655.8 करोड़ रुपये बढ़ा है और अब कंपनी का कुल पूंजीकरण 19,36,303.30 करोड़ रुपये हो गया है। इसके अलावा भारतीय एयरटेल के पूंजीकरण में 43,503.51 करोड़ रुपये, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज में 27,569.83 करोड़ रुपये और बजाज फाइनेंस में 9,432.32 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई है। दूसरी ओर, आइसीआइसीआइ बैंक, एसबीआइ, एचडीएफसी बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एलआइसी और लार्सन एंड टूब्रो का पूंजीकरण संयुक्त रूप से 1.24 लाख करोड़ रुपये घटा है।

कोल गैसीफिकेशन परियोजनाओं के लिए प्रोत्साहन योजना को कैबिनेट मंजूरी जल्द

- परियोजना के तहत कोयले को ईंधन और रसायनों में परिवर्तित किया जाएगा
- स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देना और आयात पर निर्भरता कम करना है उद्देश्य

नई दिल्ली, प्रेट्र: कोयला या कोल गैसीफिकेशन परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए केंद्रीय कैबिनेट जल्द ही 37,500 करोड़ रुपये की नई प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दे सकती है। इन परियोजनाओं का उद्देश्य स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देना और आयात पर निर्भरता को कम करना है। सूत्रों के अनुसार, इसके लिए कोयला मंत्रालय ने पहले ही एक कैबिनेट नोट तैयार कर लिया है।

सरकार अब कोयला गैसीफिकेशन के तहत घरेलू कोयले को ईंधन और रसायनों में परिवर्तित करने, आयात निर्भरता को कम करने और ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए एक रणनीतिक साधन के रूप में स्थापित कर रही है। प्रस्तावित योजना का उद्देश्य देशभर में सतही कोयला और लिग्नाइट गैसीफिकेशन परियोजनाओं को तेज करना है, जिससे एलएनजी, यूरिया, अमोनियम नाइट्रेट, अमोनिया, कोकिंग कोयला और मेथनाल जैसी महत्वपूर्ण वस्तुओं पर आयात निर्भरता को कम करके आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दिया जा सके। यह घरेलू कोयला और लिग्नाइट संसाधनों का उपयोग ईंधन और रसायनों के उत्पादन को बढ़ाने व 2030 तक 10 करोड़ टन कोयला गैसीफिकेशन क्षमता के राष्ट्रीय लक्ष्य का समर्थन करने में मदद करेगा। यह एक एकीकृत योजना है जिसमें कोई श्रेणियां नहीं हैं। एकल परियोजना के लिए अधिकतम वित्तीय सहायता 3,000 करोड़ रुपये है। गैसीफिकेशन परियोजनाओं के लिए पहले की वित्तीय प्रोत्साहन योजना में सरकार ने तीन श्रेणियों के तहत वित्तीय सहायता प्रदान की थी, जिसमें निजी क्षेत्र के लिए प्रति परियोजना अधिकतम प्रोत्साहन 1,000 करोड़ रुपये और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के लिए 1,350 करोड़ रुपये प्रति परियोजना शामिल थे।

चमड़ा और फुटवियर उद्योग ने इनपुट्स पर मांगी शुल्क छूट

नई दिल्ली, प्रेट्र: चमड़ा और फुटवियर उद्योग ने सिंथेटिक लेदर, धातु के सहायक उपकरण, मशीनरी, धागे, मोल्ड और कुछ रसायनों जैसे कई महत्वपूर्ण इनपुट्स पर शुल्क छूट की मांग की है। उद्योग प्रतिनिधियों का कहना है कि पश्चिम एशिया संकट के कारण इनपुट लागत में 60 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है।

उद्योग ने वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के समक्ष इस मुद्दे को उठाते हुए फुटवियर और चमड़ा उन्मुख परिवर्तन योजना को शीघ्र लागू करने का सुझाव दिया। यह योजना पूरे उत्पाद रेंज, कच्चे माल, मशीनरी और इनपुट्स को कवर करती है। इसके अलावा उद्योग ने घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए क्रस्ट और फिनिश्ड लेदर्स के शुल्क मुक्त आयात की भी मांग की है। पिछले वित्त वर्ष में चमड़ा और चमड़ा उत्पाद निर्यात 2.36 प्रतिशत घटकर 4.26 अरब डालर रहा है।

राष्ट्रीय फलक

उत्तर प्रदेश में तेज हुआ स्मार्ट प्रीपेड मीटर का विरोध, कई जिलों में प्रदर्शन

जागरण टीम, लखनऊ

- लोगों ने स्मार्ट मीटर उखाड़ कर सड़क व बिजली उपकेंद्र पर फेंके
- आगरा समेत कई जगहों पर फूटा जनाक्रोश, आप भी सड़क पर उतरी

अलीगढ़ में स्मार्ट मीटर सड़क पर फेंक कर विरोध जताती महिलाएं। जागरण

उत्तर प्रदेश में बिजली के स्मार्ट प्रीपेड मीटर का विरोध तेज होता जा रहा है। शनिवार और रविवार को कई जिलों में स्मार्ट मीटर लगाए जाने के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि स्मार्ट मीटर से बिल अधिक आ रहे हैं और बार-बार बिजली कटौती की समस्या भी बनी हुई है।

अलीगढ़ के पड़ियावली बिजलीघर पर महिलाओं ने प्रदर्शन किया। हाथरस में अनेक महिला-पुरुष घरों से स्मार्ट मीटर उखाड़कर गिजरौली बिजलीघर पहुंच गए, वहां घेराव व प्रदर्शन किया। हंगामे की स्थिति देखकर बिजलीकर्मी मौके से हट गए। वाटर वर्क्स बिजलीघर पर भी लोगों ने इसी मुद्दे को लेकर प्रदर्शन कर नाराजगी जताई। आगरा के छलेसर में भी महिलाओं ने स्मार्ट मीटर फेंक कर सड़क पर प्रदर्शन किया। फिरोजाबाद में ककरऊ कोठी सब स्टेशन पर आसपास के मुहल्लों की काफी संख्या में महिलाएं दोपहर एक बजे नारेबाजी करती हुई पहुंच गईं। आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने लखनऊ, मुरादाबाद, रामपुर, संभल समेत कई जिलों में प्रदर्शन किया। बुंदेलखंड के साथ ही कानपुर के आसपास जिलों में भी स्मार्ट मीटर पर उबाल है। शनिवार को कानपुर देहात में स्मार्ट मीटर से बढ़े बिल को लेकर महिलाओं ने हंगामा किया। फतेहपुर में लोग स्मार्ट मीटर उखाड़ कर इसे लेकर रसूलपुर सानी बिजली उपकेंद्र पर पहुंच गए, जहां जमकर हंगामा हुआ। हमीरपुर में भी ऐसा ही दृश्य देखने को मिला। इससे पहले जालौन, बांदा और चित्रकूट में भी हंगामा हो चुका है।

फिरोजाबाद के गल्ला व्यापारी विजय कुमार गुप्ता ने दुकान के एक दिन का बिल 1716 रुपये आने की शिकायत की है। उनका कहना है कि दुकान पर स्मार्ट मीटर लगा है।

28 अप्रैल को 300 रुपये का बिल जमा किया था। एक मई को स्मार्ट मीटर 13 रुपये बिल दिखा रहा था, दो मई को बिल 1716 रुपये हो गया। एसडीओ लालजी सोनकर ने कहा कि बिल देखने के बाद समस्या का निराकरण किया जाएगा।

शराब घोटाला: छत्तीसगढ़ में ईडी ने नकदी, सोने समेत जब्त की 5.39 करोड़ की संपत्ति

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया • रायपुर: छत्तीसगढ़ में शराब घोटाले में ईडी की छापेमारी में अब तक 5.39 करोड़ की संपत्ति जब्त की गई है। ईडी ने 30 अप्रैल को रायपुर, दुर्ग-भिलाई और बिलासपुर में 13 ठिकानों पर छापा मारा था। जांच एजेंसी द्वारा जारी बयान के अनुसार, यह छापेमारी शराब कारोबारियों, सीए और कार्पोरेट संस्थाओं में की गई। टीम ने तलाशी के दौरान भारी मात्रा में बेहिसाब संपत्ति बरामद की है। इनमें 53 लाख रुपये नकद, लगभग 3.234 किलोग्राम सोने के आभूषण और बुलियन जब्त किए गए। ताजा कार्रवाई में कुल 5.39 करोड़ रुपये की कुल संपत्ति जब्त की गई है। ईडी ने दुर्ग में अमर इंफ्रा के संचालक और भाजपा नेता चतुर्भुज राठी के निवास और दफ्तर, भिलाई में गोविंद मंडल के घर व फैक्ट्री में जांच करने के साथ ही बिलासपुर में सराफा कारोबारी विवेक अग्रवाल के घर और सदर बाजार स्थित श्री राम ज्वेलर्स में छापा मारा था। घोटाले की जांच ईडी और ईओडब्ल्यू दोनों कर रही हैं।

एअर इंडिया बोर्ड की 7 को अहम बैठक, सीईओ व लागत कटौती पर होगी चर्चा

- 2025-26 में एअर इंडिया को 22 हजार करोड़ रुपये से अधिक का घाटा होने का अनुमान, प्रमुख सदस्य भी शामिल होंगे

प्रतीकात्मक

नई दिल्ली, प्रेट्र: टाटा समूह के स्वामित्व वाली एअर इंडिया के बोर्ड की एक महत्वपूर्ण बैठक सात मई को मुंबई में होने जा रही है। टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में एयरलाइन के भविष्य और वित्तीय स्थिति को लेकर कई बड़े फैसले लिए जा सकते हैं।

बैठक में नए सीईओ के चयन पर भी चर्चा होगी। वर्तमान सीईओ कैंपबेल विल्सन इस साल के अंत में पद छोड़ने वाले हैं। बोर्ड उनके उत्तराधिकारी के नाम पर चर्चा करेगा। सूत्रों के अनुसार, सिंगापुर एयरलाइंस के अधिकारियों या किसी यूरोपीय उम्मीदवार को यह जिम्मेदारी दी जा सकती है। 'ज्वाइंट एमडी' के विकल्प पर भी विचार संभव है। वित्त वर्ष 2025-26 में एअर इंडिया को 22 हजार करोड़ रुपये से अधिक का घाटा होने का अनुमान है।

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण रूट लंबे हुए हैं, जिससे ईंधन की खपत और लागत बढ़ी है। एयरलाइन टिकट के साथ मिलने वाले भोजन और बिजनेस क्लास के लिए लाउंज एक्सेस को अलग करने पर विचार कर रही है। इससे यात्रियों को सस्ते किराए का विकल्प मिल सकेगा, लेकिन इन सुविधाओं के लिए अलग से भुगतान करना होगा। इस बैठक में सिंगापुर एयरलाइंस के सीईओ गोह चून फोंग सहित बोर्ड के अन्य प्रमुख सदस्य भी शामिल होंगे।

बिहार में ट्रेन से उतरकर जा रही युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म, दो गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, गया: बिहार में गया-पटना रेलखंड पर बेला और चाकंद स्टेशन के बीच बेलागंज थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर शाम एक युवती के साथ पांच युवकों ने दुष्कर्म किया। मोबाइल लोकेशन के आधार पर दो आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। जहानाबाद जिले की रहने वाली युवती अपने ननिहाल बेलागंज थाना क्षेत्र के एक गांव शुक्रवार शाम ट्रेन से जा रही थी। इसी दौरान बेला और चाकंद स्टेशन के बीच ट्रेन रुक गई। युवती को लगा कि हाल्ट आ गया है और वह ट्रेन से उतर गई। वह रेलवे ट्रैक के किनारे-किनारे जा रही थी कि दो युवकों ने घेर लिया। आरोपित युवती को सुनसान जगह पर ले गए, जहां पहले से कुछ और युवक मौजूद थे। युवकों ने युवती के साथ दुष्कर्म किया। सूचना पर दलबल के साथ पहुंचे बेलागंज थानाध्यक्ष मनोज कुमार पांडेय ने पीड़िता को अस्पताल भेजा। पीड़िता के आवेदन पर अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी कर ली गई है।

कनाडा के सरे में कपिल शर्मा के कैफे के पास फायरिंग

राज्य ब्यूरो, जागरण • चंडीगढ़

- पहले भी कई बार निशाना बनाया जा चुका है 'कैप्स कैफे' को

कनाडा के सरे शहर में शनिवार देर रात कामेडियन कपिल शर्मा के 120 स्ट्रीट इलाके में स्थित 'कैप्स कैफे' के पास फायरिंग की घटना सामने आई। इस बार निशाना कैफे के पास स्थित 'चाय सुट्टा बार' रेस्टोरेंट को बनाया गया। इस पर अज्ञात हमलावरों ने गोलियां चलाईं। फायरिंग के बाद इंटरनेट मीडिया पर 'टायसन बिश्नोई जोरा सिद्ध' नाम के एक व्यक्ति ने पोस्ट साझा कर इस घटना को कपिल शर्मा के लिए चेतावनी बताया। पोस्ट में लिखा गया कि यह हमला एक मैसेज है कपिल शर्मा को लाइन पर आने की धमकी दी गई। साथ ही चेतावनी दी गई कि अगर बात नहीं मानी गई तो अगला निशाना उनका 'कैप्स कैफे' और मुंबई स्थित घर हो सकता है।

घटना की सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी गई है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि हमलावरों की पहचान की जा सके। किसी की गिरफ्तारी की पुष्टि नहीं हुई है। कपिल शर्मा की ओर से भी इस घटना पर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

गौरतलब है कि कपिल शर्मा के कैफे को पहले भी कई बार निशाना बनाया जा चुका है। वर्ष 2025 में 10 जुलाई को उद्घाटन के कुछ ही दिनों बाद पहली बार कैफे पर फायरिंग हुई थी। इसके बाद सात अगस्त को दूसरी और 15-16 अक्टूबर को तीसरी बार गोलीबारी की घटनाएं सामने आई थीं। तीसरे हमले के बाद लारेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े लोगों ने इंटरनेट मीडिया पर इसकी जिम्मेदारी भी ली थी। सूत्रों के अनुसार, गैंग की नाराजगी की एक वजह कपिल शर्मा का अभिनेता सलमान खान के साथ जुड़ाव बताया जा रहा है।

राखीगढ़ी में सोने का लाकेट, मनके व चर्ट बाट मिले, विकसित व्यापार और शिल्प के प्रमाण

सुनील मान • जागरण

- अवशेषों को हड़प्पा काल में आभूषण निर्माण, धातु उपयोग और व्यापारिक व्यवस्था के विकसित होने के प्रमाण के रूप में देखा जा रहा

राखीगढ़ी के टीला नंबर दो पर खोदाई करते हुए टीम। जागरण

नारनौंद (हांसी): हरियाणा में हांसी जिले के राखीगढ़ी में जारी उत्खनन के दौरान सोने का लाकेट, बड़ी संख्या में सोने के मनके और चर्ट पत्थर से बने बाट प्राप्त हुए हैं। इन अवशेषों को हड़प्पा काल में आभूषण निर्माण, धातु उपयोग और व्यापारिक व्यवस्था के विकसित होने के प्रमाण के रूप में देखा जा रहा है। उत्खनन में पहली बार इस प्रकार का लाकेट मिला है, जिसे कीमती पत्थर पर सोने की परत चढ़ाकर तैयार किया गया है। टीला नंबर दो और पांच से मिले मनकों और लाकेट से यह माना जा रहा है कि सोने का उपयोग सीमित नहीं था। खोदाई में रोहरी चर्ट से बने बाट भी मिले हैं, जो वर्तमान पाकिस्तान क्षेत्र में पाए जाते हैं।

इससे यह माना जा रहा है कि उस समय दूरस्थ क्षेत्रों के साथ व्यापारिक संपर्क थे और वस्तुओं के लेन-देन के लिए मानकीकृत तोल प्रणाली प्रचलन में थी। जब बाट का उपयोग होता था तो तराजू भी प्रचलन में रहा होगा। हालांकि, इसके अवशेष अभी नहीं मिले हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार समाज में आर्थिक स्तर का अंतर भी मौजूद था, जहां साधारण वर्ग मिट्टी और शंख के आभूषण उपयोग करता था, वहीं समृद्ध वर्ग सोने और कीमती पत्थरों के आभूषण पहनता था।

टीलों से मिले साक्ष्य यह भी दर्शाते हैं कि यहां आभूषण निर्माण का कार्य किया जाता था। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) की उत्खनन शाखा के अधीक्षण पुरातत्वविद मनोज सक्सेना के अनुसार उत्खनन में सोने का लाकेट और करीब 12 मनके मिले हैं। साथ ही सोना तोलने के लिए चर्ट के बाट भी प्राप्त हुए हैं। इनकी गुणवत्ता जांच के लिए नमूने प्रयोगशाला में भेजे जाएंगे और कुछ नमूने विदेश भी भेजने की तैयारी है।

ट्रांजिट रिमांड बिना हत्या आरोपितों को गिरफ्तार करने पर पुलिस को फटकार

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- अदालत ने पूछा - आरोपितों को बिहार में औपचारिक रूप से गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया और उसे दिल्ली लाने से पहले ट्रांजिट रिमांड क्यों नहीं प्राप्त की गई

ट्रांजिट रिमांड प्राप्त किए बिना हत्या के आरोपितों को बिहार से गिरफ्तार करने पर रोहिणी की मजिस्ट्रेट अदालत ने हैरानी जताते हुए दिल्ली पुलिस को फटकार लगाई है। ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट ने कहा कि अपनाई गई प्रक्रिया कानूनी सुरक्षा उपायों को दरकिनार करने का प्रयास प्रतीत होती है। कोर्ट ने उक्त टिप्पणी दरभंगा से गिरफ्तार मुकेश और अनिल की ट्रांजिट रिमांड की मांग करने वाली दिल्ली पुलिस की याचिका पर सुनवाई के दौरान की। कहा कि प्रक्रिया से अदालत बेहद हैरान है और ऐसा लगता है कि आरोपित को बिहार में पकड़ा गया था और ट्रांजिट रिमांड प्राप्त करने की प्रक्रिया से बचने को दिल्ली लाने तक गिरफ्तारी में देरी की गई।

अदालत ने जांच अधिकारी से संबंधित डीसीपी के माध्यम से यह स्पष्ट करने को कहा कि आरोपित को बिहार में औपचारिक रूप से गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया और उसे दिल्ली लाने से पहले ट्रांजिट रिमांड क्यों नहीं प्राप्त की गई। अदालत ने कहा कि प्रथम दृष्टया यह आचरण केवल जांच एजेंसी की सुविधा के लिए कानून में हेरफेर करने जैसा है। दिल्ली हाई कोर्ट ने अंतरराज्यीय गिरफ्तारी के मामलों में पालन किए जाने वाले व्यापक दिशानिर्देश निर्धारित किए हैं। यह मामला 26 अप्रैल को हुए विवाद के बाद एक व्यक्ति की हत्या से संबंधित है। आरोपित साक्ष्य छिपाने और संबंधित अपराधों में शामिल थे। मुकेश को एक दिन के लिए जेल भेज दिया गया, जबकि अपराध में इस्तेमाल किए गए हथियार की बरामदगी के लिए उसकी पुलिस हिरासत की मांग वाली याचिका लंबित रही।

3.5 करोड़ बैरल तेल का प्रतिदिन उत्पादन किया ओपेक+ देशों ने मार्च के महीने में, जो फरवरी के मुकाबले कम था।

होर्मुज गतिरोध के बीच ओपेक+ देशों ने तेल उत्पादन बढ़ाने पर जताई सहमति

जून से तेल उत्पादन बढ़ाकर वैश्विक बाजार को स्थिर करने की कोशिश

विएना, एपी: होर्मुज जलडमरूमध्य में जारी गतिरोध और पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच तेल उत्पादक देशों के संगठन ओपेक और ओपेक+ ने वैश्विक ऊर्जा बाजार को स्थिर रखने के लिए उत्पादन बढ़ाने पर सहमति जताई है। समूह के प्रमुख उत्पादक देशों ने जून से तेल उत्पादन में बढ़ोतरी करने का निर्णय लिया है, ताकि आपूर्ति संबंधी चिंताओं को कम किया जा सके।

- वैश्विक कीमतें 100 डालर प्रति बैरल के पार, आपूर्ति को लेकर चिंता बरकरार

प्रतीकात्मक

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें पहले ही 100 डालर प्रति बैरल के ऊपर बनी हुई हैं, जिससे वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ा है। ऐसे में उत्पादन बढ़ाने का यह कदम कीमतों को नियंत्रित करने की दिशा में अहम माना जा रहा है।

ओपेक+ से जुड़े सात प्रमुख देशों ने दैनिक उत्पादन में करीब 1.88 लाख बैरल की वृद्धि का संकेत दिया है। साथ ही, बाजार की स्थिति की नियमित समीक्षा के लिए मासिक बैठकों का भी निर्णय लिया गया है। इन देशों का कहना है कि इस बढ़ोतरी से जनवरी 2024 के बाद हुए अतिरिक्त उत्पादन समायोजन की भरपाई की प्रक्रिया को भी गति मिलेगी।

हालांकि, विश्लेषकों का मानना है कि यह कदम प्रतीकात्मक अधिक हो सकता है, क्योंकि समूह के कई देशों का तेल निर्यात बड़े पैमाने पर होर्मुज जलडमरूमध्य पर निर्भर करता है। ईरान द्वारा अमेरिकी नाकेबंदी के विरोध में इस महत्वपूर्ण मार्ग को बाधित किए जाने से आपूर्ति श्रृंखला पर अनिश्चितता बनी हुई है।

ओपेक समूह में सऊदी अरब, इराक, कुवैत, अल्जीरिया और अन्य प्रमुख उत्पादक देश शामिल हैं, जबकि रूस जैसे देश ओपेक+ ढांचे के तहत इस गठबंधन के साथ समन्वय करते हैं। ईरान भी ओपेक का सदस्य है।

गौरतलब है कि ओपेक वैश्विक कच्चे तेल उत्पादन का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा नियंत्रित करता है, जिससे उसकी नीतियों का सीधा असर अंतरराष्ट्रीय कीमतों पर पड़ता है।

ओपेक+ के सबसे बड़े उत्पादक सऊदी अरब ने संकेत दिया है कि वह अपने उत्पादन स्तर को बढ़ाकर लगभग एक करोड़ बैरल प्रतिदिन तक ले जाने की योजना पर काम कर रहा है। वर्तमान में उसका उत्पादन इससे कम स्तर पर है।

आंकड़ों के अनुसार, ओपेक+ देशों का कुल उत्पादन मार्च में लगभग 3.5 करोड़ बैरल प्रतिदिन रहा, जो फरवरी के मुकाबले कम था। समूह के सात प्रमुख देशों की अगली बैठक सात जून को प्रस्तावित है, जिसमें आगे की रणनीति पर विचार किया जाएगा।

ईरान ने कहा, अब अमेरिका को करना है फैसला- कूटनीति या टकराव

प्रथम पृष्ठ से आगे

ट्रंप ने चेताया कि अगर ईरान दुर्व्यवहार करता है तो कड़ी कार्रवाई की जा सकती है और सैन्य विकल्प अभी भी खुले हैं। क्षेत्रीय हालात भी नाजुक बने हुए हैं। ईरान के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने इसे स्थायी समाधान की दिशा में कदम बताते हुए कहा कि अब फैसला अमेरिका को करना है- कूटनीति या टकराव। वहीं रिवोल्यूशनरी गार्ड ने कहा, अमेरिका को असंभव युद्ध व खराब समझौते में से चुनना होगा। सूत्रों के मुताबिक, दोनों देशों के बीच सबसे बड़ा मतभेद ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर है। अमेरिका शुरुआत में ठोस आश्वासन चाहता है, जबकि ईरान पहले प्रतिबंधों में राहत की मांग कर रहा है।

इस बीच ईरानी संसद के उपाध्यक्ष अली निकजाद ने हम होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर युद्ध-पूर्व स्थिति में लौटने को तैयार नहीं है। होर्मुज ईरान का है और अन्य देशों के जहाज टोल देकर गुजर सकते हैं, जबकि अमेरिका-इजरायली जहाजों पर रोक रहेगी।

परमाणु मुद्दे पर इटली ने ईरान को चेताया

एपी के अनुसार, ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने पश्चिम एशिया में जारी गतिरोध को लेकर ओमान व इटली के अपने समकक्षों से बात की। ओमान के विदेश मंत्री बद्र अल बुसाइदी ने अराघची के साथ अमेरिका-ईरान शांति वार्ता की समीक्षा की। वहीं, इटली के विदेश मंत्री एंटोनियो ताजानी ने अराघची से फोन पर वार्ता के बाद कहा, इटली के लिए ईरान का सैन्य परमाणु कार्यक्रम रेड लाइन है। इससे क्षेत्र में परमाणु हथियारों की होड़ बढ़ेगी। उन्होंने हिजबुल्ला को इजरायल पर हमले रोकने के लिए ईरान के प्रभाव के इस्तेमाल पर भी जोर दिया।।

ट्रंप के 'समुद्री डकैती वाले बयान पर ईरान नाराज : रायटर के अनुसार, ईरान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान की तीखी निंदा की है, जिसमें उन्होंने ईरानी जहाजों को जब्त करने की कार्रवाई को "समुद्री डकैती" जैसा बताया। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने 'एक्स' पर लिखा, यह कोई जुबानी चूक नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानून के उल्लंघन की खुली स्वीकारोक्ति है। अमेरिका का यह रवैया वैश्विक समुद्री नियमों के लिए गंभीर खतरा है और इसे सामान्य नहीं बनने दिया जा सकता। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र, उसके सदस्य देशों से अपील की कि ऐसे स्पष्ट उल्लंघनों को सख्ती से खारिज किया जाए। ज्ञात हो, ट्रंप ने फ्लोरिडा में एक कार्यक्रम में कहा था कि अमेरिकी नौसेना ने ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी के दौरान "समुद्री लुटेरों की तरह" काम किया। जहाज, उसका माल व तेल अपने कब्जे में लिया। उन्होंने इसे काफी लाभदायक बताया।

होर्मुज स्ट्रेट के पास जहाज पर हमला, क्रू सदस्य सुरक्षित : होर्मुज स्ट्रेट में एक मालवाहक जहाज पर हमले की सूचना सामने आई है। हालांकि, जहाज पर सवार चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं।

पांच हजार सैनिक वापस बुलाने की घोषणा के बाद डोनाल्ड ट्रंप बोले

जर्मनी से बड़ी संख्या में अमेरिकी सैनिकों को वापस बुलाया जाएगा

जर्मनी बोला, सैन्य तैनाती से हमें ही नहीं अमेरिका को भी फायदा

वाशिंगटन, एपी : अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि जर्मनी से बड़ी संख्या में अमेरिकी सैनिक कम किए जाएंगे। ट्रंप का यह बयान जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज से तनातनी और उसके परिणामस्वरूप पांच हजार अमेरिकी सैनिकों की जर्मनी से वापसी की अमेरिका की घोषणा के बाद आया है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका के नेतृत्व वाले सैन्य संगठन उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के सदस्य जर्मनी में 36 हजार से ज्यादा अमेरिकी सैनिक तैनात हैं। यूक्रेन युद्ध के बीच रूस के नजदीक स्थित ठिकानों से अमेरिकी सैनिकों की वापसी जर्मनी के लिए चिंता का विषय बन गई है।

डोनाल्ड ट्रंप। फाइल

बोरिस पिस्टोरियस। फाइल

अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन ने शनिवार को जर्मनी से पांच हजार सैनिक बुलाने की घोषणा की थी। जर्मनी में किसी अन्य नाटो देश की तुलना में सर्वाधिक अमेरिकी सैनिक तैनात हैं और 2022 में रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध शुरू होने के बाद खतरे को देखते हुए वहां पर अमेरिका ने सैनिकों की संख्या बढ़ाई थी, लेकिन ईरान के साथ युद्ध में जर्मनी के सहयोग न देने से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जर्मनी से नाराज हो गए हैं। सप्ताहांत पर फ्लोरिडा स्थित पाम बीच पहुंचे ट्रंप ने कहा, हम बड़ी संख्या में सैनिक वापस बुलाएंगे, यह संख्या पांच हजार से ज्यादा की होगी।

जवाब में जर्मनी के रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियस ने कहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप जिस तरह की धमकियां दे रहे थे उनके मद्देनजर अमेरिकी सैनिक वापस बुला जाने की आशंका पहले से थी। इसलिए अब समय आ गया है कि यूरोपीय देश अपनी सुरक्षा के लिए ज्यादा जिम्मेदारी उठाएं।

उन्होंने कहा कि अटलांटिक महासागर क्षेत्र में सैन्य सहयोग केवल यूरोपीय देशों के लिए ही फायदेमंद नहीं है बल्कि इसमें अमेरिका का लाभ भी निहित है। इसी प्रकार से यूरोप और खासतौर से जर्मनी में अमेरिकी सैनिकों की मौजूदगी केवल जर्मनी के लिए फायदेमंद नहीं है उसमें अमेरिका का भी फायदा है। यह बात अमेरिका के ज्यादातर लोग जानते हैं। इससे अमेरिका को प्रतिरोधी ताकत मिलती है।

उल्लेखनीय है कि ईरान पर इजरायल और अमेरिकी की सैन्य कार्रवाई का जर्मनी ने खुलकर समर्थन नहीं किया है।

चीनी कंपनी की चेतावनी पर पाक ने गधे के मांस के निर्यात को मंजूरी दी

कराची, प्रेट्र: पाकिस्तान ने चीन को गधे के मांस के निर्यात के लिए मंजूरी दे दी है। दरअसल, एक चीनी कंपनी ने चेतावनी दी थी कि अगर ऐसा नहीं किया गया तो वह पाकिस्तान में अपना परिचालन बंद कर सकती है। इसके बाद प्रधानमंत्री कार्यालय को हस्तक्षेप करना पड़ा। दरअसल यह विवाद ग्वादर में स्थित हैंगेंग ट्रेड कंपनी से जुड़ा है। गधे के मांस के निर्यात की मंजूरियों में महीनों की देरी हो रही थी, जिससे पाकिस्तान में विदेश समर्थित परियोजनाओं को प्रभावित करने वाली नौकरशाही संबंधी कठिनाइयों पर सवाल उठ रहे थे। सरकार का यह निर्णय प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की इस महीने के अंत में एक निवेश मंच के लिए होने वाली चीन की यात्रा की चर्चाओं के बीच आया है। उल्लेखनीय है कि 'हैंगेंग ट्रेड कंपनी' बूचड़खाना चलाती है तथा गधे का मांस और चमड़ा चीन को निर्यात करती है। उल्लेखनीय है कि चीन में गधे के मांस का उपयोग पारंपरिक औषधि बनाने में किया जाता है। इसके अलावा वहां मीट बर्गर' भी बनाया जाता है, जिसे लोग बड़े चाव से खाते हैं। आहार विशेषज्ञों का कहना है कि गधे के मांस में प्रोटीन की मात्रा काफी उच्च (लगभग 23.56 ग्राम/100 ग्राम) होती है। यह भी माना जाता है कि गधे के मांस खाने से व्यक्ति की यौन क्षमता और शारीरिक शक्ति बढ़ती है।

एफ-35 और एफ-15आइए लड़ाकू विमान खरीदेगा इजरायल

- पूर्व तैयारी को और पुख्ता करने की योजना का पहला कदम
- अपने अत्याधुनिक विमान भी विकसित करेगा इजरायल

घातक लड़ाकू विमानों में से एक है एफ-35। फाइल/एएफपी

यरुशलम, रायटर: इजरायल की मंत्रिमंडलीय खरीद समिति ने लाकहीड मार्टिन और बोइंग से एफ-35 और एफ-15आइए उन्नत लड़ाकू विमानों के दो नए स्क्वाड्रन खरीदने की योजना को अंतिम मंजूरी दे दी है। यह सौदा कई अरब डालर का है।

रक्षा मंत्रालय ने बताया कि यह सौदा इजरायल की सेना को मजबूत करने एवं पूर्व तैयारी को और पुख्ता करने की 119 अरब डालर की योजना का पहला कदम है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि बढ़े हुए रक्षा बजट का अधिकतर हिस्सा इजरायल में ही गोला-बारूद बनाने पर खर्च होगा, ताकि अन्य देशों पर निर्भर न रहना पड़े। उन्होंने कहा कि खरीदे जा रहे विमान इजरायल की जबर्दस्त हवाई श्रेष्ठता को और मजबूत करेंगे। साथ ही बताया कि इजरायल अपने अत्याधुनिक विमान भी विकसित करेगा।

रक्षा मंत्रालय ने आगे कहा कि नई स्क्वाड्रन सेना के लंबी अवधि के सैन्य विकास की नींव का काम करेंगी, जिससे क्षेत्रीय खतरों से निपटा जा सकेगा और इजरायल की रणनीतिक हवाई श्रेष्ठता बनी रहेगी।

मंत्रालय के महानिदेशक अमीर बाराम ने इजरायल रक्षा बलों (आइडीएफ) का जिक्र करते हुए कहा, "युद्ध के समय की तत्काल खरीद जरूरतों के साथ-साथ हमारी यह भी जिम्मेदारी है कि हम अभी से ऐसे कदम उठाएं, जिनसे 10 वर्षों और उसके बाद भी आइडीएफ की सैन्य बढ़त बनी रहे।" उन्होंने कहा कि ईरान के साथ हाल ही में हुए युद्ध ने इस बात को और पुख्ता कर दिया है कि अमेरिका-इजरायल के रणनीतिक संबंध कितने अहम हैं और उन्नत हवाई शक्ति कितनी जरूरी है। ज्ञात हो इजरायल ने हमास आतंकियों के हमले के बाद फलस्तीन के खिलाफ सैन्य कार्रवाई शुरू की थी, जो लंबे तक चली। इसके बाद इजरायल ने ईरान के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। साथ ही सीरिया और लेबनान पर भी हमले शुरू कर दिए।

पाकिस्तान में दो हिंदुओं ने संघीय सिविल सेवा में पाई सफलता

इस्लामाबाद, प्रेट्र : पाकिस्तान में दो हिंदुओं ने संघीय सिविल सेवा (सीएसएस) में सफलता हासिल की है। संघीय लोक सेवा आयोग का परिणाम गुरुवार को घोषित किया गया। सफल 170 उम्मीदवारों में सिंध प्रांत के जीवन रेबारी और खेम चंद जंदोरा शामिल थे। जीवन रेबारी की सफलता इसलिए भी खास है, क्योंकि उन्होंने अल्पसंख्यक कोटा का सहारा नहीं लिया, बल्कि सामान्य योग्यता के आधार पर सफलता हासिल की। उल्लेखनीय है कि 38 लाख की कुल आबादी के साथ हिंदू पाकिस्तान का सबसे बड़ा अल्पसंख्यक समुदाय है, जो अधिकतर सिंध प्रांत में रहता है।

पाकिस्तान की संघीय सिविल सेवा में अल्पसंख्यकों का प्रतिनिधित्व ऐतिहासिक रूप से कम है। देश भर से 12,792 लोगों ने लिखित परीक्षा दी थी, जिनमें से 355 उत्तीर्ण हुए और अंतिम चयनित उम्मीदवारों की संख्या 170 रही। ब्रिटिश ब्राडकास्टिंग सर्विस (बीबीसी) की एक रिपोर्ट के अनुसार, सिंध प्रांत के निवासी खेम चंद के माता-पिता को बेटे की शिक्षा के लिए गहने बेचने पड़े, जबकि जीवन रेबारी आर्थिक रूप से काफी कमजोर हैं। इसके बावजूद उन्होंने इस परीक्षा के लिए अपना सब कुछ झोंक दिया। हालात इतने खराब थे कि संसाधनों की कमी के कारण जीवन ने एक गुरुद्वारे में शरण लेकर लंगर से अपनी जरूरतों को पूरा किया।

खैबर पख्तूनखा में सिपाही की घर के पास गोली मारकर हत्या

इस्लामाबाद, आइएएनएस : पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के लक्की मारवत में रविवार को एक पुलिस कांस्टेबल की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि सशस्त्र हमलावरों ने कांस्टेबल इरफानुल्लाह को उनके घर के पास निशाना बनाया। पेशावर में तैनात यह पुलिसकर्मी छुट्टी पर अपने पैतृक गांव आया हुआ था। यह घटना पाकिस्तान में, विशेष रूप से सीमावर्ती प्रांतों बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में, कानून प्रवर्तन कर्मियों को निशाना बनाकर किए जा रहे हमलों में वृद्धि के बीच हुई है।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले शुक्रवार को खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बन्नू शहर में हथियारों से लैस हमलावरों द्वारा पुलिसकर्मियों के एक वाहन पर राकेट से हमला किया था, जिसमें एक पुलिस कांस्टेबल की मौत हो गई थी और दो अन्य कर्मी घायल हो गए थे।

यूक्रेन ने रूस के प्रिमोर्स्क बंदरगाह को बनाया निशाना

मास्को, रायटर : यूक्रेन ने रविवार को रूस के कई हिस्सों में ड्रोन हमले किए। इन हमलों में बाल्टिक सागर के तट पर बना प्रिमोर्स्क बंदरगाह निशाना बना और वहां पर आग लग गई। यूक्रेन के ड्रोन हमलों में कई रूसी जहाज भी निशाना बने हैं। मास्को के बाहरी इलाके तक पहुंचे यूक्रेनी ड्रोन से एक व्यक्ति की मौत हुई है। जबकि बेलगोरोद में कार पर ड्रोन हमले में पिता और पुत्र मारे गए हैं।

यूक्रेन पिछले दो महीने से रूस के ऊर्जा ढांचे को लगातार निशाना बना रहा है। रविवार के हमले में भी रूस के प्रिमोर्स्क बंदरगाह को नुकसान हुआ है जहां से अन्य देशों के लिए तेल का निर्यात होता था। ड्रोन हमले में बंदरगाह में आग लग गई लेकिन क्षेत्रीय गवर्नर एलेक्जेंडर ड्रोजडेंको ने दावा किया है कि वहां लगी आग बुझा ली गई है। उससे पहले बंदरगाह क्षेत्र में यूक्रेन के 60 हमलावर ड्रोनों को मार गिराया गया। जबकि यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि यूक्रेनी हमले से बंदरगाह के टर्मिनल को भारी नुकसान हुआ है। हमले में रूस का एक आयल टैंकर, एक युद्धपोत और एक गश्ती जहाज भी निशाना बने हैं। जेलेंस्की ने कहा, इस तरह के सभी हमलों से रूस की युद्धक क्षमता कम होती है जो यूक्रेन के लिए फायदेमंद है।

- ड्रोन हमले से आग लगी, प्रतिदिन 10 लाख बैरल तेल का होता था निर्यात
- मास्को क्षेत्र और बेलगोरोद में यूक्रेनी हमलों में तीन लोग मारे गए

रूस का प्रिमोर्स्क बंदरगाह। फाइल

प्रिमोर्स्क बंदरगाह रूस के निर्यात करने वाले सबसे बड़े ठिकानों में से एक है। यहां से प्रतिदिन 10 लाख बैरल तेल का निर्यात होता है। हाल के महीनों में इस बंदरगाह पर यूक्रेन ने कई बार ड्रोन हमले किए और उसे नुकसान भी पहुंचाया है।

राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि यूक्रेन के जांबाज सैनिकों ने काला सागर तट पर बने रूस के नोवोरोसियस्क बंदरगाह पर लंगर डाले दो तेल टैंकरों पर भी हमला कर उन्हें नुकसान पहुंचाया है। जेलेंस्की ने कहा है कि यूक्रेन की दूर तक मार करने की क्षमता लगातार विकसित हो रही है। इस क्षमता से वह समुद्र, आकाश और जमीन पर रूस को नुकसान पहुंचा रहा है।

रूसी राष्ट्रपति क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा है कि रूसी तेल ठिकानों को यदि इसी तरह से निशाना बनाया जाता रहा तो विश्व बाजार में तेल की कीमत बढ़ती रहेगी और उसका खामियाजा वैश्विक अर्थव्यवस्था को उठाना पड़ेगा। इस समय बाजार में कच्चे तेल की कीमत 120 डालर प्रति बैरल से ज्यादा हो चुकी है।

ईरान ने दंगों में सुरक्षा अधिकारी की हत्या के दोषी को दी फांसी

दुबई, रायटर : ईरान ने एक सुरक्षा अधिकारी की हत्या में संलिप्तता के दोषी व्यक्ति को फांसी दे दी। सुप्रीम कोर्ट ने 2025 के अंत में उसकी सजा को बरकरार रखा था। जिस शख्स को फांसी दी गई उसकी पहचान मेहराब अब्दुल्लाजादेह के रूप में हुई है। उसे सुरक्षा अधिकारी अब्बास फातेमियेह की मौत के लिए जिम्मेदार माना गया, जिसकी हत्या 2022 में महसा अमिनी की पुलिस हिरासत में मौत से भड़के राष्ट्रव्यापी विरोध आंदोलन के दौरान हुई थी। समाचार एजेंसी ने बताया कि शख्स ने सुरक्षा अधिकारी पर हमला करने की बात कबूल की थी। हालांकि, एक मानवाधिकार समूह ने सूत्र के हवाले से बताया कि अब्दुल्लाजादेह को जबरन कबूलनामा करवाने के लिए यातनाएं दी गई थीं। ज्ञात हो, ईरान में 2022 के बाद सरकार के खिलाफ लोगों ने काफी दिनों तक प्रदर्शन किए।

नाइजीरिया में फर्टिलिटी फेस्टिवल में महिलाओं का यौन उत्पीड़न

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली

नाइजीरिया में प्रजनन उत्सव (फर्टिलिटी फेस्टिवल) को लेकर दुनियाभर में इंटरनेट मीडिया पर जबर्दस्त गुस्सा देखने को मिल रहा है, जब उत्सव के ऐसे वीडियो सामने आए जिनमें सड़कों पर महिलाओं का पीछा किया गया और कथित तौर पर पुरुषों के समूहों ने उनका यौन उत्पीड़न किया गया। कुछ लोगों ने इसे "रेप फेस्टिवल" करार दिया है।

नाइजीरिया में ये घटनाएं मार्च में डेल्टा राज्य में 'अलुए-डो' फेस्टिवल के दौरान हुई थी। यह उत्सव प्रजनन से जुड़ा है और ओरामुडू समुदाय द्वारा मनाया जाता है। फ्रांस 24 के अनुसार, उत्सव का माहौल तब बेहद खराब हो गया जब सार्वजनिक जगहों पर पुरुषों ने महिलाओं का पीछा शुरू कर दिया। कुछ महिलाओं ने आरोप लगाया कि उनके कपड़े फाड़ दिए गए या जबरदस्ती उतार दिए गए। इसके बाद सार्वजनिक रूप से उनका यौन उत्पीड़न किया गया। इस दौरान आस-पास लोग मौजूद थे। कुछ लोग इन घटनाओं को रोकने के बजाय चिल्ला रहे थे। बताया जाता है कि पीड़िताओं में कई विश्वविद्यालय की छात्राएं हैं और कुछ को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया।

- दुनिया भर में गुस्सा, इंटरनेट मीडिया पर लोगों ने इसे बताया रेप फेस्टिवल
- लाखों बार देखे जा चुके हैं उत्सव में हैवानियत की इन घटनाओं के वीडियो

न्यूयार्क पोस्ट के अनुसार, इन घटनाओं के वीडियो फेसबुक, इंस्टाग्राम और एक्स पर लाखों बार देखे जा चुके हैं। कई व्यूयर्स न केवल इस खुली हिंसा को देखकर हैरान हैं, बल्कि इस बात से भी कि इसे बिना रोक-टोक के कैसे अंजाम दिया गया। पुलिस ने कहा, कई संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया गया है, जिनमें एक स्थानीय समुदाय का नेता व चार युवक शामिल हैं।

राष्ट्रीय फलक

पांच साल के प्रयास के बाद आस्ट्रेलिया से लौटै 11 पुरावशेष

वी के शुक्ला • जागरण

नई दिल्ली: भारत अपनी सांस्कृतिक जड़ों को मजबूती देने और विदेश में तस्करी कर ले जाई गई प्राचीन अमूल्य धरोहरों को वापस लाने में ऐतिहासिक सफलता हासिल कर रहा है। पिछले एक दशक में देश की मजबूत कूटनीति के कारण अनेक प्राचीन मूर्तियां और कलाकृतियां अपने देश लौट आई हैं। ताजा मामले में आस्ट्रेलिया से 11 पुरावशेष लौटे हैं। इनमें करीब 2500 साल पुराने तीन पुरावशेष भी शामिल हैं। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के पुराना किला स्थित कार्यालय में इन पुरावशेषों को रखा गया है। इन्हें वापस लाने के लिए पांच साल से प्रयास चल रहे थे। इन्हें मिलाकर 2014 से अब तक कुल 642 से अधिक प्राचीन कलाकृतियां और मूर्तियां विदेश से वापस लाई जा चुकी हैं। इनमें से अकेले 2020 से 2024 के बीच ही 610 धरोहरें वापस लौटी हैं।

2014 से अब तक कुल 642 से अधिक प्राचीन धरोहर विदेश से वापस लाई गईं

बुद्ध की प्रतिमा का मस्तक

आस्ट्रेलिया से आए ये पुरावशेष

- एक पंख वाले देवता
- ढोल बजाती महिला
- मजीरा बजाती महिला
- भूदेवी (पृथ्वी की देवी)
- देवता
- बोधिसत्व
- मंदिर के रथ के दो ब्रैकेट
- परिवार के मुखिया की आकृति
- बुद्ध की प्रतिमा का मस्तक
- अप्सरा का मस्तक

20वीं सदी के शुरुआत की लकड़ी पर बनी देवता की आकृति

आस्ट्रेलिया स्थित भारतीय उच्चायोग के माध्यम से जिन 11 पुरावशेषों की हालिया वापसी हुई है, इसमें से आठ वहां कैनबरा संग्रहालय की नेशनल गैलरी से और तीन न्यू साउथ वेल्स स्थित आर्ट गैलरी से वापस लाए गए हैं। इनमें शुंग काल यानी आज से लगभग 2500 साल पहले की बनी टेराकोटा की एक पंख वाले देवता की मूर्ति भी शामिल है। शुंग काल की ही ढोल और मजीरा बजाती महिलाओं की दो आकृतियां भी वापस आई हैं। इसी तरह भूदेवी (पृथ्वी की देवी) की मूर्ति है, जो लगभग 800 ईसवी के आसपास की है। 20वीं सदी की शुरुआत की लकड़ी और पेंट से बनी देवता की एक मूर्ति शामिल है। इसी समय के लकड़ी से बने मंदिर के रथ को सजाने के लिए लगाए जाने वाले दो ब्रैकेट शामिल हैं। इन्हें लकड़ी पर नक्काशीदार तरीके से बनाया गया है। जटिल रूप से नक्काशीदार टुकड़े भारतीय मंदिर वास्तुकला के उदाहरण हैं, जिन्हें विशेष रूप से उत्सवों के दौरान उपयोग किए जाने वाले लकड़ी के रथों को सजाने और सहारा देने के लिए बनाया गया था। इसी प्रकार 11वीं शताब्दी का पत्थर से निर्मित बोधिसत्व और पत्थर से ही बना छठवीं शताब्दी का बुद्ध की प्रतिमा का मस्तक और 12वीं शताब्दी का पत्थर का बना अप्सरा का मस्तक भी आस्ट्रेलिया से वापस आने वाले पुरावशेषों में शामिल है।

आपरेशन सिंदूर से लेकर प्राकृतिक आपदाओं में भी सशस्त्र बलों के लिए 'राष्ट्र प्रथम' : राजनाथ

जागरण संवाददाता, प्रयागराज

संगम नगरी रविवार शाम भक्ति, शक्ति और देशभक्ति के एक ऐसे अनूठे संगम की साक्षी बनी, जिसने हर किसी को मंत्रमुग्ध कर दिया। अरैल घाट पर आयोजित 'सांस्कृतिक शौर्य संगम' में जब सेना के बैंड की ओजस्वी धुनें गूंजीं तो रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भावविभोर हो उठे। उन्होंने कहा, हमारे सशस्त्र बलों का शौर्य सिर्फ युद्ध के मैदान तक सीमित नहीं है, बल्कि 'आपरेशन सिंदूर' जैसे अभियानों व प्राकृतिक आपदाओं में भी वे 'राष्ट्र प्रथम' के संकल्प संग सबसे पहले सेवा के लिए खड़े होते हैं।

'नार्थ टेक सिम्पोजियम-2026' के आगाज से पूर्व रविवार शाम आयोजित इस सांस्कृतिक संध्या में थल सेनाध्यक्ष उपेंद्र द्विवेदी और राज्य के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी भी उपस्थिति रहे। देश के प्रतिष्ठित कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति दी। पद्मश्री मालिनी अवस्थी ने अपनी गायकी से राष्ट्र प्रेम और माटी की खुशबू को जीवंत कर दिया। वहीं, कथक सम्राट पंडित बिरजू महाराज के सुपुत्र और उनके दल की प्रस्तुति ने भारतीय शास्त्रीय नृत्य की भव्यता का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के अंत में रक्षा मंत्री ने कलाकारों को सम्मानित भी किया। सोमवार को न्यू कैंट के कोबरा आडिटोरियम में रक्षा मंत्री सिम्पोजियम का औपचारिक उद्घाटन करेंगे, जहां 284 कंपनियां स्वदेशी रक्षा उपकरणों का प्रदर्शन करेंगी।

राजनाथ सिंह। फाइल

कहा, 'रक्षा कुंभ' न सिर्फ सैन्य शक्ति का प्रदर्शन, बल्कि आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम

‘गर्लफ्रेंड कल्चर’ पर सख्त नियम बनाने की तैयारी कर रहा बीसीसीआइ

दैनिक जागरण एक्सक्लूसिव

अभिषेक त्रिपाठी ● जागरण

- कई क्रिकेटर अपनी गर्लफ्रेंड के साथ आइपीएल में आ रहे हैं नजर
- किसी बड़ी चूक से पहले ही नियम बनाना चाहता है बीसीसीआइ
- अंदर की चीजों के बाहर जाने का खतरा बढ़ गया

हार्दिक पांड्या और महिका ● एक्स

अर्शदीप सिंह और समरीन कौर ● एक्स

यशस्वी और मैडी हेमिल्टन ● एक्स

नई दिल्ली: भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ‘गर्लफ्रेंड कल्चर’ में फंसे भारतीय क्रिकेट को बचाने के लिए जल्द ही सख्त नियम बनाने की तैयारी में है। आइपीएल के मौजूदा सीजन में जहां मैदान पर रोमांच अपने चरम पर है, वहीं मैदान के बाहर खिलाड़ियों की निजी जिंदगी भी सुर्खियों में बनी हुई है। स्टार आलराउंडर हार्दिक पांड्या, तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह, युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल, इशान किशन समेत कई खिलाड़ियों के साथ उनकी गर्लफ्रेंड की मौजूदगी चर्चा का विषय बनी हुई है। इनमें से कई बस से लेकर टीम होटल तक खिलाड़ियों के साथ नजर आती हैं। कई अंजान खिलाड़ी भी अपनी गर्लफ्रेंड के साथ घूम रहे हैं। कुछ होटल में खिलाड़ियों के साथ भी रह रही हैं तो कुछ उनके मैच को देखने के लिए उस शहर में होती हैं, और बाद में दोनों के बीच कुछ देर मुलाकात होती है। इसमें कई ऐसी इंफ्लूएंसर हैं जो पहले बेटिंग (सट्टेबाजी) वेबसाइट को भी प्रमोट कर चुकी हैं। हाल ही में आइपीएल के कई खिलाड़ियों पर उनकी महिला मित्रों ने पुलिस केस भी किए हैं।

बीसीसीआइ के एक पदाधिकारी ने कहा कि हम इस पर आपस में चर्चा कर रहे हैं। बीसीसीआइ की अगली बैठक में इस पर बात होगी। पत्नी और परिवार के लोगों के खिलाड़ियों के साथ होटल में रुकने में कोई दिक्कत नहीं है लेकिन गर्लफ्रेंड के मामले में थोड़ा गंभीर होना पड़ेगा।

बीसीसीआइ ने आस्ट्रेलिया में पिछली टेस्ट सीरीज हारने के बाद क्रिकेटरों पर सख्त नियम लागू किए थे, जिसमें पार्टनर और बच्चे (18 वर्ष से कम) 45 दिनों से ज्यादा के विदेशी दौरों पर दो सप्ताह तक साथ रह सकते हैं। इस बारे में बीसीसीआइ के अधिकारी ने कहा कि हमने ये नियम बनाया था, आइपीएल को लेकर भी कुछ करना होगा। पहले आइपीएल में गर्लफ्रेंड को खिलाड़ियों के होटल में रुकने की अनुमति नहीं थी लेकिन अब ये ट्रेंड बन गया है। अधिकारी ने कहा कि मैंने आइपीएल के एक एंटी करप्शन यूनिट के अधिकारी से इस बारे में बात की तो उन्होंने बताया कि हमें पत्नी और ‘आफिशियली एनाउंस गर्लफ्रेंड’ को साथ में रुकने की अनुमति देने को कहा गया है। इस पर बीसीसीआइ अधिकारी ने हैरानी जताते हुए एसीयू अधिकारी से पूछा कि ये आफिशियली एनाउंस गर्लफ्रेंड का नियम कहां से आया तो एसीयू अधिकारी ने कहा कि सर हम तो ऐसे ही कर रहे हैं। इतना तय है कि अब गर्लफ्रेंड के साथ रुकने या न रुकने को लेकर बीसीसीआइ सख्त नियम लाएगा। आइपीएल के अगले सत्र में ये नियम लागू भी होगा। भारतीय टीम के साथ ये लागू होगा या नहीं होगा ये देखना होगा। हालांकि अधिकारी का कहना है कि भारतीय टीम के साथ भी ये लागू करना होगा। बीसीसीआइ के एक अन्य सूत्र ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय दौरों पर भारतीय टीम के साथ व्यवस्थाएं पूरी तरह बोर्ड के नियंत्रण में होती हैं, जहां एंटी करप्शन यूनिट (एसीयू) की निगरानी बेहद सख्त रहती है लेकिन आइपीएल में 10 अलग-अलग फ्रेंचाइजी टीमों के चलते यह नियंत्रण अपेक्षाकृत कमजोर पड़ जाता है, जिससे निगरानी चुनौतीपूर्ण हो जाती है। आइपीएल टीमों का संचालन निजी हाथों में होता है और इसमें बीसीसीआइ की भूमिका बेहद सीमित या न के बराबर हो जाती है। इसलिए क्रिकेटरों के साथ उनकी गर्लफ्रेंड या परिवार भी पूरे आइपीएल के दौरान उनके साथ रहते हैं। मौजूदा समय में कई खिलाड़ियों की गर्लफ्रेंड्स को टीम के साथ यात्रा करते और होटल में ठहरते देखा गया है। कुछ मामलों में तो यह भी सामने आया है कि टीम बस उनके इंतजार में रुकी रहती है, जो टीम अनुशासन के लिहाज से सही नहीं माना जा रहा। बोर्ड के भीतर यह चिंता भी जताई जा रही है कि इस तरह की ढील से टीम के माहौल और प्रोफेशनलिज्म पर असर पड़ सकता है। कुछ खिलाड़ियों की गर्लफ्रेंड्स इंटरनेट मीडिया इंफ्लूएंसर हैं। ऐसे में अंदरुनी सूचनाओं के बाहर जाने का खतरा भी बढ़ जाता है, जो खेल की साख और पारदर्शिता के लिए गंभीर चुनौती बन सकता है।

बीसीसीआइ से जुड़े सूत्रों का मानना है कि यदि इस पर समय रहते सख्ती नहीं की गई, तो भविष्य में बड़े विवाद खड़े हो सकते हैं। इसलिए या तो एंटी करप्शन तंत्र को और मजबूत किया जाए या फिर ऐसे लोगों की टीम के साथ मौजूदगी पर स्पष्ट रूप से रोक लगाई जाए। आइपीएल जैसे बड़े और हाई-प्रोफाइल टूर्नामेंट में खिलाड़ियों के साथ कौन रह सकता है और कौन नहीं, इस पर कड़े नियम बनाने की जरूरत महसूस की जा रही है।

नाइटराइडर्स ने रोकी सनराइजर्स की उड़ान

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली: कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) ने रविवार को खेल के हर विभाग में उम्दा प्रदर्शन करते हुए सनराइजर्स हैदराबाद को उसी के घर पर सात विकेट सेहराकर न सिर्फ लगातार तीसरी जीत दर्ज की, बल्कि सनराइजर्स का पांच मैचों से चला आ रहा विजयी क्रम भी तोड़ दिया। इस जीत के नायक रहे वरुण चक्रवर्ती और सुनील नारायण जिन्होंने अपनी गेंदबाजी से सनराइजर्स को 165 रन के स्कोर पर रोका। इसके बाद कप्तान अंजिक्य रहाणे (43) और अंगकृष रघुवंशी (59) ने दूसरे विकेट के लिए 84 रन की साझेदारी कर टीम को आसान जीत दिलाई। इस मुकाबले में जहां हैदराबाद की बल्लेबाजी शुरुआत के बाद लड़खड़ा गई तो केकेआर के गेंदबाजों ने अनुशासन और रणनीति के साथ मैच पर पकड़ बनाए रखी। वरुण और नारायण की स्पिन जोड़ी ने साबित कर दिया कि टी-20 जैसे बल्लेबाजों के खेल में भी स्पिनर मैच जिताने की ताकत रखते हैं।

वरुण चक्रवर्ती ● प्रेट्र

हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में पहले बल्लेबाजी करते हुए हैदराबाद की टीम ने आक्रामक शुरुआत की। पावरप्ले में एक विकेट पर 77 रन और 10 ओवर में दो विकेट पर 107 रन बनाकर सनराइजर्स की टीम बड़े स्कोर की ओर बढ़ती दिख रही थी। आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने 28 गेंदों में 61 रन की तेजतर्रार पारी खेली और लगातार दूसरा अर्धशतक जड़ा। उन्हें इशान किशन (42) का अच्छा साथ मिला। हालांकि जैसे ही हेड नौवें ओवर की आखिरी गेंद पर आउट हुए हैदराबाद की पारी पूरी तरह बिखर गई। टीम ने आखिरी 10 ओवर में महज 60 रन जोड़ते हुए नौ विकेट गंवा दिए। यह इस सीजन पहली बार था जब हैदराबाद की टीम आलआउट हुई। केकेआर के लिए वरुण (3/36) ने लगातार चौथे मैच में दो या उससे अधिक विकेट लेने का कारनामा किया। वहीं सुनील नारायण (2/31) ने इशान किशन और सलिल अरोड़ा को आउट करने के साथ ही आइपीएल में अपने 200 विकेट पूरे कर एक खास क्लब में शामिल हो गए। वह भुवनेश्वर कुमार और युजवेंद्रा सिंह चहल के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले तीसरे गेंदबाज बने।लक्ष्य का पीछा करने उतरी केकेआर को फिल एलेन (39) ने तेज शुरुआत दिलाई, लेकिन उनके आउट होने के बाद कप्तान रहाणे और युवा रघुवंशी (59) ने पारी को संभाला। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 84 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी कर टीम को जीत के करीब पहुंचा दिया। अंत में रिंकू सिंह ने अविजित 22 रन बनाते हुए चौका लगाकर टीम को 10 गेंद शेष रहते जीत दिला दी।

स्कोर बोर्ड

सनराइजर्स हैदराबाद: 165(19 ओवर)

	रन	गेंद	4/6
अभिषेक का. ग्रीन बो. कार्तिक	15	10	1/1
हेड का. ग्रीन बो. वरुण	61	28	9/3
इशान का. अनुकूल बो. नारायण	42	29	4/2
क्लासेन का. पावेल बो. ग्रीन	11	8	1/1
रविचंद्रन का. रहाणे बो. वरुण	4	4	1/0
अनिकेत का. रहाणे बो. वरुण	6	8	1/0
सलिल बो. नारायण	2	6	0/0
कमिंस का. एंड बो. अनुकूल	10	8	0/1
शिवांग का. अंगकृष बो. वैभव	1	2	0/0
हर्षल का. वैभव बो. कार्तिक	6	5	1/0
मलिंगा अविजित	2	6	0/0

अतिरिक्त: 5 (बा: 1, वा: 4) विकेटपतन: 1-44 (अभिषेक, 3.4), 2-105 (हेड, 8.6), 3-117 (क्लासेन, 10.4), 4-122 (रविचंद्रन, 11.3), 5-135 (अनिकेत, 13.4), 6-139 (सलिल, 15.1), 7-148 (इशान, 15.6), 8-156 (कमिंस, 16.6), 9-156 (शिवांग, 17.1). गेंदबाजी: नारायण 4-0-31-2, वैभव 3-0-25-1, कार्तिक 4-0-30-2, ग्रीन 3-0-34-1, वरुण 4-0-36-3, अनुकूल 1-0-8-1

कोलकाता नाइट राइडर्स: 169/3(18.2 ओवर)

	रन	गेंद	4/6
रहाणे का. रविचंद्रन बो. साकिब	43	36	4/1
एलन का. क्लासेन बो. कमिंस	29	13	3/2
अंगकृष का. मलिंगा बो. शिवांग	59	47	5/2
रिंकू अविजित	22	11	2/1
ग्रीन अविजित	3	3	0/0

अतिरिक्त: 13, विकेटपतन: 1-49, 2-133, 3-151, गेंदबाजी: अभिषेक 2-0-14-0, कमिंस 4-0-47-1, मलिंगा 3.2-0-42-0, शिवांग 4-0-31-1, हर्षल 2-0-17-0, साकिब 3-0-17-1

अंतिम ओवर में जीता गुजरात

गुजरात टाइटंस ने कम स्कोर वाले मुकाबले में पंजाब किंग्स को चार विकेट से हराया

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली: गुजरात टाइटंस ने अंतिम ओवर तक चले रोमांचक मुकाबले में पंजाब किंग्स को हराकर अहम जीत दर्ज की। अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में जेसन होल्डर (4/24), कैगिसो रबादा (2/22) और मोहम्मद सिराज (2/28) की तेज गेंदबाजी तिकड़ी की शानदार गेंदबाजी के दम पर गुजरात ने पहले पंजाब किंग्स को 163 रन के स्कोर पर रोका और फिर साई सुदर्शन (57) और वाशिंगटन सुंदर (40*) की संयमित पारियों के दम पर चार विकेट से मैच अपने नाम किया। गुजरात ने पावरप्ले में ही एक विकेट पर 58 रन बना लिए थे और वह आसान जीत की ओर से बढ़ रही थी, लेकिन पंजाब के गेंदबाजों ने लगातार विकेट झटककर गुजरात पर दबाव बनाया और मैच को अंतिम ओवर तक खींच कर ले गए। अंतिम ओवर में गुजरात को जीत के लिए 11 रन चाहिए थे और ऐसे में सुंदर ने मार्कस स्टोइनिस की गेंद पर छक्का लगाकर टीम को जीत दिला दी।

इस जीत के साथ ही अब गुजरात की टीम के 10 मैचों के बाद 12 अंक हो गए हैं और वह प्लेआफ की दौड़ में आ गई है। आरसीबी, सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रायल्स के भी 12-12 अंक हैं, लेकिन रनरेट में पिछड़ने के कारण गुजरात अभी पांचवें स्थान पर बनी हुई हैं। वहीं लगातार सात मैचों में अजेय रहने वाली पंजाब की यह लगातार दूसरी हार है। हालांकि वह अब भी 13 अंक के साथ पहले स्थान पर बनी हुई है।

लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात की शुरुआत अच्छी नहीं रही और कप्तान शुभमन गिल जल्दी आउट हो गए। इसके बाद सुदर्शन ने जिम्मेदारी संभाली और जोस बटलर (25) के साथ दूसरे विकेट के लिए 53 रन की साझेदारी की। बटलर ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए कुछ शानदार शाट लगाए, लेकिन वह ज्यादा देर टिक नहीं सके। सुदर्शन ने पारी को संभाले रखा और 37 गेंदों में इस सीजन का अपना तीसरा अर्धशतक पूरा किया। हालांकि, वह भी बड़ा स्कोर बनाने से पहले आउट हो गए, जिससे मुकाबला आखिरी ओवर तक पहुंच गया।

बिखर गई पंजाब की बल्लेबाजी: अब तक बल्लेबाजी इकाई के रूप में जबरदस्त प्रदर्शन करने वाली पंजाब किंग्स की टीम एकदम बिखरी नजर आई। सिराज, होल्डर और कैगिसो रबादा की धारदार गेंदबाजी ने पंजाब की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। सिराज ने पहले ही ओवर में लगातार दो गेंदों पर प्रियांश आर्य और कूपर कोनोली को आउट कर पंजाब को बैकफुट पर धकेल दिया। इसके बाद रबादा की तेज रफ्तार गेंदबाजी ने दबाव और बढ़ा दिया। प्रभसिमरन सिंह भी उनकी 152 किमी प्रति घंटे की गेंद का सामना नहीं कर सके और कैच देकर पवेलियन लौट गए। होल्डर ने अपनी सटीक लाइन-लेंथ से नेहाल वढेरा और कप्तान श्रेयस अय्यर को आउट कर पंजाब को पूरी तरह संकट में डाल दिया। इस मुश्किल परिस्थिति में सूर्यांश शेडगे ने शानदार संयम और समझदारी से बल्लेबाजी की। उन्होंने 29 गेंदों में 57 रन की बेहतरीन पारी खेली और स्टोइनिस (40) के साथ छठे विकेट के लिए 79 रन की अहम साझेदारी कर टीम को संभाला। खास तौर पर 14वें ओवर में उन्होंने मानव सुथार की गेंदबाजी पर 26 रन बटोरते हुए लगातार बड़े शाट लगाए और सिर्फ 24 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया।

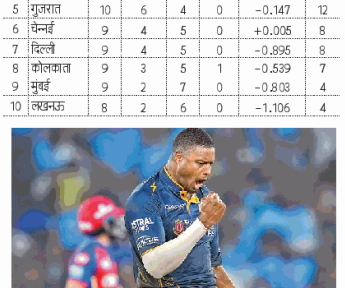

साई सुदर्शन ● एपी

अंक तालिका

	टीम	मैच	जीत	हार	रद	नेट रन रेट	अंक
1	पंजाब	9	6	2	1	+0.855	13
2	आरसीबी	9	6	3	0	+1.420	12
3	हैदराबाद	10	6	4	0	+0.644	12
4	राजस्थान	10	6	4	0	+0.510	12
5	गुजरात	10	6	4	0	-0.147	12
6	चेन्नई	9	4	5	0	+0.005	8
7	दिल्ली	9	4	5	0	-0.895	8
8	कोलकाता	9	3	5	1	-0.539	7
9	मुंबई	9	2	7	0	-0.803	4
10	लखनऊ	8	2	6	0	-1.106	4

जश्न मनाते जेसन होल्डर ● प्रेट्र

आइपीएल में 24 साल की उम्र में सर्वाधिक 50+ स्कोर

स्कोर	खिलाड़ी	पारी
24	शुभमन गिल	100
20	यशस्वी जयसवाल	76
18	साई सुदर्शन	50
16	रिषभ पंत	97
15	इशान किशन	85

स्कोर बोर्ड

पंजाब किंग्स: 163/9(20 ओवर)

	रन	गेंद	4/6
प्रियांश का. निशांत बो. सिराज	2	2	0/0
प्रभसिमरन का. मानव बो. रबादा	15	14	2/0
कोनोली का. बटलर बो. सिराज	0	1	0/0
श्रेयस बो. होल्डर	19	21	3/0
नेहाल का. बटलर बो. होल्डर	0	6	0/0
सूर्यांश का. बटलर बो. रबादा	57	29	3/5
स्टोइनिस का. वाशिंगटन बो. होल्डर	40	31	5/1
जेनसेन का. शुभमन बो. राशिद	20	11	1/1
बार्टलेट बो. होल्डर	0	1	0/0
विजय अविजित	1	3	0/0
अर्शदीप अविजित	1	1	0/0

अतिरिक्त: 8 (बा: 1, वा: 7), विकेटपतन: 1-2 (प्रियांश, 0.2), 2-2 (कोनोली, 0.3), 3-35 (प्रभसिमरन, 5.2), 4-36 (नेहाल, 6.3), 5-47 (श्रेयस, 8.4), 6-126 (सूर्यांश, 15.6), 7-141 (स्टोइनिस, 17.4), 8-141 (बार्टलेट, 17.5), 9-162 (जेनसेन, 19.5), गेंदबाजी: सिराज 4-0-28-2, रबादा 4-1-22-2, होल्डर 4-0-24-4, अरशद 3-0-29-0, राशिद 4-0-32-1, मानव 1-0-27-0

गुजरात: 167/6(19.5 ओवर)

	रन	गेंद	4/6
सुदर्शन का. बार्टलेट बो. विजय	57	41	5/1
शुभमन का. कोनोली बो. अर्शदीप	5	4	1/0
बटलर का. श्रेयस बो. विजय	26	22	1/2
निशांत का. विजय बो. स्टोइनिस	15	11	0/1
वाशिंगटन अविजित	40	23	5/1
तेवतिया का. बार्टलेट बो. जेनसेन	2	6	0/0
होल्डर का. कोनोली बो. अर्शदीप	5	7	0/0
अरशद अविजित	8	5	1/0

अतिरिक्त: 9 (लेबा: 2, वा: 7) विकेटपतन: 1-16 (शुभमन, 1.3), 2-69 (बटलर, 8.1), 3-94 (निशांत, 11.3), 4-124 (सुदर्शन, 14.5), 5-140 (तेवतिया, 16.6), 6-152 (होल्डर, 18.5), गेंदबाजी: बार्टलेट 4-0-38-0, अर्शदीप 4-0-24-2, जेनसेन 4-0-33-1, विजय 4-0-31-2, स्टोइनिस 2.5-0-26-1, चहल 1-0-13-0

मित्तल परिवार ने आरआर में खरीदी 75% हिस्सेदारी

लक्ष्मी निवास मित्तल ● फाइल फोटो

अदार पूनावाला के पास 18 प्रतिशत और मनोज बडाले सहित मौजूदा निवेशकों के पास सात प्रतिशत हिस्सेदारी रहेगी

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारतीय मूल के दिग्गज उद्योगपति और दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी स्टील व माइनिंग कंपनी आर्सेलर मित्तल के मालिक लक्ष्मी निवास मित्तल और उनके बेटे आदित्य मित्तल ने सबसे बड़ी वैक्सीन निर्माता कंपनी सीरम इंस्टीट्यूट आफ इंडिया के सीईओ अदार पूनावाला के साथ मिलकर लगभग 15,600 करोड़ रुपये (1.65 अरब डालर) की बोली लगाकर आइपीएल फ्रेंचाइजी राजस्थान रायल्स में सबसे बड़ी हिस्सेदारी हासिल कर ली है। उन्होंने काल सोमानी के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम के पीछे हटने के बाद यह सौदा किया। मित्तल परिवार के पास 75 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी। अदार के पास लगभग 18 प्रतिशत हिस्सा होगा और बाकी सात प्रतिशत हिस्सा मनोज बडाले सहित मौजूदा मंजूर निवेशकों के पास होगा।

बडाले राजस्थान रायल्स को सपोर्ट करते रहेंगे और अतीत के साथ वर्तमान के बीच एक पुल का काम करेंगे। वह क्रिकेट के अपने गहरे ज्ञान और अनुभव को फ्रेंचाइजी तक पहुंचाएंगे। आइपीएल फ्रेंचाइजी के अलावा राजस्थान रायल्स के पास एसए20 में पार्ल रायल्स और कैरिबियन प्रीमियर लीग में बारबाडोस रायल्स का भी स्वामित्व है। राजस्थान रायल्स 1.65 अरब डालर में बिकी है। यह राजस्थान रायल्स, पार्ल रायल्स और बारबाडोस रायल्स की एंटरप्राइज वैल्यू को दिखाता है। समझौते का पूरा होना आम क्लोजिंग शर्तों पर निर्भर है, जिसमें बीसीसीआइ, सीसीआइ, आइपीएल गवर्निंग काउंसिल, और दूसरे लागू रेगुलेशन अथारिटीज से मंजूरी शामिल है और इसके 2026 की तीसरी तिमाही होने की उम्मीद है। लक्ष्मी मित्तल ने कहा, मुझे क्रिकेट पसंद है और मेरा परिवार राजस्थान से है, इसलिए राजस्थान रायल्स के अलावा कोई ऐसी आइपीएल टीम नहीं है जिसका मैं हिस्सा बनना चाहूं। कई महान खिलाड़ियों ने राजस्थान रायल्स की जर्सी पहनी है। मैं इस टीम का हिस्सा बनने के लिए उत्सुक हूं, और हमारी भविष्य की सफलता पर चीयर करने के लिए पिच के किनारे सभी प्रशंसकों के साथ जुड़ने का इंतजार नहीं कर सकता। आदित्य मित्तल ने कहा, आइपीएल बहुत कम समय में सबसे बड़ी खेल लीग में से एक बन गया है और रायल्स नई प्रतिभाओं को विकसित करने के लिए जानी जाती है। यही बात मुझे बहुत अच्छी लगती है। हमने पक्का इरादा किया है कि यह विरासत जारी रहेगी। हम हल्ला बोल की विरासत को जारी रखना चाहते हैं।

लखनऊ के विरुद्ध मुंबई की कड़ी परीक्षा

मुंबई, प्रेट्र: मुंबई इंडियंस को यदि आइपीएल के प्लेआफ में जगह बनाने के लिए अगर मगर की कठिन डगर की उम्मीदें जीवंत रखनी हैं तो सबसे निचले पायदान पर काबिज लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के विरुद्ध सोमवार को होने वाले मुकाबले में उसके कप्तान हार्दिक पांड्या और सूर्यकुमार यादव को अच्छा प्रदर्शन करना होगा। पांच बार की आइपीएल विजेता मुंबई इंडियंस नौ मैचों में सिर्फ दो जीत के साथ अंक तालिका में नौवें स्थान पर है। उसकी आइपीएल प्लेआफ में जगह बनाने की उम्मीदें लगभग खत्म हो चुकी हैं। मुंबई को अगर मगर से क्वालीफाई करने की उम्मीद बनाए रखने के लिए अपने बाकी बचे सभी मैच जीतने होंगे और साथ ही अन्य टीम के परिणाम भी अपने अनुकूल रहने के लिए प्रार्थना करनी होगी। उसके प्रमुख खिलाड़ी अभी तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। मुंबई के खराब प्रदर्शन से हार्दिक की कप्तानी भी सवालों के घेरे में आ गई है। रणनीति के मामले में वह पूरी तरह नाकाम रहे हैं।

इस सत्र में एलएसजी का भी प्रदर्शन भी अच्छा नहीं रहा है। एलएसजी के कप्तान रिषभ पंत भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। उनकी टीम लगातार पांच मैच हारकर अंक तालिका में सबसे नीचे खिसक गई है। एलएसजी ने पहले मैच में हार के साथ शुरुआत करने के बाद लगातार दो जीत से वापसी की। जब उनकी टीम को अच्छा प्रदर्शन करना चाहिए था तब वह ऐसा नहीं कर पाई। उसके गेंदबाजों का प्रदर्शन शानदार रहा है लेकिन बल्लेबाजों की कमजोरी उसकी राह में रोड़ा बन रही है।

बृजभूषण के विरुद्ध यौन शोषण की शिकायतकर्ताओं में मैं भी : विनेश

- कांग्रेस विधायक एवं ओलिंपियन पहलवान ने गोंडा में होने वाली कुश्ती स्पर्धा की निष्पक्षता पर उठाए सवाल
- इंटरनेट मीडिया पर साझा किए वीडियो में बृजभूषण शरण पर लगाए गंभीर आरोप

जागरण संवाददाता, जींद: जुलाना से कांग्रेस विधायक एवं ओलिंपियन पहलवान विनेश फोगाट ने भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह पर फिर गंभीर आरोप लगाए हैं। रविवार को उन्होंने अपने विभिन्न इंटरनेट मीडिया अकाउंट पर वीडियो जारी किया। इसमें कहा कि उत्तर प्रदेश के गोंडा में 10 से 12 मई को सीनियर ओपन रैंकिंग कुश्ती टूर्नामेंट हो रहा है।

बृजभूषण शरण के विरुद्ध यौन शोषण की शिकायत करने वाली छह पीड़िताओं में वह भी शामिल हैं। उनकी गवाही कोर्ट में चल रही है। उन्होंने कहा कि गोंडा में मुकाबला लड़ना मुश्किल होगा। उन्हे नहीं लगता, वह अपना शत प्रतिशत दे पाएंगी। एक लड़की के लिए ये काफी मुश्किल होगा। साथ ही चेतावनी दी कि अगर टूर्नामेंट के दौरान उन्हें या उनकी टीम के सदस्यों के साथ कुछ भी अनहोनी होती है तो इसके लिए भारत सरकार जिम्मेदार होगी। वह 58 किग्रा भार वर्ग में गोंडा में होने वाली स्पर्धा में भाग लेंगी।

विनेश फोगाट

पीए बोले-बैठक में व्यस्त हैं

विनेश फोगाट के आरोपों पर कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण का पक्ष जानने के लिए फोन किया। उनके पीए ने काल रिसीव करते हुए कहा कि बृजभूषण शरण बैठक में व्यस्त हैं। अभी बात नहीं हो सकती।

> अगर विनेश को अपनी सुरक्षा की चिंता है तो मैं उन्हें आश्वस्त करना चाहता हूं कि मैं इसकी व्यक्तिगत गारंटी ले रहा हूं। हमारे पास यूडब्ल्यूडब्ल्यू द्वारा अनुमोदित रेफरी हैं, जो मुकाबलों का संचालन करते हैं और सभी ट्रायल मुकाबलों की रिकार्डिंग की जाती है। इसलिए पक्षपात की कोई संभावना नहीं है।
>
> -**संजय सिंह**, अध्यक्ष, भारतीय कुश्ती महासंघ

वीडियो में यह कहा: चार मिनट 22 सेकेंड के वीडियो में वह कह रही हैं कि कुछ महीनों से वह दोबारा तैयारी में जुटी हैं। वह चाहती हैं कि रेसलिंग मैट पर देश के लिए ढेर सारे मेडल जीतें और देश के तिरंगे का मान बनाए रखें। करीब एक महीना पहले रेसलिंग फेडरेशन ने गोंडा (यूपी) में कंपीटीशन की घोषणा की। जहां बृजभूषण का घर है। वहां मेहनत करने वाले हर खिलाड़ी को उसका हक मिलेगा, यह नामुमकिन है। अगर किसी के साथ कुछ गलत होता है, तो इसकी जिम्मेदारी भारत सरकार की होगी। विनेश ने कहा कि कौन रेफरी, किसके मैच में जाएगा, कौन रेफरी कितने पाइंट देगा? किसको जितवाना है, किसको हरवाना है। ये सब बृजभूषण और उसके लोगों द्वारा कंट्रोल किया जाएगा। कोई खिलाड़ियों की मदद को आगे नहीं आ रहा। ऐसा प्रतीत होता है। सभी खिलाड़ियों का वजन सही से जाएगा और उनकी मेहनत का परिणाम मैट पर निकलकर आएगा, इसमें भी शक है। तीन साल पहले पहलवानों ने यौन उत्पीड़न के विरुद्ध आवाज उठाई थी। जिसका मामला कोर्ट में लंबित है। छह महिला खिलाड़ियों ने कोर्ट में गवाही दी थी। आज कुछ मजबूरियों के कारण सबको कुछ बताना चाहती हैं। उन छह में से एक पीड़िता वे खुद हैं। बृजभूषण के घर और कालेज जाकर मुकाबला लड़ना कितना मुश्किल होगा। इसलिए उसे नहीं लगता, वहां जाकर वे अपना शत प्रतिशत दे पाएंगी। बृजभूषण स्वीकार कर चुके हैं कि उसने एक व्यक्ति की हत्या की थी। वह बस इतना चाहती हैं कि मैट पर फैसला खिलाड़ी की मेहनत के आधार पर हो, न कि किसी गुंडे-बदमाश के रसूख के दम पर।

राष्ट्रीय व्हीलचेयर क्रिकेट चैंपियनशिप का आगाज

खिलाड़ियों संग जैकी श्राफ ● आयोजक

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली: व्हीलचेयर क्रिकेट इंडिया एसोसिएशन की पांचवीं राष्ट्रीय व्हीलचेयर क्रिकेट चैंपियनशिप 2026 का आगाज शनिवार से ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स में हुआ। बालीवुड अभिनेता जैकी श्राफ ने प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। यह टूर्नामेंट तीन से 10 मई तक होगा। टूर्नामेंट में देश भर की शीर्ष टीमें रोमांचक सुपर-5 ग्रैंड फाइनल प्रारूप में प्रतिस्पर्धा करेंगी।

सिनर ने जीता मैड्रिड ओपन

मैड्रिड, एपी: दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी जानिक सिनर ने मैड्रिड ओपन के फाइनल में एलेक्जेंडर ज्वेरेव को एकतरफा अंदाज में हराकर पहली बार यह खिताब जीत लिया और लगातार पांच मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट जीतने वाले पहले खिलाड़ी बन गए।

सिनर ने रविवार को खेले गए मुकाबले में ज्वेरेव को 6-1, 6-2 से हराया और अपनी लगातार जीत का सिलसिला 23 मैचों तक पहुंचा दिया। उन्होंने इससे पहले इस साल मोंटे कार्लो, मियामी और इंडियन वेल्स में मास्टर्स 1000 खिताब जीते थे, जबकि पिछले साल पेरिस में भी उन्होंने ट्राफी अपने नाम की थी। ज्वेरेव को इन सभी टूर्नामेंटों के सेमीफाइनल में सिनर के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। ज्वेरेव ने 2018 और 2021 में मैड्रिड ओपन जीता था, जबकि 2022 में वह कार्लोस अलकराज के विरुद्ध फाइनल में उपविजेता रहे थे। वहीं, महिला वर्ग के फाइनल में शनिवार को यूक्रेन की मार्टा कोस्त्युक ने अपने करियर का अब तक का सबसे बड़ा खिताब जीतते हुए 2026 का मैड्रिड ओपन अपने नाम किया था।

विजेता ट्राफी के साथ सिनर, एएफपी

क्रिकेट और स्पोर्ट्स की अन्य खबरों के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com

दैनिक जागरण
सप्तरंग
साहित्य और संगीत का
सोमवार, 4 मई, 2026

विमर्श

हमें क्यों नहीं मिलते अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार

भारतीय साहित्य ने अनुवाद के माध्यम से वैश्विक पहचान तो बनाई है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों के मामले में स्थिति संतोषजनक नहीं है। वर्ष 1913 में रवींद्रनाथ टैगोर की बांग्ला कृति गीतांजलि को नोबेल पुरस्कार मिला था। इधर वर्ष 2022 में गीतांजलिश्री के हिंदी उपन्यास रेत समाधि को तथा 2025 में तथा बानू मुश्ताक की कन्नड़ कृति एदेया हणते को बुकर पुरस्कार मिला। अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों में भारतीय भाषाओं का साहित्य इतना पीछे क्यों है? क्या वह विश्वस्तरीय नहीं होता? इस विषय पर अपने विचारों से अवगत करा रहे हैं हिंदी जगत के दो वरिष्ठ कथाकार...

ये डगर बहुत है कठिन...

सूर्यबाला
मुंबई

हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषाओं में भी विश्व स्तरीय लेखन हो रहा है। विश्व स्तरीय लिखना और उसका विश्व स्तर तक पहुंच पाना दो अलग बातें हैं। स्पष्टतः उत्कृष्ट कृतियों को अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार तक ले जाने का सामर्थ्य रखने वाली शक्तियां उदासीन, शिथिल और निहित स्वार्थों की गिरफ्त में हैं। विचारधारात्मक रस्साकशी व गुटबंदी हर स्तर पर इतनी हावी रहती है कि सामान्य लेखक जोखिम नहीं उठा पाता।

कुछ बातें दिन के उजाले की तरह स्पष्ट हैं, जैसे हिंदी में उत्कृष्ट लेखन को प्रायः मुक्त और सही सराहना पाठकों से ही मिलती है और उनके माध्यम से देशी पुरस्कारों तक भी पहुंच पाना प्रायः कठिन होता है। यदि लेखक भाग्यशाली है और बिल्ली के भाग्य से छींका टूटा तो बात और है। अब अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए सबसे पहली शर्त कृति का नामी-गिरामी अनुवादक द्वारा उत्कृष्ट अनुवाद किया जाना है। साथ ही संबंधित पुस्तक का प्रकाशन भी अंग्रेजी के ठीक-ठाक प्रकाशन से हुआ हो। ये दोनों ही बातें तब तक संभव नहीं हैं, जब तक लेखक की पहचान प्रतिष्ठित न हो चुकी हो। ऐसी पहचान व प्रतिष्ठा दशकों साहित्य जगत के उच्चतर हलकों में उपस्थिति दर्ज कराते रहने से ही संभव है। प्रचार-प्रसार के स्तर पर सोशल मीडिया व सभी संसाधनों का धुआंधार प्रयोग तो अपनी जगह है ही। मुझे नहीं लगता इतनी सारी उपलब्धियों से लैस हुए बिना किसी लेखक का अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों की दहलीज पर दस्तक दे पाना संभव होता होगा, जिसे सोचकर ही मुझे पसीने छूटने लगते हैं।

बावजूद इसके, मेरी सर्वोपरि खुशी यही है कि पिछले वर्षों में हिंदी और कन्नड़ में हमारी दो पुस्तकें अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कारों से अलंकृत हुईं। इसका पहला ध्वन्यार्थ तो यही है कि हिंदी और भारतीय भाषाओं के लेखन की अनुगूंज अंतरराष्ट्रीय गलियारों में गंभीरता से होने लगी है। ख्यात अनुवादक अच्छे साहित्य की तलाश और चयन में रुचि ले रहे हैं, क्योंकि अनूदित कृति का बहुत सा श्रेय उनके अनुवादक को जाता है, विशेषकर वैश्विक पुरस्कारों के संदर्भ में। बस समस्या यही है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनुवाद के लिए कृतियों के चयन के लिए भी तो वे अनुवादक उन्हीं के पास जाएंगे, जो प्रायः अपनी चौहद्दियों के बाहर नहीं आ पाए हैं। हां, सिक्के का दूसरा पहलू यह भी है कि अपवादी रूप से पारदर्शी दृष्टि और मानसिकता वाले लोग भी इसी दुनिया में हैं, तभी मेरे जैसे अनेक लेखक भी यदा-कदा पुरस्कृत हो जाते हैं।

अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों के संदर्भ में प्रकाशकों की भी विशिष्ट भूमिका हो सकती है, क्योंकि वे कृति, अनुवादक और प्रकाशक के चयन के लिए अधिक सक्षम और सुविधा संपन्न होते हैं। यह उन पर निर्भर करता है कि वे ताकतवर और पहुंचे हुए लेखक का चयन करते हैं या तुलनात्मक दृष्टि से अचर्चित लेखक का!

कहा तो यह भी जाता है कि अधिकांश पुरस्कारों की चयन प्रक्रिया में राजनीति की भी भूमिका होती है, पर मुझे प्रामाणिक जानकारी नहीं है, अतः मौन रहना ही श्रेयस्कर है।

suryabala.lal@gmail.com

साम्राज्यवाद को जनपक्षधरता पसंद नहीं

असगर वजाहत
नोएडा, उत्तर प्रदेश

अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार अंतरराष्ट्रीय राजनीति या कह सकते हैं कि वैचारिक संघर्ष से बहुत प्रभावित हैं। इन पुरस्कारों की पहली शर्त यह होती है कि कृति किसी यूरोपीय या अंग्रेजी भाषा में अनूदित होनी चाहिए। सीधा अर्थ यह है कि अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार देने वाले आपकी भाषा की अवमानना कर रहे हैं। किसी लेखक को अपनी भाषा की अवमानना क्यों सहनी चाहिए?

अगला सवाल आता है विषय वस्तु का। हम सब जानते हैं कि अंग्रेजी बोलने वाले विदेशियों को भारत की एक खास छवि पसंद है। वह है भारत की गरीबी और जड़ता। भारतीय लेखक इन विषयों पर लिखते हैं, लेकिन सिर्फ पुरस्कार पाने के लिए वे गरीबी और जड़ता पर क्यों लिखें? इससे भी गंभीर बात यह है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर साहित्य को देखने का जो पैमाना बन गया है, वह साम्राज्यवाद की संस्कृति के आधार पर बना है। साम्राज्यवाद की संस्कृति साहित्य को प्रोडक्ट मानती है। वह यह सुनिश्चित करती है कि साहित्य जनपक्षधर वाली भूमिका से बाहर निकल आए। साम्राज्यवाद को साहित्य की संवेदनशील मानवीय भूमिका पसंद नहीं है, क्योंकि वह एकाधिकार करने पर आश्रित है और एकाधिकार का लोग विरोध करते हैं।

हिंदी साहित्य का मूल स्वर जनपक्षधर्मिता है। इसीलिए अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार समितियों को वह आकर्षित नहीं करता। हो सकता है उनका सोच अपने सामाजिक परिवेश के अनुकूल हो, लेकिन वह भारतीय साहित्य के अनुकूल नहीं हो सकता।

अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार न मिल पाने का एक कारण यह भी हो सकता है कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हिंदी साहित्य उपलब्ध नहीं हो पता। हिंदी के विकास और प्रचार से संबंधित संस्थाएं शिथिल हैं। यदि साहित्य अकादमी के अनुवाद कार्यक्रम को लें तो जिस गति से अनुवाद होने चाहिए, उतने नहीं हो रहे। वहीं, साहित्य अकादमी विदेशी भाषाओं से हिंदी में अनुवाद को हिंदी सेवा मानती है, लेकिन हिंदी की किसी रचना का विदेशी भाषा में अनुवाद करने को हिंदी सेवा नहीं मानती।

दूसरे देशों में अपनी भाषा का विश्व की अनेक भाषाओं में अनुवाद करने की बड़ी परियोजनाएं बनाई जाती हैं। उनके पास व्यापक रेजिडेंसी प्रोग्राम होते हैं, जहां अनुवाद का काम होता है। जबकि हिंदी साहित्य का विदेशी भाषाओं में अनुवाद अभी तक एक बड़ी समस्या बना हुआ है। यह काम या तो व्यक्तिगत स्तर पर होता है या विदेशी प्रोजेक्ट इस काम को हाथ में लेते हैं। साहित्य अकादमी की इस संबंध में कोई नीति नहीं है।

awajahat45@gmail.com

गीत

के.पी.अनमोल
रुड़की, उत्तराखंड

समय का लेखा-जोखा

टिक-टिक टिक-टिक
घड़ी समय का
रखती लेखा-जोखा।

कितने घंटे सुस्ताएगी
सेठानी दोपहरी,
कितने घंटे काम करेगी
आकर संध्या म्हरी।
कितना हिस्सा रात रहेगी
दिन हो कितना चोखा।

दिन का सूरज, रात का चंदा
अच्छा है बंटवारा,
कुछ दिन सर्दी, कुछ दिन गर्मी
फिर बारिश की धारा।
कुदरत ने सब तय कर बख्शा
सिस्टम एक अनोखा।

जंगल था यह, जहां खड़ी हैं
ईंटों की मीनारें,
धीरे-धीरे इतनी कैसे
उग आईं दीवारें?
यहां तो बहता था इक दरिया
हाय किसने सोखा!

एडिट-वेडिट करके पीछे
नदिया को है जोड़ा,
पेड़ जला था, उसे हरा कर
दिखलाया है थोड़ा।
बतला रे तकनीक हमें यह
फोटो है या धोखा?

kpanmol.rke15@gmail.com

भाषा विमर्श

डा. वुद्धिनाथ मिश्र
देहरादून, उत्तराखंड

'अज' की यात्रा : ब्रह्मा से बकरे तक!

संस्कृत के विशाल शब्द भंडार में प्रत्येक पर्याय भिन्न अर्थ देता है। अब इस अज शब्द को ही देख लीजिए...

मैथिली के एक वैवाहिक लोकगीत में दूल्हा राम का मजाक उड़ाते हुए एक सखी कहती है कि राम ऐसे मुंह चला रहे हैं, जैसे बकरा हों। दूसरी सखी टोकती है कि तुमने रामलला को बकरा कैसे कह दिया? उसका जवाब था, क्योंकि उनके पितामह अज थे और अज माने बकरा होता है। हालांकि दशरथ के पिता अज का नाम ब्रह्मा के नाम पर पड़ा था। ब्रह्मा को अज इसलिए कहते हैं कि उनका विधिवत जन्म नहीं हुआ था। वे शेषशायी भगवान विष्णु (पद्मनाभ) की नाभि से निकले कमल से उत्पन्न हुए थे। इसीलिए उनका एक नाम पद्मयोनि और एक नाम नाभिज भी है। वैसे सामान्य अवधारणा यही है कि ब्रह्मा जी ने स्वतः प्रकट होकर (स्वयंभू) अपनी सिसृक्षा (सृजन की इच्छा) से सृष्टि का क्रम आरंभ किया। चूंकि ब्रह्मा जी का जन्म नहीं हुआ था, इसलिए उनका एक नाम अज पड़ा। वैसे आत्मा को भी अज कहते हैं -अजो नित्यो शाश्वतोऽयं पुराणो।

संस्कृत के विशाल शब्द भंडार में प्रत्येक पर्याय भिन्न अर्थ देता है। पत्नी के लिए जहां एक शब्द भार्या है, यानी जिसका भरण-पोषण किया जाए, वहीं दूसरा शब्द जाया भी है, जिसका अर्थ संतानों को जन्म देने वाली होता है। 'मेघदूत' में नव विवाहिता पत्नी के लिए 'कांता' प्रयोग करने वाले कालिदास 'रघुवंश' के द्वितीय अध्याय में पुत्र की कामना से वशिष्ठ आश्रम आई राजा दिलीप की पटरानी सुदक्षिणा के लिए 'जाया' का प्रयोग करते हैं- जाया-प्रतिग्राहित-गंधमाल्याम्। हिंदी में जाया शब्द जन्म लेने की क्रिया का अर्थ देता है, जैसे- किसका जाया है यह वीर? ऐसा ही एक बड़ा सार्थक शब्द है- अजातशत्रु, जिसका अर्थ है, वह व्यक्ति, जिसका कोई शत्रु न जन्मा हो।

गीता में उत्पत्ति के अर्थ में 'जायते' क्रिया है- जन्मना जायते शूद्रः/संस्कारात् द्विज उच्यते... अर्थात जन्म से प्रत्येक व्यक्ति शूद्र होता है, संस्कारों के बाद वह द्विज बनता है। इस वैज्ञानिक तथ्य को हम धातु विज्ञान में देखते हैं। सोने की खदानों में जो स्वर्ण अयस्क मिलता है, उसमें मात्र दो-तीन प्रतिशत तक ही सोना होता है। उसे प्राप्त करने के लिए धातुकर्म की लंबी प्रक्रिया अपनानी होती है। मानव शिशु को भी शूद्र (अयस्क) से द्विज (स्वर्ण) बनाने के लिए संस्कारों की लंबी प्रक्रिया अपनाने का शास्त्रीय विधान है।

अब सवाल है कि बकरे को अज और बकरी को अजा क्यों कहा गया? इसके साथ ही यह भी कि बकरे की ही बलि क्यों दी जाती है? यहां तक कि अरब में भी कुर्बानी वाले बकरे को अजहा (ईद-उल-अजहा) ही कहा जाता है, जो संस्कृत अजः का ही रूप है। ईद भी संस्कृत की ही अद् भक्षणे धातु का अरबी रूप है। वहां भी भोजन ही अभिप्राय है। बकरे की बलि का संबंध पर्यावरणीय संतुलन और उपादेयता से बहुत अधिक है। बकरे को यदि जस का तस छोड़ दिया जाए, तो वह 'बोतू' हो जाएगा, जिसकी बदबू आसपास के लोगों का जीना हराम कर देगी। इसलिए प्रजनन कार्य के लिए गांव में एक-दो बोतू ही रखे जाते हैं। रही बात उसे अज कहने की, तो किसी भी समाज को शस्त्र-सज्ज योद्धा बनाए रखने के लिए इस प्रकार के लिए परम सहायक पशु को 'न जायते म्रियते वा कदाचित्' की भांति अजन्मा मानना शास्त्रीय आकांक्षा है। जिनकी बलि दी जाती है, वे पुनर्जन्म की ओर अग्रसर माने जाते हैं।

buddhinathji@gmail.com

पुस्तक परिचय

संस्कृति में पगे ललित निबंध

समर्पयामि के बाद डा. गरिमा संजय दुबे के दूसरे ललित निबंध संग्रह लालित्यं शरणं व्रज में भारतीय संस्कृति में रचे-बसे 21 निबंध हैं। लालित्य से परिपूर्ण ये निबंध आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी से लेकर पंडित विद्यानिवास मिश्र तक की ललित निबंधों की परंपरा को आगे बढ़ाते हैं।

प्रकाशक : शिवना प्रकाशन
मूल्य : 200 रुपये

पुस्तकें मिलीं

प्रतिनिधि कहानियां
लेखिका : डा. अंजु दुआ जैमिनी
प्रकाशक : बोधि प्रकाशन
मूल्य : 299 रुपये

पत्थर बोल उठे
(शिवाजी के 12 दुर्गों का इतिहास)
लेखिका: डा. प्रमिला वर्मा
प्रकाशक : गुफ्तगू
मूल्य : 550 रुपये

संगीतायन

विदुषी सुनंदा शर्मा
नोएडा, उत्तर प्रदेश

स्वयं में संगीत परंपरा थीं अप्पा जी

खयाल गायकी में राग रामकली, तोड़ी, केदार, भैरव और बिहाग अप्पा जी यानी विदुषी गिरिजा देवी को अत्यंत प्रिय थे, पर ठुमरी में उनकी भाव अभिव्यक्ति अद्वितीय थी। गिरिजा देवी की जन्मजयंती (8 मार्च) पर विशेष...

अप्पा जी, पद्मविभूषण गिरिजा देवी जी का जन्म एक संगीत-प्रेमी जमींदार परिवार में हुआ था। बनारस के पास सकलडीहां गांव के साधारण परिवेश में उनका लालन-पालन हुआ। उनके पिता श्री राम देवराय जी हारमोनियम बजाकर भजन और सांगीतिक पद गाया करते थे। नन्ही गिरिजा की संगीत प्रतिभा को पहचानकर वे बनारस आ बसे, जहां कबीर चौराहा में पंडित सरजू प्रसाद मिश्र जी के सान्निध्य में उनकी संगीत शिक्षा प्रारंभ हुई। बाद में गुरुगृह में ही पंडित बैजनाथ मिश्र चाचा जी से उन्होंने ठुमरी तथा पं. श्रीचंद मिश्र जी से छंद, प्रबंध, खयाल, टप्पा, तराना, धरु, गीत, गुल नक्श, बैंत और रुबाई आदि दुर्लभ शैलियों की शिक्षा प्राप्त की। ठुमरी सम्राज्ञी के रूप में विख्यात हुईं अप्पा जी केवल एक महान गायिका ही नहीं, बल्कि स्वयं एक संगीत परंपरा हैं।

जिस समय वे संगीत के क्षेत्र में आगे बढ़ रही थीं, उस समय संभ्रांत परिवारों की स्त्रियों का मंच पर गाना समाज में सम्मान की दृष्टि से नहीं देखा जाता था, किंतु अपनी एकनिष्ठ साधना, तपस्या और अद्भुत प्रतिभा से अप्पा जी ने संगीत को नई ऊंचाई प्रदान की तथा आने वाली महिला कलाकारों के लिए प्रेरणा बनीं। मैं स्वयं जब हिमाचल प्रदेश के एक छोटे से गांव से निकलकर संगीत शिक्षा के लिए बनारस में अप्पा जी के पास पहुंची, तब मैंने उनसे केवल संगीत ही नहीं सीखा, बल्कि यह प्रेरणा भी पाई कि दृढ़ निष्ठा और साधना ही जीवन का मूल मंत्र है। उनका संपूर्ण जीवन इसी सत्य का उदाहरण था।

खयाल गायकी की शास्त्रीयता को वे अत्यंत शुद्ध रीति से प्रस्तुत करती थीं। राग रामकली, तोड़ी, केदार, भैरव और बिहाग जैसे राग उनके प्रिय रहे। परंतु ठुमरी में उनकी भाव-अभिव्यक्ति अद्वितीय थी- रस के भरे तोरे नैन, आवो सावरिया तोहे गरवा लगा लूं...। राग भैरवी की इस ठुमरी को जब अप्पा जी गाती थीं, तो प्रतीत होता था मानो स्वयं राधा कृष्ण से संवाद कर रही हों।

संयोग-वियोग की ठुमरियां, होरी, बंदिश की ठुमरी, दादरा, कजरी तथा तरानों का समृद्ध संसार उनके संगीत में मिलता है। राग बिहाग के उनके एक तराने में फारसी शब्दों और आध्यात्मिक भावों का भी सुंदर समावेश दिखाई देता है। तन नादिर दानी दीम तनू ताना रे... रचना में फारसी शब्दों का प्रयोग है, जैसे- हला में के कुनद अज जाने जा गमे दूरी... अर्थात ऐ मेरे दोस्त! दुख को दूर करने के लिए व्यर्थ शोर क्यों करता है, इस संसार में जो कुछ भी होता है, वह ईश्वर की इच्छा से ही होता है।

इस प्रकार गहरे भाव और संदेश के साथ संगीत प्रस्तुत करना अप्पा जी को अत्यंत प्रिय था। मैं उनके जीवन के प्रत्येक पहलू को स्मरण कर अपनी पूज्य गुरु मां को शत-शत प्रणाम करती हूं।

sunandash@gmail.com

आज का भविष्यफल-04 मई 2026 सोमवार

पं. के.ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रह स्थिति
ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष तृतीया का राशिफल।
आज का राहुकाल : प्रातः 07 बजकर 30 मिनट से 09 बजे तक।
आज का दिशाशूल : पूर्व
कल की भद्रा : सायं 04 बजकर 13 मिनट से 05 मई को प्रातः 05 बजकर 25 मिनट तक।
विशेष : तृतीया तिथि की वृद्धि

कल 05 मई 2026 का पंचांग

कल का दिशाशूल : उत्तर
कल का पर्व एवं त्योहार : गणेश चतुर्थी व्रत
कल की भद्रा : प्रातः 05 बजकर 25 मिनट तक।
विशेष : तृतीया तिथि की वृद्धि
विक्रम संवत 2083 शके 1948 उत्तरायण, वसंत ऋतु, ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष की तृतीया तत्पश्चात चतुर्थी, ज्येष्ठा नक्षत्र तत्पश्चात मूल नक्षत्र, शिव योग तत्पश्चात सिद्ध योग, वृश्चिक में चंद्रमा तत्पश्चात धनु में।

मेष : आर्थिक सफलता मिलेगी। जीविका में सफलता मिलेगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा।
वृष : शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में चल रहा प्रयास सार्थक होगा। आर्थिक मामलों में प्रगति होगी।
मिथुन : शिक्षा प्रतियोगिता में अधिक परिश्रम करना होगा। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी।
कर्क : जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। सम्मान में वृद्धि होगी। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होगा।
सिंह : अज्ञात भय से मन अशांत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। रिश्तों में निकटता आएगी।
कन्या : जीवनसाथी का सहयोग और सान्निध्य मिलेगा। सम्मान में वृद्धि होगी। निकटता आएगी।
तुला : जीवनसाथी का सहयोग और सान्निध्य मिलेगा। मांगलिक उत्सव में हिस्सेदारी रहेगी।
वृश्चिक : आर्थिक प्रयास सार्थक होंगे, साथी का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।
धनु : जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होगा। धन सम्मान में वृद्धि होगी।
मकर : संतान या शिक्षा के कारण चिंतित रहेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
कुंभ : व्यस्तता बढ़ेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। भागदौड़ पर नियंत्रण रखें।
मीन : मांगलिक कार्य में हिस्सेदारी रहेगी। जीविका में प्रगति होगी। शासनसत्ता का सहयोग रहेगा।

वर्ग पहेली-3324

© Bird Features & Writing Agency

बाएं से दाएं:
1. अनिश्चित, नियमहीन (5)। 4. शरीर, देह (2)।5. गुस्सा दिखाना (4)।8. ताकत, शक्ति (2)। 9. दीप्ति, चमक, प्रतिबिंब (2)। 10. कसम, सौगंध (3)। 12. दरिया (2)।13. शमशेर, खड्ग, कृपाण (4)।16. विजयादशमी, दुर्गापूजा (4)।19. विदा होना (2)। 20. नियम, विधान (3)।23. जलीय अंश (2)। 24. कार्य, कर्म (2)। 25. गहमागहमी (4)। 27. विचार, नहीं (2)।28. खोज करना, जासूसी करना (2,3)।

ऊपर से नीचे:
1. आग, अग्नि (3)। 2. कम बोलने वाला (4)। 3. अंधकार, अंधेरा (2)। 4. परिवर्तित (4)। 6. फूंक, दम (2)।7. ...-तौल, मान (2)।11. भय से कांपना (5)। 12. जिसकी नाक छोटी हो (5)। 14. प्रसन्नतासूचक अव्यय (2)। 15. एक प्रसिद्ध पंजाबी कवि (2)। 17. बाल या दाढ़ी बनाने का काम (4)। 18. सीधापन, सच्चाई, सुगमता, सादापन (4)।21. निकटस्थ वस्तु का निर्देशक सर्वनाम (2)। 22. घर की मुर्गी ... बराबर (2)।24. इच्छा (3)।26. .... में 'ल' लगाएं तो अर्थ होगा चंचल (2)।

कल का हल

अ	भि	श	प्त		ड	ग	म	गा	ना
भि		कु			ल		जा		क
र	वा	न	गीं				किं	सा	न
क्षि			ति		ति	लि	या		क्श
त	न		झ	पि	त				
				स	ली	का		पा	स
अ		सा	ला	ना		हि			म
प	ना	ह				ल	ल	का	र
मा		सि		बा			प		बे
न	म	क	खा	ना		म	ट	मै	ला

सुडोकू-3324

7					3		1	
	4			8	6			7
		8	7			6	2	
		4	3			1	6	
	7			4				2
8					5			
5			8		7			3
	2	7		3		8	9	
	8			1			5	

कल का हल

8	6	1	2	5	7	9	3	4
9	5	2	4	3	6	1	8	7
4	7	3	8	9	1	2	5	6
3	1	4	6	7	2	8	9	5
2	9	7	5	8	4	3	6	1
5	8	6	3	1	9	4	7	2
1	3	8	7	2	5	6	4	9
7	4	9	1	6	3	5	2	8
6	2	5	9	4	8	7	1	3

राष्ट्रीय फलक

अब रामलला के भोग को भी शुद्धता का प्रमाणपत्र

जागरण संवाददाता, अयोध्या

- **एफएसएसएआइ की सेफ्टी आडिट टीम करेगी निरीक्षण, सीता रसोई के मानकों का होगा परीक्षण**
- **टीम की रिपोर्ट के आधार पर मिलेगा शुद्धता का प्रमाणपत्र, रसोइयों व कोठारियों का भी होगा टेस्ट**

राम मंदिर में विराजमान रामलला को अर्पित किए जाने वाले भोग का भी जल्द प्रमाणीकरण होने जा रहा है। मई के अंत या जून के प्रथम सप्ताह तक भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआइ) की सुरक्षा आडिट टीम अयोध्या आएगी। टीम रामजन्मभूमि परिसर की सीता रसोई का निरीक्षण कर भोग निर्माण में प्रयोग होने वाली सामग्री की जांच करेगी और इसे बनाने वाले रसोइयों व कोठारियों के स्वास्थ्य का परीक्षण कराकर मानकों को परखेगी। इसकी जांच रिपोर्ट के आधार पर रामलला के भोग को शुद्धता का प्रमाणपत्र यानी 'भोग' (ब्लिसफुल हाइजेनिक आफरिंग टू गाड) सौंपा जाएगा।

राम मंदिर के भूतल पर विराजमान रामलला का भव्य विग्रह। सौ. ट्रस्ट

रामलला व राम परिवार सहित रामजन्मभूमि परिसर में विराजे विभिन्न देवों को अलग-अलग समय पर अर्पित किए जाने वाले भोग प्रसाद का निर्माण परिसर में ही सीता रसोई में होता है। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से इसके लिए तीन-तीन रसोइयों व कोठारियों को नियुक्त किया गया है। इसी रसोई में तीनों पहर का भोग तैयार होता है, तो कुछ पकवानों का निर्माण परिसर से बाहर स्थित रामनिवास मंदिर में भी होता है, परंतु यह विशेष अवसरों पर ही। राम मंदिर निर्माण पूरा हो जाने के पश्चात ट्रस्ट ने परकोटे के बाहर उत्तरी दिशा में मां अन्नपूर्णा मंदिर के पास स्थायी रूप से सीता रसोई का निर्माण करा दिया है। अब इसी में भोग तैयार किया जाता है। खाद्य सुरक्षा विभाग के सहायक आयुक्त ग्रेड-दो मानिकचंद्र सिंह बताते हैं, ट्रस्ट के प्रमाणीकरण के लिए आग्रह के पश्चात ही एफएसएसएआइ की सेफ्टी आडिट टीम आ रही है। टीम के सदस्य राम मंदिर पहुंच कर सीता रसोई में भोग निर्माण की प्रक्रिया, व्यवस्था, सामग्री की गुणवत्ता, जल की शुद्धता और स्वच्छता व्यवस्था देखेंगे। भोग बनाने वाले रसोइयों व कोठारियों के स्वास्थ्य का परीक्षण कर मानकों की जांच करेंगे। टीम के रिपोर्ट सौंपने के बाद संभव है कि जून माह में ही भोग प्रमाणपत्र मिल जाए। उन्होंने बताया कि एफएसएसएआइ की यह पहल भगवान को अर्पित किए जाने वाले भोग को शुद्धता का प्रमाण सौंपना है।

शिवखोड़ी में घोड़ा, पालकी से यात्रा हुई महंगी

जुगल मंगोत्रा, जागरण, रियासी : जम्मू संभाग के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल शिवखोड़ी में घोड़ा, पिट्ठू व पालकी से यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं को अब जेब थोड़ी ढीली करनी होगी। इन तीनों से यात्रा करने का शुल्क बढ़ाया गया है। घोड़ा, पिट्ठू और पालकी मजदूरों की लंबे समय से इनका शुल्क बढ़ाने की मांग की जा रही थी। रविवार को स्थानीय विधायक कुलदीप राज दुबे ने मजदूरों के बीच पहुंचकर इस शुल्क बढ़ोतरी की घोषणा की।

विधायक ने शिवखोड़ी में भोले बाबा के दर्शन के बाद मजदूरों से सीधा संवाद कर नई दरों की घोषणा की। नई दरों के तहत अब पालकी के लिए 1450 रुपये के बजाय 2000 रुपये देने होंगे।

इसी तरह घोड़े से यात्रा करने के लिए 500 रुपये के बजाय 700 रुपये और घोड़े पर बच्चे को साथ बिठाने पर 800 रुपये तय किए गए हैं। पिट्ठू के लिए अब 310 रुपये की जगह 500 रुपये देने होंगे। इसके अलावा गाइड की फीस भी 110 रुपये से बढ़ाकर 220 रुपये की गई है।

मंगला आरती के लिए एक आधार से तीन माह तक दोबारा बुकिंग नहीं

बाबा विश्वनाथ धाम

जागरण संवाददाता, वाराणसी

- **दलालों के नेटवर्क पर अंकुश लगाने के लिए मंदिर न्यास का फैसला**
- **ब्लैक में टिकट बेचने की शिकायतों के बाद लागू हुआ नया नियम**

श्रीकाशी विश्वनाथ धाम में मंगला आरती के दर्शन को लेकर मंदिर न्यास ने बड़ा बदलाव किया है। अब एक आधार कार्ड से तीन महीने के भीतर दोबारा मंगला आरती का टिकट बुक नहीं किया जा सकेगा। इसका उद्देश्य टिकट बुकिंग में पारदर्शिता लाना और दलालों के नेटवर्क पर अंकुश लगाना है।

मंदिर न्यास के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्वभूषण मिश्र के मुताबिक, नई व्यवस्था लागू कर दी गई है। लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि कुछ दलाल अपने आधार कार्ड का इस्तेमाल कर बड़ी संख्या में टिकट बुक करा लेते थे और फिर बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को कई गुना कीमत पर बेचते थे। इस वजह से वास्तविक श्रद्धालुओं को टिकट पाने में कठिनाई होती थी और उन्हें आर्थिक शोषण का सामना करना पड़ता था। नई व्यवस्था लागू होने के बाद ऐसे दलालों के नेटवर्क पर प्रभावी रोक लगने की उम्मीद है। इससे अधिक संख्या में वास्तविक श्रद्धालुओं को सीधे और निष्पक्ष तरीके से मंगला आरती के दर्शन का अवसर मिल सकेगा। मंदिर प्रशासन ने टिकटों की संख्या भी बढ़ाई है। पहले प्रतिदिन 200 से 300 टिकट जारी किए जाते थे, जिसे बढ़ाकर 700 से 800 कर दिया गया है।

कार्बेट के बाहुबली 'विक्रम' ने कभी तोड़ा था पिंजरा, अब टूटी सांसें

जागरण संवाददाता, रामनगर : कार्बेट नेशनल पार्क में ढिकाला जोन के सबसे बुजुर्ग 21 वर्षीय बाघ विक्रम की ढेला स्थित रेस्क्यू सेंटर में हृदयाघात से मौत हो गई। भारी भरकम शरीर व कद के कारण विक्रम को बाहुबली कहा जाता था। तीन वनकर्मियों को मारने के बाद जब उसे नैनीताल स्थित चिड़ियाघर (जू) में रखा गया तो वहां भी पिंजरा तोड़ बाहर निकल आया था।

विक्रम ने 2018-19 में ढिकाला में गश्त कर रहे तीन वनकर्मियों पर हमला कर उन्हें मार डाला था। आदमखोर घोषित होने के बाद तीन मई 2019 को उसे पकड़कर कार्बेट प्रशासन ने नैनीताल चिड़ियाघर भेज दिया। शरीर से बलशाली विक्रम चिड़ियाघर में भी पिंजरा तोड़कर बाहर आ गया था। उसके उग्र स्वभाव को देख जू प्रबंधन ने कार्बेट प्रशासन से उसे वापस ले जाने को कहा। वर्ष 2021 तक कार्बेट के ढेला में रेस्क्यू सेंटर का भी निर्माण हो चुका था।

राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

सोमवार, 4 मई, 2026

आजकल

14

www.jagran.com

संगीत कलाकारों के लिए हुई ग्रैमी अवार्ड की शुरुआत

1959 में आज ही अमेरिका के लास एंजिल्स में पहली बार ग्रैमी अवार्ड का आयोजन किया गया। इसमें कुल 28 ग्रैमी अवार्ड दिए गए। अवार्ड संगीत कलाकारों को दिया जाता है। सितार वादक पंडित रविशंकर यह अवार्ड पाने वाले पहले भारतीय है। उन्हें 1968 में एलबम वेस्ट मीट्स ईस्ट के लिए अवार्ड मिला था।

चीन के छात्रों ने वर्साय संधि के खिलाफ किया विरोध प्रदर्शन

1919 में आज ही चीन के बीजिंग में लगभग 3,000 छात्रों ने वर्साय संधि के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। छात्र प्रथम विश्व युद्ध के बाद मित्र राष्ट्रों द्वारा चीन के उन हिस्सों को जापान को सौंपने से नाराज थे, जो पहले जर्मनी के कब्जे में थे। इस विरोध प्रदर्शन ने आधुनिक चीन की नींव रखी।

न्यायपालिका में महिला सशक्तीकरण की प्रतीक मानी जाती है अन्ना चांडी

भारत की पहली महिला न्यायाधीश अन्ना चांडी का जन्म 1905 में आज ही केरल में हुआ था। 1926 में पोस्ट-ग्रेजुएट डिग्री प्राप्त करने वाली वे अपने राज्य की पहली महिला बनीं। 1937 में त्रावणकोर में जिला न्यायाधीश नियुक्त की गईं। 1959 में वह केरल उच्च न्यायालय की न्यायाधीश बनीं, जो किसी भी भारतीय उच्च न्यायालय के लिए ऐतिहासिक क्षण था। उन्होंने महिलाओं के अधिकारों के लिए श्रीमती पत्रिका का संपादन भी किया। अन्ना चांडी भारतीय न्यायपालिका में महिला सशक्तीकरण की महान प्रतीक मानी जाती हैं।

30 की उम्र पार करते ही युवाओं को घेर रहीं गंभीर बीमारियां

चिंताजनक ▸ युवाओं में गलत खानपान, खराब जीवनशैली, घंटों एक जगह बैठकर काम करने व तनाव के कारण बढ़ रही परेशानी

रात में कम नींद लेने से बढ़ जाता है बीमारियों का खतरा

प्रतीकात्मक

बचाव के आसान और असरदार तरीके

सक्रिय रहें : रोजाना कम से कम 30 मिनट योग और व्यायाम जरूर करें।

भोजन पर ध्यान दें : घर का बना संतुलित भोजन करें और मीठे व जंक फूड से दूरी बनाएं।

नींद से समझौता न करें : शरीर को स्वस्थ रखने के लिए 7 से 8 घंटे की गहरी नींद जरूरी है।

चेकअप है जरूरी : साल में कम से कम एक बार अपना फुल बाडी चेकअप जरूर करवाएं।

नई दिल्ली, नेशनल डेस्क : एक समय था जब 30 से 40 साल की उम्र को जीवन का सबसे ऊर्जावान और स्वस्थ दौर माना जाता था, लेकिन आज के दौर में तस्वीर पूरी तरह बदल चुकी है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, अब यह उम्र 'रिस्क एज' बनती जा रही है। गलत खानपान, घंटों एक जगह बैठकर काम करना और बढ़ता तनाव युवाओं को अंदर ही अंदर खोखला कर रहा है। एक्सपर्ट का मानना है कि अगर समय रहते नियमित जांच शुरू कर दी जाए, तो इन समस्याओं को शुरुआती चरण में ही पकड़ा जा सकता है।

क्यों बदल रहा है सेहत का गणित? : एशियन हास्पिटल में इंटरनल मेडिसिन के एसोसिएट डायरेक्टर और प्रमुख डा. सुनील राणा बताते हैं कि 30 की उम्र पार करते ही शरीर का मेटाबालिज्म धीमा होने लगता है। इसके बावजूद हमारी जीवनशैली या तो पहले जैसी ही रहती है या और अधिक खराब हो जाती है। यही असंतुलन शरीर में बीमारियों का बीज बोता है। भारत सरकार के एक सर्वे में पाया गया कि इस उम्र से कई बीमारियां जैसे प्रीडायबिटीज, फैटी लिवर और थायरायड असंतुलन बिना किसी स्पष्ट लक्षण के धीरे-धीरे बढ़ती हैं। जब तक इनके संकेत दिखते हैं, तब तक इलाज लंबा और जटिल हो सकता है. इसलिए 30 की उम्र को स्वास्थ्य के लिहाज से बेहद अहम माना जाता है।

तेजी से बढ़ रही हैं ये बीमारियां

डायबिटीज : जो बीमारी कभी केवल बुजुर्गों तक सीमित थी, वह अब 30 के युवाओं में आम है। आजकल युवाओं में डायबिटीज का प्रभाव बढ़ रहा है। मीठा और प्रोसेस्ड फूड खाना और शारीरिक मेहनत न करना इसका सबसे बड़ा कारण है।

हाई ब्लड प्रेशर : आफिस का दबाव और तनाव ब्लड प्रेशर को बढ़ा देता है। इसे 'साइलेंट किलर' कहा जाता है क्योंकि इसके लक्षण तब पता चलते हैं जब काफी देर हो चुकी होती है।

दिल की बीमारियां : युवाओं में हार्ट अटैक के मामले बढ़ना चिंता का विषय है। धूमपान, शराब का सेवन और बढ़ा हुआ कोलेस्ट्राल दिल के लिए बड़ा खतरा बन गया है। इसके कारणों में काम का अत्यधिक दबाव, डिप्रेशन और मानसिक तनाव शामिल है।

मोटापा और फैटी लिवर : जंक फूड और दिनभर कुर्सी पर बैठे रहने से मोटापा बढ़ रहा है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, फैटी लिवर अब युवाओं में सबसे तेजी से फैलने वाली समस्या है।

मानसिक स्वास्थ्य : काम और निजी जीवन के बीच संतुलन बिगड़ने से लोग डिप्रेशन, एंग्जायटी और बर्नआउट जैसी समस्याओं का सामना कर रहे हैं।

क्या है बीमारियों की मुख्य जड़ : इन बीमारियों के पीछे कोई एक कारण नहीं, बल्कि कई छोटी-छोटी आदतें हैं। शारीरिक गतिविधि की कमी सबसे बड़ी वजह है क्योंकि बैठे रहने से शरीर की ऊर्जा खर्च नहीं होती। इसके अलावा, रात में कम नींद लेना शरीर के हार्मोन्स को असंतुलित कर देता है, जिससे बीमारियों का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। डाक्टरों का मानना है कि अगर समय रहते आदतों में सुधार किया जाए, तो इन गंभीर खतरों को टाला जा सकता है।

वाइड फील्ड टेलीस्कोप होगा हाईटेक, आसान होगी अंतरिक्ष में खोज की राह

रमेश चंद्रा • जागरण

▸ एरीज और इसरो का संयुक्त प्रयास, 2027 से शुरू होगी अंतरिक्ष कचरे व सैटेलाइट की निगरानी

नैनीताल : नैनीताल स्थित आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) अपनी 2012 में स्थापित वाइड फील्ड टेलीस्कोप को आधुनिक तकनीक से लैस करने जा रहा है। इस पहल से अंतरिक्ष में मौजूद ग्रह-नक्षत्रों, कृत्रिम उपग्रहों व अंतरिक्ष कचरे की निगरानी पहले से अधिक प्रभावी हो सकेगी। यह परियोजना इसरो के सहयोग से 'नेत्र मिशन' के तहत पूरी की जा रही है।

एरीज के विज्ञानी डा. टी.एस. कुमार के नेतृत्व में दूरबीन का आधुनिकीकरण किया जा रहा है। अपग्रेडेशन के बाद यह अत्याधुनिक आप्टिकल टेलीस्कोप के रूप में काम करेगी। वर्तमान 50 सेमी लेंस मिरर को बढ़ाकर 60 सेमी किया जाएगा, जिससे इसकी अवलोकन क्षमता में वृद्धि होगी। साथ ही इसमें नवीनतम सी-मास डिटेक्टर लगाया जाएगा, जो संवेदनशील होगा और सैकड़ों किमी प्रति घंटे की गति से गतिमान उपग्रहों को भी ट्रैक कर सकेगा। इस टेलीस्कोप की बड़ी विशेषता वाइड फील्ड व्यू होगा, जिससे आकाश के बड़े हिस्से को साथ देखा जा सकेगा। विज्ञानियों के अनुसार पृथ्वी की कक्षा में वर्तमान में लाखों की संख्या में निष्प्रयोज्य उपग्रहों का मलबा मौजूद है, जो सक्रिय सैटेलाइट्स के लिए खतरा बनता जा रहा है। ऐसे में यह अपग्रेडेड टेलीस्कोप अंतरिक्ष कचरे की पहचान व निगरानी में भूमिका निभाएगा। एरीज के निदेशक डा. मनीष नाजा के अनुसार इस परियोजना का कार्य 2026 के अंत तक पूरा किया जाएगा। इसके बाद जनवरी 2027 से यह टेलीस्कोप नियमित रूप से अंतरिक्ष की निगरानी शुरू कर देगा।

इधर-उधर

सड़क पर घूमते भेड़िये की एआइ तस्वीर कर दी पोस्ट

भेड़िया समझकर बंद कर दिए स्कूल-कालेज • इंटरनेट मीडिया

सियोल, एजेंसी : दक्षिण कोरिया में एक 40 वर्षीय व्यक्ति ने सड़क पर घूमते भेड़िये की एआइ तस्वीर आनलाइन पोस्ट कर दी, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। यह घटना आठ अप्रैल को हुई, जब नेउकगु नाम का भेड़िया डेजान चिड़ियाघर से भाग गया था। इस कारण शहर में स्कूल और कालेज बंद करने के निर्देश दिए गए। नौ दिन बाद अधिकारियों को पता चला कि यह तस्वीर एआइ द्वारा बनाई गई थी। उस व्यक्ति को 5 साल की जेल व 6,700 डालर (करीब 6.5 लाख रुपये) का जुर्माना हो सकता है।

नई स्पाइन सर्जरी से बदलेगा गंभीर विकृतियों वाले मरीजों का जीवन

▸ उच्च जोखिम वाली जटिल सर्जरी अब हुई ज्यादा सुरक्षित; सात साल में मरीजों को मिला नया जीवन

▸ एम्स की तकनीक ने एडवांस्ड स्पाइन सर्जरी के क्षेत्र में मजबूत पहचान दिलाई

एम्स में विकसित नई स्पाइन सर्जरी से ठीक हुआ युवक : सौजन्य एम्स

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) नई दिल्ली में गंभीर व जटिल रीढ़ विकृतियों से जूझ रहे मरीजों का आपरेशन करने के लिए उन्नत सर्जिकल तकनीक विकसित की है। इसने जटिल रीढ़ विकृतियों से जूझ रहे मरीजों के उपचार में नई दिशा दी है। एम्स की इस तकनीक ने विश्वस्तर पर सभी का ध्यान आकर्षित कर भारत को एडवांस्ड स्पाइन सर्जरी के क्षेत्र में मजबूत पहचान दिलाई है।

एम्स के रीढ़ शल्य चिकित्सा एवं हड्डी रोग विभाग (स्पाइन सर्जरी-आर्थोपेडिक्स) के विशेषज्ञ प्रो. डा. भावुक गर्ग के नेतृत्व में विकसित इस सर्जिकल तकनीक को चिकित्सा जगत में बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। एम्स विशेषज्ञों ने का दावा है कि इस तकनीक ने उन मरीजों को राहत दी है, जिनके लिए पहले सर्जरी अत्यधिक जोखिम भरी मानी जाती थी और उपचार के विकल्प सीमित थे।

प्रो. डा. भावुक गर्ग ने बताया कि यह तकनीक पोस्टेरियर वर्टिब्रल कालम रिसेक्शन (एक तरह की रीढ़ की सर्जरी, पीवीसीआर) का माडिफाइड फार्म है, जिसे वर्ष 2020 में एक इंटरनेशनल साइंटिफिक पब्लिकेशन में डिस्क्राइब किया गया था। इस विधि में सर्जरी के दौरान स्पाइन के कुछ पोस्टीरियर एलिमेंट्स (रीढ़ का पीछे वाला हिस्सा) को शुरुआती स्टेज में प्रिजर्व रखा जाता है, जिससे आपरेशन के दौरान स्टेबिलिटी बनी रहती है और काम्प्लिकेशन्स का रिस्क कम होता है। डा. भावुक गर्ग के अनुसार सीवियर डिफार्मिटीज (हड्डियों के जोड़ और रीढ़ की हड्डियों का बहुत ज्यादा मुड़ा होना) वाले मरीज अक्सर ट्विस्टेड स्पाइन, ब्रीदिंग डिफिकल्टी, क्रानिक पेन और सीधे खड़े न हो पाने जैसी समस्याओं के साथ अस्पताल पहुंचते हैं। पहले ऐसे मामलों में सर्जरी के दौरान न्यूरोलाजिकल या लाइफ-थ्रेटनिंग काम्प्लिकेशन्स का जोखिम अधिक रहता था। इस नई तकनीक से यह कम हुआ है। बेहतर सर्जिकल प्लानिंग और एक्सपीरियंस के कारण परिणामों में सुधार हुआ है। बताया कि अब ऐसे मरीज जो पहले सामान्य जीवन जीने में असमर्थ थे, सर्जरी के बाद स्कूल, काम और सामाजिक जीवन में सक्रिय रूप से लौट रहे हैं। दावा किया कि मरीजों और उनके परिवारों के लिए यह बदलाव लाइफ चेंजिंग साबित हो रहा है।

डाक्टरों ने कहा कि अतीत में इन सर्जरी से डर था। आज बेहतर तकनीक और अनुभव के साथ परिणामों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। जो मरीज पहले चलने या आराम से बैठने जैसी बुनियादी दैनिक गतिविधियों में संघर्ष कर रहे थे, वे अब सर्जरी के बाद स्कूल, काम और पारिवारिक जीवन में लौटने में सक्षम हैं।

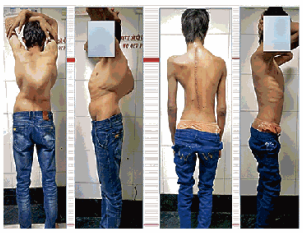

क्रानिक फटीग सिंड्रोम से पीड़ित लोग होते हैं उपेक्षा के शिकार

अनुसंधान

क्रानिक फटीग सिंड्रोम से पीड़ित 505 लोगों के स्मृति अभिलेखों के विश्लेषण से पता चला कि उनमें उपेक्षा के सामान्य लक्षण देखे गए। यह अध्ययन पीएलओएस वन पत्रिका में प्रकाशित किया गया। निष्कर्ष संस्थागत विफलताओं की ओर भी इशारा करते हैं, जिनमें स्वास्थ्य और बीमा अधिकारियों द्वारा अनदेखी और सामाजिक अलगाव शामिल हैं। मायल्जिक एन्सेफेलोमाइलाइटिस/क्रोनिक फैटीग सिंड्रोम (एमई/सीएफएस) एक गंभीर दीर्घकालिक स्थिति है, जिसमें शारीरिक परिश्रम के बाद अत्यधिक थकावट और लक्षणों का बिगड़ना देखा जाता है। साथ ही अक्सर दर्द, नींद की समस्या और बौद्धिक क्षमताओं पर असर जैसी समस्या देखी जाती है। आयोवा स्टेट यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने पीड़ित 505 लोगों के स्मृति अभिलेखों को एकत्रित किया, ताकि दुनिया भर में लाखों रोगियों के जीवन की एक झलक मिल सके। टीम को उम्मीद है कि इससे एमई/सीएफएस से पीड़ित लोगों के जीवन अनुभवों और मृत्यु को और गहराई से समझने में मदद मिलेगी। स्मृति अभिलेखों में परिवार और मित्रों के शब्दों से चार प्रमुख विषय उभर कर सामने आए, जो नेशनल क्रानिक फटीग एंड इम्यून डिसफंक्शन सिंड्रोम फाउंडेशन के स्मृति पृष्ठ पर उपलब्ध थे। ये विषय थेः व्यवस्थागत उपेक्षा और संस्थागत विफलता, नैदानिक उपेक्षा और विफलता, सामाजिक अलगाव और व्यक्तिगत बोझ। (प्रेट्र)

स्क्रीन शाट

मेल गाला में नजर नहीं आएंगी प्रियंका

वाराणसी फिल्म से हिंदी सिनेमा के दर्शकों के बीच फिर लौटेंगी प्रियंका। फाइल

पिछले कुछ वर्षों से मेट गाला में शामिल होने वाली अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा इस साल इसमें शामिल नहीं होंगी। न्यूयार्क स्थित मेट्रोपालिटन म्यूजियम आफ आर्ट कास्ट्यूम इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित यह वार्षिक समारोह फैशन की दुनिया की सबसे बड़ी रात माना जाता है। इस आयोजन का उद्देश्य कास्ट्यूम इंस्टीट्यूट के लिए धन एकत्र करना होता है। इस फंड से फैशन से जुड़ी प्रदर्शनियों, रिसर्च और संरक्षण का काम होता है। इस साल मेट गाला की थीम फैशन इज आर्ट रखी गई है। पिछले कुछ हफ्तों से उनके शामिल होने को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं, लेकिन अब पुष्टि हो गई है कि वह इस साल गाला में मौजूद नहीं रहेंगी। हालांकि, कुछ ही दिनों बाद वह एक और प्रतिष्ठित समारोह में जलवा बिखेरेंगी। दरअसल, नौ मई को लास एंजेलिस के म्यूजिक सेंटर में आयोजित गोल्ड हाउस, गोल्ड गाला में ग्लोबल वैनगार्ड सम्मान प्राप्त करेंगी। यह पुरस्कार उनके 25 साल लंबे करियर, एशिया पैसिफिक और पश्चिमी मनोरंजन उद्योगों में उनके प्रभाव और वैश्विक स्तर पर दक्षिण एशियाई प्रतिनिधित्व को मजबूत करने के प्रयासों के लिए दिया जा रहा है। यह लगातार दूसरा साल होगा जब उन्हें यह सम्मान मिलेगा। इस इवेंट की थीम ए न्यू गोल्ड वर्ल्ड है। प्रियंका ने 2017 में पहली बार मेट गाला में निक जोनस के साथ शिरकत की थी, तब दोनों की शादी नहीं हुई थी।

सात सवाल?

काम अच्छा चल रहा है, तो क्यों छोड़ूं

रितिक रोशन निर्मित सीरीज स्टार्म में अहम भूमिका में हैं सुविंदर • फिल्म टीम

धुरंधर : द रिवेंज फिल्म की सफलता का स्वाद चख रहे अभिनेता सुविंदर पाल विक्की इन दिनों अपने करियर के नए मुकाम पर हैं। हाल ही में ग्लोरी वेब सीरीज में उनका काम सराहा गया है। लंबे संघर्ष के बाद मिली पहचान को वह न केवल संजो रहे हैं, बल्कि आने वाले प्रोजेक्ट्स स्टार्म और पंजाब 95 के जरिये अपनी अलग छाप छोड़ने के लिए तैयार हैं।

• पजांब 95 फिल्म को लेकर क्या अपडेट हैं?

– सभी फिल्मों की तरह वह फिल्म भी शिद्दत से बनाई गई है। अलग विषय है, इससे लोग कनेक्ट करेंगे। मैं इसकी स्पेशल स्क्रीनिंग देख चुका हूं। बाकी फिल्म कब रिलीज हो पाएगी, इसका जवाब निर्माता ही दे पाएंगे। भरोसा है कि फिल्म लोगों को पसंद आएगी। फिल्म समाजसेवी जसवंत सिंह खालड़ा के जीवन पर आधारित है। उम्मीद है कि रिलीज का रास्ता जल्द साफ होगा।

• क्या धुरंधर : द रिवेंज की बाक्स आफिस सफलता का फायदा आपको मिला?

– जब तक मैंने अनुभव नहीं किया था, तब तक पता नहीं था कि बाक्स आफिस की सफलता क्या होती है। इतना जानता था कि वहां पैसों को लेकर बात होती है। जब करोड़ों की बात हो रही होती है, तो अच्छा तो लगता है, लेकिन फिर लगता है कि इन करोड़ों रुपये से काश कुछ हिस्सा मुझे भी मिल जाए। खैर, मेरा पात्र पसंद किया गया, उस पर मीम्स बने, उसकी खुशी है। बाकी हर कलाकार का सपना होता है कि उसको अच्छा काम मिलता रहे, मेरे साथ फिलहाल वही हो रहा है।

• इंटरनेट मीडिया के खेल को आप कितनी जल्दी समझ गए थे?

– पहले तो मैं इससे भागता था कि मुझमें प्रतिभा है, तो इस पर अपने काम का बखान क्यों करना। आज जो पहचान मिली है, उस तक पहुंचने में मुझे 20-22 साल लगे हैं। लोग मुझे पहचानते हैं, लेकिन पिछली सदी के नौवें दशक में जब काम शुरू किया था, तो सौ में से चार-पांच लोग ही पहचानते थे। आज कोई इंफ्लूएंसर सामने आ जाए, तो उसे तुरंत सौ लोग पहचान लेते हैं। मैंने यह चीजें नोटिस की हैं। फिर मुझे लगा कि इस पेशे का मुख्य हिस्सा यह भी है, इस पर ध्यान देना चाहिए। बाकी काम तो होता रहेगा, लोगों तक पहुंचाने का यह अच्छा जरिया है।

• अपने 20 सालों के करियर में पीछे मुड़कर देखते हैं, तो क्या महसूस होता है?

– मैं तो आज भी चंडीगढ़ में रहता हूं। वहीं से करियर शुरू किया था। पढ़ाई और थिएटर के दिन वहीं से हैं। कई नुक्कड़ नाटक किए हैं। महामारी के दौरान भी जागरूकता फैलाने के लिए नाटक करते थे। वह सभी जगह देखता हूं, तो अतीत में चला जाता हूं। तब लगता है कि वाकई एक बढ़िया सफर था। जहां तक स्टारडम की बात है, तो वह जेहन में कभी नहीं रहा। मुझे केवल ईमानदारी से अपना काम करना है।

• आप लगातार गंभीर भूमिकाएं कर रहे हैं, टाइपकास्ट होने का डर नहीं रहता?

– हां, मैं इस बात को लेकर जागरूक हूं, लेकिन यह भी जानता हूं कि जिसमें अच्छा काम चल रहा है, उसको छोड़ूं क्यों। इतने सालों के संघर्ष और प्रतीक्षा के बाद ऐसे पात्र मिल रहे हैं, जिसे अच्छे से निभा रहा हूं, तो उसे छोड़ना नहीं चाहिए। बतौर कलाकार अलग करने की कोशिशें हैं। आफर भी मिल रहे हैं। मुझे भी लगता है कि जिंदगी को थोड़ा हल्का-फुल्का भी महसूस किया जाना चाहिए।

• हिंदी प्रोजेक्ट में मिली स्टारडम के बाद क्या पंजाबी सिनेमा में आपको लेकर लोगों का नजरिया बदला है?

– हां, नजरिया बदला है। लोग आपस में उलझने शुरू हो गए हैं कि इस बंदे को अब तक हमने वैसा काम क्यों नहीं दिया। अब बातें होने लगी हैं कि चलो पाजी के लिए भी कुछ अलग बनाते हैं। हालांकि मेरे भीतर कोई मलाल नहीं है। पंजाबी सिनेमा से मुझे अनुभव मिला है। अगर मैं छोटे-छोटे रोल से लगातार काम नहीं कर रहा होता, तो कैमरा का अनुभव, उसके सामने काम करने का डर नहीं निकलता। मेरे लिए पंजाबी सिनेमा ने स्कूल जैसा काम किया है।

• आप रितिक रोशन की वेब सीरीज स्टार्म में काम कर रहे हैं। उनसे मुलाकात कैसी रही?

– बहुत कमाल की। मैंने उस मुलाकात की फोटो भी इंस्टाग्राम पर शेयर की है। मेरे लिए तो सपना पूरा होने जैसा था। उन्हें ग्रीक गाड कहा जाता है, वाकई में वह बेहद हैंडसम हैं। मैंने तो शूटिंग के दौरान ही शर्त रख दी थी कि मुझे उनसे जल्दी मिलवाएं। बाद में यह मत कहना कि शूटिंग खत्म हो गई, अब मिलना नहीं हो पाएगा। रितिक ने मेरे काम को सराहा भी है। उनकी आवाज में तारीफ सुनी, तो सीना गर्व से चौड़ा हो गया।

(प्रियंका सिंह)

मनोरंजन से जुड़ी अन्य खबरों के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com

... इसलिए ऐतिहासिक कहानियों में अजय देवगन की है दिलचस्पी

कई कहानियों पर काम कर रहे हैं अजय देवगन। फाइल

अभिनेता अजय देवगन कई पीरियड फिल्में भगत सिंह, तान्हा जी : द अनसंग वारियर का हिस्सा रहे हैं। ऐतिहासिक फिल्मों के प्रति आकर्षण को लेकर एक साक्षात्कार में वह कहते हैं कि यह सिर्फ आकर्षण नहीं है। यह उससे कहीं ज्यादा, एक तरह की निराशा भी है। आज की नई पीढ़ी और आने वाली पीढ़ियां जब बात करती हैं क्या आपने एवेंजर्स, सुपरमैन या स्पाइडरमैन देखी है? तो मुझे हमेशा लगता है कि ये सब शानदार हैं, लेकिन ये काल्पनिक किरदार हैं। इन्हें शक्तियां दी गई हैं। लेकिन हमारे असली नायकों ने जो बलिदान दिए हैं, उनकी बात कहां है? मुझे लगता है कि 'तान्हाजी' फिल्म भी इसी वजह से शुरू हुई थी। जब मैं स्कूल में था, तब इतिहास की किताब में तान्हाजी के बारे में बस एक छोटा-सा पैराग्राफ था। हम अपने बच्चों को क्या सिखा रहे हैं? हम उन्हें यह तो बताते हैं कि हमारे देश और लोगों ने बहुत बलिदान दिए हैं, लेकिन हम उन्हें दूसरे देशों का इतिहास और वहां के लोगों के बलिदान ज्यादा सिखा रहे हैं। जबकि हमें यह भी सिखाना चाहिए कि हमने अपनी आजादी के लिए कैसे संघर्ष किया।

राजस्थान के बाद मुंबई में होगी वेब सीरीज दहाड़ 2 की शूटिंग

फिर पुलिस अधिकारी की भूमिका में लौटेंगी सोनाक्षी। @aslisona

सोनाक्षी सिन्हा अभिनीत चर्चित वेब सीरीज दहाड़ के दूसरे सीजन की शूटिंग तेजी से हो रही है। 2023 में आए पहले सीजन की सफलता के बाद निर्माता दूसरे सीजन की कहानी, पैमाने और एक्शन तीनों को नए स्तर पर ले जाने की तैयारी हैं। शो में सोनाक्षी, गुलशन देवैया जहां अपने पहले किरदारों में नजर आएंगे। वहीं विनीत कुमार सिंह की शो में नई एंट्री होगी, जबकि निर्देशन की कमान रीमा कागती के हाथों में ही है। राजस्थान शेड्यूल पूरा करने के बाद अगला चरण मुंबई में शूट होगा। राजस्थान में कई छोटे शहरों में की गई शूटिंग का मुख्य उद्देश्य नए केस और उसके सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश को स्थापित करना था। राजस्थान शेड्यूल का फोकस कहानी की दुनिया को फिर से खड़ा करना, माहौल बनाना और जांच की शुरुआत करना था। अब जब यह आधार तैयार हो चुका है, तो टीम मुंबई के कुर्ला में एक चुनौतीपूर्ण शेड्यूल के लिए तैयार है। इस चरण में भीड़ वाले दृश्यों के साथ-साथ एक्शन सीन भी शामिल होंगे। सूत्र के मुताबिक, कई एक्शन सीक्वेंस प्लान किए गए हैं जिनमें पीछा करने के दृश्य, आमने-सामने की टकराहट, और पुलिस यूनिट से जुड़े हाई-इंटेंसिटी मोमेंट्स शामिल हैं।

बढ़ी तारा व आदित्य के बीच नजदीकियां

फिल्म ओम पर साथ काम कर रहे हैं तारा और आदित्य।

अभिनेत्री तारा सुतारिया एक बार फिर सुर्खियों में हैं। वजह उनकी फिल्म का प्रमोशन नहीं. बल्कि डेटिंग की खबरें हैं। अब उनके अभिनेता आदित्य राय कपूर के साथ डेटिंग करने की खबरें हैं। पिछले दिनों तारा के अभिनेता वीर पहाड़िया के साथ अलगाव की खबरें आई थी। खबरों के मुताबिक तारा और आदित्य के कथित रिश्ते की चर्चाएं तब शुरू हुईं, जब दोनों को कई सामाजिक समारोहों और कार्यक्रमों में साथ देखा गया। एक-दूसरे के साथ उनकी लगातार मौजूदगी ने प्रशसंकों और पैपराजी का ध्यान खींचा, जिससे उनके बीच रोमांस की अटकलें तेज हो गईं। खबरों के मुताबिक तारा और आदित्य फिल्म ओम में साथ काम कर रहे हैं। उसी दौरान दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ी। इन बढ़ती चर्चाओं के बावजूद, तारा और आदित्य दोनों ने इन अफवाहों पर चुप्पी साध रखी है। आदित्य का नाम पहले भी कई बार उनकी सह अभिनेत्रियों के साथ जोड़ा जाता रहा है। अनन्या पांडे से अलगाव के बाद आदित्य काफी समय तक सिंगल रहे। ऐसे में तारा के साथ यह नया अध्याय उनके लिए ताजी शुरुआत जैसा माना जा रहा है।

तब आयुष्मान कर लेते हैं फिल्में

पति पत्नी और वो दो में फिर कामेडी करते दिखेंगे आयुष्मान

कई बार फिल्म के ट्रेलर या टीजर से कहानी का पता नहीं चल पाता है। ऐसे में उसे लेकर सही जानकारी देना कई बार कलाकारों के लिए जरूरी हो जाता है। ऐसा ही कुछ किया अभिनेता आयुष्मान खुराना ने 15 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली अपनी फिल्म पति पत्नी और वो दो को लेकर, जिसके ट्रेलर को देखकर लग रहा था कि उसमें उनका पात्र अपनी पत्नी से बेवफाई कर रहा है। शनिवार को मुंबई में हुए फिल्म के ट्रेलर लांच पर आयुष्मान ने कहा कि मेरा पात्र पूरी तरह से ग्रीन फ्लैग (जिसमें कई खूबियां हों, जो सही काम करता हो) है। इसमें बेवफाई को बिल्कुल प्रमोट नहीं किया गया है। यह एक पारिवारिक फिल्म है। मैं खुद एक पारिवारिक व्यक्ति हूं। मैं फिल्मों में काम करते समय अपनी जिम्मेदारियों को समझता हूं कि मैं वैसी फिल्में ही करूं, जो मेरे बच्चे देख सकें। इस फिल्म के एडिट पर भी मैं अपने बच्चों को साथ लेकर गया था, उन्हें फिल्म बहुत पसंद आई। मेरे लिए वही बेंचमार्क है कि बच्चों को फिल्म अच्छी लग रही है, तो वह पारिवारिक फिल्म है। आगे आयुष्मान शादीशुदा लोगों को सलाह देते हुए कहते हैं कि अपनी बीवी से सब कुछ सच-सच बताएं, उनको अपना दोस्त बनाकर रखें। सब कुछ साझा करें। अपने पार्टनर से साथ ईमानदार रहें।